दैनिक
खबरों की विश्वसनीयता, हमारी पहचान
अर्थ प्रकाश
पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • चंडीगढ़ • दिल्ली • उत्तराखंड • बिहार • उत्तरप्रदेश • राजस्थान • छत्तीसगढ़ से प्रसारित

सुबल वाणी

हंसकर भूल जाता हूं सारी बातें, इसका यह मतलब नहीं कि दिल पर नहीं लगती।

वर्ष 40 | चंडीगढ़, शनिवार, 19 जुलाई, 2025 | श्रावण कृष्ण पक्ष: नवमी विक्रमी संवत-2082 | www.arthparkash.com | YouTube/Arth Parkash TV | अंक: 198 | मूल्य 2.00 रुपये | पृष्ठ: 12

न्यूज़ ब्रीफ

सीईटी परीक्षा की साइट खुलते ही दस लाख ने डाउनलोड किए एडमिट कार्ड

चंडीगढ़ (अप्रस)। हरियाणा में अगले सप्ताह होने वाली सीईटी की परीक्षा को लेकर कर्मचारी चयन आयोग ने बीती रात साइट पर एडमिट कार्ड अपलोड कर दिए हैं। आयोग द्वारा साइट ओपन करने के बाद पहले ही दिन प्रदेश के दस लाख युवाओं ने एडमिट कार्ड डाउनलोड कर लिए हैं। हरियाणा में 26 व 27 जुलाई को ग्रुप सी के लिए सीईटी की परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इस परीक्षा के लिए 13 लाख 48 हजार युवाओं ने आवेदन किया हुआ है। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अलावा परिवहन विभाग, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग तथा जिला प्रशासन के अधिकारी तैयारियों में जुटे हुए हैं। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा गुरुवार की रात एडमिट कार्ड डाउनलोड करने के लिए लिंक जारी किया। शुक्रवार को आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने बताया कि कल देररात यह लिंक जारी किया गया था। जिसके चलते पहले 11 घंटे में नौ लाख 14 हजार 665 अभ्यर्थियों ने अपने एडमिट कार्ड डाउनलोड किए हैं। आयोग ने दावा किया है शनिवार सुबह तक सभी अभ्यर्थी अपने एडमिट कार्ड डाउनलोड कर लेंगे। दूसरी तरफ परिवहन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार रोडवेज की तरफ अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए मुफ्त बस सफर सुविधा दी है। इस परीक्षा के लिए सरकार द्वारा 9200 बसों का प्रबंध किया गया है। विद्यार्थियों की संख्या को देखते हुए इसमें बदलाव किया जा सकता है। मुफ्त सफर के लिए पंजीकरण हेतु परिवहन विभाग की तरफ से गुरुवार को साइट ओपन की गई। जिसके चलते शुक्रवार की शाम तक नौ लाख 15 हजार युवाओं ने रोडवेज की बसों में सफर के लिए ऑनलाइन सीटें बुक की हैं। परीक्षा के लिए 1350 केंद्र बनाए गए हैं। पूर्व निर्धारित केंद्रों में 334 केंद्रों को सुरक्षा कारणों के चलते रद्द किया गया है।

पंचकूला में भाजपा संगठन की बैठक

हमारे लिए सेवा ही संगठन है, पार्टी का काम करते-करते लोगों की सेवा भी करनी है: सीएम सैनी

अर्थ प्रकाश/आदित्य शर्मा

पंचकूला, 18 जुलाई। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि हमारे लिए सेवा ही संगठन है, इसलिए पार्टी का काम करते-करते लोगों की सेवा में भी हमें अपना समय लगाना है। सीएम सैनी ने शुक्रवार को पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित किया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनने में देश में नंबर एक पर है और यह सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। बैठक में प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया और प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कार्यकर्ताओं की प्रशंसा की और कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत से केंद्र और प्रदेश में चौथी बार भी भाजपा की सरकार बनेगी। हर बूथ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनना चाहिए। उन्होंने पदाधिकारियों से कहा कि अधिक से अधिक लोगों को मन की बात कार्यक्रम से जोड़ें साथ ही बच्चों, बुजुर्गों, युवाओं के जन्म दिन बूथों पर मनाएं और एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगवाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे लोगों की भावनाएं आप लोगों के साथ जुड़ेगी।

कहा- हरियाणा 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनने में देश में नंबर एक पर

भाजपा के कार्यकर्ता के लिए पार्टी कार्य के साथ-साथ जनसेवा भी महत्वपूर्ण

कार्यकर्ता पौधारोपण के अभियान को मिशन की तरह चलाएं

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कार्यकर्ता पौधारोपण के अभियान को मिशन की तरह चलाएं। अधिक से अधिक पेड़ लगेंगे तो क्लाइमेट चेंज होगा और धीरे-धीरे वातावरण में बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि शुद्ध वातावरण के लिए पेड़ का बड़ा महत्व है। ''मन की बात'' कार्यक्रम को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात'को करोड़ों लोग हर महीने सुनते हैं। हरियाणा में भी लाखों लोग इस कार्यक्रम से जुड़ने चाहिए। सभी कार्यकर्ता शक्ति केंद्रों पर बैठकें करें और एक अच्छी योजना तैयार करें। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का मन की बात कार्यक्रम आधा घंटे का होता है। लोगों के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताएं व पार्टी तथा सरकार की योजनाओं की जानकारी भी जरूर लोगों को दें।

कार्यकर्ता सरकार के प्रहरी के रूप में काम करें: मोहन लाल बड़ौली

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम ऐतिहासिक रहा। इस बार हमें 100 प्रतिशत बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को सुनना है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की ताकत है और कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री नायब सैनी और सरकार की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि सीएम सैनी प्रदेश के विकास को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री तक लोगों की कोई भी समस्या पहुचंती है तो वे तत्परता से समाधान करते हैं। श्री बड़ौली ने भी कहा कि हमें चौथी बार केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनानी है, इसलिए सभी कार्यकर्ता सरकार के प्रहरी के रूप में काम करें। बैठक को संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने भी संबोधित किया और बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने की बात कही।

देश को जोड़ने वाला है 'मन की बात' कार्यक्रम: डा. सतीश पूनिया

भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ''मन की बात'' कार्यक्रम को देश को जोड़ने वाला कार्यक्रम कहा। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर बेहतर कार्य कर रहे हैं। सरकार और संगठन के अच्छे तालमेल और कार्यकर्ताओं की मेहनत से केंद्र और प्रदेश में चौथी बार भी भाजपा की सरकार बनेगी। डा. सतीश पूनिया ने कहा कि राजनीति में कोई काम छोटा नहीं होता। उन्होंने कहा कि हरियाणा में 20 हजार 629 बूथ है और हर बूथ पर हमें ''मन की बात'' कार्यक्रम को 100 प्रतिशत सुनना है। डा. सतीश पूनिया ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मोदी सरकार ने 11 वर्षों में देश हित में ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। हर वर्ग को ध्यान में रखकर मोदी और नायब सरकार जनहित में योजनाएं बना रही है। उन्होंने कहा कि हमें हर बूथ पर भाजपा की नीतियों व सरकार की उपलब्धियों से अधिक से अधिक लोगों को रूबरू कराना है। इस बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया, प्रदेश महामंत्री एवं मन की बात कार्यक्रम के संयोजक सुरेंद्र पूनिया, प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता, आईटी संयोजक आदित्य चावला, जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष, मन की बात कार्यक्रम के लोकसभा संयोजक, जिला संयोजक और सह संयोजक मौजूद रहे।

अहमदगढ़ और अमरगढ़ में नए तहसील कॉम्प्लेक्स के उद्घाटन समारोह में बोले सीएम भगवंत मान

नशा तस्करी के बड़े 'जरनेलों' पर कोई रहम नहीं

- कहा - खुद को अजेय समझने वालों को सलाखों के पीछे डाला
- गद्दारों को सबक सिखाने के लिए जनता से सहयोग की अपील

अर्थ प्रकाश संवाददाता

मालेरकोटला, 18 जुलाई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने नशा तस्करों को चेतावनी देते हुए कहा कि राज्य में नशे के जहर को फैलाने वालों के साथ कोई नरमी नहीं बरती जाएगी, और खुद को अजेय समझने वाले नशा तस्करी के 'जनरल' अब सलाखों के पीछे हैं। अहमदगढ़ और अमरगढ़ में नए तहसील कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे का धंधा उन लोगों की सरपरस्ती में फलता-फूलता रहा, जिन्हें जनता ने अपनी सेवा के लिए चुना था, लेकिन दुर्भाग्यवश वे ही लोग सरकारी गाड़ियों से नशा सप्लाई करते रहे। उन्होंने कहा कि इन नेताओं के पास अपने शासनकाल में असीम ताकत थी, लेकिन नशा तस्करों से मिलीभगत के चलते कोई उन्हें छूने की हिम्मत नहीं करता था। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार ने ऐसे नेताओं को जेल की सलाखों के पीछे भेजा क्योंकि उन्होंने नशे के कारोबार के माध्यम से पंजाब की युवा पीढ़ी को बर्बाद किया।

मुख्यमंत्री ने पंजाब के इन 'गद्दारों' को सबक सिखाने के लिए जनता से पूर्ण समर्थन और सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि 'युद्ध नशों विरुद्ध' की शानदार सफलता इस बात का प्रमाण है कि पंजाब की जनता इस लड़ाई में सरकार के साथ खड़ी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह मुहिम आगे भी निरंतर जारी रहेगी ताकि पंजाब को नशे की इस लानत से पूरी तरह मुक्त किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बादल-मजीठिया परिवार में सब कुछ ठीक नहीं है क्योंकि सत्ता की लड़ाई के चलते अंदरूनी झगड़े चरम पर हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और अकाली दल आपसी फूट का शिकार हैं क्योंकि इनके नेता केवल सत्ता के लिए आपस में लड़ते रहते हैं। भगवंत मान ने कहा कि सत्ता के भूखे ये नेता अब बेचैन हैं क्योंकि जनता ने 'आप' को चुना और इन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया।

आने वाले समय में कई जनकल्याणकारी निर्णय लेगी राज्य सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आने वाले समय में कई जनकल्याणकारी निर्णय लेगी जिससे सभी को लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि युवा नौकरी ढूंढने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बनें। उन्होंने ज़ोर दिया कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी से एक समृद्ध और खुशहाल पंजाब का निर्माण किया जाएगा। बेअदबी की घटनाओं को रोकने के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि सोमवार को विधानसभा में 'पंजाब धार्मिक ग्रंथों संबंधी अपराधों की रोकथाम विधेयक 2025' पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि यह एक संवेदनशील मुद्दा है जो सभी पंजाबियों को प्रभावित करता है और वर्तमान एवं आने वाली पीढ़ियों पर दूरगामी प्रभाव डालेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसे घृणित अपराधों में लिप्त लोगों के लिए सख्त सजा अत्यंत आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब संतों, गुरुओं और पैगंबरों की पवित्र भूमि है जिन्होंने प्रेम, सद्भाव और सहिष्णुता का संदेश दिया। उन्होंने अफसोस जताया कि कुछ पंजाब विरोधी ताकतें 2016 से धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी की घटनाओं को अंजाम देकर सामाजिक एकता को नष्ट करने की कोशिश कर रही हैं। भगवंत मान ने ऐसे अपराधियों को उदाहरणात्मक सजा देने के प्रति अपनी सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई। जनहित में अपनी सरकार की प्रमुख पहलों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना' की जानकारी दी और बताया कि यह देश की अपनी तरह की पहली योजना है जो हर पंजाबी परिवार को 10 लाख रुपए तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराती है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि पंजाब भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने सभी घरों को इस तरह की व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पारंपरिक राजनीतिक नेताओं ने अपने संदेहास्पद आचरण से जनता का विश्वास खो दिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब विरोधी और जनविरोधी रुख के कारण जनता ने कांग्रेस और अकाली दल को पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने कहा कि वह सौभाग्यशाली हैं कि राज्य की जनता ने भारी बहुमत से उनकी सरकार को सत्ता में लाकर अपार स्नेह और समर्थन दिया है।

मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि उनकी सरकार ने अपने साढ़े तीन वर्षों के कार्यकाल में 55,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियाँ दी हैं और पूरी भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और योग्यता को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं में विश्वास बढ़ा है और अब वे विदेश जाने की बजाय राज्य में ही सरकारी नौकरी पाने के लिए तैयारी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने खराब मौसम के बावजूद सभा में उपस्थित लोगों का आभार जताया और कहा कि यह परियोजनाएँ नागरिकों को समयबद्ध सेवाएं प्रदान कर उन्हें बहुत लाभ देंगी।

शराब घोटाला मामले में ईडी की कार्रवाई

भूपेश बघेल का बेटा चैतन्य बघेल गिरफ्तार, पांच दिन के रिमांड पर

- पूर्व सीएम बोले-मोदी-शाह ने अपने मालिक को खुश करने के लिए ईडी को भेजा

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के भिलाई में प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक यह गिरफ्तारी शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई है। ईडी ने चैतन्य बघेल को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने चैतन्य को 22 जुलाई तक ईडी की 5 दिन की रिमांड पर भेजा है। कोर्ट में भूपेश बघेल, चरणदास महंत, मोहम्मद अकबर समेत कई बड़े नेता मौजूद रहे।

इसके पहले भूपेश बघेल ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि ईडी आ गई। आज विधानसभा सत्र का अंतिम दिन है। अडाणी के लिए तमनार में काटे जा रहे पेड़ों का मुद्दा आज उठाना था। भिलाई निवास में 'साहेब' ने ईडी भेज दी है।

विधानसभा जाते वक्त भूपेश बघेल ने कहा कि पिछली बार मेरे जन्मदिन पर ईडी को भेजा गया था। इस बार मेरे बेटे के जन्मदिन पर मोदी-शाह ने अपने मालिक को खुश करने के लिए ईडी को भेजा है। भूपेश बघेल न झुकेगा और न ही डरेगा। आज विधानसभा में अडाणी का मुद्दा उठेगा, इसलिए ईडी को भेजा गया है।

यह है मामला

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है। ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है। दर्ज एफआईआर में 2 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

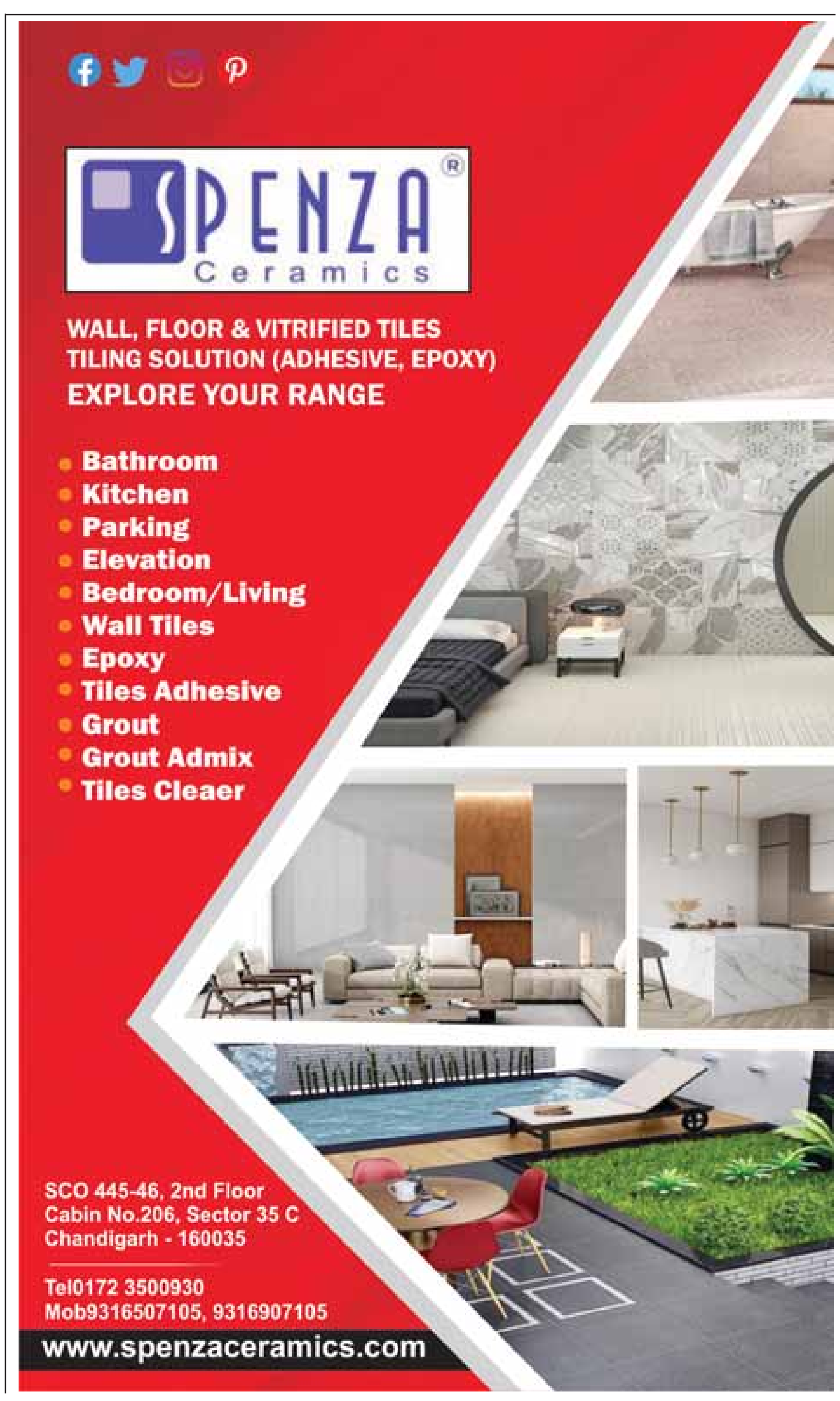

सौगात

पीएम मोदी ने दुर्गापुर में 5000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया, कहा-

घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई होगी, भाजपा किसी भी साजिश को कामयाब नहीं होने देगी, ये मोदी की गारंटी है

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

दुर्गापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में कहा कि बंगाल में टीएमसी ने अपने स्वार्थ के लिए घुसपैठ को बढ़ावा दिया। इसके लिए इकोसिस्टम बनाया जा रहा है। ये राज्य-देश और बांग्ला संस्कृति के लिए खतरा है। उन्होंने आगे कहा कि टीएमसी ने घुसपैठियों के पक्ष में नई मुहिम शुरू की। मैं साफ कहता हूं- जो भारत का नागरिक नहीं है और घुसपैठ करके आया है, उसपर संविधान के तहत कार्रवाई होकर रहेगी। बंगाल के खिलाफ साजिश को भाजपा कामयाब नहीं होने देगी, ये मोदी की गारंटी है। पीएम मोदी ने दुर्गापुर में 5000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इसमें ऑयल, गैस, बिजली, सड़क और रेल से जुड़ी कई अन्य विकास परियोजनाएं शामिल हैं। दुर्गापुर बंगाल के पश्चिम वर्धमान जिले का शहर है। राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। 2025 में मोदी की यह दूसरी पश्चिम बंगाल यात्रा है। इससे पहले उन्होंने 29 और 30 मई को अलिपुरद्वार और कूच विहार में परियोजनाओं का शिलान्यास किया था।

पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल में मुर्शिदाबाद जैसी घटना हुई है। हत्या हो जाती हो और पुलिस ने कुछ भी नहीं किया। यहां राज्य सरकार जान और दुकान की रक्षा नहीं कर सकती, तो निवेशकों को भी चिंता होती है। उन्होंने कहा कि आज बंगाल के अस्पताल भी सुरक्षित नहीं है, जब डॉक्टर बेटी के साथ अत्याचार हुआ तो टीएमसी सरकार अपराधी को बचाने में लगी रही। देश इससे उभरा ही नहीं तो एक और कॉलेज में बेटी के साथ दुर्व्यवहार हुआ। टीएमसी के नेता इसके आरोपियों को भी बचाने में लगे हैं।

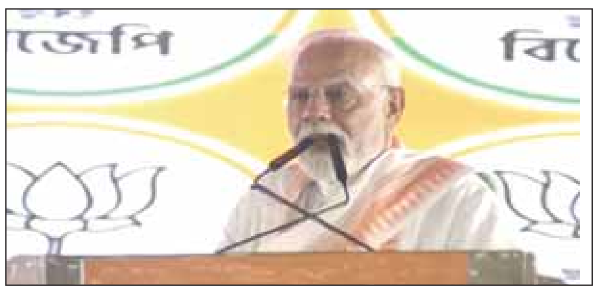

बंगाल के उद्योगपतियों ने देश के इंडस्ट्रीज की नींव रखी

पश्चिम बंगाल की धरती प्रेरणाओं से भरी पड़ी है, यह देश के पहले उद्योग मंत्री श्यामा प्रसाद की भूमि है। उन्होंने देश के इंडस्ट्रीज की नींव रखी। ये बिधान चंद्र राय जैसे उद्योग पति की नगरी है। इस भूमि पर सर विरेंद्र मुखर्जी हुए, जिनके वीजन से भारत को स्टील उद्योग की नींव मिली ऐसे लोगों ने ही बंगाल को आगे बढ़ाया है।

टीएमसी सरकार बंगाल के विकास के आगे खड़ी: टीएमसी सरकार बंगाल के विकास के आगे दीवार बनकर खड़ी है। जिस दिन टीएमसी की दीवार गिरी, तब बंगाल विकास की गति पकड़ लेगा। टीएमसी की सरकार जाएगी, तभी असली परिवर्तन आएगा। हम बंगाल में अवसर मांग रहे हैं।

बंगाल की नीति भ्रष्टाचारियों ने बनाई: पश्चिम बंगाल की नीति भी भ्रष्टाचारियों के लिए बनाई जाती है। युवाओं की शिक्षा और कौशल के साथ जो कुछ यहां हो रहा है वह चिंता बढ़ाने वाला है। युवाओं की शिक्षा और कौशल के साथ जो कुछ यहां हो रहा है वह चिंता बढ़ाने वाला है।

बंगाल में सबसे ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें चल रहीं: बंगाल में रेल कनेक्टिविटी सुधारने के लिए बहुत काम हुआ है। यह देश के उन राज्यों में से एक है जहां सबसे ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। कोलकाता मेट्रो का विस्तार हो रहा। रेलवे स्टेशनों को मॉडर्न बनाया जा रहा है। आज बंगाल को दो नए रेलवे ओवरब्रिज भी मिले हैं।

पंजाब सरकार ने बाल भिक्षावृत्ति को खत्म करने के लिए प्रोजेक्ट 'जीवनज्योत-2' शुरू किया

जीवनज्योत योजना के तहत अब तक 367 बच्चों को बचाया, 350 को उनके परिवारों को सौंपा, 183 बच्चे स्कूलों में भर्ती करवाया, 17 को बाल केंद्रों में रखा गया: डॉ बलजीत कौर

बच्चों से भीख मंगवाने और उनका शोषण करने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई, कानून में आजीवन कारावास तक का प्रावधान: बलजीत कौर

अब पंजाब में कोई भी बच्चा भीख नहीं मांगेगा, भीख मांगने को मजबूर करने वाले अभिभावकों को अनफिट घोषित किया जाएगा

'प्रोजेक्ट जीवनज्योत-2' बाल शोषण पर पूरी तरह नकेल कसेगा, मात्र दो दिनों में 18 जगहों पर छापेमारी कर 41 बच्चों को बचाया गया: डॉ. बलजीत कौर

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। मुख्यमंत्री भगवंत मान के कुशल नेतृत्व आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की सोच से प्रेरित होकर पंजाब सरकार ने 'प्रोजेक्ट जीवनज्योत-2' की शुरुआत की है। इस योजना का उद्देश्य पंजाब की धरती से बाल भिक्षावृत्ति की समस्या को जड़ से खत्म करना है। इस योजना के बारे में बताते हुए पंजाब सरकार की महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि पंजाब, जो अपने गुरुओं, संतों और योद्धाओं के लिए जाना जाता है, बाल भिक्षावृत्ति की शर्मनाक प्रथा को बेरोकटोक जारी रहने नहीं दे सकता। उन्होंने कहा, 'जब हम छोटे बच्चों को सड़कों पर भीख मांगने के लिए मजबूर होते देखते हैं, तो न केवल उनकी गरिमा को ठेस पहुंचती है, बल्कि यह हमारे समाज की सामूहिक चेतना और राज्य के सम्मान पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है।'

जीवनज्योत योजना (फेज़-1) के तहत अब तक की कार्य प्रगति

पंजाब सरकार ने सितंबर 2024 में इस मिशन की शुरुआत की थी। इसके लिए एक समर्पित बचाव दलों ने राज्य भर में भीख मांगते पाए गए बच्चों की पहचान करने और उन्हें बचाने के लिए जिला-स्तरीय समितियां बनाई थी। पिछले 9 महीनों में, विभिन्न जिलों में 753 बचाव अभियानों (छापेमारी) के माध्यम से 367 बच्चों को सफलतापूर्वक बचाया गया। इनमें से 350 बच्चों को उनके परिवारों से मिलवाया गया, जबकि 17 बच्चों जिनके माता-पिता की पहचान नहीं हो सकी, को बाल गृहों में रखा गया। बचाए गए 150 बच्चे दूसरे राज्यों के थे और उन्हें सुरक्षित उनके परिवारों के पास वापस भेज दिया गया। वहीं 183 बच्चों को स्कूलों में दाखिला दिलाया गया और 6 साल से कम उम्र के 13 बच्चों को प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों में दाखिल करवाया गया। अत्यंत गरीब परिवारों के 30 बच्चों को प्रायोजन योजना में नामांकित किया गया, जिन्हें उनकी शिक्षा निर्बाध रूप से जारी रखने के लिए 4,000 रुपये प्रति माह दिए जा रहे हैं। 16 बच्चों को राज्य की पेंशन योजना के तहत लाया गया, जिन्हें 1,500 रुपये प्रति माह दिए जा रहे हैं। मंत्री बलजीत कौर ने कहा कि आप सरकार न केवल ऐसे बच्चों को बचा रही है, बल्कि निरंतर निगरानी भी सुनिश्चित कर रही है। हर तीन महीने में जिला-स्तरीय बाल संरक्षण टीम यह सत्यापित करते हैं कि क्या ये बच्चे स्कूल जा रहे हैं या कहीं वे फिर से सड़कों पर वापस तो नहीं आ गए? मंत्री ने कहा कि इन प्रयासों के बावजूद 57 बच्चे उन स्कूलों या घरों से फिर से लापता पाए गए जहां उन्हें भेजा गया था। इससे एक चिंताजनक सवाल उठता है कि क्या ये बच्चे वास्तव में अपने परिवारों के साथ सुरक्षित हैं या वे मानव तस्करी या भीख माफियाओं के शिकार हो गए हैं?

प्रोजेक्ट जीवनज्योत-2: संगठित बाल शोषण रोकने की दिशा में सरकार का बड़ा कदम

इन चिंताओं को दूर करने के लिए पंजाब सरकार ने अब 'प्रोजेक्ट जीवनज्योत-2' के तहत अपने मिशन को और तेज कर दिया है। इस योजना के तहत, पिछले दो दिनों में विभिन्न जिलों में 18 बचाव अभियान चलाकर 41 बच्चों को बचाया गया। पंजाब सरकार ने उन संदिग्ध मामलों में डीएनए परीक्षण भी शुरू किया है जहां यह स्पष्ट नहीं है कि साथ आए वयस्क बच्चे के असली माता-पिता हैं या नहीं। मंत्री ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति अपरिचित बच्चों को भीख मांगने के लिए मजबूर करता पाया जाता है, तो कानून के तहत उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला उपायुक्त (डीसी) के आदेश पर डीएनए परीक्षण कराए जाएंगे और 15-20 दिनों की रिपोर्ट अवधि के दौरान ये बच्चे बाल गृह में सरकारी संरक्षण में रहेंगे। यदि डीएनए रिपोर्ट से पुष्टि होती है कि उसके साथ आए व्यक्ति उसके माता-पिता नहीं हैं, तो बाल तस्करी और बाल संरक्षण कानूनों के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री बलजीत कौर ने बताया कि इस मामले में बठिंडा में एक प्राथमिकी भी दर्ज की जा चुकी है, जहां भीख मांगने के लिए शोषण किए जाने के संदेह में 20 बच्चों को गांवों से बचाया गया है। डॉ. कौर ने दावा किया कि पंजाब भारत का पहला ऐसा राज्य है जिसने केंद्र सरकार के किसी निर्देश का इंतज़ार किए बिना अपने स्तर पर इस तरह के कार्यक्रम शुरू किए है। उन्होंने कहा कि 'प्रोजेक्ट जीवनज्योत-2' भिक्षावृत्ति अधिनियम, किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों एवं पंजाब राज्य बाल संरक्षण आयोग द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को एक साथ कार्यान्वित करता है। हमने सभी कानूनी प्रक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए इस योजना की शुरुआत की है। इस योजना के तहत बच्चों को भीख मांगने के लिए मजबूर करने वाले माता-पिता पर भी कार्रवाई की जाएगी। पहली बार अपराध करने पर उन्हें चेतावनी दी जाएगी, लेकिन बार-बार अपराध करने पर उन्हें 'अनफिट अभिभावक' घोषित कर दिया जाएगा। फिर उन बच्चों को सरकार अपने कब्जे में लेगी, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित रहे। यदि कोई व्यक्ति बाल तस्करी या बच्चों का शोषण करने के काम में शामिल है, तो उसे कानून के तहत 5 साल की कैद से लेकर आजीवन कारावास तक की सज़ा हो सकती है। मंत्री ने चेतावनी दी कि शारीरिक शोषण या हिंसा के मामलों में सज़ा 20 साल तक है, इसलिए ऐसे काम करने वाले लोग अपना धंधा तुरंत बंद करें, नहीं तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा। योजना के तहत हाल में बचाए गए 17 बच्चे दिव्यांग और शारीरिक शोषण के भी शिकार पाए गए। सरकार ने उन सभी बच्चों को स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान किया है ताकि स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से उनका बेहतर चिकित्सा उपचार सुनिश्चित हो सके। बलजीत कौर ने कहा कि इस मामले में सरकार का संदेश बिल्कुल साफ है कि अगर कोई पंजाब में बच्चों को भीख मांगने के लिए मजबूर करेगा तो उसे सख्त कानूनी प्रक्रिया का सामना करना पड़ेगा। पंजाब अपने बच्चों का शोषण बर्दाश्त नहीं कर सकता। हम हर बच्चे को बचाएंगे और इस प्रकिया में शामिल सभी अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करेंगे।

मुख्यमंत्री ने मलेरकोटला ज़िले के लोगों को 13 करोड़ रुपये का तोहफा दिया

अमरगढ़ और अहमदगढ़ सब-डिवीजनों में नवनिर्मित तहसील कॉम्प्लेक्स जनता को समर्पित

जनता के टैक्स का एक-एक पैसा जनकल्याण पर खर्च किया जाएगा: मुख्यमंत्री ने सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई

अर्थ प्रकाश संवाददाता

मलेरकोटला, 18 जुलाई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज अमरगढ़ और अहमदगढ़ सब-डिवीजनों में नवनिर्मित तहसील कॉम्प्लेक्स जनता को समर्पित करते हुए मलेरकोटला ज़िले के लोगों को 13 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उपहार दिया। मुख्यमंत्री ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि उनकी सरकार जनता के प्रत्येक पैसे को जनकल्याण पर खर्च करने के लिए प्रतिबद्ध है और अमरगढ़ तथा अहमदगढ़ को दिया गया यह तोहफा इसी संकल्प का हिस्सा है।

उन्होंने बताया कि अमरगढ़ में तहसील कॉम्प्लेक्स के निर्माण पर 6 करोड़ 36 लाख रुपये की लागत आई है, जबकि अहमदगढ़ में बने तहसील कॉम्प्लेक्स की इमारत पर 6 करोड़ 86 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि अमरगढ़ का तहसील कॉम्प्लेक्स 27 हजार वर्ग फुट क्षेत्र में बनाया गया है, जिसमें एस.डी.एम. कार्यालय, कोर्ट रूम, बड़ा हॉल, 26 केबिन और अन्य कार्यालय स्थापित किए गए हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अहमदगढ़ का आधुनिक सुविधाओं से युक्त नया तहसील कॉम्प्लेक्स 2.39 एकड़ क्षेत्र में तीन मंज़िलों में तैयार किया गया है। इस भवन में एस.डी.एम. कोर्ट रूम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, पटवारखाना, स्टाफ रूम, पंजीकरण काउंटर एवं अन्य विभागों के कार्यालय स्थित हैं।

दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए रैम्प और लिफ्ट जैसी सुविधाएं भी प्रदान की गई

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए रैम्प और लिफ्ट जैसी सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं, ताकि उन्हें रोजमर्रा के प्रशासनिक कार्यों के दौरान किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि हजारों लोग प्रतिदिन इन कार्यालयों में अपने कार्यों हेतु आते हैं, ऐसे में उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए इन भवनों का निर्माण किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर इन इमारतों की योजना बनाई गई है, जबकि पूर्ववर्ती सरकारों ने इस प्रकार के जनोन्मुखी कार्यों की कभी परवाह नहीं की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन नए कार्यालयों से स्टाफ को एक उचित वातावरण मिलेगा, जिससे वे बिना किसी बाधा के नागरिकों के कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कर सके।

युद्ध नशों विरुद्ध का 139वां दिन: 8.6 किलो हेरोइन सहित 125 नशा तस्कर काबू

'नशा छुड़ाने' के हिस्से के तौर पर पंजाब पुलिस ने 83 व्यक्तियों को नशा छुड़ाओ इलाज करवाने के लिए किया राज़ी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों पर राज्य में से नशों के मुकम्मल ख़ात्मे के लिए शुरु की मुहिम 'युद्ध नशों विरुद्ध' के 139वें दिन पंजाब पुलिस ने 125 नशा तस्करों को गिरफ़्तार किया और उनके कब्ज़े में से 8.6 किलोग्राम हेरोइन, 500 ग्राम अफ़ीम, 151 किलो भुक्की और 11,980 रुपए की ड्रग मनी बरामद की। इससे सिर्फ़ 139 दिनों में गिरफ़्तार किये गए कुल नशा तस्करों की संख्या 22,533 हो गई है।

यह कार्यवाही डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव के निर्देशों पर राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में एक ही समय की गई।

ज़िक्रयोग्य है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिशनरों और सीनियर पुलिस सुपरडैंट को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए कहा है। पंजाब सरकार ने नशों के विरुद्ध जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब कमेटी का गठन भी किया है।

इस सम्बन्धी विवरण सांझे करते हुये विशेष डीजीपी कानून और व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि 81 गज़टिड अधिकारियों की निगरानी अधीन 1300 से अधिक पुलिस मुलाजिमों वाली 180 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 423 स्थानों पर छापेमारी की, जिस दौरान राज्य भर में 81 एफआईआरज़ दर्ज की गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि दिन भर चले इस आपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 493 शक्की व्यक्तियों की चैकिंग भी की।

स्पैशल डीजीपी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा राज्य में से नशों के ख़ात्मे के लिए तीन-आयामी रणनीति-इनफोरसमैंट, डी-एडिकशन और प्रीवेन्शन (ईडीपी) - लागू करने से पंजाब पुलिस ने 'नशा छुड़ाने' के हिस्से के तौर पर आज 83 व्यक्तियों को नशा छुड़ाओ और पुनर्वास का इलाज करवाने के लिए राज़ी किया है।

डॉ. रवजोत सिंह ने सफाई सेवकों और सीवरमैन यूनियन से की बैठक; जायज मांगों का शीघ्र समाधान करने का भरोसा दिलाया

कहा, यूनियनों की मांगों के सार्थक समाधान के लिए संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समन्वय कर जल्द ही दोबारा होगी बैठक

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने सफाई सेवकों और सीवरमैन यूनियन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनकी जायज़ मांगों का शीघ्र समाधान निकालने का भरोसा दिलाया है। आज यहां म्युनिसिपल भवन में स्थानीय निकाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री तेजवीर सिंह और पंजाब राज्य सफाई आयोग के चेयरमैन श्री चंदन ग्रेवाल, विभिन्न यूनियनों के प्रधानों व पदाधिकारियों की उपस्थिति में हुई इस बैठक के दौरान डॉ. रवजोत सिंह ने यूनियन प्रतिनिधियों की विभिन्न मांगों को विस्तार से सुनने के बाद आश्वासन दिया कि उनकी जायज़ मांगों का जल्द ही सार्थक समाधान किया जाएगा। डॉ. रवजोत सिंह ने जोर देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार सफाई सेवकों और सीवरमैनों समेत समाज के सभी वर्गों की भलाई के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सफाई सेवकों और सीवरमैनों की जिन मांगों का संबंध विभिन्न विभागों से है, उन्हें संबंधित विभागों को भेजकर एक संयुक्त बैठक की जाए ताकि इन मांगों का प्रभावी समाधान किया जा सके।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार सफाई सेवकों और सीवरमैनों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। विभिन्न प्रतिनिधियों से बातचीत के दौरान मंत्री ने सफाई सेवकों और सीवरमैनों की प्रशंसा करते हुए उन्हें विभाग की रीढ़ की हड्डी बताया। उन्होंने राज्य सरकार के पंजाब के शहरों को कूड़ा-मुक्त बनाने के संकल्प को दोहराया और इस लक्ष्य की प्राप्ति में सफाई सेवकों और सीवरमैनों के योगदान की भरपूर सराहना की। स्थानीय निकाय मंत्री ने कहा कि कमेटी, निगम या विभागीय स्तर पर हल किए जा सकने वाले सभी जायज़ मुद्दों को शीघ्र सुलझाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जिन मांगों का संबंध राज्य सरकार या अन्य विभागों से है, उनके समाधान के लिए भी आवश्यक कार्यवाही जल्द अमल में लाई जाएगी।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आबकारी एवं कराधान विभाग की समीक्षा की, सुधार के दिए निर्देश

पटियाला डिवीजन ने जीएसटी राजस्व में 40 प्रतिशत की वृद्धि के साथ मारी बाज़ी

लुधियाना डिवीजन ने 1998.76 करोड़ रुपये के साथ सर्वाधिक जीएसटी राजस्व अर्जित किया

वित्त मंत्री ने प्रवर्तन विंगों के प्रदर्शन पर संतोष जताया, अवैध शराब पर कार्रवाई तेज करने के निर्देश

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के दौरान, पटियाला जीएसटी डिवीजन ने जीएसटी राजस्व प्राप्ति में 40 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज करते हुए पंजाब के अन्य सभी डिवीजनों से अग्रणी रही है। यह खुलासा वित्त, योजना, आबकारी एवं कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में हुई आबकारी एवं कराधान विभाग की तिमाही समीक्षा बैठक के दौरान किया गया। पटियाला डिवीजन के बाद, रोपड़ डिवीजन की विकास दर 34.97 प्रतिशत और अमृतसर डिवीजन की 30.26 प्रतिशत रही। विभाग ने अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी ढंग से नकेल कसते हुए अपने आबकारी राजस्व लक्ष्यों को भी सफलतापूर्वक पूरा किया है।

जहाँ पटियाला डिवीजन ने विकास दर में अग्रणी भूमिका निभाई, वहीं लुधियाना डिवीजन ने राज्य भर में सबसे अधिक कुल जीएसटी राजस्व दर्ज किया, जो वित्तीय वर्ष 2024-25 की इसी अवधि की तुलना में 23.89 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज करते हुए 1998.76 करोड़ रुपये रहा। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में रोपड़ डिवीजन ने 1315.66 करोड़ रुपये, अमृतसर डिवीजन ने 687.19 करोड़ रुपये और पटियाला डिवीजन ने 679 करोड़ रुपये जीएसटी राजस्व के रूप में प्राप्त किए। ये आंकड़े पिछले वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही से काफी वृद्धि दर्शाते हैं, जहाँ लुधियाना डिवीजन ने 1613 करोड़ रुपये, रोपड़ डिवीजन ने 975.53 करोड़ रुपये, अमृतसर डिवीजन ने 527.54 करोड़ रुपये और पटियाला डिवीजन ने 484.98 करोड़ रुपये जीएसटी राजस्व के रूप में प्राप्त किए थे।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले डिवीजनों में तैनात विभाग की टीमों के समर्पण और अथक प्रयासों की सराहना की और अन्य डिवीजनों को उनसे प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इन डिवीजनों के प्रभारियों, डिप्टी कमिश्नर स्टेट टैक्स, के साथ विस्तृत चर्चा की और उन क्षेत्रों का पता लगाया जहाँ उन्होंने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं, साथ ही उन पहलुओं की पहचान की जिनमें और सुधार की आवश्यकता है। बैठक के दौरान, वित्त मंत्री ने जीएसटी और वैट बकाया की स्थिति की भी समीक्षा की और विभाग के अधिकारियों को इसकी वसूली के लिए नवीन रणनीतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने चल रही जीएसटी जांच की प्रगति का भी मूल्यांकन किया, जिसमें पहली तिमाही के दौरान की गई जांचों की गिनती और निपटाए गए केस शामिल थे। उन्होंने विभाग को सभी लंबित मामलों के समय पर निपटाने के निर्देश जारी किए।

इस अवसर पर, आबकारी और कराधान दोनों विभागों के प्रवर्तन विंगों के प्रदर्शन की भी विस्तार से समीक्षा की गई। इस दौरान कर चोरी को रोकने के लिए स्टेट इंटेलिजेंस एंड प्रीवेंटिव यूनिट के प्रयासों पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त, आबकारी टीमों द्वारा अवैध शराब और अन्य राज्यों से पंजाब में शराब की तस्करी से निपटने के लिए अपनी प्रवर्तन गतिविधियों के बारे में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। वित्त मंत्री ने प्रवर्तन विंगों के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया और उन्हें अपने प्रयासों को और बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। अंत में, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने जीएसटी और वैट अपील केसों की स्थिति की समीक्षा की और मौजूदा वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के दौरान लंबित और नए शुरू किए गए मामलों का पता लगाया। उन्होंने इन सभी मामलों पर निरंतर और गंभीरता से फलो-अप कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से जहरीली शराब के कारण हुई त्रासदियों और अवैध शराब के व्यापार में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ मामलों की ठोस पैरवी करने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दोषियों को कानून के अनुसार सख्त से सख्त सजा दिलाई जा सके। उन्होंने आबकारी टीमों को यह भी निर्देश दिए कि वे अपनी प्रवर्तन गतिविधियों को दोगुना करें और यह सुनिश्चित करें कि राज्य से अवैध शराब के कारोबार का पूरी तरह से सफाया हो।

ज़ीरकपुर नगर कौंसिल ने बकाया हाउस टैक्स पर दी राहत, 31 जुलाई तक पेनल्टी और ब्याज माफ

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 18 जुलाई। नगर कौंसिल ज़ीरकपुर ने शहरवासियों, बिल्डरों और व्यावसायिक फर्मों के लिए बड़ी राहत की घोषणा की है। पंजाब सरकार द्वारा जारी नोटिफिकेशन के तहत 'वन टाइम सेटलमेंट स्कीम' के अंतर्गत हाउस टैक्स या प्रॉपर्टी टैक्स की बकाया मूल राशि यदि 31 जुलाई 2025 तक एकमुश्त जमा करवा दी जाती है, तो उस पर लगने वाली पेनल्टी और ब्याज पूरी तरह माफ कर दी जाएगी।

इस स्कीम का लाभ 31 मार्च 2025 तक के बकाया धारकों को मिलेगा। लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर कौंसिल की प्रॉपर्टी टैक्स शाखा अब 31 जुलाई तक हर शनिवार और रविवार को भी खुली रहेगी, ताकि नागरिक बिना किसी असुविधा के अपना टैक्स समय पर भर सकें।

नगर कौंसिल के कार्यकारी अधिकारी जगजीत सिंह जज ने अपील की है कि शहर के निवासी, बिल्डर और फर्में इस सुविधा का पूरा लाभ उठाते हुए अपना बकाया टैक्स जल्द से जल्द जमा करवाएं और सरकार द्वारा दी जा रही इस छूट का लाभ लें।

नगर कौंसिल द्वारा इस संदर्भ में मुनियादी के माध्यम से पूरे शहर में जानकारी लोगों तक पहुंचाने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

डॉ. पूनम गुप्ता की पुस्तक 'नन्हें कदम, बड़ी बातें' का लोकार्पण

अर्थ प्रकाश/सुधीर पाहूजा

पटियाला, 18 जुलाई। मुल्तानी मल मोदी कॉलेज, पटियाला में करतार सिंह सराभा वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक भव्य समारोह में डॉ. पूनम गुप्ता स्टेट अवार्डी लेक्चरार की बाल कविताओं पुस्तक 'नन्हें कदम, बड़ी बातें' का लोकार्पण किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि श्री सुखी बाठ संस्थापक पंजाब भवन सरी कनाडा थे। डॉ. रविंदरपाल शर्मा उप जिला शिक्षा अधिकारी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। समारोह की अध्यक्षता डॉ. नीरज गोयल प्रिंसिपल मोदी कॉलेज, पटियाला ने की।

डॉ. पूनम गुप्ता ने अपनी नव प्रकाशित पुस्तक पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक में उन्होंने पाठ्य सामग्री और सामाजिक सरोकारों पर आधारित कविताओं का संकलन किया है। उनकी यह पुस्तक उन विद्यार्थियों को समर्पित है जिनके लिए उन्होंने ये छोटी कविताएँ रची हैं। 'नन्हें कदम बड़ी बातें' पुस्तक में उन सभी विषयों को शामिल किया गया है जो आज के समय में विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए आवश्यक हैं। चाहे वह अधिक से अधिक पेड़ लगाने, पानी बचाने, बढ़ते प्रदूषण, स्वच्छता अभियान, यातायात नियमों को समझाने मज बात हो, चाहे विद्यार्थियों को व्यसनों या नकल से बचाने की हो अथवा अपनी संस्कृति और त्योहारों को मनाने की बात हो, सभी विषयों को इस पुस्तक में शामिल किया गया है। उप जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. रविंदर पाल शर्मा ने इस पुस्तक की प्रशंसा की और कहा कि यह पुस्तक विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगी।

मोदी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. नीरज गोयल ने डॉ. पूनम गुप्ता को नव प्रकाशित पुस्तक के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि डॉ. गुप्ता लंबे समय से इस कॉलेज से जुड़ी हुई हैं और कॉलेज के विभिन्न कार्यों में भाग लेती रहती हैं।

डॉ. पूनम गुप्ता को उनके शिक्षा एवं लेखन के क्षेत्र के लिए कॉलेज द्वारा कई बार सम्मानित भी किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि डॉ. पूनम गुप्ता की पहले भी तीन पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं और इन्होंने कई पुस्तकों का संपादन भी किया है। उनकी रचनाएँ विभिन्न पत्रिकाओं और समाचार पत्रों में छपती रहती हैं। उनकी एक पुस्तक 'कृष्ण चरित्रः विविध आयाम को' भाषा विभाग पंजाब की ओर से सर्वश्रेष्ठ पुस्तक का पुरस्कार भी मिला है।

डॉ. गुप्ता ने करतार सिंह सराभा वेलफेयर ट्रस्ट और उसके अध्यक्ष अक्षय कुमार खनौरी का धन्यवाद किया और उनके द्वारा आयोजित छठे पुरस्कार वितरण समारोह की सफलता पर उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर प्रमुख समाजसेवी राजीव बंसल, मनोज गोरशी डीएसपी पटियाला, पूर्व प्रिंसिपल अजीत सिंह भट्टी, डॉ. बरजिंदर सिंह सोहल, अजय कुमार गुप्ता, मॉडल टाउन स्कूल पटियाला की प्रिंसिपल श्रीमती नरेश जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बारिश के कारण मकान की छत गिरी, अंदर सो रहे बच्चे बाल-बाल बचे

अर्थ प्रकाश संवाददाता

बनूड, 18 जुलाई। बारिश के कारण आज सुबह पांच बजे के करीब वार्ड नंबर दो के अंतर्गत आते गांव बस्सी ईसे खां के एक परिवार के मकान की छत गिर गई। इस दौरान कमरे में सो रहे चार बच्चे बाल-बाल बच गए। इस सबंधित जानकारी देते हुए बाजीगर मोहल्ला निवासी राजकुमार ने बताया कि वह मेहनत-मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। उसकी तीन लड़कियां और एक लड़का है। उसने बताया कि बीती रात उसके चारों बच्चे एक कमरे में सोने चले गए। वह और उसकी पत्नी दूसरे कमरे में सो रहे थे। सुबह करीब 5 बजे बारिश के कारण बच्चों के कमरे की छत गिर गई। कमरे में सो रहे चारों बच्चे बाल-बाल बच गए, जबकि कमरे में रखा घरेलू सामान व अन्य सामान बर्बाद हो गया। पीड़ित परिवार ने राज्य सरकार से उचित मुआवजा देने की मांग की है, ताकि वह अपने परिवार के दोबारा मकान बना सकें।

गीता स्थली ज्योतिसर बनेगा विश्व का भव्य और यादगार ऐतिहासिक पर्यटन स्थल: नायब सैनी

मुख्यमंत्री ने ज्योतिसर अनुभव केन्द्र का किया निरीक्षण, पर्यटन विभाग के अधिकारियों से बारीकी से लिया फीडबैक

देश विदेश से आने वाले पर्यटकों को होंगे ज्योतिसर अनुभव केंद्र में जीवंत इतिहास के दर्शन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गीता स्थली ज्योतिसर विश्व का भव्य, यादगार और ऐतिहासिक स्थल बनेगा। इस गीता स्थली को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए सरकार की तरफ से करीब 250 करोड़ रुपये का बजट खर्च किया जा रहा है। यहां पर ज्योतिसर अनुभव केंद्र में देश- विदेश से आने वाले पर्यटकों को कुरुक्षेत्र के इतिहास के जीवंत दर्शन होंगे।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को जिला कुरुक्षेत्र में ज्योतिसर अनुभव केंद्र का दौरा कर स्वागत कक्ष, महाकाव्य सृजन कक्ष, प्राचीन महाभारत, कुरुवंशावली, गीता श्लोक, कृष्ण भूमिका, दशव अवतार सहित अन्य कक्षों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज भी उपस्थित रहे। पर्यटन विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती कला रामचंद्रन ने ज्योतिसर अनुभव केंद्र के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को ज्योतिसर अनुभव केंद्र के साथ-साथ अन्य कक्षों के छोटे-छोटे निर्माण कार्य को पूरा करने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधूरे निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए ताकि ज्योतिसर अनुभव केंद्र को पर्यटकों के लिए खोला जा सके। मुख्यमंत्री ने ज्योतिसर अनुभव केंद्र को विश्व दर्शनीय स्थल बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि तमाम विकास कार्यों को जल्द पूरा किया जाए ताकि ज्योतिसर अनुभव केन्द्र में पर्यटक महाभारत और कुरुक्षेत्र के इतिहास के दर्शन कर सकें। इसके अलावा, मुख्यमंत्री गीता ज्ञान संस्थानम में पहुंचे और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद से बातचीत की है।

इसके उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र की पावन धरा से गीता के उपदेश दिए। इस पावन धरा के इतिहास को जहन में रखते हुए सरकार की तरफ से ज्योतिसर में विकास कार्यों को तेज गति के साथ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की सांस्कृतिक विरासत को मजबूती मिली है। इस देश की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए सरकार की तरफ से ज्योतिसर में महाभारत थीम पर आधारित प्रोजेक्ट पर करीब 250 करोड़ रुपए का बजट खर्च किया जा रहा है। इस ज्योतिसर गीता स्थली को विश्व का सबसे दर्शनीय ऐतिहासिक स्थल बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने एक प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से कुरुक्षेत्र आगमन के लिए आग्रह किया है, अगर प्रधानमंत्री इस आग्रह को स्वीकार करते हैं तो कुरुक्षेत्र के लिए ऐतिहासिक क्षण होगा। उन्होंने कहा कि कल्पना चावला तारामंडल को पुनः पर्यटकों के लिए जल्द खोलने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए जाएंगे। इस पावन धरा से दुनिया को पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों से कर्म करने का संदेश मिल रहा है।

पूर्व राज्य मंत्री श्री सुभाष सुधा, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती, पर्यटन विभाग के निदेशक डॉ. शालीन, उपायुक्त नेहा सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश में जंगल राज, सरकार हाथ पर हाथ रखकर बैठी: रामपाल माजरा

इनेलो राष्ट्रीय अध्यक्ष को धमकी देने के मामले में सीएम और राज्यपाल से मिलेंगे

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 18 जुलाई। इनेलो के प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने कहा कि प्रदेश में जंगल राज है, लॉ एंड आर्डर का दिवालिया पिट गया है। आए दिन प्रदेश में हत्या, डकैती और फिरौती मांगना आम बात हो गई है। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला के परिवार को भी जान से मारने की धमकी दी है। रामपाल माजरा अपने निवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इनेलो नेता स्व. नफे सिंह राठी को भी धमकी मिली थी, इसके बाद नफे सिंह राठी ने सरकार को लिखित में मांग पत्र देकर सिक्योरिटी देने की मांग की थी, उन्हें सिक्योरिटी नहीं दी गई और उनकी हत्या हो गई है। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला को धमकी दी, उन्हें भी नफे सिंह राठी जैसा हस्र करने की बात कही है। अभय सिंह चौटाला को भी सरकार ने सिक्योरिटी नहीं दी थी। हाइकोर्ट के माध्यम से वाई श्रेणी की सिक्योरिटी मिली हुई है। इसके और मजबूत करने की जरुरत है। परिवार को भी सिक्योरिटी मिलनी चाहिए। धमकी के बाद चंडीगढ़ पुलिस और हरियाणा सरकार को शिकायत की है, बावजूद इसके कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इनेलो का कोई पदाधिकारी या कार्यकर्ता किसी धमकी से नहीं डरता, लेकिन प्रदेश का आम जन मानस का क्या हाल होगा, जिन्हें आए दिन जान से मारने की धमकी मिल रही है। आम लोगों को व्यापारियों को धमकी दी जा रही है।

प्रदेश में सरकार नाम की कोई चीज नहीं

माजरा ने कहा कि प्रदेश में सरकार नाम की चीज नहीं है। बदमाशों ने सरेआम धमकी देकर शराब के ठेकों की बोली देने वालों को जान से मारने की धमकी दी, दो ठेकेदारों को जान से भी मार दिया। प्रदेश में रोज फिरौती मांगी जा रही है। सीएम मंचों से हंसी ठिठोली करते नजर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीएम साहब हंसी ठिठौली का समय नहीं है, आम जनमानस की सुरक्षा होनी चाहिए। इस मामले को लेकर जल्द ही प्रदेश के सीएम ओर राज्यपाल से मिलेंगे।

सरकार तीज त्यौहारों का भी नहीं रख रही है ध्यान

सरकार ने तीज पर सीईटी की परीक्षा का आयोजन कर रही है। तीज का हरियाणा में बहुत बड़ा महत्व है। प्रदेश के युवा तीज मनाने की बजाए पेपर देने जाएंगे। युवाओं को सेंटर भी दूर के जिलों में बनाए गए है। कैथल के युवाओं का सेंटर पंचकूला और चंडीगढ़ में दिया है। यह बेरोजगार युवाओं से खिलवाड़ है। लड़कियों को भी ज्यादा दूरी पर पेपर देने के लिए जाना पड़ेगा।

न्यूज ब्रीफ

छात्राओं को किया गुड-टच,बैड टच के प्रति जागरूक

हांसी (अप्रस/दिनकर गावड़ी)। पुलिस अधीक्षक हांसी अमित यशवर्धन के दिशा-निर्देशानुसार महिला पुलिस जागरूकता टीम ने एक्ता पब्लिक स्कूल की छात्र-छात्राओं व स्टाफ को साइबर क्राइम,गुड टच,बैड टच व ट्रैफिक नियमो के प्रति जागरुक किया।महिला थाना प्रबन्धक इंस्पेक्टर सरोज ने एक्ता पब्लिक स्कूल में पहुंचकर छात्राओ को सेल्फ डिफेंस, नशा मुक्ति, डायल 112 के बारे मे जानकारी देकर जागरूक किया। स्कूल में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओ व स्टाफ मेंबर को डायल 112 ऐप का उचित प्रयोग करने के बारे में कहा गया ताकि मुसीबत के समय पुलिस की सहायता प्राप्त की जा सके तथा लड़कियां किसी भी तरह की आफत या परेशानी के समय घबराएं नही बल्कि साहस, धैर्य व आत्मविश्वास के साथ मुसीबतों का सामना करे। जीवन बड़ा कीमती है इसको स्वस्थ व सुरक्षित रखें।उन्होने छात्राओं को आत्म रक्षा के तौर तरीके भी सिखाए व शारीरिक/ मानसिक तोर पर मजबूत होने के बारे में सलाह दी।उन्होने कहा कि एक पढ़ी-लिखी नारी अपने अधिकारों को जानती है और वह किसी भी प्रकार के शोषण के विरुद्ध अपनी आवाज उठाने में समर्थ होती है। इसलिए आवश्यक है कि प्रत्येक बच्चे को अपने अधिकारों का ज्ञान होना चाहिए ताकि वह इस समाज की बुराइयों से लड़ सके और अपने हक के लिए आवाज उठा सके। टीम ने बताया कि महिला तथा बच्चों की सुरक्षा के लिए पुलिस द्वारा 1091 तथा 1098 नंबर जारी किया गया है। इस अवसर पर छात्राओं के अलावा स्टाफ भी उपस्थित रहा।

विद्यालयों में गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित

कुरुक्षेत्र (अप्रस/अर्पण वधवा)। भारत विकास परिषद कुरुक्षेत्र शाखा द्वारा अपने अति प्रतिष्ठित कार्यक्रम 'गुरु वंदन छात्र अभिनंदन' का आयोजन शहर के विभिन्न विद्यालयों में बहुत ही शानदार ढंग से किया जिनमें राजकीय माध्यमिक विद्यालय घरारसी , सेंट थॉमस कॉन्वेंट स्कूल सेक्टर 9 , गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, श्रीमद् भगवद गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रेलवे रोड, गीता निकेतन विद्यालय मोहन नगर एवं सहारा कंप्रिहेंसिव स्कूल अमीन रोड में प्रमुखता से इन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । इन विद्यालयों में मुख्य वक्ता के रूप में विजयंत बिंदल, डॉ हरि प्रकाश , दिनेश सिंघल , हरविंदर बंसल, अतुल गोयल, सुशील सूद एवं बलबीर सिंह ने कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य, गुरु की महिमा तथा भारत विकास परिषद द्वारा किए जाने वाले कार्यों के बारे में विस्तार से बताया । इन सभी वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को समझाया कि किस प्रकार प्राचीन काल से गुरुओं की महिमा जानकार एवं गुरुओं का वंदन करके छात्रों ने अपने-अपने क्षेत्र में सफलता अर्जित की । भारत विकास परिषद कुरुक्षेत्र शाखा अध्यक्ष विजयंत बिंदल ने इस संपूर्ण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक करने के लिए भारत विकास परिषद कुरुक्षेत्र के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई दी एवं उनका आभार प्रकट किया । शाखा अध्यक्ष द्वारा विभिन्न विद्यालयों का भी इस कार्यक्रम में योगदान करने के लिए धन्यवाद किया।

डॉ. हरि प्रकाश गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के प्रबंधन बोर्ड में कुलाधिपति प्रतिनिधि के रूप में हुए नियुक्त

कुरुक्षेत्र (अप्रस/अमित)। इंदिरा गांधी नेशनल कॉलेज, लाडवा (कुरुक्षेत्र) से सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. हरि प्रकाश शर्मा को गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के कुलाधिपति एस. के. आर्य द्वारा विश्वविद्यालय के प्रबंधन बोर्ड में अपने प्रतिनिधि के रूप में नामित किया गया है। यह नियुक्ति विश्वविद्यालय प्रशासन एवं नीति-निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णयों में भागीदारी के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। डॉ. शर्मा की शैक्षिक पृष्ठभूमि, प्रबंधन क्षमता और मूल्य-आधारित शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। डॉ. हरि प्रकाश शर्मा शिक्षा क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का अनुभव रखते हैं। वे न केवल एक विद्वान शिक्षाविद् के रूप में, बल्कि एक कुशल प्रशासक, लेखक और प्रेरक वक्ता के रूप में भी अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके हैं। प्राचार्य के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता, नैतिक मूल्यों और अनुशासन को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा की एक संस्था और शिक्षा जगत के प्रति मेरी जिम्मेदारी है। मैं इस दायित्व का निर्वहन पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ करने का संकल्प लेता हूँ। उन्होंने कहा कि वे गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय की गौरवशाली परंपराओं, वैदिक शिक्षा पद्धति और सांस्कृतिक मूल्यों को सहेजने एवं बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। साथ ही, संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता, नैतिकता एवं नवाचार की दिशा में कार्य करते हुए उसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक प्रतिष्ठा दिलाने का प्रयास करेंगे।

जय मां दुर्गा जय श्री महाकाल ट्रस्ट ने किया शिव शक्ति महायज्ञ और शिव महापुराण कथा का शुभारंभ

अर्थ प्रकाश/अमित

कुरुक्षेत्र, 18 जुलाई। जय मां दुर्गा जय श्री महाकाल ट्रस्ट द्वारा श्रावण माह के उपलक्ष्य में जनकल्याणार्थ शिव शक्ति महायज्ञ एवं शिव महापुराण कथा का शुभारंभ किया गया।

कालेश्वर महादेव मंदिर के समीप मां बाला सुंदरी त्रिपुरेश्वरी श्री दुर्गा देवी यज्ञशाला मंदिर में शिव शक्ति महायज्ञ शुरू हुआ। जिसमें मुख्य यजमान पीठाधीश प. राजेश मौदगिल सहित गोपाल शास्त्री, सर्वेश कुमार पांडे, शिव प्रकाश सैनी, मनजीत सैनी, कृत सैनी, भीम सिंह, मनोज गुप्ता, रवि राणा, रक्षित और हर्षित आदि शामिल हुए। इस अनुष्ठान में सुबह 6 से 7-30 बजे सर्वदेव पूजन,9 से 11 बजे दुर्गा सप्तशती हवन, 11 से 2 बजे रुद्र महायज्ञ और बुधवार 23 जुलाई तक दोपहर बाद 3 से सांय 7 बजे तक शिवमहापुराण कथा चलेगी। शिव महापुराण कथा से पूर्व शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें मुख्य यजमान सहित सभी भक्त जन भजन गाते चले। यह अनुष्ठान गुरुवार 24 जुलाई को पूर्णाहुति और भंडारे के साथ सम्पन्न होगा। कालेश्वर महादेव मंदिर सभागार में शिवमहापुराण कथा का महत्व बताते हुए कथावाचक प. विकास कौशिक ने कहा कि शिव महापुराण कथा को श्रवण करना अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। खासकर सावन के महीने में। इसमें भगवान शिव की जीवन,लीलाओं और शिक्षाओं का वर्णन है। जिससे भक्तों को मोक्ष और सांसारिक सुखों की प्राप्ति होती है। शिव महापुराण सुनने से पापों से मुक्ति मिलती है और शिव लोक में स्थान प्राप्त होता है। साथ ही यह व्यक्ति के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति लाती है।

हरियाणा की पूर्व मंत्री एवं विधायक सावित्री जिंदल ने जारी किया डाक टिकट

कुरुक्षेत्र (अप्रस)। श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत कार्यकारिणी सदस्य एवं पोस्टल डिवीजन कुरुक्षेत्र के पोस्टल फॉर्म के सदस्य विनोद गर्ग ने बताया कि देश की सबसे अमीर महिला, कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल की माता, हरियाणा सरकार की पूर्व मंत्री व हिसार की विधायक सावित्री जिंदल ने डाक टिकट जारी किया। डाक टिकट जारी करने के समय विनोद गर्ग उनके साथ मौजूद रहे। गर्ग ने बताया कि स्मारक डाक टिकट प्रस्ताव भारत के किसी भी नागरिक द्वारा किया जा सकता है। पूर्व मंत्री एवं विधायक सावित्री जिंदल द्वारा डाक टिकट जारी करने के समय विनोद गर्ग के साथ नवीन बंसल पंचकूला, यशोदित बंसल, गौरव सिंगला, अभिषेक गर्ग एवं शिवांग गर्ग इत्यादि भी मौजूद रहे।

सड़क हादसे में ड्राइवर की मौत, लोहे का ग्रिल सीने में घुसा

अर्थ प्रकाश/मनदीप कुमार

समालखा, 18 जुलाई। नेशनल हाईवे 44 दिल्ली रोड पर दोपहर बाद तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला।जहां पानीपत से दिल्ली की ओर जा रही महिंद्रा पिकअप गाड़ी तेज गति के कारण अनियंत्रित होकर नेशनल हाइवे पर लगी लोहे की ग्रिल को तोड़ते हुए सर्विस पर पहुंच गई । तेज गति के कारण हाईवे पर लगी ग्रिल टूट कर गाड़ी के बोनट को तोड़ते हुए चालक के सीने में अंदर घुस गई।

जिसकी सुचना ट्रेफिक पुलिस को दीं गई। ट्रेफिक पुलिस नें मौके पर पहुंच कर तत्परता दिखाते हुए आरी से पाइप को कटवा कर बिना देरी किए एम्बुलेंस से चालक को हॉस्पिटल भिजवा दिया। जहां डॉक्टर ने प्रारंभिक जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों से फोन पर बात हुई तो उन्होंने जानकारी देते बताया कि पिकअप गाड़ी चालक राधेश्याम हेल्पर पंकज को साथ लेकर दिल्ली से गाड़ी में दवाई भरकर लुधियाना उतारने के लिए गया था। शुक्रवार को गाड़ी खाली कर वापस घर लौट रहा था। वहीं हाइवे ट्रैफिक इंचार्ज कुलदीप कादियान नें जानकारी देते हुए बताया कि मृतक दिल्ली का रहने वाला था जिसका नाम राधेश्याम उम्र करीब 28 साल वर्ष थी। चालक राधेश्याम पानीपत से वापस दिल्ली अपने घर जा रहा था। रास्ते में हलदाना बॉर्डर के समीप तेज रफ्तार पिकअप रोड साइड में लगे लोहे के ग्रिल से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि लोहे की ग्रिल गाड़ी को चीरते हुए चालक के सीने में जा घुसी। जिसको तत्परता से अस्पताल भिजवाया गया जहां डॉक्टर नें उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक का शव कब्जे में लेकर पानीपत पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। हादसे की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई। परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमार्टम करा कर उनके सुपुर्द कर दिया जाएगा।

किसानों ने कृषि विभाग के कार्यालय के बाहर किया जोरदार प्रदर्शन

जिला कृषि अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर किसानों को समझाया व खाद वितरित करवाई

अर्थ प्रकाश/मोहित पौलस्त्य

पिहोवा, 18 जूलाई। यूरिया खाद को लेकर किसानों ने कृषि विभाग कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे किसानों ने डीडीए व जिला कृषि अधिकारी के सामने अपनी समस्याएं रखीं और विफलताओं के लिए उन्हें जमकर खरी-खोटी सुनाई। किसानों का कहना था कि विभाग ने एक ट्रक खाद भेजने का वादा किया था, लेकिन बीते दिन लिखित में वायदा करने के बावजूद भी कृषि विभाग के अधिकारियों ने खाद की गाड़ी नहीं भेजी। जिस कारण किसान भड़क गए और अधिकारियों की वायदा खिलाफी पर एतराज जताते हुए प्रदर्शन किया। किसान नेता प्रवक्ता प्रिंस वडैच ने बताया कि किसानो ने सुबह ही कृषि विभाग के दफ्तर का घेराव कर लिया। जिसकी भनक लगते ही डीएसपी पिहोवा पुलिस बल के साथ किसानो के बीच पहुंचे।किसानो ने डीडीए व एसडीओ को खूब खरी खोटी सुनाई और कानून के अनुसार खाद पैक्स में भेजने की मांग की। किसानों ने कालाबाजारी करने वाले विक्रेताओं पर करवाई करने के लिए शिकायत भी दी। डीडीए ने गलती स्वीकार करते हुए दो ट्रक खाद मंगवाकर किसानों में वितरण शुरू करवाया। इतना ही नहीं डीडीए ने मौके पर ही पेस्टीसाइड विक्रेताओं की एक आपात बैठक बुलाई और खाद की जमाखोरी करने वालों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने यह भी वादा किया कि कल से आने वाले रैक की पूरी खाद सरकारी सहकारी समितियों (पैक्स) के माध्यम से पारदर्शी ढंग से किसानों को वितरित की जाएगी। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि आगे भी खाद या अन्य कृषि इनपुट की आपूर्ति में कोताही बरती गई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। इस मौके पर प्रिंस वडैच ,विनोद दण्ड्यान, मनीष मलिक, कवलजीत विर्क, गुरलाल असमानपुर, सुखविंदर मुकीमपुरा, दिलबाग मलिक सहित सैंकड़ो की संख्या में किसान मौजूद थे।

सरस्वती तीर्थ व शहीदी स्मारक पर किया पौधारोपण

पिहोवा (अप्रस/मोहित पौलस्त्य)। एनआरआई गरीब सिंह काली व डीएसपी निर्मल सिंह ने सरस्वती तीर्थ और शहीदी स्मारक पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया । इस अवसर पर गरीब सिंह काली ने लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी सुरक्षा का संकल्प लेने के लिए जागरूक किया। उन्होंने कहा कि पौधे न सिर्फ पर्यावरण संतुलन के लिए ज़रूरी हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए साफ़ और स्वच्छ वातावरण भी सुनिश्चित करते हैं। डीएसपी निर्मल सिंह ने भी युवाओं को पौधारोपण के प्रति प्रोत्साहित किया और बताया कि ग्रीनरी बढ़ाने से क्षेत्र की सुंदरता के साथ-साथ शहीदों की यादें भी संजोई जा सकती हैं। पौधारोपण के इस विशेष कार्यक्रम में स्थानीय लोग, विद्यार्थी और कई स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्य भी शामिल हुए। सभी ने मिलकर भविष्य में लगाए गए पौधों की देखभाल करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रधान विनोद प्रजापति ,सोनू प्रजापति, फॉरेस्ट विभाग से आरएफओ वीरेंद्र सिंह, सोहनलाल धर्म सिंह बलजिंदर मौसम , ईश्वर, सुल्तान बबलू ठाकुर आदि मौजूद रहे।

भाजपा केवल प्रचार में व्यस्त, जनता महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से परेशान: रामचंद्र गुर्जर

अर्थ प्रकाश/कृष्ण प्रजापति

ढांड, 18 जुलाई। पुंडरी हलके के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रामचंद्र गुर्जर ढांड ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा ने देश और प्रदेश की जनता को केवल जुमलों और प्रचार के सहारे छोड़ दिया है, जबकि जमीनी स्तर पर आम आदमी महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे गंभीर मुद्दों से बुरी तरह जूझ रहा है।

रामचंद्र गुर्जर ने कहा कि रसोई का बजट आम परिवार के हाथ से निकल गया है। दाल, तेल, सब्जी, गैस सिलेंडर जैसी दैनिक जरूरत की चीजें आज आम आदमी की पहुंच से बाहर होती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का 'जीरो टॉलरेंस' का नारा केवल कागजों तक सीमित है, जबकि भ्रष्टाचार हर विभाग में अपनी जड़ें जमा चुका है।

गुर्जर ने कहा कि आज का युवा बेरोजगारी के दलदल में फंसा हुआ है। पढ़े-लिखे नौजवान दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं, लेकिन सरकार की प्राथमिकता में रोजगार नहीं, बल्कि चुनावी रणनीति और दिखावे की राजनीति है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं को सिर्फ रोड शो, प्रचार रथ और मंचीय भाषणों में दिलचस्पी है, जबकि जनता की समस्याओं पर वे चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प है, जो गरीब, किसान, मजदूर, और मध्यमवर्ग के लोगों की बात समझती है और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करती है।

वार्ड नंबर 6 में जांच शिविर का आयोजन, 32 लोगों की हुई एचबी जांच

अर्थ प्रकाश/सुशील कुमार

नारायणगढ़, 18 जुलाई। स्वास्थ्य विभाग नारायणगढ़ द्वारा एनीमिया मुक्त भारत अभियान एवं एनीमिया मुक्त हरियाणा कार्यक्रम के अंतर्गत वार्ड नंबर 6, नारायणगढ़ नगर पालिका क्षेत्र में एनीमिया जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में 32 लोगों का हीमोग्लोबिन (एचबी) स्तर चेक किया गया।

इस बारे में जानकारी देते हुए नारायणगढ़ के एसएमओं डॉ. राकेश सैनी एवं डॉक्टर नीतिश शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि इस अभियान का उद्देश्य विशेष रूप से महिलाओं, किशोरियों, बच्चों और वृद्धजनों में समय रहते एनीमिया की पहचान करना और उचित उपचार प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि हीमोग्लोबिन की कमी यानी खून की कमी एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करती है और कार्यक्षमता को प्रभावित करती है।

शिविर में स्वास्थ्य विभाग की विशेषज्ञ टीम ने भाग लिया। जांच के दौरान जिन व्यक्तियों का एचबी स्तर सामान्य से कम पाया गया, उन्हें मौके पर ही आयरन की गोलियां, आवश्यक पोषण संबंधी परामर्श एवं आहार सुधार की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त लोगों को संतुलित आहार, हरी सब्जियों, गुड़, चना, अंकुरित अनाज आदि के सेवन के प्रति प्रेरित किया गया।

डॉ. राकेश सैनी ने बताया कि एनीमिया मुक्त हरियाणा अभियान के अंतर्गत नगर पालिका क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में चरणबद्ध तरीके से एनीमिया जांच शिविर लगाए जा रहे हैं। इसके माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचकर उन्हें एनीमिया के प्रति जागरूक किया जा रहा है। डॉ. नीतिश शर्मा ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य एनीमिया की समय पर पहचान करना, पोषण संबंधी जागरूकता तथा स्वास्थ्य सुधार हेतु आवश्यक परामर्श एवं उपचार प्रदान करना है।

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने जिला स्तरीय बैडमिंटन टूर्नामेंट का किया उद्घाटन

हरियाणा के खिलाड़ियों ने दुनिया में जमाई धाक: रणबीर गंगवा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला, 18 जुलाई। लोक निमार्ण और जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने शुक्रवार को जिला पंचकूला में जिला बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा 18 जुलाई से 20 जुलाई 2025 तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय 19वीं अश्विनी गुप्ता मेमोरियल जिला स्तरीय बैडमिंटन टूर्नामेंट विधिवत उद्घाटन किया। टूर्नामेंट का आयोजन सेक्टर-3 स्थित ताऊ देवीलाल खेल स्टेडियम के बैडमिंटन हाल में किया गया। इस अवसर पर हरियाणा के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता भी उपस्थित थे।

रणबीर गंगवा ने कहा कि पंचकूला की स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसायटी करीब 19 वर्षो से खेल और समाज सेवा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही है। इस अवसर पर उन्होंने स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसायटी को 11 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि खेलों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए हरियाणा की खेल नीति पूरे देश में सबसे श्रेष्ठ है। हरियाणा के खिलाड़ियों ने विश्व स्तर पर विभिन्न खेलों में मैडल लाकर प्रदेश का नाम दुनिया में रोशन किया है। ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों द्वारा कुल मैडलों में से एक तिहाई मैडल जीते जाते है। आज खिलाडियों को ओलंपिक में गोल्ड मैडल लाने पर 6 करोड़ रुपये, सिल्वर के लिये 4 करोड़ और कास्य पदक के लिये 2.50 करोड़ रुपये की राशि इनाम स्वरूप व योग्यतानुसार सरकारी नौकरी भी उपलब्ध करवाई जाती है।

उन्होंने कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। खेल खेलने से न केवल हम मानसिक तौर पर बल्कि शारीरिक तौर पर भी स्वस्थ रहते हैं। खेलों से हम न केवल अपने आप को बल्कि राष्ट्र को भी ख्याति प्रदान कराने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे पढ़ाई के साथ-साथ खेलों से जुडें और खेलों को कैरियर के रूप में अपनाएं।

रणबीर गंगवा ने कहा कि हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता की प्रेरणा और मार्गदर्शन में चल रही यह सोसायटी पंचकूला के बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा प्लेटफार्म साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट श्री ज्ञानचंद गुप्ता के बेटे स्वर्गीय श्री अश्विनी गुप्ता की याद में आयोजित किया जा रहा है। श्री अश्विनी गुप्ता नैशनल लेवल के बैडमिंटन खिलाड़ी रहे हैं। एक हादसे में उनके चले जाने के बाद से ज्ञानचंद गुप्ता उनकी याद में इस सोसाइटी के माध्यम से 2006 से लगातार कबड्डी, बैडमिंटन व अन्य खेल टूर्नामेंट जिला व राष्ट्रीय स्तर पर करवाकर खेलों को बढावा देने के लिए और खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने का कार्य कर रहे हैं।

एनडीए सरकार में बिहार का तेजी से विकास हुआ पिछली सरकार ने कुछ नहीं किया : सीएम नीतीश कुमार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

मोतिहारी, 18 जुलाई। बिहार के मोतिहारी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के दौरान भव्य रोड शो के बाद विशाल कार्यक्रम आयोजित हुआ। पीएम मोदी के मंच पर पहुंचने पर उनका स्वागत किया गया। उन्हें एक सुंदर पेंटिंग और तिरंगा भेंट किया गया। इस मौके पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, दोनों उपमुख्यमंत्री (सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा) और एनडीए के वरिष्ठ नेता व अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि पीएम मोदी का बिहार दौरा राज्य के लिए गर्व का क्षण है। पीएम मोदी के नेतृत्व में बिहार को नई ऊर्जा और विकास की दिशा मिल रही है।

सीएम नीतीश ने कहा, ÷पहले की सरकारों में काम धीमा था, लेकिन 2005 से जदयू की सरकार बनने के बाद बिहार में हर क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। अब सड़क, बिजली और रोजगार जैसे सभी क्षेत्रों में काम हो रहा है। अब बिहार सरकार 125 यूनिट बिजली मुफ्त देगी।÷

उन्होंने कहा, ÷पहले बिजली की बहुत कमी थी, लेकिन अब हर घर में बिजली है। हमने तय किया है कि गरीबों को मुफ्त बिजली और घर दिए जाएंगे। इसकी मंजूरी आज ही कैबिनेट में दी जाएगी।÷ इसके अलावा, उन्होंने अगले पांच साल में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का वादा किया।

बिहार के सीएम ने बताया कि सामाजिक सुरक्षा योजना को 400 रुपये से बढ़ाकर 1,100 रुपये कर दिया गया है, जिससे 1 करोड़ 11 लाख लोगों को फायदा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने सड़कों, पुलों और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं पर बड़े पैमाने पर काम किया है। गांवों और टोलों को पक्की सड़कों से जोड़ा गया है।

उन्होंने बताया कि सरकार ने 10 लाख सरकारी नौकरियां देने का लक्ष्य पूरा कर लिया है और 10 लाख रोजगार के लक्ष्य को बढ़ाकर 29 लाख कर दिया गया है।

नीतीश कुमार ने पुरानी सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले विकास के लिए कोई पैसा खर्च नहीं होता था, लेकिन अब केंद्र और राज्य सरकार मिलकर बिहार में बड़े पैमाने पर काम कर रही हैं। केंद्र सरकार और पीएम मोदी का आभार कि बिहार अब प्रगति की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

बिहार में अगस्त से 125 यूनिट बिजली मुफ्त, मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पटना, 18 जुलाई। बिहार के लोगों को अगस्त महीने से 125 यूनिट बिजली मुफ्त मिलेगी। बिहार मंत्रिमंडल की शुक्रवार को हुई बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की शुक्रवार हुई बैठक में सिर्फ इसी एक प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

बताया गया कि बैठक में राज्य में सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सभी घरेलू उपभोक्ताओं को जुलाई 2025 की खपत के आधार पर एक अगस्त से 125 यूनिट प्रति माह खपत तक शत-प्रतिशत अनुदान देने के लिए 'मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना' के विस्तारीकरण के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अतिरिक्त 3797 करोड़ रुपये बिहार स्टेट पावर (हो0) कं0 लि0 को उपलब्ध कराने की स्वीकृति प्रदान की गई।

इसके साथ-साथ राज्य के घरेलू उपभोक्ताओं को न्यूनतम 1.1 किलोवाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं को पूर्ण वित्तीय सहायता एवं अन्य घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की भी स्वीकृति दी गई।

उल्लेखनीय है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दो दिन पूर्व ही प्रदेश में 125 यूनिट बिजली मुफ्त करने की घोषणा की थी। उन्होंने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर इसकी जानकारी शेयर करते हुए लिखा था, 'हमलोग शुरू से ही सस्ती दरों पर सभी को बिजली उपलब्ध करा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रयत्नों से मिली ऐतिहासिक स्वीकृति
चावल उपार्जन लक्ष्य में 8 लाख मीट्रिक टन की वृद्धि

अर्थ प्रकाश/अखिलेश कुमार

रायपुर, 18 जुलाई। प्रदेश के अन्नदाताओं के हितों को सर्वोपरि मानते हुए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर 149.25 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया है, जो राज्य गठन के बाद अब तक की सर्वाधिक मात्रा है। उपार्जित धान का त्वरित निराकरण कस्टम मिलिंग के माध्यम से किया जा रहा है। धान खरीदी की समाप्ति तक प्रदेश को केन्द्रीय पूल अंतर्गत 70 लाख मीट्रिक टन चावल उपार्जन का लक्ष्य प्राप्त हुआ था। राज्य की कल्याणकारी योजनाओं एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए आवश्यक राज्य पूल के लक्ष्य के साथ मिलाकर कुल 118.17 लाख मीट्रिक टन धान की मात्रा कस्टम मिलिंग से निराकरण के लिए निर्धारित की गई है।किसानों के हित में निर्णय लेते हुए राज्य सरकार ने अतिरिक्त धान का नीलामी के माध्यम से निराकरण करने का निर्णय लिया है। नीलामी के माध्यम से अब तक 19 लाख मीट्रिक टन धान हेतु बायर ऑर्डर जारी किए जा चुके हैं, और संबंधित क्रेताओं एवं मिलरों द्वारा उसका त्वरित उठाव भी किया जा रहा है। प्रदेश के संग्रहण केंद्रों में शेष भंडारित धान की सुरक्षा हेतु खाद्य विभाग द्वारा सभी आवश्यक सावधानियाँ सुनिश्चित की गई हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा प्रदेश के कृषकों से एक-एक दाना धान खरीदने की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए केन्द्र सरकार से लगातार संवाद एवं आग्रह किया गया। इसी क्रम में उन्होंने दिनांक 24 जून 2025 को नई दिल्ली में केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी से भेंट कर केन्द्रीय पूल अंतर्गत चावल उपार्जन लक्ष्य को बढ़ाने का आग्रह किया था।

मुख्यमंत्री श्री साय के सतत प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। भारत सरकार ने 18 जुलाई 2025 को चावल उपार्जन लक्ष्य को 70 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 78 लाख मीट्रिक टन कर दिया है। यह निर्णय न केवल किसानों के हित में महत्त्वपूर्ण है, बल्कि इससे राज्य सरकार को लगभग 1200 करोड़ रुपये की संभावित वित्तीय हानि से भी बचाया जा सका है। चावल उपार्जन लक्ष्य में मिली इस वृद्धि से राज्य की राजकोषीय स्थिति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में भी गति आएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस निर्णय के लिए भारत सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग, केंद्र और राज्य की समन्वित किसान-हितैषी नीति का परिचायक है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के मिलर एसोसिएशन एवं किसानों द्वारा समय-समय पर उठाई गई मांगों के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि सभी सुझावों और आवश्यकताओं पर सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ कार्रवाई की जाएगी।

पंजाब स्टेट पावर कारपोरेशन लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय: पीएसईबी मुख्यालय, दि माल पटियाला 147001
कारपोरेट पहचान संख्या (सीआईएन) U40109PB2010SGC033813, वेबसाईट: www.pspcl.in
(संपर्क संख्या 96461-23789)

वरि. एक्सईएन सिविल निर्माण एवं रखरखाव मंडल, डी-207, (गेट सं. 3 के समीप), थर्मल कालोनी, बठिण्डा द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाकरण के माध्यम से खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

क्र .सं.	कार्य का नाम	निविदा पूछताछ संख्या
1.	66केवी एस/एस दागरू स्थित उप-मंडलीय कार्यालय भवन डागरू के लिए सबमर्सिबल पम्प की व्यवस्था एवं इंस्टॉलेशन करना।	टीई-15/सीसीएम/बीटीआई/2025-26

विस्तृत निआसू और निविदा विनिर्देशन हेतु कृपया https://eproc.punjab.gov.in पर 19.07.2025 को प्रात: 09.00 बजे से पधारें।
टिप्पणी: शुद्धिपत्र और परिशिष्ट, यदि कोई हुआ, https://eproc.punjab.gov.in पर ऑनलाईन प्रकाशित किया जाएगा।
सी 506/25

उत्तर रेलवे
ई-निविदा
खुली निविदा संख्या 19-अम्बाला/2025-26 दिनांक 17.07.2025

वरिष्ठ मंडल अभियंता–समन्वय/अम्बाला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई–निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु खुली निविदायें आमंत्रित की जाती है जो कि उन कार्यों के सामने दी गयी तिथि को **15.00 बजे** तक खुली रहेगी और उसके बाद खोली जाएगी।

1 **कार्य का नामः** यूएमबी–केएलके खंड पर प्रमुख पुल संख्या 240, 242, 244, 245, 249, 252, 259, 260, 267, 278, 316, 332 पर सुरक्षा कार्य और निरीक्षण व्यवस्था का उन्नयन।

अनुमानित लागत (रु.)	अग्रिम राशि (रु.)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
1,59,34,276	2,29,700	06 महीने	11.08.2025

2 **कार्य का नामः** सीनियर डीईएन/आई/यूएमबी अनुभाग में पांच साल की गारंटी/वारंटी के साथ 1 स्वचालित, बैक्टीरियोलॉजिकल ट्रीटमेंट प्लांट की आपूर्ति, स्थापना और परीक्षण।

अनुमानित लागत (रु.)	अग्रिम राशि (रु.)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
19,15,624	38,300	03 महीने	11.08.2025

नोटः- **1.** ठेकेदार को शर्तों के अनुसार निविदा योग्यता पूरी करने हेतु सभी जरूरी सम्बंधित डॉक्यूमेन्टों के स्कैनिंग कॉपी को रेलवे वेबसाइट IREPS पर अपलोड करनी जरूरी है। **2.** अग्रिम राशि ऑन लाइन पेमेन्ट नेट बैंकिंग/गेटवे पेमेन्ट के द्वारा ही स्वीकार्य होंगे। **3.** निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर लोग ऑन करें। **4.** ठेकेदार को ई–निविदा में भागीदारी हेतु (क्लास-III) डिजिटल सिगनेचर सार्टिफिकेट द्वारा लोग ऑन करना होगा। **5.** जी. एस. टी. एक्ट 2017 के अनुसार लागू होगी।
2180/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना

वर्कशॉप इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (आई/सी) उत्तर रेलवे, जगाधरी वर्कशॉप, यमुनानगर, हरियाणा–135002, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, केवल निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन मोड के माध्यम से ई–निविदाएं आमंत्रित करता है:

कार्य का नाम	एलएचबी पावर कारों में उच्च क्षमता कपलर और फीडर केबल्स का प्रावधान।		
निविदा प्रकार	खुला	बोली प्रणाली	एकल पैकेट प्रणाली
निविदा विक्रय समापन तिथि	11.08.2025 प्रातः 11:30 बजे	निविदा अपलोड करने की तिथि एवं समय	18.07.2025 15:13
पूर्व-बोली आवश्यक है	नही	अब तक कोई प्री-बिड केवरी	नही
विज्ञापन मूल्य	रु. 2,19,03,310.41/– सभी कर जीएसटी आदि सहित।	निविदा अनुभाग	टेंडर एवं वर्क्स/ इलेक्ट्रिकल शाखा जगाधरी वर्कशॉप
अग्रिम धन	रु.2,59,500/–	ऑफर की वैधता	60 दिन
निविदा दस्तावेज लागत	Nil अप्रैल 2022 के भाग–I खंड संख्या 3 के अनुसार)	समापन की अवधि	24 माह
बोली आरंभ तिथि	28.07.2025	बोली समाप्ति तिथि	11.08.2025 प्रातः 11.30 बजे
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	उसके बाद किसी भी समय निविदा को बंद किया जा सकता है। निविदाकर्ताओं को उद्घाटन के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है। निविदा बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोलने का अधिकार रेलवे के पास सुरक्षित है।		
वेबसाइट	www.ireps.gov.in पर जाएं		

संख्या 56–डब्ल्यू/इलेक्ट्रिक/24–25/टी/23/कपलर और फीडर केबल्स/आरटी
2184/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मुख्यमंत्री योगी की मुहिम से बलरामपुर की सुआंव और बहराइच की टेढ़ी नदी में फिर से लौटने लगा जीवन

अर्थ प्रकाश/विजय कुमार निगम

लखनऊ। लंबे समय से अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहीं बलरामपुर की सुआंव नदी और बहराइच की टेढ़ी नदी अब फिर से जीवंत हो उठी हैं। यह बदलाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक जनपद, एक नदी मुहिम से संभव हो पाया है। श्री योगी के प्रयासों से प्रदेश की लुप्त होती नदियों के पुनर्जीवन के लिए प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जनसहयोग का संगम देखने को मिल रहा है। सीएम योगी की मुहिम को ग्रामीणों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। उनके आह्वान पर स्थानीय श्रमदान के माध्यम से नदियों के पुनरोद्धार में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं।

बलरामपुर जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने बताया कि एक जनपद, एक नदी अभियान के तहत बलरामपुर की सुआंव नदी का चयन किया गया। उन्होंने बताया कि लगभग 121 हेक्टेयर लम्बाई और 320.61 वर्ग हेक्टेयर क्षेत्रफल वाली सुआंव नदी का बहाव वर्षों से अवरुद्ध था। वहीं, मुख्यमंत्री के निर्देश पर नदी के पुनरोद्धार का कार्य मिशन मोड में शुरू कर दिया गया है।

बलरामपुर में अपना अस्तित्व खो चुकीं नदियों को मुख्यमंत्री योगी के प्रयासों से मिल रहा नया जीवन, नदियों में दिखने लगा जल प्रवाह

- एक जनपद एक नदी अभियान के तहत जनसहयोगी से नदियों का किया जा रहा पुनरोद्धार
- जल संचयन औयर पर्यावरण संतुलन बनाने के लिए नदियों के किनारे लगाए जा रहे पौधे
- देवीपाटन मंडल के श्रावस्ती की बूढ़ी राप्ती और गोंडा की मनोरमा बनी जीवनदायनी

सुआंव नदी के संरक्षण को चिन्हित किये गये 49 कार्य स्थल: देवीपाटन मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप मंडल के चार जिलों में विलुप्त हो चुकी नदियों का पुनरोद्धार किया जा रहा है। इससे श्रावस्ती की बूढ़ी राप्ती, गोंडा की मनोरमा नदी अपने मूल स्वरूप में बहने लगी है जबकि बलरामपुर की सुआंव और बहराइच की टेढ़ी नदी के पुनरोद्धार का काम युद्धस्तर पर चल रहा है।

उन्होंने बताया कि सुआंव नदी के संरक्षण के लिए कुल 49 कार्य स्थलों की पहचान की गई।

बिहार चुनाव: एसआईआर में 94.68 प्रतिशत मतदाता हुए शामिल, 7 दिन शेष

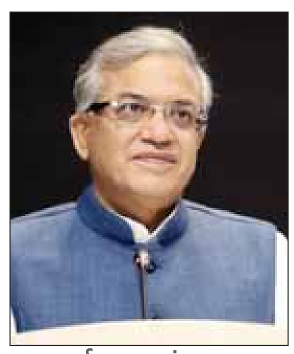

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पटना, 18 जुलाई। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए सिर्फ 7 दिन बचे हैं। राज्य में अब तक 94.68 प्रतिशत गणना प्रपत्र प्राप्त हो चुके हैं। अब सिर्फ 41,10,213 या 5.2 प्रतिशत मतदाताओं के गणना प्रपत्र प्राप्त होने शेष हैं।

बिहार के 7,89,69,844 मतदाताओं में से 7,11,72,660 यानी 90.12 प्रतिशत ईएफ एकत्र किए जा चुके हैं। डिजिटाइज्ड किए गए गणना फॉर्म 6,85,34,743 या 86.79 प्रतिशत हैं। जहां 36,86,971 या 4.67 प्रतिशत मतदाता अपने पते पर नहीं मिले तो वहीं 12,71,414 या 1.61 प्रतिशत मृत वोटर पाए गए। स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाताओं की संख्या 18,16,306 या 2.3 प्रतिशत है। अब तक पहचाने गए एक से अधिक स्थानों पर नामांकित मतदाता 5,92,273 या 0.75 प्रतिशत हैं। जिन निर्वाचकों का पता नहीं चल पा रहा है, उनकी संख्या 6,978 या 0.01 प्रतिशत है। कुल सम्मिलित निर्वाचक 7,48,59,631 या 94.68 प्रतिशत हैं।

इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) 1 अगस्त, 2025 को ड्रॉफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित करेंगे और ड्रॉफ्ट मतदाता सूची में किसी भी एंट्री में सुधार के लिए सुझाव आमंत्रित करेंगे। राजनीतिक दलों और निर्वाचकों को सुधार या छूटे हुए नामों को शामिल करने का प्रस्ताव देने के लिए पूरे एक महीने का समय दिया जाएगा। इसके लिए ड्रॉफ्ट मतदाता सूची की प्रिंटेड और डिजिटल कॉपियां राजनीतिक दलों को निःशुल्क दी जाएंगी और आम जनता के लिए आयोग की वेबसाइट पर पोस्ट की जाएंगी। ऐसे में जनता निश्चिंत रहे कि कोई भी पात्र निर्वाचक नहीं छूटेगा।

ऐसे निर्वाचक, जिनकी संभवतः मृत्यु हो चुकी है, जो स्थायी रूप से निवास स्थान परिवर्तित कर चुके हैं, जो एक से अधिक स्थानों पर नामांकित हैं और जिनका पता नहीं चल पा रहा है, अथवा जिनसे बीएलओ के कई दौरों के बाद भी फॉर्म वापस नहीं मिला है, की लिस्ट अब राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों, उनके द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंटों के साथ भी साझा की जा रही है, ताकि ऐसे प्रत्येक निर्वाचक की सही स्थिति की पुष्टि 25 जून से पहले की जा सके।

आरेडिका के राजभाषा विभाग द्वारा विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

रायबरेली, 18 जुलाई। आरेडिका में राजभाषा विभाग के तत्वावधान तथा मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द के नेतृत्व में तीन दिवसीय राजभाषा प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में आरेडिका के कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता में हिंदी निबंध लेखन, हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन तथा हिंदी वाक् प्रतियोगिताएं शामिल की गयी। यह आयोजन रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अनुपालन में किया गया।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कार्मिकों के नाम राजभाषा विभाग, रेलवे बोर्ड द्वारा अखिल रेल स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता के लिए अनुशंसित किए जाएगें। राजभाषा अधिकारी राकेश रंजन ने सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

इस अवसर पर आरेडिका के मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता नन्द किशोर वर्मा, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता राधे श्याम बीका, सहायक सामग्री प्रबंधक राजेश कुमार, राजभाषा अधिकारी राकेश रंजन, एईडीपीएम अशोक कुमार तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

चिकित्सा के साथ साथ मानव सेवा को बनाया अपना ध्येय

अर्थ प्रकाश संवाददाता

कैथल, 18 जुलाई। शहर के जानेमाने मनोरोग विशेषज्ञ डॉ विवेक गर्ग और दंत चिकित्सक डॉ नीतू गर्ग ने आज अपनी चिकित्सा सेवा के 20 वर्ष पूरे किए। इस अवसर पर गर्ग मनोरोग एवं डेंटल क्लिनिक पर मरीजों, स्टाफ एवं मित्रों के साथ मिलकर केक काटा गया। साथ ही साथ स्टाफ को डॉ विवेक एवं डॉ नीतू द्वारा उनके सहयोग के लिए एपहार प्रदान किए गए। इस अवसर पर डॉ दंपत्ति ने कहा कि चिकित्सा सेवा में उनका यह 20 साल का सफर बेमिसाल रहा। सफर के शुरुआती कुछ वर्ष चुनौतीपूर्ण रहा। वर्ष 2005 में जब ये सफर शुरू हुआ तो उन दिनों मानसिक रोगों को दंत रोगों के प्रति लोगों में जागरूकता का अभाव था, जिस कारण समय रहते लोग उपचार के लिए नहीं आते थे। इससे उनकी बीमारी बहुत उग्र रूप ले लेती थी। उन्होंने शुरुआती दिनों में ऐसे मानसिक रोगियों का भी इलाज किया जो 15 से 20 सालों से बीमारी से जूझ रहे थे और इस क्षेत्र में मनोरोग चिकित्सक की कमी के कारण और जागरूकता के अभाव में वो इलाज नहीं ले पाते थे। इस अवसर पर नारायण सेवा संस्थान के सदस्यों द्वारा संस्थान की ओर से डॉ दंपत्ति को पगड़ी और उपर्णा पहनाया गया।

डॉ दंपत्ति ने इन 20 वर्षों में स्वयं को चिकित्सा सेवा तक सीमित न रख कर अपना समय समाजसेवा में भी लगाया। उन्होंने नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक गुरुदेव श्री कैलाश मानव के आशीर्वाद से और अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल के मार्गदर्शन से कैथल में पिछले 10 वर्षों से शाखा कैथल के सदस्यों के साथ दिव्यांग बंधुओं के लिए कार्य किया और शहरवासियों के सहयोग से कैथल में दया गुप्ता मानव मंदिर का निर्माण किया।

फिल्म हीर एक्सप्रेस का ट्रेलर लॉन्च मुम्बई में दिखी पूरी टीम

- आषुतोष राणा ने दिविता जुनेजा की खुलेमन से तारीफ की
- गुलशन ग्रोवर ने दिविता जुनेजा को कहा बेमिसाल
- फिल्म 'हीर एक्सप्रेस' का ट्रेलर सोषल मीडिया पर वायरल
- दर्शकों को है बेसब्री से 8 अगस्त का इंतजार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

मुंबई। ट्यूलिप एंटरटेनमेंट और दिविसा एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी पारिवारिक फिल्म 'हीर एक्सप्रेस' का ट्रेलर आज भव्य रूप से मुम्बई के जुहू पीवीआर में लांच किया गया। लांच के कुछ ही घंटों में यह ट्रेलर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और साथ ही इसे बहुत पसंद भी किया जा रहा है।

फिल्म का निर्माण मैरी गो राउंड स्टूडियोज और क्रिएटिव स्ट्रोक्स ग्रुप के सहयोग से हुआ है। निर्देशन की कमान संभाली है राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और 'ओह माय गॉड' और '102 नॉट आउट' जैसी सराही गई फिल्मों के निर्देशक उमेश शुक्ला ने। वहीं फिल्म के निर्माता हैं उमेश शुक्ला, आशीष वाघ, मोहित छाबड़ा और संजय ग्रोवर। ट्रेलर में हीर के सफर को दिखाया गया है, जो अपनी मां के सपने को पूरा करने के लिए पंजाब से लंदन तक का सफर तय करती है। हालांकि वहां पहुंचकर हीर को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, जिन्हें पार कर वो अपने लक्ष्य को पाने की कोषिष करती है। इस फिल्म में अभिनेत्री दिविता जुनेजा और प्रीत कमानी मुख्य भूमिका में नजर आंएगे। साथ ही आषुतोष राणा, गुलशन ग्रोवर, संजय मिश्रा और मेघना मलिक भी प्रमुख भूमिकाओं में होंगे। यह फिल्म हर वर्ग के दर्शकों के लिए एक ऐसा अनुभव लेकर आई है, जो दिल को छू जाएगा और लंबे समय तक याद रहेगा।

इससे पहले भी फिल्म के दो गाने 'वे रांझणा' और 'डोरे-डोरे दिल पे तेरे' रिलीज किए जा चुके हैं जो सोषल मीडिया पर छाए हुए है और रील्स के लिए ट्रेंडिग चल रहे है। इन दोनों गानों ने ही श्रेताओं के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी है। ट्रेलर लांच के अवसर पर गुलषन ग्रोवर ने कहा कि दिविता जुनेजा बहुत ही प्रतिभाषाली कलाकार है। उन्होंने बताया कि बहुत-सी कलाकार जैसे - रानी मुखर्जी, कंगना रानौत, कटरीना कैफ और बिपाषा बसु आदि की डेब्यू फिल्म में भी उन्होंने काम किया हुआ है परंतु जो आत्मविष्वास और टेलेंट उन्होंने दिविता जुनेजा में देखा, वह बेमिसाल है। इस अवसर पर फिल्म के कास्ट आषुतोष राणा ने भी दिविता जुनेजा की प्रतिभा की बहुत तारीफ की। उन्होंने कहा कि फिल्म के सेट पर दिविता अपना काम बहुत ही मेहनत और लग्न से करती थी। उनके बहुत से ऐसे शाट्स भी हुए है जिन्हें रि-टेक भी नहीं करना प?ा, जोकि हमारे लिए भी अचंभित रहा। उन्होंने कहा कि मैंने तो दिविता को कई बार ऐसा भी कहा कि 'तुम तो काला टीका लगाया करो... कहीं नजर न लग जाएं तुम्हें'।

सोशल मीडिया पर भी 'हीर एक्सप्रेस' हैषटैग ट्रेंड कर रहा है और दर्शकों की प्रतिक्रिया बेहद उत्साहजनक रही है। फिल्म के जोनर को लेकर भी लोग अपने-अपने क्यास लगा रहे हैं। परंतु इतना तो साफ है कि 'हीर एक्सप्रेस' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक भावनात्मक यात्रा है, जो दर्शकों को हँसाएगी भी, रुलाएगी भी और साथ ही संगीत के माध्यम से उनके दिल को छू लेगी।

एक लंबे समय के बाद दर्शकों को एक ऐसी फिल्म मिलने जा रही है, जो पूरे परिवार के साथ बैठकर देखी जा सकती है वो भी बिना किसी झिझक के। यह फिल्म 8 अगस्त को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

न्यायालय-अनुमण्डल दण्डाधिकारी, महाराजगंज
आम सूचना

एतद् द्वारा नीचे अंकित विपक्षी/प्रतिवादी को सूचित किया जाता है कि सिवान जिलान्तर्गत महाराजगंज अनुमण्डल के विभिन्न थानों एवं उत्पाद विभाग, सिवान से बिहार मद्य निषेध उत्पाद अधिनियम–2016 के अन्तर्गत जब्त वाहन के अधिहरण हेतु प्राप्त प्रस्ताव के आलोक में अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में अधिहरण वाद संधारित है :–

क0 सं0	अधिहरण वाद संख्या	थाना का नाम	थाना काण्ड संख्या	वाहन निबंधन सं0	वाहन का प्रकार	वाहन स्वामी का नाम एवं पता
1	04/24–25	बसंतपुर	595/23	Reg No-HR30U-0540 E.N.-IND1310872 Che. No-MBJ4ZBT83051	टोयटा कार	श्री लक्ष्मीकांत, श्री मोहन, मकान नं0–218, वार्ड नं0–13 ए, मषानी मन्दिर, थाना होडाल, जिला पलवल, हरियाणा। पिन–121106

उपरोक्त वादों की सूनवाई की अगली **तिथि 04.08.2025** निर्धारित करते हुए विपक्षी/प्रतिवादी एवं सम्बद्ध व्यक्ति को सूचित किया जाता हैं कि उक्त वाद में निर्धारित तिथि को स्वयं अथवा अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से अपना पक्ष प्रास्तुत करें। निर्धारित तिथि को अनुपस्थित रहने की स्थिति में यह समझा जाएगा कि आपको अपने पक्ष में कुछ नही कहना हैं और तदोपरान्त एकपक्षीय सुनवाई करते हुए आदेश पारित कर दिया जाएगा जिसके लिए पूर्ण रूप से आप जिम्मेवार होंगे।

इसे सख्त ताकीद समझे।

उक्त सूचना **state.bihar.gov.in/prdbihar** पर भी देखी जा सकती है।
PR- 009009 (Excise) 2025-26

अनुमण्डल दण्डाधिकारी, महाराजगंज

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

चंडीगढ़ को उसका लोकतांत्रिक अधिकार प्रदान किया जाना चाहिए : कैलाश जैन

सामाजिक सशक्तिकरण संगठन के अध्यक्ष ने कहा शासन व्यवस्था पूरी तरह से नौकरशाही के अधीन है, जहां जनता की सीधी भागीदारी नगण्य

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। भारत सरकार, विशेष रूप से गृह मंत्री अमित शाह से सामाजिक सशक्तिकरण संगठन चंडीगढ़ की ओर से मांग की गई है कि चंडीगढ़ को उसका लोकतांत्रिक अधिकार प्रदान किया जाना चाहिए। ऐसा कर भारत न केवल एक आदर्श लोकतंत्र की ओर बढ़ेगा, बल्कि यह सुनिश्चित करेगा कि दो राज्यो की राजधानी कहलाने वाला शहर वास्तव में 'जनता का शहर' बन सके।

संगठन के अध्यक्ष कैलाश चंद जैन ने भारत सरकार से की गई इस प्रस्तावना में स्पष्ट किया कि चंडीगढ़ भारत का एक गौरवशाली, सुव्यवस्थित एवं योजनाबद्ध शहर है, जो पंजाब और हरियाणा दो प्रदेशो की राजधानी होते हुए भी स्वयं एक केंद्र शासित प्रदेश है। लेकिन इस सुंदर और सुविकसित शहर के भीतर एक गहरी लोकतांत्रिक शून्यता छिपी हुई है। चंडीगढ़ में न तो कोई निर्वाचित विधानसभा है, न ही कोई स्वतंत्र राज्य सरकार। यहां की शासन व्यवस्था पूरी तरह से नौकरशाही के अधीन है, जहां जनता की सीधी भागीदारी नगण्य है। ऐसे में, लोकतंत्र की मूल भावना और नागरिक अधिकारों की रक्षा का

प्रश्न गंभीर रूप से उठता है। बिना निर्वाचित विधानसभा अथवा बिना किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था होने के कारण नौकरशाही पर आधारित प्रशासनिक व्यवस्था के अंतर्गत संचालित होता है। कैलाश जैन ने कहा कि चंडीगढ़ जैसा एक विकसित, शिक्षित और जागरूक नागरिकों वाला शहर लोकतंत्र से वंचित है यह एक विडंबना है। चंडीगढ़ की जनता को अब एक पारदर्शी, जवाबदेह और संवेदनशील शासन प्रणाली की आवश्यकता है। केवल अफसरशाही से चलने वाला तंत्र नागरिकों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकता।

समस्याएं जो लोकतंत्र के मूल सिद्धांत के भी विपरीत

जनता की अनसुनी: वर्तमान प्रणाली में जनता की शिकायत सुनने और उनका प्रभावी समाधान करने हेतु कोई प्रभावी तंत्र नही है। कोई जनप्रतिनिधि जनता की सुनवाई करके किसी समस्या का हल नही करवा सकता क्योंकि किसी भी जनप्रतिनिधि को किसी भी अधिकारी को कोई आदेश देने का अधिकार नही है। यहां तक की चंडीगढ़ की भलाई के लिए अगर कोई प्रबुद्ध नागरिक कोई सुझाव भी देना चाहे तो उसको सुनने या उस पर विचार तक करने की भी कोई व्यवस्था नहीं है जो लोकतंत्र के मूल सिद्धांत के भी विपरीत है।

अफसरशाही का वर्चस्व: सभी निर्णय उच्चाधिकारियों द्वारा लिए जाते हैं, जिनकी जनता के प्रति कोई प्रत्यक्ष जवाबदेही नहीं है इससे प्रशासनिक निष्क्रियता और मनमानी बढ़ गई है। चंडीगढ़ के पास मात्र एक सांसद है, जिसे प्रशासनिक निर्णयों में भागीदारी या कोई अधिकार प्राप्त नहीं हैं। नगर निगम के प्रतिनिधियों के अधिकार सीमित है उन्हे किसी प्रकार का कोई प्रशासनिक अधिकार नही है। पंजाब एवं हरियाणा जैसे पड़ोसी राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही जनकल्याण की योजनाओं का लाभ इन राज्यों की राजधानी होने के बावजूद चंडीगढ़ वासियों को नहीं मिल पाता।

रोजगार में आरक्षण से वंचित: चंडीगढ़ के युवक पंजाब एवम हरियाणा दोनो राज्यो की राजधानी होने के बावजूद किसी भी राज्य के स्थानीय कोटे (डोमिसाइल) में नहीं आते, जिससे उन्हें नौकरियों में नुकसान उठाना पड़ता है। यहां के सरकारी कर्मचारी किसी भी राज्य कैडर का हिस्सा नहीं माने जाते, जिससे उनकी सेवा परिस्थितियाँ प्रभावित होती हैं।

राजधानी होकर भी उपेक्षा: पंजाब व हरियाणा दोनों की राजधानी होने के बावजूद, चंडीगढ़ को दोनों राज्य 'अपना' नहीं मानते, जिससे यहाँ की जनता उपेक्षित रह जाती है। राजधानी होने के बावजूद पंजाब या हरियाणा सरकारों द्वारा चलाई गई किसी योजना का लाभ चंडीगढ़ नही उठा सकता। इसके विपरीत चंडीगढ़ के राजस्व का बहुत बड़ा हिस्सा इन राज्यों की मेंटेनेंस और अन्य ओपचारिकताओ में खर्च होता है। इन समस्याओं के कारण जनता को मूलभूत सुविधाओं, रियायतों व कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नही मिल पाता है तथा जनता को अपनी समस्याओं के हल के लिए दर-दर भटकना पड़ता है।

समाधान हेतु सुझाव

लोकतांत्रिक सरकार का गठन: चंडीगढ़ में एक लोकतांत्रिक सरकार बनाई जाए, जिससे जनता की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान हो सके।

विधानसभा की स्थापना: जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों को अधिकार युक्त एक स्वतंत्र विधानसभा का गठन किया जाए।

अलग राज्य का दर्जा: चंडीगढ़ को स्वतंत्र राज्य का दर्जा प्रदान कर उसे अपनी सरकार और प्रशासनिक अधिकार दिए जाएं।

पंजाब हरियाणा राज्य योजनाओं का विस्तार: पंजाब एवम हरियाणा की राजधानी होने के नाते चंडीगढ़ के नागरिकों को दोनो राज्य सरकारों द्वारा जनता के लिए लागू योजनाओं, संसाधनों व प्रशासनिक सरंचनाओ का लाभ चंडीगढ़ के नागरिकों को भी प्रदान किया चाहिए। इस बारे केंद्रीय स्तर पर निर्णय ले तुरंत प्रभाव से स्पष्ट दिशा निर्देश जारी किए जाने का निवेदन करते है।

एचएमएसी का गठन: केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा अलग अलग केंद्र शासित प्रदेशों के लिए गृहमंत्री सलाहकार समिति (एचएमएसी) का गठन किया जाता है जिसका गठन पिछले 8 वर्षो से नही किया गया है। हमारी मांग है कि चंडीगढ़ के लिए एक प्रभावी गृहमंत्री सलाहकार समिति का गठन तुरंत किया जाए जिसमे लिए गए फैसलों को लागू करवाने तथा कोऑर्डिनेशन हेतु गृहमंत्री की तरफ से किसी राजनेता को अथवा स्पेशल अधिकारी नियुक्त किया जाए जो गृहमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में चंडीगढ़ के लिए फैसले लेने में सक्षम हो अधिकारियों की नही जानता की आवाज सुने तथा जिसकी जवाबदेही सीधे गृहमंत्री को हो।

गृह मंत्रालय में चंडीगढ़ डेस्क की स्थापना: केंद्रीय गृह मंत्रालय में चंडीगढ़ मामलों के त्वरित एवं प्रभावी निर्णय हेतु एक विशेष अनुभाग (डेस्क) स्थापित किया जाए जिसका एक उपकर्यालय चंडीगढ़ में भी हो तथा, इस डेस्क की कारगुजारी चंडीगढ़ के लिए विशेष रूप से नियुक्त ओएसडी के अधीन कार्य करे।

अधिकतम 33 डिग्री से.
न्यूनतम 28
सूर्योदय 5.33 बजे
सूर्यास्त 7.26 बजे
सोना 24 कैरेट : 99,520.00
सैंसेक्स : 81,757.73
अमेरिका : 86.13
कैनेडियन : 62.79
आस्ट्रेलिया : 55.18

न्यूज ब्रीफ

ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के नाम पर लाखों रुपए की ठगी, मामला दर्ज

चंडीगढ़ (अप्रस/रंजीत शम्मी)। शहर में आए दिन ऑनलाइन/ डिजिटल अरेस्ट ठगी के मामले लगातार प्रकाश में आ रहे है। शातिर पुलिस की पकड़ से बाहर है। ऐसा ही एक और मामला प्रकाश में आया है। यहां शातिर ठग शिकायतकर्ता के साथ लाखों रुपए की ठगी कर गया। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के नाम पर लाखों रुपए की ठगी करने वाले अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।और पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता सैक्टर 7 निवासी निखिल ने पुलिस को बताया कि उसे कुछ समय पहले किसी अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। उसने पीड़ित को झांसे में लेते हुए कहा कि अगर वह अपना पैसा इन्वेस्टमेंट करते है।तो उसे अच्छा मुनाफा मिल सकता है। पीड़ित उनके झांसे में आ गया। उसने कुल मिलाकर दो लाख 85 हजार रुपए जमा करवा दिए। जब कुछ दिन बीत जाने के बाद संपर्क किया तो उस शख्स ने संपर्क करना बंद कर दिया। पीड़ित को पता चला कि उसके साथ ठगी हो गई। मामले की शिकायत पुलिस को दी गई थी। पुलिस ने मामले में कारवाई करते हुए अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चंडीगढ़ प्रशासन ने बिहार के प्रवासी मतदाताओं के लिए विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) 2025

चंडीगढ़ (अप्रस)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, बिहार में विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) 2025 का कार्य निर्वाचन आयोग के सक्रिय पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में तेजी से प्रगति कर रहा है। इस प्रक्रिया में अब तक 90 फीसदी से अधिक मतदाताओं के गणना फॉर्म सफलतापूर्वक प्राप्त हो चुके हैं। मृत, स्थानांतरित, या दोहरे प्रविष्टियों को छोड़कर, केवल 5.8 प्रतिशत मतदाता शेष हैं, जिनके फॉर्म 25 जुलाई 2025 तक जमा होने की उम्मीद है। बिहार के कई मतदाता वर्तमान में चंडीगढ़ सहित अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अस्थायी रूप से रह रहे हैं। इन प्रवासी मतदाताओं की इस संशोधन प्रक्रिया में भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। चंडीगढ़ में रह रहे बिहार के प्रवासी मतदाताओं से अनुरोध है कि वे अपने गणना फॉर्म ऑनलाइन voters.eci.gov.in पोर्टल या ECINET मोबाइल ऐप के माध्यम से भरें। इसके अलावा, वे प्री-फिल्ड फॉर्म डाउनलोड कर, आवश्यक दस्तावेज संलग्न करके व्हाट्सएप के जरिए बिहार में अपने परिवार के सदस्यों या संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को भेज सकते हैं। फॉर्म जमा करने के लिए नीचे दिए गए क्यूआर कोड को भी स्कैन किया जा सकता है। चंडीगढ़ प्रशासन का यह प्रयास है कि बिहार के सभी पात्र प्रवासी मतदाता, जो चंडीगढ़ में रह रहे हैं, इस निर्वाचन संशोधन प्रक्रिया में शामिल हो सकें और उन्हें हर कदम की जानकारी हो।

पंजाब के राज्यपाल ने केंद्रीय मंत्रियों से की मुलाकात, ई-बसों, रेल संपर्क व पर्यटन परियोजनाओं पर हुई चर्चा

328 इलेक्ट्रिक बसों की मंजूरी की मांग

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

नई दिल्ली/चंडीगढ़, 18 जुलाई। पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियोंमनोहर लाल खट्टर (आवास और शहरी मामलों के मंत्री), अश्विनी वैष्णव (रेल मंत्री), गजेंद्र सिंह शेखावत (पर्यटन मंत्री) और भूपेंद्र यादव (पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री) से मुलाकात की। इन बैठकों में चंडीगढ़ और पंजाब के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों, विशेष रूप से सार्वजनिक परिवहन, पर्यटन अवसंरचना और पर्यावरणीय स्थिरता पर विस्तृत चर्चा हुई। सभी केंद्रीय मंत्रियों ने राज्यपाल की चिंताओं को सकारात्मक रूप से स्वीकार किया और व्यापक जनहित में समय पर और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। राज्यपाल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता के हाल ही में हुए निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति जताते हुए पुष्पांजलि अर्पित की।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ बैठक में राज्यपाल ने चंडीगढ़ के लिए प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत 328 इलेक्ट्रिक बसों की मंजूरी के लंबित मामले को उठाया। उन्होंने चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग (सीटीयू) और चंडीगढ़ सिटी बस सर्विस सोसाइटी (सीसीबीएसएस) के पुराने डीजल बसों के बेड़े को बदलने के लिए जीसीसी मॉडल पर शीघ्र मंजूरी का आग्रह किया। ये बसें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के 15 वर्ष की डीजल वाहन सीमा के तहत 2025-2027 के बीच अपना परिचालन जीवन पूरा करेंगी। राज्यपाल ने अक्टूबर 2023 में स्वीकृत 100 इलेक्ट्रिक बसों के लिए लेटर ऑफ अवार्ड जल्द जारी करने की मांग की, ताकि नवंबर 2025 से पहले इनकी डिलीवरी सुनिश्चित हो सके और सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में निरंतरता बनी रहे। उन्होंने मंत्रालय के हरित गतिशीलता प्रयासों के समर्थन में पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधाओं के माध्यम से स्क्रैपिंग प्रमाणपत्र प्रदान करने का आश्वासन भी दिया।

रेल संपर्क को मजबूत करने पर जोर

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ चर्चा में राज्यपाल ने तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, नांदेड़ और पंजाब-चंडीगढ़, जिसमें तरनतारन साहिब शामिल है, के बीच रेल संपर्क बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। यह कदम बढ़ती यात्री मांग और तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, उन्होंने उदयपुर और चंडीगढ़ के बीच बेहतर रेल संपर्क की मांग की, जो राजस्थान और केंद्र शासित प्रदेश के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए लाभकारी होगा।

पर्यटन अवसंरचना के लिए रणनीतिक निवेश की जरूरत

केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात में राज्यपाल ने चंडीगढ़ में पर्यटन विकास परियोजनाओं पर जोर दिया। उन्होंने शहर की विरासत, पर्यावरणीय मूल्यों और बढ़ते पर्यटक प्रवाह के अनुरूप पर्यटन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए रणनीतिक निवेश की आवश्यकता बताई। साथ ही, क्षेत्रीय विकास और यात्रा को सुगम बनाने के लिए धार्मिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक केंद्रों के साथ पर्यटन और परिवहन संपर्क को बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

पर्यावरणीय स्थिरता पर चर्चा

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से शिष्टाचार भेंट में जलवायु-सचेत शासन पर बढ़ते जोर के मद्देनजर चंडीगढ़ और पंजाब से संबंधित पर्यावरणीय प्राथमिकताओं और सतत विकास के मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ।

चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर बेहतर कनेक्टिविटी के लिए पंजाब के राज्यपाल ने केंद्रीय मंत्री से की चर्चा

पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से मुलाकात की। इस मुलाकात का उद्देश्य चंडीगढ़ के शहीद भगत सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय हवाई संपर्क को मजबूत करना था। राज्यपाल ने बताया कि चंडीगढ़ हवाई अड्डा पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ के निवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। क्षेत्र में बढ़ती मांग को देखते हुए विशेष रूप से सीधी अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों की आवश्यकता पर बल दिया गया। श्री कटारिया ने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि व्यावसायिक यात्राएं भी आसान होंगी और क्षेत्र की आर्थिक प्रगति को गति मिलेगी। केंद्रीय मंत्री श्री नायडू ने आश्वासन दिया कि उनका मंत्रालय इस दिशा में सक्रिय रूप से काम करेगा। उन्होंने कहा कि एयरलाइंस और हवाई अड्डा संचालकों सहित सभी हितधारकों के साथ मिलकर कनेक्टिविटी बढ़ाने और यात्री सुविधाओं को बेहतर करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। यह मुलाकात चंडीगढ़ के विमानन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और इसकी वैश्विक व घरेलू पहुंच को विस्तार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्वच्छ सर्वेक्षण में चंडीगढ़ को दूसरा स्थान मिलने पर उठे सवाल

अर्थ प्रकाश/रंजीत शम्मी

चंडीगढ़, 18 जुलाई। चंडीगढ़ के समाजसेवी संदीप दहिया ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में शहर को तीन से दस लाख की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में दूसरा स्थान मिलने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ की अनुमानित जनसंख्या 2024 में 12.40 लाख के आसपास है, जो 10 लाख से अधिक है। ऐसे में सवाल उठता है कि शहर को तीन से दस लाख की श्रेणी में क्यों शामिल किया गया। 2011 की जनगणना में चंडीगढ़ की जनसंख्या 10.55 लाख थी, जो लगातार बढ़ रही है। फिर भी उसे 10 लाख से कम की श्रेणी में क्यों रखा गया? दहिया ने आरोप लगाया कि यह रैंकिंग आगामी 2026 के मेयर और नगर निगम चुनावों को ध्यान में रखकर की गई हो सकती है, ताकि राजनीतिक लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण में पारदर्शिता की कमी है। केंद्र द्वारा चयनित सर्वेक्षण एजेंसी नगर निगम को पहले से सर्वेक्षण स्थल और समय की जानकारी दे देती है। इसके बाद नगर निगम अन्य वार्डों से कर्मचारियों को बुलाकर उन जगहों को अस्थायी रूप से साफ कर देता है। उन्होंने बताया कि सर्वे के दौरान सेक्टर 15बी में ऐसा ही हुआ। टीम के जाते ही उस इलाके की और शहर की सामान्य स्थिति दयनीय हो जाती है-टूटी सड़कें, कूड़े के ढेर, गंदगी भरे पार्क, खराब लाइटें और गंदे सार्वजनिक शौचालय आम दृश्य हैं। दहिया का कहना है कि यदि चंडीगढ़ को वास्तव में स्वच्छता में शीर्ष पर लाना है, तो सभी को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए एक निष्पक्ष और पारदर्शी संस्था की नियुक्ति की जाए और चंडीगढ़ को सही आबादी के आधार पर 10 लाख से अधिक की श्रेणी में रखा जाए।

चंडीगढ़ में फर्नीचर मार्केट, सेक्टर 53 में अतिक्रमण हटाओ अभियान की तैयारियां तेज

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। चंडीगढ़ प्रशासन ने सेक्टर 53 की फर्नीचर मार्केट में 20 जुलाई दिन रविवार को सुबह 7 बजे से प्रस्तावित अतिक्रमण हटाओ अभियान की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने की, जिसमें विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में उपमंडल दंडाधिकारी (एसडीएम), पुलिस विभाग, अग्निशमन विभाग, इंजीनियरिंग विभाग, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम के अधिकारी शामिल थे। उपायुक्त ने अभियान के सुचारू संचालन के लिए सभी विभागों से समन्वय और पूर्ण लॉजिस्टिक सहयोग सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

सुरक्षा और व्यवस्था के लिए व्यापक इंतजाम

उपायुक्त ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगभग 1000 पुलिस कर्मियों की तैनाती की योजना को मंजूरी दी। पुलिस विभाग को पुरुष और महिला पुलिसकर्मियों की पर्याप्त उपस्थिति के साथ-साथ क्विक रिस्पांस टीम्स की तैनाती के निर्देश दिए गए। इसके अलावा, अग्निशमन विभाग को आवश्यक उपकरणों के साथ तैयार रहने और स्वास्थ्य विभाग को आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया। इंजीनियरिंग विभाग को अभियान के तकनीकी पहलुओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि नगर निगम को अतिक्रमण हटाने के बाद कचरा और मलबा हटाने का कार्य करना होगा। उपायुक्त ने ट्रैफिक नियंत्रण, अग्निशमन तैयारियों और अभियान के बाद सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। उपायुक्त श्री यादव ने जोर देकर कहा कि यह अभियान कानूनी प्रावधानों के तहत और जनहित में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने सभी विभागों से अपने दायित्वों को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ प्रशासन का यह कदम शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने और नागरिकों के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। अभियान के दौरान स्थानीय लोगों से सहयोग की अपेक्षा की गई है।

मॉडर्न हाउसिंग कॉम्प्लेक्स डुप्लेक्स रेजिडेंट्स वैलफेयर एसोसियेशन ने किया पौधारोपण

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। मॉडर्न हाउसिंग कॉम्प्लेक्स डुप्लेक्स रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की कार्यकारिणी समिति की बैठक 17 जुलाई 2025 को आयोजित की गई, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया जाएगा तथा अन्य मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। इस बैठक में बड़ी संख्या में कार्यकारिणी सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। इन बरसात के दिनों में एसोसिएशन द्वारा रखरखाव किए जा रहे सभी पार्कों में लगभग 400 से 450 पौधे लगाए जा चुके हैं। हम बागवानी विभाग के कर्मचारियों, विशेष रूप से श्री कृष्ण पाल सिंह (सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर), श्री अश्वनी कुमार (एक्जीक्यूटिव इंजीनियर) तथा श्री रोहित गर्ग (एसडीओ) के सहयोग के लिए आभारी हैं, जिन्होंने डुप्लेक्स क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्य में सहयोग दिया।

चंडीगढ़ नगर निगम ने नए पैचवर्क से सड़कों की स्थिति में सुधार किया

अर्थ प्रकाश/वीरेन्द्र सिंह

चंडीगढ़, 18 जुलाई। निवासियों के लिए सुगम और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, चंडीगढ़ नगर निगम ने शहर के विभिन्न सेक्टरों में फिरनी रोड और वी5 सड़कों के विभिन्न हिस्सों पर आवश्यक पैचवर्क मरम्मत कार्य किया है।

यह पहल सड़क अवसंरचना को बनाए रखने और जन सुविधा बढ़ाने के लिए एमसीसी के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। पैचवर्क कई चिन्हित स्थानों पर किया गया जहाँ नियमित टूट-फूट, मौसम के प्रभाव और उपयोगिता कार्यों के कारण सड़कों की सतह खराब हो गई थी।

कार्य के बारे में बोलते हुए, नगर निगम आयुक्त श्री अमित कुमार, आईएएस ने कहा कि दीर्घायु सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्तापूर्ण सामग्री के साथ पैचिंग कार्य को समय पर पूरा करने के लिए इंजीनियरिंग विंग की समर्पित टीमों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि पैचवर्क से आवागमन की परेशानी कम होगी और पैदल यात्रियों और वाहनों दोनों की सुरक्षा बढ़ेगी।

एमसीसी नागरिकों से त्वरित कार्रवाई के लिए आधिकारिक एमसीसी हेल्पलाइन या ऐप के माध्यम से सड़क क्षति की शिकायतें साझा करने की अपील करता रहता है।

निगम चंडीगढ़ के लोगों को बेहतर बुनियादी ढांचा और निर्बाध नागरिक सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

चोरी के दो अलग अलग मामले — महिला कांस्टेबल का एक्टिवा स्कूटर चोरी करने के आरोपी समेत तीन काबू

चोरी के दो वाहन बरामद

अर्थ प्रकाश/रंजीत शम्मी

चंडीगढ़, 18 जुलाई। यूटी पुलिस के ऑपरेशन सैल ने चंडीगढ़ पुलिस की महिला कांस्टेबल का एक्टिवा स्कूटर चोरी करने वाले आरोपी समेत तीन को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियो की पहचान अंबा फार्म मलोया के रहने वाले 25 वर्षीय अमन जिसके खिलाफ थाना 39 में पहले भी मामला दर्ज पाया गया, दूसरे आरोपी की पहचान सैनी विहार बलटाना पंजाब के रहने वाले 25 वर्षीय शिवम जिसके खिलाफ जीरकपुर और थाना मनी माजरा में तीन अलग अलग मामले और 27 वर्षीय अमित के रूप में हुई है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियो के कब्जे से चोरी किए दो अलग अलग मामलो में दो पहिया वाहन बरामद किए। आरोपियों को पुलिस ने जिला अदालत में पेश किया। अदालत ने आरोपियों को न्यायकि हिरासत में भेज दिया। जानकारी के अनुसार पता चला कि 17 जुलाई को ऑपरेशन सैल पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि थाना 3 क्षेत्र एरिया के अंतर्गत से एक एक्टिवा स्कूटर चोरी कर दो युवक आ रहे हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए और यूटी पुलिस के आला अधिकारियों के दिशा निर्देशों के चलते ऑपरेशन सैल के इंचार्ज इंस्पेक्टर रंजीत सिंह की टीम ने सैक्टर 26 स्थित गोल्फ टर्न के पास नाका लगा लिया। नाके के दौरान पुलिस आने जाने वाले वाहनों की चेकिंग करने लगी। इसी दौरान एक एक्टिवा स्कूटर पर सवार दो युवक आए। पुलिस ने उन्हें कागजात चेक करवाने के लिए बोला तो वह आनाकानी करने लगे।जब पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो पता चला कि उनके पास चोरी किया एक्टिवा स्कूटर है।

पुलिस ने तुरंत मामले में कारवाई करते हुए शिवम और अमित को मामले में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच के दौरान पता चला कि पकड़े गए दोनो आरोपियो ने यह एक्टिवा सैक्टर 9 स्थित यूटी पुलिस मुख्यालय की पिछली साइड पार्किंग एरिया से चोरी किया था। जबकि बरामद किया गया एक्टिवा स्कूटर यूटी पुलिस की महिला कांस्टेबल का था। इस संदर्भ में थाना 3 में मामला दर्ज है।

इसके अलावा ऑपरेशन सैल पुलिस की टीम ने सैक्टर 26 स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीआर) के पास से नाका/गश्त ड्यूटी के दौरान एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया। जिसकी पहचान अमन के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चण्डीगढ़ नंबर का एक अन्य एक्टिवा स्कूटर बरामद किया। इस संदर्भ में 16 जुलाई को थाना सारंगपुर में मामला दर्ज है।

सम्पादकीय

चंडीगढ़ को इंदौर से सीखना होगा नंबर वन कैसे बने

सिटी ब्यूटीफुल यानी चंडीगढ़ को स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में सुपर स्वच्छ लीग की 3-10 लाख आबादी की कैटेगरी में दूसरा स्थान प्राप्त होना एक बड़ी उपलब्धि है। दो साल पहले यानी साल 2023 में हुए सर्वेक्षण में चंडीगढ़ का स्थान 11वां था। इस लिहाज से बीते कुछ ही समय के दौरान चंडीगढ़ प्रशासन और नगर निगम के अधिकारियों, निर्वाचित प्रतिनिधियों ने उल्लेखनीय काम कर दिखाया है। इस बार शहर को अगर यह कामयाबी हासिल हो सकी तो इसकी वजह लीगेसी वेस्ट बायोमाइनिंग रही, जिसमें उसे पूरे अंक मिले हैं। जिस कैटेगरी में चंडीगढ़ को यह स्थान मिला है, उसी में नोएडा ने पहला और मैसूर ने तीसरा स्थान हासिल किया। जाहिर है, चंडीगढ़ ने उस मुकाम को प्राप्त किया है, जिसका वह हकदार है। हालांकि क्या हम प्रथम स्थान पर नहीं आ सकते? जिसके नाम का पर्याय ही सिटी ब्यूटीफुल हो, अगर वह शहर सफाई के मामले में पिछड़ेगा तो फिर यह उसके लिए चिंताजनक होना चाहिए। बेशक, शहर ने यह कामयाबी हासिल की है, लेकिन यह सवाल भी अहम है कि क्या आज चंडीगढ़ की आबादी महज 10 लाख है, जबकि बीते वर्षों की तुलना में शहर कहीं बहुत ज्यादा प्रसार ले चुका है और उसकी आबादी भी बहुत बढ़ चुकी है।

वैसे, इस रैंकिंग का आना अपनी जगह सही है, लेकिन इससे संतुष्ट होकर नहीं बैठा जा सकता। स्वच्छता का मतलब सफाई से है और आजकल के शहर जिस प्रकार से कचरे का घर बनते जा रहे हैं, वह निश्चित रूप से चिंता की बात होनी चाहिए। प्लास्टिक का कचरा आज के समय की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। नागरिकों को संजीदा होना जरूरी है, क्योंकि ज्यादातर लोग कूड़े को अलग-अलग करके नहीं देते। हालांकि प्रशासन को इस पर भी विचार करना चाहिए कि महज कूड़े के सेग्रीगेशन से हम सर्वे में सर्वोच्चता प्राप्त नहीं कर सकते। आंकड़ों में इसे हासिल किया जा सकता है, लेकिन हकीकत में हालात काफी चिंताजनक दिखते हैं। शहर में तमाम रोड बदहाल हैं, उनमें गड्ढे हैं।

निश्चित रूप से इस पर चिंतन होना चाहिए कि साल 2011 की जनगणना के मुताबिक शहर की आबादी 10 लाख गिनी गई है। जब यह पूरे देश के शहरों में सफाई का सर्वे है तो फिर चंडीगढ़ को इस कैटेगरी में डालकर प्रतियोगिता को कमजोर क्यों किया गया। चंडीगढ़ अपने आप में एक पूर्ण शहर है, शैक्षिक, चिकित्सा, संस्कृति, खेल, वाणिज्य आदि के रूप में यह देश को उल्लेखनीय उपलब्धियां प्रदान कर रहा है, इसे भी क्यों नहीं 10 लाख से ज्यादा की आबादी में रखा गया, जहां पर इंदौर और सूरत जैसे शहर थे। बेशक, इन शहरों ने बीते समय में विभिन्न मोर्चों पर श्रेष्ठता की सीमाओं को छुआ है, लेकिन अगर बड़े शहरों की श्रेणी में चंडीगढ़, जिसने बीते समय के दौरान अपने यहां सफाई को लेकर 360 डिग्री का बदलाव किया है, जरूर बाकी शहरों के लिए चुनौतीपूर्ण स्थिति हो सकती थी। गौरतलब यह भी है कि घरों से कचरा अलग करके देने में चंडीगढ़ अन्य शहरों से पीछे है और इसके नंबर वन न रहने की वजह इसे भी बताया जा रहा है। इस बार के सर्वे में कुछ नई कैटेगरी भी जोड़ी गई हैं, जिसमें सुपर स्वच्छता लीग, स्पेशल कैटेगरी शामिल हैं। सुपर स्वच्छता लीग कैटेगरी में सोर्स सेग्रीगेशन यानी घरों से गीला-सूखा कचरा अलग करके देने में इस बार चंडीगढ़ को यह स्थान हो सका है। बेशक, नगर निगम ने बीते सालों की तुलना में इस दिशा में प्रभावी काम किया है, लेकिन अभी इस तरह और ज्यादा ध्यान दिए जाने की जरूरत है। घरों से निकले गीले-सूखे कचरे को अलग करने की जरूरत ज्यादातर लोगों को समझ नहीं आती। उनके लिए घरों से निकला हर कूड़ा, कूड़ा है। हालांकि बाद में कचरे की प्रोसेसिंग के समय यही मिलाजुला कचरा समस्या बन जाता है।

वैसे, इस रैंकिंग का आना अपनी जगह सही है, लेकिन इससे संतुष्ट होकर नहीं बैठा जा सकता। स्वच्छता का मतलब सफाई से है और आजकल के शहर जिस प्रकार से कचरे का घर बनते जा रहे हैं, वह निश्चित रूप से चिंता की बात होनी चाहिए। प्लास्टिक का कचरा आज के समय की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। नागरिकों को संजीदा होना जरूरी है, क्योंकि ज्यादातर लोग कूड़े को अलग-अलग करके नहीं देते। हालांकि प्रशासन को इस पर भी विचार करना चाहिए कि महज कूड़े के सेग्रीगेशन से हम सर्वे में सर्वोच्चता प्राप्त नहीं कर सकते। आंकड़ों में इसे हासिल किया जा सकता है, लेकिन हकीकत में हालात काफी चिंताजनक दिखते हैं। शहर में तमाम रोड बदहाल हैं, उनमें गड्ढे हैं। पार्कों में कूड़े के ढेर दिखते हैं, दिनों नहीं अपितु महीनों तक उनकी सफाई नहीं होती। बरसात में रोड गलीज बंद हो जाती हैं, पानी की निकासी नहीं हो पाती। शहर में पानी की सप्लाई दूषित हो गई है। क्या इन सभी समस्याओं का निपटारा भी जरूरी नहीं है। इनके निराकरण के बाकी रहते हम कैसे यह दावा कर सकते हैं कि हमने अपने शहर को साफ बना लिया है। चंडीगढ़ तो वह शहर है, जिसने बाकी शहरों को साफ रहना सिखाया था। डंपिंग ग्राउंड में साल 2019 से लीगेसी बायोमाइनिंग का काम चल रहा है, पिछली बार यहां 67 फीसदी बायोमाइनिंग हुई थी और इस बार यह शत प्रतिशत हो गई। क्या हमें इसे समय सीमा तय करके पूर्ण रूप से खत्म नहीं कर देना चाहिए। वास्तव में नागरिकों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी, इंदौर में प्रत्येक नागरिक इसे समझता है और इसी वजह से वह शहर हर बार सर्वोत्तम रहता है। चंडीगढ़ को इंदौर से सीखना चाहिए नंबर वन कैसे बना जाता है।

कर भोजन को भजन समाना

दैनिक अर्थ प्रकाश

स्पिरिचुअल हीलर
सिद्ध गुरू प्रमोद निर्वाण
गिनीज़ विश्व रिकॉर्ड विजेता लेखक

भोजन के महत्व को बताने वाली एक पुरानी कहावत है- 'भूखे भजन न होय गोपाला' यानी कि भूखे पेट भगवान के भजन में भी ध्यान नहीं लग पाता। पेट जब खाना मांग रहा होता है तो ध्यान भगवान के बजाय भूख पर केंद्रित हो जाता है। भूख जितनी बढ़ती है हमारा मन उतना ही अशांत हो जाता है। मन को शांत रखने के लिए भूख मिटानी जरूरी है। अमेरिका के वैज्ञानिकों ने अपने एक शोध में भूख लगने पर लोगों के व्यवहार में बदलाव या मन अशांत होने की पुष्टि की है। हालांकि प्रयोग में यह भी सिद्ध हुआ कि भूखे की वजह से होने वाली नाराजगी उनके सामान्य गुस्से जितना खतरनाक या नुकसानदेह नहीं होता।

यूनिवर्सिटी ऑफ नार्थ कैरोलिना के वैज्ञानिकों ने 230 भूखे छात्रों पर यह अध्ययन किया। इस अध्ययन में भूखे लोगों के धैर्य की परीक्षा ली गई, जैसे कि भूख लगने पर खाने के ठीक पहले कोई काम निपटाने में लगे छात्रों का कंप्यूटर चुपचाप क्रैश कर दिया गया। वैज्ञानिकों ने पाया कि अधिकांश छात्रों ने कंप्यूटर क्रैश हो जाने पर अधिक तनाव और नाराजगी दिखाई।

मुख्य शोधकर्ता मैक्रोमैंक के अनुसार अध्ययन का विषय था कि भूख लगने पर हमारे सोचने समझने के तरीके में बदलाव आ जाता है, लेकिन क्या यह हमें गुस्सा होने तक नाराज कर सकता है या ज्यादा खुदगर्ज बना सकता है? इस प्रयोग में यह स्पष्ट हो गया कि भूखे व्यक्ति के व्यवहार में कई बार नकारात्मकता आ जाती है लेकिन इस नकारात्मकता से उपजा गुस्सा उतना नुकसान देह नहीं होता जितना हमारा किसी और बात पर गुस्सा होने पर होता है।

हमारे देश में बहुत से लोगों के लिए धर्म और अध्यात्म हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। उपवास हमारी संस्कृति में शामिल है। संसार के लगभग सभी धर्मों में उपवास को जीवनशैली के अनिवार्य अंग की तरह शामिल किया गया है। इस्लाम में ईद से पूर्व रमजान में रोज़ा भी उपवास ही है। ईसाइयों में भी क्रिसमस से पहले उपवास का प्रावधान है। जैन धर्म में तो उपवास प्रमुख सिद्धांतों में एक है। उपवास का चरमोत्कर्ष जैन धर्म के संथारा में नज़र आता है जिसके तहत निराहार रहते हुए शरीर को क्षीण कर मोक्ष प्राप्ति की व्यवस्था बनाई गई है। बौद्धधर्म में भी उपवास को आत्म शुद्धि की राह में पहली सीढ़ी माना गया है। हिन्दू धर्म में तो आए दिन जितने व्रत-उपवास रहते हैं उतने शायद ही दुनिया के किसी अन्य समाज में होंगे।

समस्या यह है कि भारतवर्ष में भोजन और उपवास को लेकर बहुत सी गलतफहमियां देखने में आती हैं। ब्रिटिश लेखक, दार्शनिक और मूत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. कैनेथमैकफर्लेनवॉकरने अपनी आत्मकथा में लिखा हैकि मैं अपने जीवन भर के अनुभव से यह कहता हूं कि लोग जो भोजन करते हैं, उनमें से आधे भोजन से उनका पेट भरता है और आधे भोजनों से हम डॉक्टरों का पेट भरता है। अगर वे आधा भोजन करें, तो वे बीमार ही नहीं पड़ेंगे और हम डॉक्टरों की कोई जरूरत नहीं रह जाएगी। जब हम बातें करते हुए, कोई अखबार या पत्रिका पढ़ते हुए, टीवी देखते हुए भोजन करते हैं तो हमारा ध्यान भोजन पर नहीं होता और हम अक्सर भोजन को पूरी तरह से चबा करखाना भूल जाते हैं और आधा चबाया भोजन निगल लेते हैं। तब हमें भोजन से संतुष्टि के लिए अधिक भोजन की आवश्यकता होती है जो अंततः विभिन्न रोगों का कारण बनता है। भोजन चबाकर खाने से हमारे मुख की स्वास्थ्य वर्धक लार भोजन में मिल जाती है जो भोजन को स्वादिष्ट भी बनाती है और हमे पुष्ट भी करती है। यह भोजन अधिक स्वादिष्ट होने के साथ-साथ दवा के समान गुणकारी हो जाता है।

हाल के वर्षों में हम सबके लाइफ स्टाइल में आये परिवर्तन के कारण घर में खाना न बनाकर पिज़्ज़ा, बर्गर, नूडल्स आदि खाने का रिवाज़ तो बढ़ा ही है, घर में भी पैकेज्ड भोजन लाकर खाने

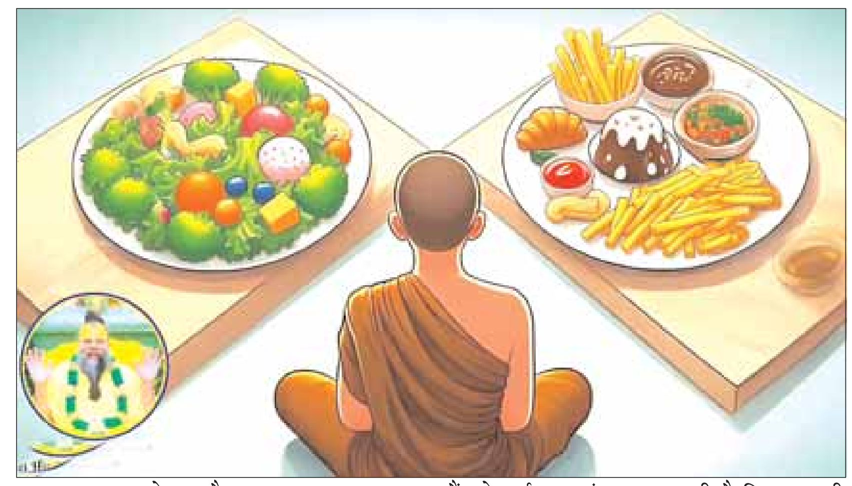

का चलन आम हो गया है। यह समझना आवश्यक है कि जिस आलू को आप खराब मान कर खरीदने से इन्कार कर देते हैं वही आलू समोसा, टिक्की, चाट आदि के माध्यम से आपके खानपान में शामिल हो जाता है। पैक किये गये उत्पादों में बहुत से ऐसे पदार्थ शामिल किये जाते हैं जो कदापि खाने योग्य नहीं हैं और उनका विवरण सीधे-सीधे न देकर कोड में दिया जाता है और हमें पता ही नहीं चलता कि भोजन के नाम पर हम ज़हर खा रहे हैं। पिज़्ज़ा, बर्गर आदि में भी अक्सर ऐसे पदार्थ मिला दिये जाते हैं जिनका पोषण से कोई लेना-देना नहीं है पर वे हमें इनका आदी बना देते हैं। सेहत के लिए ये सब पदार्थ अत्यंत हानिकारक हैं।

यह तो ध्यान में रखना जरूरी है ही कि हम क्या खाते हैं, कितना खाते हैं और उसके परिणाम हमारे शरीर पर क्या हैं? इसके अलावा भोजन के संबंध में दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि जो हम खाते हैं, उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि हम उसे किस भाव दशा में खाते हैं। हमारे शरीर पर इसका बहुत असर होता हैकि हम आनंदित मन से खाते हैं, या दुखी, उदास और चिंता से भरे हुए खाते हैं। अगर हम चिंतित हैं, उदास हैं, अवसादग्रस्त हैं या डरे हुए हैं तो हम जो खा रहे हैं वह श्रेष्ठतम भोजन हो तो भी उसके परिणाम जहरीले ही होंगे, और अगर हम आनंद से खा रहे हैं, तो कई बार संभावना यह भी है कि जहर भी हमारे लिए उतना घातक न हो पाए।

अब ज़रा उपवास को भी समझने की कोशिश करते हैं। हमारी संस्कृति में रचे- बसे उपवास बदलते मौसम की मार को कम करने के लिए बनाए गए थे, साथ ही यह प्रावधान भी किया गया था कि किस उपवास में क्या खाया जाए जो उस मौसम के अनुकूल हो और हमारे शरीर की प्रतिरक्षण प्रणाली को मजबूत बना सके। इस तथ्य को समझे बिना नकल के रूप में या अज्ञानवश किया गया उपवास लाभकारी होगा ही, इसमें संदेह है। उपवास भूखे रहने का नाम नहीं है, उपवास में कम भोजन करना, हल्का भोजन करना, सुपाच्य भोजन करना लाभदायक है। भोजन करते समय यदि हमारा पूरा ध्यान भोजन पर केंद्रित हो तो भोजन ही भजन बन जाता है। ''सहज सन्यास मिशन'' में हमें यह सिखाया जाता है कि हमारा शरीर सबसे बड़ा मंदिर है। इसकी रक्षा के प्रति सजग रहते हुए पौष्टिक करना हमें स्वस्थ रखकर इस काबिल बनाता है कि हम अपनी जिम्मेदारियों को ठीक से निभा सकें, अपने परिवार के सदस्यों पर अथवा किसी अन्य व्यक्ति पर बोझ न बनें। ऐसा होगा तभी समाज का भी भला कर सकेंगे और शांत मन से परमात्मा का भजन कर सकेंगे। आखिरकार यही तो हमारा लक्ष्य है।

अर्थ प्रकाश में 34 साल पहले आज का दिन

प्रधानमंत्री ने अयोध्या मसले पर परिषद से सहयोग मांगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री पीवी नरसिंह राव ने अयोध्या मसले पर उचित कार्यवाई करने के बारे में राष्ट्रीय एकता परिषद से सहयोग का आह्वान किया है। ताकि परिषद के मश्वरे की सहायता से इस संबंध में सही पग उठाए जा सके। आज यहां पुर्नगठित राष्ट्रीय एकता परिषद की बैठक में रामजन्म भूमि-बाबरी मस्जिद विवाद पर चिंता प्रकट करते हुए प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि इस विवाद को लेकर लोगों में काफी उत्तेजना पायी जा रही है। उन्होंने कहा कि वह समझते है, इस मसले पर परिषद की पूर्व बैठक में हुइ आम सहमति का पूरा पालन नहीं हुआ है। बैठक में प्रमुख राजनीतिक दलों के नेता व उ.प्र. हरियाणा तथा प. बंगाल सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री भाग ले रहे है। गृहमंत्री श्री एसबी चव्हाण ने अपने भाषण में यह स्पष्ट किया कि केंद्र अयोध्या मसले का समाधान निकालते समय बुनियादी मूल्यों की कीमत पर कभी कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि यह केवल रामजन्म भूमि बाबरी मस्जिद ढांचे की सुरक्षा का ही सवाल नहीं है बल्कि यह धर्म निरपेक्ष मुल्यों, न्याय प्रणाली की मर्यादा और विधिसवत शासन के सम्मान के प्रति वचन बद्धता का सवाल है। गृहमंत्री ने इस बात पर खेद प्रकट किया कि गुरुवार तक निर्माण कार्य जारी रखने की अनुमति दी गई। उन्होंने बताया कि केंद्र ने राज्य सरकार से बार-बर कहा है कि वह निर्माण कार्य को उस समय तक के लिए स्थगित कर दे, जब तक इस मसले का विचार-विमर्श अथवा अदालत के फैसले के जरिये हल नहीं निकाल लिया जाता।

उद्यमियों द्वारा बिजली विभाग के नए कानून की निंदा

चंडीगढ़। बिजली विभाग के नए आदेशों के प्रति यहां के औद्योगिक क्षेत्रों में काफी रोष व्याप्त है। इसी सिलसिले में उद्यमियों के तीन संगठनों की एक संयुक्त बैठक बाज यहां यशपाल महाजन की अध्यक्षता में संपन्न हुई, बैठक में बिजली विभाग के नये आदेश को काला कानून बताते हुए उद्योगों के लिए इसे अहितकर बताया गया। बैठक में वर्ष 1988 से बंद पड़े पावर कनेक्शन को पुनः चालु करने की मांग के अलावा नये आदेश को वापिस लेने के लिए प्रशासन पर जोर डाले जाने की बात भी कही गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि औद्योगिक इकाइयों का एक प्रतिनिधि मंडल शीघ्र ही प्रशासक के सलाहकार व उद्योग विभाग के सचिव से इस संबंध में मुलाकात करेगा। बैठक में फेडरेशन आफ स्माल स्केल इंडस्ट्रीज चंडीगढ़ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन व फर्नीचर एसोसिएशन तथा इसके पदाधिकारियों पीएस सचदेवा व सोहन लाल सहित अन्य सदस्यों ने भी भाग लिया।

ज्ञान सागर : देखें आज के दिन क्या घटा

1545	अंग्रेजी युद्धपोत मैरी रोज सॉलेंट की लड़ाई के दौरान पोर्ट्समाउथ के बाहर डूब गया; यह 1971 तक फिर से खोजा नहीं गया था।
1553	लेडी जेन ग्रे को इंग्लैंड की रानी के रूप में मैरी- द्वारा बदल दिया गया था और उस खिताब को सिर्फ नौ दिनों के लिए रोक दिया गया था।
1702	किंग चार्ल्स के नेतृत्व में स्वीडन की सेना ने चेक गणराज्य के क्रेकोव शहर पर कब्जा किया।
1702	राजा चार्ल्स बारहवीं ने स्वीडिश सैनिकों पर कब्जा किया।
1843	एसएस ग्रेट ब्रिटेन , ब्रिस्टल, ब्रिटेन से शुरू किया गया एक लोहे का पतवार और एक पेंच प्रोपेलर दोनों महासागर का पहला जहाज थाट।
1843	एसएस ग्रेट ब्रिटेन, पहला महासागर-जाने वाला जहाज, जिसमें ब्रिस्टल, यूके से लॉन्च किया गया, दोनों ही आरेन पतवार और एक स्क्रू प्रोपेलर थे।
1848	दो दिवसीय महिला अधिकार सम्मेलन, संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित पहला महिला अधिकारवादी नारीवादी सम्मेलन, न्यूयॉर्क के सेनेकाफॉल्स में खोला गया।
1860	पहला रेलवे कैनसस तक पहुंचाया गया।
1870	फ्रांस ने प्रशिया के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1870	फ्रेंको-प्रशिया युद्ध- फ्रांस ने प्रशिया के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1900	फ्रांस की राजधानी पेरिस में पहली मेट्रो रेल चली थी। दुनिया की पहली मेट्रो सेवा लंदन में शुरू हो चुकी थी।
1903	फ्रांसीसी साइकिल चालक मौरिस गारिन ने पहला टूर डी फ्रांस जीता।
1926	फ्रांस में एडवर्ड हेरियोट के नेतृत्व में दूसरी बार सरकार बनी।
1941	टस्केगी आर्मी एयर फील्ड औपचारिक रूप से खोला गया।
1961	पहली बार विमान में फिल्म दिखायी गयी।
1963	जॉय वॉकर विमान के जरिये अन्तरिक्ष में जाने वाले पहले व्यक्ति बने।
1967	अमेरिका ने चंद्र कक्षा मे प्रवेश करने के लिये 'एक्सप्लोरर-35' लांच किया।
1979	निकारगुआ देश की जनता की क्रान्ति सफल हुई।
1980	तुर्की के पूर्व प्रधान मंत्री निहट एरीम को तुर्की के इस्तांबुल में 2 बंदूकधारियों ने जान से मार दिया।
1997	अनंतिम आयरिश रिपब्लिकन आर्मी ने उत्तरी आयरलैंड में ब्रिटिश शासन के खिलाफ अपने 25 साल के अभियान को समाप्त करने के लिए स्थायी रूप से अपने युद्धविराम को फिर से शुरू किया।
2003	रूस के अंतरिक्ष यात्री यूरी माले थान्को अंतरिक्ष में शादी रचाने वाले पहले व्यक्ति बने।
2005	जॉन जी। रॉबर्ट्स, जूनियर को यूनाइटेड स्टेट्स सुप्रीम कोर्ट में नामांकित किया गया है।
2008	अमेरिका ने प्रशान्त महासागर में लक्ष्य निर्धारित कर लम्बी दूरी तक मार कर सकने में सक्षम मिसाइल का परीक्षण किया।
2011	पोताला पैलेस के बाहर एक भाषण में, चीनी उप राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने घोषणा की कि वह एक स्वतंत्र तिब्बत के लिए प्रयासों को कुचल देंगे।

बोल ब्यूटीफुल

पल्लवी घोषः जो भाषा बांटती है, वह जोड़ भी सकती है। दो भाई-उद्धव और राज ठाकरे आज हिन्दी-मराठी के नाम पर एक हो गए।

अखिलेश शर्माः हिंदी से रोजगार भी मिल रहा है, चर्चा और वोट भी। हिन्दी थोपना-एम मनगढ़त राजनीतिक मुहावरा है, जो चुनाव के समय अब कई गैर हिन्दी भाषी राज्यों के राजनीतिक दल प्रयोग कर रहे है। देश की अपनी भाषा से ये चिढ़ते है, मगर विदेशी भाषा को गले लगाने से इन्हें आपत्ति नहीं।

मीनाक्षी जोशीः अगर सिंधू में पानी और खून एक साथ नहीं बह सकता, तो मैदान में हाकी-क्रिकेट भी नहीं हो सकता। किसी अंतराष्ट्रीय स्पर्धा के नियम से मुझे कोई लेना-देना नहीं, मुझे पहलगाम से उठी अर्थियां दिखती है।

नवनीत मिश्रः पहले वोटर लिस्ट पर शोर मचाएंगे कि इतने वोट बढ़ गए, उतने बढ़ गए। जब चुनाव आयोग घर-घर जांच पड़ताल कराएगा तो फिर और जोर से चिल्लाएंगे कि ये क्यों हो रहा है? ये तो वोट काटने की साजिश है। यानी चित भी मेरी, पट भी मेरी।

नशा मुक्त युवा, विकसित भारत का सारथी

दैनिक अर्थ प्रकाश

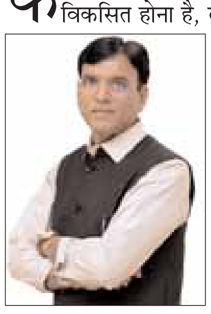

कहा जाता है कि अगर किसी देश को आगे बढ़ना है, विकसित होना है, तो उसका युवा सशक्त और समर्थ होना चाहिए। विश्व में भारत ऐसा देश है, जहां सबसे अधिक युवा आबादी है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि अगर भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है, तो उसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका हमारी युवा शक्ति ही निभाएगी। देश के विकास की रफ्तार युवाओं की ऊर्जा, विचार और संकल्प से ही तय होती है।

लेकिन आज राष्ट्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती है, अपने युवाओं को नशे की लत से दूर रखना। वर्तमान में युवा वर्ग नशे के घेरे में आता जा रहा है। यह नशा न केवल उनके स्वास्थ्य बल्कि करियर, सपनों और देश की ताकत को भी प्रभावित कर रहा है। एक स्टडी के मुताबिक, भारत में 10 से 24 वर्ष की उम्र के हर 5 में से 1 युवा ने कभी न कभी ड्रग्स का सेवन किया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) की रिपोर्ट के अनुसार, 8.5 लाख से अधिक बच्चे ड्रग्स की लत का शिकार हैं। ये आंकड़े बेहद डरावने और चिंतन योग्य हैं।

ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों के खात्मे के लिए भारत सरकार ने पिछले 11 वर्षों में कई प्रभावी कदम उठाए हैं। 2020 में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने 'नशा मुक्त भारत अभियान' की शुरुआत की। नशे की लत को रोकने और पीड़ितों की सहायता के लिए सरकार ने राष्ट्रीय नशा मुक्ति केंद्र (IRCAs) और आउटरीच-कम-ड्रॉप-इन सेंटर (ODICs) की स्थापना की। स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाए गए। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) ने ड्रग माफिया के विरुद्ध सशक्त ऑपरेशन्स किए। साथ ही, देशभर में युवाओं की काउंसलिंग हेतु हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर भी स्थापित किए गए। इसके अलावा विभिन्न राज्यों में भी स्थानीय प्रशासन, गैर-सरकारी संस्थाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से नशे के विरुद्ध कई बड़े अभियान चलाए जा रहे हैं।

भारत इस लड़ाई को और मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में MY Bharat ने एक बड़ी पहल की है। बाबा काशी विश्वनाथ की धरती से 19

से 20 जुलाई तक 'युवा आध्यात्मिक समिट' का आयोजन किया जा रहा है। इसका थीम होगा 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत'। वाराणसी के पावन घाटों पर आयोजित होने वाले इस समिट का उद्देश्य, एक ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाना है, जो युवाओं के नेतृत्व में नशा मुक्ति अभियान को सशक्त बनाए।

इस समिट में देशभर की 100 से अधिक आध्यात्मिक संस्थाओं के युवा प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाएं भी इसमें सहभागिता करेंगी। इसके माध्यम से युवाओं को एक ऐसा मंच मिलेगा, जहां वो अपनी आवाज़ को सरकार और नीति निर्माताओं तक पहुँचा सकेंगे। इस समिट में देश की नशे के विरुद्ध लड़ाई को मजबूत करने के लिए विभिन्न सेशन्स आयोजित किए जाएंगे। इसमें नशे की प्रवृत्ति, इसकी प्रकृति, प्रकार, पीड़ितों की जनसांख्यिकी, अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव और सरकार तथा MY Bharat के युवा स्वयंसेवकों की भूमिका जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श और चर्चा होगी। साथ ही नशे की लत से उबरने वाले युवाओं की प्रेरक कहानियां और उनके अनुभव भी साझा किए जाएंगे, ताकि अन्य युवा उनसे प्रेरणा ले सकें।

अंत में एक 'काशी डिक्लेरेशन' जारी किया जाएगा, जो अगले पांच वर्षों के लिए नशा मुक्ति अभियान का रोडमैप होगा। इसमें यह तय किया जाएगा कि युवाओं को किस प्रकार नशे से दूर रखा जाए, नशे की गिरफ्त में आए लोगों की कैसे सहायता की जाए और पूरे देश में जागरूकता अभियान को किस तरह तेज किया जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा देश की अमृत पीढ़ी के सपनों का भारत बनाने की बात करते हैं। उनके विजन के अनुरूप, युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा उठाया गया यह कदम, एक समग्र और प्रभावशाली पहल का उदाहरण बनेगा। यह पहल न केवल युवाओं को नशे से दूर रखने में मदद करेगी, बल्कि उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में भी सशक्त भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगी।

देश को विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी हमारी युवा शक्ति की है। काशी में आयोजित होने वाला 'युवा आध्यात्मिक समिट' इस लक्ष्य की दिशा में केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चेतना का प्रारंभ स्थल बनेगा। यह नशे के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी अभियान को नई दिशा और ऊर्जा देगा। साथ ही, युवाओं में नैतिक मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारी और आत्म-संयम का ऐसा भाव जागृत करेगा, जो न केवल उन्हें अपने जीवन में सार्थकता देगा, बल्कि देश को भी आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का माध्यम बनेगा। काशी की पवित्र धरती से उठने वाली यह पुकार, हर युवा के मन में जागृति और देशभक्ति का नया प्रकाश भर देगी और यही संकल्प 2047 के विकसित भारत की मजबूत नींव बनेगा।

-डॉ. मनसुख मांडविया
(केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, भारत सरकार)

मुख्यमंत्री ने जाखू मंदिर में हनुमान ध्वजा स्थापना समारोह में भाग लिया

मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

छोटा शिमला में पीडब्ल्यूडी के विश्राम गृह का लोकार्पण किया

अर्थ प्रकाश/अरविंद शर्मा

शिमला, 18 जुलाई। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को शिमला के ऐतिहासिक जाखू मंदिर में पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर परिसर में 108 फीट ऊंची हनुमान ध्वाजा स्थापना समारोह में भी भाग लिया।

इसके उपरांत मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जाखू मंदिर के प्रति प्रदेशवासियों की विशेष आस्था है। यहां भगवान हनुमान की सबसे ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई है और प्रदेश सरकार इस मंदिर को आध्यात्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से और अधिक आकर्षक बनाने के लिए प्रयासरत है। मंदिर परिसर में भगवान श्री राम की प्रतिमा लगाने का भी कार्य प्रस्तावित है और वन संरक्षण अधिनियम से जुड़ी कुछ प्रक्रियात्मक औपचारिकताएं पूरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि यहां श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग, बैठने की व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं में भी सुधार किया जाएगा तथा इस कार्य में पर्यावरण संतुलन का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा।

श्री सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान और प्रभावितों को राहत देने एवं पुनर्वास के लिए दिन-रात कार्य कर रही है। नेता प्रतिपक्ष भी लगातार उनके संपर्क में हैं क्योंकि उनके निर्वाचन क्षेत्र में सर्वाधिक नुकसान हुआ है। इसके अलावा धर्मपुर, करसोग और नाचन क्षेत्रों में भी बारिश से काफी नुकसान हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में अपने दिल्ली दौरे के दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों को प्रदेश में आपदा से हुए नुकसान से अवगत करवाया और सहायता का आग्रह किया है। उन्होंने उम्मीद जताइ कि जब केन्द्रीय गृह मंत्री हिमाचल प्रदेश के दौरे पर आएंगे तो प्रदेश को केंद्र सरकार से कुछ राहत अवश्य मिलेगी।

श्री सुक्खू ने कहा कि प्रभावित लोगों का पुनर्वास प्रदेश सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। जिन लोगों के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें गैर-वन भूमि पर बसाया जाएगा जबकि वन भूमि के आवंटन के लिए केंद्र सरकार की स्वीकृति आवश्यक होगी। सबसे पहले आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सड़के बहाल करना सरकार की प्राथमिकता है ताकि बागवानों को सेब, सब्जियां और अन्य फसलों को बाजार तक पहुंचाने में सुविधा मिल सके। इसके अलावा जिन लोगों के घर, पशुशालाएं, मवेशी या अन्य संपत्ति नष्ट हुई है, उन्हें भी सरकार पर्याप्त मुआवजा देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावित परिवारों के लिए विश्राम गृहों में राहत शिविर बनाए गए हैं। जो लोग किराए के मकानों में रहना चाहते हैं उन्हें राज्य सरकार पांच हजार प्रतिमाह किराया सहायता राशि के रूप में प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने बाद में छोटा शिमला में लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह का लोकार्पण किया। इस भवन में 4.15 करोड़ रुपये के व्यय से नौ विशेष कक्षों का निर्माण किया गया है। वर्तमान प्रदेश सरकार ने इस भवन का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विश्राम गृहों को आम जनता के लिए ऑनलाइन बुकिंग के माध्यम से उपलब्ध करवाया जा रहा है। सभी विश्राम गृहों को जल्द ही ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था से जोड़ जाएगा। प्रदेश सरकार ने हिमाचल भवन और हिमाचल सदन में आम लोगों और अति विशिष्ट के लिए एक सामान किराया दर तय की है।

कुछ क्षेत्रों में बारिश से नुकसान हुआ, प्रदेश का अधिकांश हिस्सा सुरक्षित

उन्होंने प्रदेश में आने वाले पर्यटकों का भी स्वागत किया और कहा कि कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हिमाचल के पर्यटन को लेकर भ्रामक प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भले ही कुछ क्षेत्रों में बारिश से नुकसान हुआ है लेकिन प्रदेश का अधिकांश हिस्सा सुरक्षित है और पर्यटकों के लिए खुला है। प्रदेश में लगभग 70 लाख लोग रहते हैं और पर्यटक बेझिझक हिमाचल प्रदेश आ सकते हैं और यहां की प्राकृतिक भव्यता सुन्दरता का आनन्द ले सकते हैं।

ये रहे मौके पर मौजूद

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह, विधायक कमलेश ठाकुर, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (मीडिया), हि.प्र. राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष देवेंद्र श्याम, हिमाचल प्रदेश राज्य उद्योग विकास कॉरपोरेशन के उपाध्यक्ष विशाल चम्बियाल, नगर निगम शिमला के महापौर सुरेंद्र चौहान, उप-महापौर उमा कौशल, उपायुक्त अनुपम कश्यप और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

प्रत्येक व्यक्ति को विकास की धारा से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता: विनोद सुल्तानपुरी

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन, 18 जुलाई। कसौली के विधायक विनोद सुल्तानपुरी ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति को विकास की धारा से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। विनोद सुल्तानपुरी गत दिवस विकास खण्ड सोलन की ग्राम पंचायत भारती में विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखने के उपरांत उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित कर रहे थे। विधायक ने इस अवसर पर ग्राम पंचायत भारती के रहोग गांव में गवाली से मोक्षधाम तक सम्पर्क मार्ग तथा भारती बस अड्डे से गम्बर तक एम्बुलेंस मार्ग की आधारशिला रखी। उन्होंने महिला मण्डलों का निरीक्षण भी किया और उन्हें कार्यों के लिए आवश्यक सुझाव दिए।

उन्होंने तदोपरांत राजकीय उच्च माध्यमिक पाठशाला भारती का औचक निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विनोद सुल्तानपुरी ने कहा कि लोगों के कल्याणार्थ प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं आरम्भ की गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना, इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना, मुख्यमंत्री कृषि संवर्धन योजना, मुख्यमंत्री पर्यटन स्टार्ट अप योजना, राजीव गांधी स्वरोज़गार स्टार्ट-अप योजनाओं से लोगों को लाभ मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि कसौली विधानसभा क्षेत्र का विकास करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि लोगों की आवश्यकता व मांग अनुसार विकास के कार्य किए जा रहे है ताकि क्षेत्र के सभी लोगों तक सुविधाएं पहुंचाई जा सके।

विनोद सुल्तानपुरी ने इस अवसर पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधा भी रोपित किया। उन्होंने सभी से पर्यावरण संरक्षण में आगे आने और अधिक से अधिक पौधे रोपित करने का आग्रह किया।

विधायक ने इस अवसर पर लोगों की समस्याएं सुनी और सम्बन्धित अधिकारियों को इनके शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए। इस अवसर पर यूको आरसेटी द्वारा वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन भी किया गया। इसमें स्वयं सहायता समूह, महिला मण्डलों व स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

कृषि उपज मण्डी समिति सोलन के अध्यक्ष रोशन ठाकुर, ग्राम पंचायत भारती की प्रधान मीना राम ठाकुर, ग्राम पंचायत हरिपुर के उप प्रधान अफ़ज़ल बेग, बीडीसी सदस्य देवेन्द्र शर्मा, नियाज मुहम्मद, पवन ठाकुर, रन सिंह ठाकुर, बलदेव ठाकुर, खण्ड विकास अधिकारी सोलन रमेश कुमार शर्मा, यूको आरसेटी की निदेशक मीनू बारिया, अग्रणी ज़िला प्रबंधक यूको बैंक तमन्ना मोदगिल, तहसील कल्याण अधिकारी सुरेन्द्र ठाकुर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

सराज क्षेत्र में कई रूटों पर परिवहन निगम की मिनी बस सेवाएं बहाल: उप-मुख्यमंत्री

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला, 18 जुलाई। उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा है कि हिमाचल पथ परिवहन निगम ने शुक्रवार से आपदा प्रभावित सराज विधानसभा क्षेत्र के कई मार्गों पर मिनी बस (टेम्पो ट्रैवलर) सेवाएं बहाल कर दी हैं। उन्होंने कि सराज के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में जन-जीवन सामान्य होने लगा है।

उन्होंने कहा कि मिनी बस सेवाओं की शुरुआत होने से क्षेत्र के लोगों को काफी राहत मिलेगी, क्योंकि वे लंबे समय से यातायात सुविधा के अभाव से जूझ रहे थे। अब निगम की ओर से बगस्याड़, जंजैहली, छतरी, सराची, थुनाग और चियूणी चेत सहित विभिन्न दुर्गम मार्गों पर टेम्पो ट्रैवलर सेवाएं संचालित की जा रही हैं। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि इन टेम्पो ट्रैवलर सेवाओं को बगस्याड़ में निगम की अन्य बस सेवाओं से जोड़ा गया है, जिससे यात्रियों को जिला मुख्यालय मंडी सहित अन्य गंतव्यों तक आसानी से पहुंचने की सुविधा मिलेगी। निगम ने यह सुनिश्चित किया है कि परिवहन व्यवस्था सुचारू और समयबद्ध हो ताकि स्थानीय लोगों को राहत मिल सके। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि सराज क्षेत्र के लोगों को आपदा के बाद यातायात अवरुद्ध होने के कारण काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हमारी सरकार प्राथमिकता के आधार पर सभी आवश्यक सेवाओं को बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हमीरपुर शहर के अधिकांश क्षेत्रों में 20 को बंद रहेगी बिजली

हमीरपुर 18 जुलाई (अप्रस/शिल्पा शर्मा)। विद्युत उपमंडल-2 हमीरपुर में 20 जुलाई को लाइनों और खंभों को बदलने तथा पेड़ों की काट-छांट के कार्य के चलते उपायुक्त कार्यालय परिसर, पीडब्ल्यूडी ऑफिस एवं कॉलोनी, पूल्ड कॉलोनी, गांधी चौक, अप्पर बाजार, लोअर बाजार, पुलिस स्टेशन, प्रताप गली, नादौन चौक, बस स्टैंड, प्रतापनगर, अणु कलां, अणु पंचायत घर, घनाल और आस-पास के क्षेत्रों में सुबह 9 से सायं 5 बजे तक बिजली बंद रहेगी।

सहायक अभियंता सौरभ राय ने इस दौरान सभी उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

हमीरपुर के आदर्श वर्मा ने संभाली मेजर जनरल की कमान, हिमाचल का बढ़ाया मान

अर्थ प्रकाश/ शिल्पा शर्मा

हमीरपुर, 18 जुलाई। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के वार्ड नंबर 5 के रहने वाले आदर्श वर्मा पुत्र अंगत राम वर्मा भारतीय सेना में मेजर जनरल बने हैं। इस उपलब्धि से उन्होंने न सिर्फ अपने जिले बल्कि पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है।

मेजर जनरल आदर्श वर्मा को विशिष्ट सेवा मेडल से भी सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने महाराष्ट्र के पुणे में भारतीय सेना की अग्निवाज़ डिवीजन की कमान मेजर जनरल अमर पाल सिंह चहल सेना मेडल से संभाली है। कमान संभालते ही उन्होंने सभी सैन्य अधिकारियों और जवानों से कर्तव्यनिष्ठा बनाए रखने, भविष्य की चुनौतियों के लिए पूरी तैयारी रखने और तकनीकी विकास पर विशेष ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि सैनिक भावना को हमेशा ऊंचा रखें और मिशन के अनुसार प्रशिक्षण को प्राथमिकता दें।

मेजर जनरल बनने के बाद आदर्श वर्मा की इस सफलता से हमीरपुर में खुशी की लहर है। उनके परिवार, मित्रों और जान-पहचान के लोगों में गर्व का माहौल है।

यह उपलब्धि प्रदेश के युवाओं को भी संदेश देती है कि कड़ी मेहनत और समर्पण से किसी भी ऊंचे मुकाम तक पहुंचा जा सकता है। आदर्श वर्मा की यह कामयाबी हिमाचल प्रदेश के लिए गर्व की बात है और युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा भी।

39 पदों के लिए कैंपस इंटरव्यू 22 को

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन, 18 जुलाई। मैसर्ज़ वर्मा ज्वैलर्स, सोलन में 39 पदों की भर्ती के लिए कैंपस इंटरव्यू 22 जुलाई, 2025 को ज़िला रोज़गार कार्यालय सोलन में आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी ज़िला रोज़गार अधिकारी सोलन जगदीश कुमार ने दी। जगदीश कुमार ने कहा कि उक्त पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 12वीं, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, एम.बी.ए. मार्केटिंग, एम.बी.ए. एच.आर. व एम.बी.ए. अकाउन्टिंग, बी.एस.सी. फैशन डिजाइनिंग, आई.टी. व आयु 21 से 45 वर्ष के मध्य होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि इन पदों की विस्तृत जानकारी आवेदक विभागीय पोर्टल ई.ई.एम.आई.एस. में प्राप्त कर सकते हैं। सभी योग्य एवं इच्छुक आवेदक विभागीय पोर्टल ई.ई.एम.आई.एस. पर कैंडिडेट लॉगइन टैब के माध्यम से पंजीकृत करने के उपरांत अपने रजिस्ट्रेशन प्रोफाइल पर अधिसूचित रिक्तियों के लिए अपनी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आवेदन करने से पूर्व प्रत्येक आवेदक का नाम रोज़गार कार्यालय में पंजीकृत होना अनिवार्य है।

ज़िला रोज़गार अधिकारी ने कहा कि इच्छुक उम्मीदवार अपनी योग्यता सम्बन्धी सभी अनिवार्य प्रमाण-पत्रों व दस्तावेज़ों सहित ज़िला रोज़गार कार्यालय सोलन में 22 जुलाई, 2025 को प्रातः 10.30 बजे पहुंचकर कैंपस इंटरव्यू में भाग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि कैंपस इंटरव्यू में भाग लेने के लिए कोई भी यात्रा-भत्ता देय नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी के लिए कार्यालय के दूरभाष नम्बर 01792-227242 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

विधायक आशीष शर्मा ने किया महिला मंडल भवन उखली का उद्घाटन

विधायक निधि से नवनिर्मित भवन को किया जनता को समर्पित

अर्थ प्रकाश/शिल्पा शर्मा

हमीरपुर, 18 जुलाई। विधानसभा क्षेत्र सदर से विधायक आशीष शर्मा ने शुक्रवार को ग्राम पंचायत उखली में विधायक निधि से नवनिर्मित महिला मंडल भवन उखली का उद्घाटन कर इसे जनता को समर्पित किया। इस महिला मंडल भवन को बनाने के लिए विधायक आशीष शर्मा ने विधायक निधि से तीन लाख रुपए की राशि जारी की है। जबकि इस भवन को बनवाने के लिए पंचायत के पूर्व उपप्रधान एवं वर्तमान प्रधान के पति स्व. रमन शर्मा ने अपनी मलकीयत भूमि दान दी है। इस मौके पर विधायक आशीष शर्मा ने समस्त महिला मंडल एवं क्षेत्रवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि अब गांव के सामाजिक कार्यक्रम यहां आयोजित किए जा सकते हैं एवं सामाजिक कार्यक्रम में प्रयोग होने वाले सामान को महिला मंडल के इस भवन में रख सकते हैं। इससे पहले ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। विधायक ने भूमि दानकर्ता स्वर्गीय रमन एवं समस्त परिवार का भी इस महादान के लिए आभार व्यक्त किया है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि विधायक निधि से लगातार काम पूरे विधानसभा क्षेत्र में चले हुए हैं। कुछ कार्य पूरे कर जनता को समर्पित कर दिए हैं जबकि कुछ का कार्य अभी चला हुआ है। इस मौके पर उन्होंने उपस्थित जनता की समस्याएं सुनी व मौके पर निपटारा किया। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष जसवीर सिंह, स्थानीय पंचायत प्रधान भोली शर्मा, उपप्रधान सुशील शर्मा, स्वाति जार, अमित शर्मा, बूथ अध्यक्ष विद्यासागर, संजय, विनोद कुमार सहित स्थानीय लोग मौजूद रहे।

लघु नाटिका आखिर क्यों के माध्यम से बताई भ्रूण हत्या की बुराइयां

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन, 18 जुलाई। पाइनग्रोव स्कूल सुबाथू में आयोजित देवदार हाउस शो, प्रतिभायाः प्रभा - प्रतिभा की चमक, कलात्मक अभिव्यक्ति, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक चेतना का एक मनोरम उत्सव का आयोजन किया गया। शाम की शुरुआत भारतीय संगीत के छात्रों द्वारा राग वृंदावनी सारंग की मधुर प्रस्तुति से हुई। आखिर क्यों, नामक एक हिंदी लघु नाटिका ने मुख्य मंच संभाला, जिसमें कन्या भ्रूण हत्या जैसे गंभीर मुद्दे को उठाया गया। इस प्रभावशाली प्रस्तुति ने गहरी भावनाओं को जगाया और दर्शकों को इस ज्वलंत सामाजिक सरोकार और इसके नैतिक निहितार्थों पर चिंतन करने के लिए प्रेरित किया। एक विद्युतीय पाश्चात्य संगीत प्रस्तुति ने दर्शकों को अपनी ऊर्जा और लय से मंत्रमुग्ध कर दिया।

इसके बाद गुरु को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक जीवंत और मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी गई, जिसने ज्ञान और बुद्धि के शाश्वत प्रकाश का सम्मान करते हुए शाम को एक आध्यात्मिक आयाम प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन स्कूल गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति के साथ हुआ।

राज्यस्तरीय चैंपियनशिप में 408 खिलाड़ियों ने दिखा दम

नौणी यूनिवर्सिटी में आयोजित प्रतियोगिता के समापन अवसर पर डॉ.(कर्नल) शांडिल ने किया विजेताओं को सम्मानित

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन, 18 जुलाई। डॉ. यशवंत सिंह परमार यूनिवर्सिटी नौणी में आयोजित राज्यस्तरीय कुराश प्रतियोगिता संपन्न हुई। समापन अवसर पर समाजसेवी सेवक डॉ.कर्नल संजय शांडिल न बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 408 खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. शांडिल ने कहा कि हिमाचल में कुराश खेल धीरे-धीरे लोकप्रियता हासिल कर रहा है। उन्होंने कहा 'कजाकिस्तान से शुरू हुई इस पारंपरिक मार्शल आर्ट को अब हिमाचल के युवा भी अपनाने लगे हैं, जो एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में राज्यभर से कुल 408 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जो युवाओं में इस खेल की बढ़ती रुचि को दर्शाता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे नशे से दूर रहें और खेलों से अपना नाता जोड़ें।

उन्होंने हिमाचल में आई आपदा को लेकर भी चिंता जताई और कहा कि इस दुख की घड़ी में हर परिवार के साथ खड़े रहना चाहिए और उनकी हर संभव सहायता करनी चाहिए। इस अवसर पर नौणी मझगांव पंचायत के प्रधान मदन हिमाचली, पूर्व प्रधान बलदेव ठाकुर समेत हिमाचल कुराश एसोसिएशन के पदाधिकारी व अन्य मौजूद रहे।

स्कॉलर्स यूनिफाइड स्कूल अरनियाला में 26 को लगेगा उपभोक्ता जागरूकता शिविर

अर्थ प्रकाश संवाददाता

ऊना, 18 जुलाई। स्कॉलर्स यूनिफाइड वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, अरनियाला में 26 जुलाई को प्रातः 11 बजे टेलीफोन उपभोक्ताओं के लिए एक विशेष उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम हिमाचल उपभोक्ता संरक्षण परिषद के तत्वावधान में आयोजित होगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए परिषद के अध्यक्ष जोगेन्द्र कंवर ने बताया कि इस अवसर पर साइबर क्राइम और स्मार्टफोन के सुरक्षित उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की जाएंगी। कार्यक्रम में प्रदेश में कार्यरत सभी प्रमुख टेलीफोन कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। उपभोक्ता अपने मोबाइल या टेलीफोन संबंधी शिकायतें इन प्रतिनिधियों के समक्ष रख सकेंगे, जिनका मौके पर समाधान सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जागरूकता कार्यक्रम में परिषद के उपाध्यक्ष रणजीत सिंह भारतीय दूरसंचार विनायामक प्राधिकरण से साइबर क्राइम से संबंधित ट्राई और भारत सरकार द्वारा टेलिफोन उपभोक्ताओं के बचाव के लिए उठाए गए कार्यक्रमों की जानकारी देंगे। इसके अतिरिक्त, उपभोक्ताओं को रोजमर्रा की खरीददारी में सतर्कता, बाट और माप संबंधी नियम, तथा प्रदेश सरकार द्वारा उपभोक्ताओं के हित में संचालित योजनाओं के बारे में भी जागरूक किया जाएगा।

सावधान! ऊना में बेसमेंट खरीदने से पहले जांचें नक्शा, वरना हो सकती है बड़ी परेशानी

सार्वजनिक जगहों की अवैध बिक्री से भी रहें सावधान

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

ऊना, 18 जुलाई। यदि आप ऊना नगर निगम क्षेत्र में किसी भवन की बेसमेंट खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो थोड़ा ठहरिए...और पहले सावधानी से पूरी जांच-पड़ताल कर लीजिए। कहीं ऐसा न हो कि जो संपत्ति आपको बेची जा रही है, वह नगर निगम के अनुमोदित नक्शे में पार्किंग स्थल के रूप में दर्ज हो। ऐसी स्थिति में न केवल आपकी जमा पूंजी जोखिम में पड़ सकती है, बल्कि आपको बिजली, पानी व अन्य मूलभूत सेवाओं के कनेक्शन भी नहीं मिल पाएंगे।

नगर निगम ऊना के आयुक्त एवं अतिरिक्त उपायुक्त महेंद्र पाल गुर्जर ने बताया कि कुछ ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां विक्रेता जानबूझकर पार्किंग के लिए स्वीकृत बेसमेंट को फ्लैट या दुकान के रूप में बेचने का प्रयास कर रहे हैं। यह पूरी तरह अवैध है और ऐसे सौदे खरीदार को गंभीर कानूनी और व्यवहारिक परेशानियों में डाल सकते हैं।

श्री गुर्जर ने बताया कि केवल बेसमेंट ही नहीं, बल्कि 'सरेंडर एरिया', 'सेट अपार्ट एरिया' और 'ओपन पार्किंग स्पेस' जैसी सार्वजनिक उपयोग की जमीनों को भी अवैध रूप से बेचे जाने के प्रयास सामने आए हैं। यह नियमों का खुला उल्लंघन है, जो नागरिकों को भविष्य में न केवल आर्थिक हानि बल्कि कानूनी उलझनों में भी डाल सकता है। गौरतलब है कि कई मामलों में भवन का अनुमोदित नक्शा दर्शाता है कि बेसमेंट का उपयोग केवल पार्किंग स्थल के रूप में किया जाना है। ऐसी स्थिति में उस बेसमेंट को आवासीय अथवा व्यावसायिक संपत्ति के रूप में बेचना गैरकानूनी है। कई विक्रेता जानबूझकर ऐसी बेसमेंट को फ्लैट या दुकान के रूप में बेच रहे हैं, जबकि वे सिर्फ पार्किंग के लिए ही स्वीकृत हैं। वहीं 'सरेंडर एरिया', 'सेट अपार्ट एरिया' और 'ओपन पार्किंग स्पेस' जैसी सार्वजनिक उपयोग की जमीनों को भी अवैध रूप से बेचे जाने के प्रयास सामने आए हैं। यह न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि खरीदार के लिए आने वाले समय में भारी सिरदर्द बन सकता है।

पूरी जांच के बाद ही करें खरीदारी

उन्होंने कहा कि नगर निगम इस प्रकार के धोखाधड़ी मामलों पर सख्त कार्रवाई कर रहा है, लेकिन साथ ही नागरिकों को भी सतर्क रहने की आवश्यकता है। किसी भी बेसमेंट अथवा अन्य संपत्ति को खरीदने से पहले उसका वास्तविक उपयोग क्या है, यह नगर निगम से अनिवार्य रूप से जांचें। नगर निगम ने इस प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए एसडीओ अंकुश राणा की देखरेख में एक विशेष हेल्प डेस्क स्थापित किया है, जहां इच्छुक खरीदार भवन एवं भूमि की अनुमोदित स्थिति की पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। लोग जानकारी के लिए निगम कार्यालय के दूरभाष नंबर 01975-226040 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

नागरिकों की सहायता के लिए सदैव तत्पर है नगर निगम

श्री गुर्जर ने नागरिकों से अपील की है कि संपत्ति खरीद से पहले स्वीकृत नक्शे और नियमों की पूरी जानकारी अवश्य लें। सिर्फ आकर्षक दाम या दावों के झांसे में न आएं। पूरी जांच-पड़ताल करें और किसी भी संदेह की स्थिति में नगर निगम से संपर्क करें। नगर निगम उनकी सहायता के लिए सदैव तत्पर है।

पहाड़ी से पत्थर गिरने से सड़क में चल रहे मां और बेटे की दर्दनाक मौत

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

आनी (कुल्लू)18 जुलाई। जिला कुल्लू के आनी उपमंडल की बखनाओं पंचायत के पुनण खड्ड के समीप पहाड़ी से अचानक पत्थर गिरने से सड़क में चल रहे मां और बेटे की दर्दनाक मौत हो गयी है।

मृतकों की पहचान रवीना (30 वर्ष) पत्नी विपन कुमार और उसके 14 वर्षीय बेटे सुजल नेगी के रूप में हुई है, जो काथला गांव के निवासी थे। रवीना अपने बेटे को सरस्वती विद्या मंदिर चवाई से लेकर घर लौट रही थीं, जब यह हादसा हुआ। रवीना और सुजल स्कूल से लौटते हुए पुन्न खड्ड तक गाड़ी से पहुंचे और वहां से अपने गांव काथला की ओर आधा घंटा पैदल चढ़ाई शुरू करने वाले थे। सड़क से उतरते ही करीब 50 कदम की दूरी पर दोनों पर पहाड़ी से पत्थर गिरे, जिससे दोनों के सिर पर गंभीर चोटें आई। रवीना की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सुजल ने भी कुछ देर में दम तोड़ दिया।

बखनाओं पंचायत के प्रधान अमित कुमार ने बताया कि रवीना उनकी पंचायत के काथला वार्ड की वार्ड सदस्य भी थी।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसडीएम आनी लक्ष्मण सिंह कनेट ने पीड़ित परिवार को 50 हजार रुपये की फौरी राहत देने की बात कही है।दोनों शवों को आनी अस्पताल लाया गया है, जहां पोस्टमार्टम के बाद उन्हें परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

पंचकूला के बैडमिंटन खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मिल रहा है बड़ा प्लेटफार्म : रणबीर गंगवा

पीडब्लयूडी मंत्री ने 19वीं अश्विनी गुप्ता ममोरियल जिला स्तरीय बैडमिंटन टूर्नामेंट का किया विधिवत उद्घाटन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। लोक निमार्ण विभाग एवं जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि हरियाणा के खिलाडियों ने विश्व स्तर पर विभिन्न खेलों में मैडल लाकर प्रदेश का नाम दुनिया में रोशन किया है। उन्होने स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसायटी को 11 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की। श्री गंगवा ने जिला बैडमिंटन एसोसिएशन पंचकूला द्वारा आज 18 जुलाई से 20 जुलाई 2025 तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय 19वीं अश्विनी गुप्ता ममोरियल जिला स्तरीय बैडमिंटन टूर्नामेंट का सेक्टर-3 स्थित ताऊ देवीलाल खेल स्टेडियम के बैडमिंटन हाल में विधिवत उद्घाटन किया और खिलाडियों से परिचय किया। इस अवसर पर हरियाणा के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता भी उपस्थित थे। उनके साथ इस अवसर पर शिवालिक बोर्ड के उपाध्यक्ष ओमप्रकाश देवी नगर, बीजेपी के पूर्व प्रधान दीपक शर्मा, सोसाईटी के पैटर्न विनोद मितल, एमसी हरेंद्र मलिक, बैडमिंटन एसोसिएशन के महासचिव जतिंदर महाजन, सीनीयर उप प्रधान महेश गर्ग, स्पोटर्स प्रमोशन सोसायटी पंचकूला के अध्यक्ष डी.पी. सोनी, महासचिव एन. डी शर्मा, ट्रस्टी रूचि गुप्ता व पार्थ गुप्ता, कोच सुनीता शर्मा सहित सोसायटी के पदाधिकारीगण, खिलाड़ी व संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

श्री गंगवा ने कहा कि पंचकूला की स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसायटी करीब 19 वर्षो से खेल और समाज सेवा के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रही है। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता के प्रेरणा और मार्गदर्शन में चल रही यह सोसायटी पंचकूला के बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा प्लेटफार्म साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। खेल खेलने से न केवल हम मानसिक तौर पर बल्कि शारीरिक तौर पर भी स्वस्थ रहते है तथा खेलों से हम न केवल अपने आप को बल्कि राष्ट्र को भी ख्याति प्रदान कराने मे अहमं भूमिका निभा सकते है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे पढ़ाई के साथ-साथ खेलों से जुडें और खेलों को कैरियर के रूप में अपनाएं। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा के खिलाड़ी विश्वभर में प्रदेश का नाम रोशन कर रहे है। ओलंपिक और पैरा ओलंपिक खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों द्वारा कुल मैडलों में से एक तिहाई मैडल जीते जाते है। आज खिलाडियों को ओलंपिक में गोल्ड मैडल लाने पर 6 करोड़ रुपये, सिल्वर के लिये 4 करोड़ और कास्य पदक के लिये 2.50 करोड़ रुपये की राशि इनाम स्वरूप व योग्यतानुसार सरकारी नौकरी भी उपलब्ध करवाई जाती है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने बताया कि इस टूर्नामेंट में 11 साल से 70 साल के खिलाड़ी भाग लें रहे है। जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में लगभग 230 खिलाड़ियों की एंट्री आई है। इन खिलाड़ियों में सीनीयर सिटीजन भी जोश के साथ बैडमिंटन खेलकर जौहर दिखाएंगे। इस टूर्नामेंट में 170 खिलाडी भाग लेंगे व टूर्नामेंट में लड़के व लड़कियों और वरिष्ठ नागरिकों के सिंगल व डबल मुकाबले खेले जायेंगे।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुये कहा कि आज नशाखोरी की समस्या हमारे समाज के सामने उभरती हुई बड़ी चुनौती है, जिससे निपटने के लिए पुलिस व प्रशासनिक स्तर पर प्रयास किए जा रहे है, वहीं इस प्रकार की सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी युवाओं को खेलों के साथ जोड़कर उनके उज्जवल भविष्य की राह आसान की जा रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं की शक्ति को सही दिशा में लगाने का खेल सबसे सशक्त और सकारात्मक माध्यम है। पंचकूला की स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसायटी ने अपनी स्थापना के समय से ही इस मंत्र को अपनाया है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि तीन दिवसीय बच्चों के इस जिला स्तर के टूर्नामैंट से अच्छे खिला?ी उभरकर आएंगे।

राजीव कॉलोनी में डीसीपी ने किया दौरा, सुरक्षा व्यवस्था जांची

बोलीं वर्दी लोगों को डराने के लिए नहीं बल्कि उनकी सेवा और सुरक्षा के लिए

लोगों ने असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को बार में बताया, डीसीपी ने इलाके में अधिक गशत व पुलिस मौजूदगी बढ़ाई

अर्थ प्रकाश संवाददाता

असामजिक गतिविधियों पर चिंता जताई

स्थानीय निवासियों ने क्षेत्र में मौजूद कुछ असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर भी चिंता जताई। डीसीपी ने इस पर गंभीरता से संज्ञान लिया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और लोगों को सुरक्षित माहौल प्रदान किया जाए। अब वहां गशत व पुलिस की मौजूदगी पहले से ज्यादा होगी। डीसीपी ने अधिकारियों से अपील की कि वे जनता से जुड़ाव को प्राथमिकता दें और पुलिस के प्रति लोगों का नजरिया बदलने का प्रयास करें। उन्होंने कहा, 卐हमें ऐसा माहौल बनाना है जिसमें लोग पुलिस को देखकर डरें नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षा का एहसास हो। जब पुलिस आमजन के करीब होगी, तभी विश्वास और सहयोग की नींव मजबूत होगी।

पंचकूला। राजीव कालोनी में पार्षद और उनके पति पर हाल ही में हुए हमले के बाद इलाके में शांति और सुरक्षा के मद्देनजर शुक्रवार को डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने कालोनी का दौरा किया। क्षेत्र की कानून व्यवस्था और आमजन से सीधा संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से लोगों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और पुलिस प्रशासन के कार्यप्रणाली को लेकर फीडबैक प्राप्त किया। गौरतलब है कि तत्कालीन डीसीपी हिमाद्रि कौशिक ने लोगों के साथ बैठक करने के बाद कानून व्यवस्था को पुख्ता करने के कदम उठाए गए थे। उधर, पुलिस कमिश्नर शिवास कविराज ने डीसीपी सृष्टि गुप्ता की अधिकारियों की इस अपील को सराहा और बाकि अधिकारियों को लोगों को सीधा जुड़ने की बात कही ताकि लोगो में पुलिस के प्रति विश्वास और अधिक प्रबल होगा।

अपने दौरे के बाद डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने अधिकारियों से संवाद करते हुए दौरे के अनुभव साझा करते हुए कहा कि पुलिस की वर्दी लोगों को डराने के लिए नहीं बल्कि उनकी सुरक्षा और सेवा के लिए होती है। अगर आमजन को पुलिस देखकर डर लगता है, तो इसका मतलब है कि हमें अपनी कार्यशैली में बदलाव लाने की आवश्यकता है। उन्होंने माना कि अगर पुलिस और जनता के बीच एक अविश्वास की खाई पैदा होती है तो उसे सिर्फ सीधे संवाद और सहज व्यवहार से ही भरा जा सकता है।

लोग पहले सहमे फिर संवाद में घुल मिल गए: डीसीपी ने कॉलोनी के दौरे के दौरान देखा था कि कुछ लोग पुलिस की वर्दी देखकर सहम गए थे, लेकिन जैसे ही संवाद शुरू हुआ, लोग सहजता से बातचीत करने लगे। इससे यह स्पष्ट होता है कि जनता और पुलिस के बीच दूरी को संवाद से ही मिटाया जा सकता है। डीसीपी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे केवल फाइलों, कॉल या व्हाट्सएप तक सीमित न रहें, बल्कि अपने क्षेत्राधिकार में निकलकर लोगों से सीधे मिलें। उन्होंने कहा कि झुग्गियों, पिछड़ी कॉलोनियों और दूरदराज़ के गांवों तक पहुंचना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। वहां जाकर लोगों का नाम जानें, उनका चेहरा पहचानें और एक भरोसेमंद रिश्ता कायम करें। पुलिसकर्मी जब लोगों से घुलमिलकर बात करते हैं, तो वे ज्यादा खुलकर अपनी समस्याएं साझा करते हैं।

प्रसिद्ध पहलवान रवि शर्मा और विनोद गोलू शर्मा 150 साथियों सहित भाजपा में शामिल

अर्थ प्रकाश/जे के बत्ता

न्यू- चंडीगढ़। आज, न्यू चंडीगढ़ के मुल्लांपुर (खरड़ विधानसभा) गाँव में पहलवान रवि शर्मा तथा बिनोद गोलू शर्मा के नेतृत्व में लगभग 150 से अधिक विभिन्न दलों से आये युवाओं तथा गांव वासियों ने, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर कई लोगों ने भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का निर्णय लिया। यह सदस्यता ग्रहण समारोह पंजाब भाजपा के विधि प्रकोष्ठ संयोजक श्री एन. के. वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री सुभाष शर्मा और जिला मोहाली के अध्यक्ष श्री संजीव वशिष्ठ की उपस्थिति में हुआ, उनके साथ भूपिंदर भूपी सचिव जिला मोहाली, प्रमोद कुमार पार्षद नयागांव व अध्यक्ष एस सी सेल जिला मोहाली, पुनीत सिंगला मंडल अध्यक्ष न्यू चंडीगढ़ भी पहुंचे थे। इस एकत्रता को न्यू- चंडीगढ़ के प्रसिद्ध पहलवान विनोद कुमार और पहलवान व खेल प्रमोटर रवि शर्मा द्वारा किया गया था। जिसमें लगभग 200 युवा व गांव वासी मोजूद थे। पंजाब भाजपा के विधि प्रकोष्ठ संयोजक श्री एन. के. वर्मा तथा वरिष्ठ भाजपा नेता और पंजाब उपाध्यक्ष सुभाष शर्मा ने आज मुल्लापुर गरीबदास न्यू- चंडीगढ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए कि केंद्र सरकार में भले ही अलग-अलग दलों की सरकारें आई, लेकिन किसी भी दल और सरकार ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किए। वर्तमान केंद्र सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। पंजाब भाजपा के विधि प्रकोष्ठ संयोजक श्री एन. के. वर्मा तथा वरिष्ठ भाजपा नेता और पंजाब उपाध्यक्ष सुभाष शर्मा ने आज मुल्लापुर गरीबदास में एक जनसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

रैडक्रास आमजन को समाज सेवा के लिए कर रहा जागरूक : सृष्टि गुप्ता

श्री माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड में प्राथमिक सहायता एंव गृह परिचर्या शिविर का आयोजन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। श्री माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड के लक्ष्मी भवन धर्मशाला, पंचकूला में चल रहे प्राथमिक सहायता एंव गृह परिचर्या के प्रवक्ताओं का चार दिवसीय रिफ्रैशर प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सृष्टि गुप्ता, आई.पी.एस., पुलिस उपायुक्त, पंचकूला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। शिविर निदेशक संजीव धीमान ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ एवं फूल मालाओं से स्वागत किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय मास्टर ट्रेनर अनूप अवस्थी, डॉ. मृणालिनी कल्ला, प्रचार अधिकारी विजय कुमार, राज्य प्रशिक्षण पर्यवेक्षक रमेश चौधरी, संयुक्त शिविर निदेशक अनिल धीमान, सहायक चंद्र मोहन, संजीव शर्मा, रंजीत कुमार, कुसुम लता मुख्य रूप से उपस्थित थे। शिविर के समापन समारोह में उन्होंने जिला प्रशिक्षण अधिकारी रवि दत्त, महेश मलिक, अंजू कश्यप, संजय कुमार, ईशान कौशिक, हरमेश चन्द, दलबीर सिंह, जतिन शर्मा, नीतू सिंह, विनोद कुमारी सहित सभी प्रवक्ताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सृष्टि गुप्ता ने कहा कि हरियाणा रैडक्रास व सैंट जॉन द्वारा जिला सैंट जॉन शाखाओं के माध्यम से आमजन को प्राथमिक सहायता, सड़क सुरक्षा व गृह परिचर्या के बारे में जागरूक करके कई जिंदगियों को बचाया जा रहा है। रैड क्रास व सैंट जॉन के स्वयंसेवकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्वयंसेवक जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए रक्तदान के लिए हर समय तैयार रहते है। उन्होंने युवा वर्ग से अपील करते हुए कहा कि वे समाज सेवा के क्षेत्र में जुडकर देश को एक नई दिशा दे सकते हैं। मुख्य अतिथि ने हरियाणा रैड क्रास द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि रैड क्रास दिन-प्रतिदिन नये नये आयाम स्थापित कर रहा है, इसके लिये रैड क्रास से जुड़े सभी पदाधिकारीगण, कर्मचारीगण, प्रवक्ता व स्वयंसेवक बधाई के पात्र है।

शिविर में प्रवक्ताओं द्वारा सी.पी.आर., गले में कुछ फंस जाना व हड्डी टूट के दौरान दी जाने वाली प्राथमिक सहायता का डेमो करके भी दिखाया गया, आपरेशन सिंदूर के दौरान हरियाणा के विभिन्न जिलों में रैड क्रास की टीम सदस्यों ने ब?ी बखूबी के साथ आपदा की तैयारी में सहयोग प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत भाजपा युवा मोर्चा ने किया वृक्षारोपण

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा चंडीगढ़ द्वारा ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के तहत इंडस्ट्रियल एरिया में एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा चंडीगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा, नगर निगम पार्षद बिमला दुबे एवं युवा मोर्चा प्रभारी रमेश सहोड़ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर युवा मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक आह्वान से शुरू हुआ 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान आज जन-जन का अभियान बन चुका है। यह केवल वृक्षारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति और मातृभूमि के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाने के बाद उसकी उसी प्रकार देखभाल करनी चाहिए जैसे एक मां अपने बच्चों की करती है। आज लगाया गया पौधा कल को एक विशाल वृक्ष बनेगा, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए छांव, फल और स्वच्छ वायुमंडल प्रदान करेगा।

इनेलो अध्यक्ष ने स्वच्छता रैंकिंग गिरने का ठीकरा निगम में फैले भ्रष्टाचार पर फोड़ा

मनोज अग्रवाल ने कहा झूरी वाला में 13.24 में बनने वाले सालिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट प्रोजेक्ट डिब्बे में बंद, नई सरकार बने भी मुद्दत हो गई

अर्थ प्रकाश संवाददाता

काम 5 लाख का नहीं नहीं दिखाया 25 लाख का

मनोज अग्रवाल ने कहा कि कुछ महीने पहले माजरी चौंक फ्लाइ ओवर के पिल्लरों पर घास लगाने पर 25 लाख रूपए का खर्च दिखाया गया हकीकत में वह काम चार पांच लाख का भी नहीं है। इसी तरह अमर टेक्स चौक से कालका हाईवे तक 81 लाख रुपए की कोरियन घास लगी दिखाई गई जो कभी लगी ही नहीं। कमीशन के चक्कर में सेक्टर 7 तथा 10 के कम्यूनिटी सेंटरों एवं निगम कार्यालय का काम पूरा नहीं हो पा रहा है। मनोज अग्रवाल ने बताया कि कोरोना काल में मरने वालों की झूठी सूचियां बना कर लाखों का गोलमाल किया गया। जिसकी एफआईआर 29.3.2023 को पंचकूला एसीबी थाना में दर्ज है लेकिन आज तक चार्जशीट दाखिल नहीं हुई।

मेयर और पार्षदों को दें इस्तीफा

मनोज अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2017 में पंचकूला 211वें, 2018 में 142वें, 2019 में 71वें, 2020 में 56वें, 2021 में 99वें, 2022 में 86वें, 2023 में 139वें तथा अब 2024 के स्वच्छ सर्वेक्षण में 219वें स्थान पर आया है। स्वच्छ सर्वेक्षण में पंचकूला की लगातार गिरती हुई रैंकिंग पर मेयर तथा पार्षदों को नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए अपने पदों से तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए।

पंचकूला। इंडियन नेशनल लोकदल के जिला अध्यक्ष ने भारत के तीन लाख तक की आबादी वाले 824 शहरों में पंचकूला को 219वां स्थान मिलने पर नगर निगम पंचकूला के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा पार्षदों में फैले भ्रष्टाचार को जिम्मेदार ठहराया है। पार्टी के जिलाध्यक्ष पंचकूला शहरी एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने कहा कि झूरी वाला में 13.24 में बनने वाले सालिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट प्रोजेक्ट डिब्बे में बंद पड़ा है। नई सरकार बने भी मुद्दत हो गई है। अभी बनने का कोई आसार नजर नहीं आता। निगम में भ्रष्टाचार इस कदर हावी है कि सफाई कर्मचारियों की रिकॉर्ड में अधिक गिनती दर्ज की जाती है और धरातल पर आधे भी नहीं होते।

इसीलिए शहर में जगह-जगह कुडे के ढेर, होर्टिकल्चर वेस्ट के ढेर, आवारा पशुओं का गोबर, पालिथीन आदि बिखरा पड़ा रहता है। हर तरह के टेंडरों में निगम कर्मचारी, अधिकारी तथा संबंधित वार्डों के पार्षद ठेकेदारों से कमिशन लेते हैं। कमीशन के चक्कर में दो निगम कर्मचारियों में आपस में मारपीट तक हुई जो सभी अखबारों में छपी थी।

दशमेश सेवा सोसाइटी पर विदेश भेजने के नाम पर 80 लोगों से करोड़ों की ठगी का आरोप

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। दशमेश सेवा सोसाइटी पर विदेश भेजने के नाम पर करीब 80 लोगों से ठगी करने का गंभीर आरोप लगा है। सोसाइटी ने पीड़ितों को विदेश में गुरुद्वारा साहिब के भीतर नौकरी दिलाने का झांसा देकर प्रत्येक व्यक्ति से लगभग 5-5 लाख रुपये ठगे। इस मामले में आज सभी पीड़ित परिवार चंडीगढ़ के सेक्टर-36 स्थित पुलिस थाना पहुंचे और वहां थाना प्रभारी को औपचारिक शिकायत सौंपी। पीड़ितों का कहना है कि आरोपी व्यक्ति चंडीगढ़ के सेक्टर-35 स्थित मकान नंबर 245 में रह रहा था और उसने लोगों को गुरुद्वारे में हेड ग्रंथी, ढोलकी वादक, ड्राइवर तथा लंगर हाल में खाना बनाने जैसी नौकरियों का झांसा दिया।

आरोप है कि सिख समुदाय से संबंधित इन परिवारों से करोड़ों रुपये की ठगी की गई। शिकायतकर्ताओं ने पुलिस से गुहार लगाई है कि उन्हें न्याय दिलाया जाए। पीड़ितों ने यह भी आरोप लगाया कि चंडीगढ़-मोहाली ट्राई-सिटी क्षेत्र में विदेश भेजने के नाम पर ठगी का रैकेट खुलेआम चल रहा है, और कई लोग रोज इसका शिकार हो रहे हैं। हालांकि, यह मामला इसलिए विशेष है क्योंकि इसमें सिख परिवारों के साथ ठगी करने वाला भी स्वयं सिख है। शिकायत में यह भी उल्लेख है कि इस ठगी में दो अन्य प्रभावशाली लोग – एक वकील और बिजली विभाग का एक कर्मचारी – भी शामिल हैं। पीड़ितों का कहना है कि इन दोनों की मिलीभगत से यह ठगी संभव हो सकी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुख्य आरोपी मनप्रीत सिंह खुराना निवासी सेक्टर-35, चंडीगढ़ है, जो पहले भी इमीग्रेशन फ्रॉड के मामले में जेल जा चुका है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जब इस पूरे मामले पर थाना प्रभारी से बातचीत करने की कोशिश की गई तो उनका कहना था कि हमें शिकायत मिली है और इस व्यक्ति के खिलाफ पहले भी हमारे ही थाने में एक मामला दर्ज है जो की जमानत पर बाहर आया हुआ है जो भी बनती कार्रवाई होगी हम अवश्य करेंगे।

'एक पेड़ मां के नाम' प्रकृति रक्षा हेतु महत्वपूर्ण अभियान : देवशाली

भाजपा कर रही राष्ट्र, प्रकृति, जलवायु एवं वातावरण के प्रति दायित्व निर्वहन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम' के अंतर्गत चलाये जा रहे राष्ट्व्यापी पौधरोपण अभियान के अंतर्गत शहीद भगत सिंह जिला के मंडल 2 द्वारा सेक्टर 3 में मंडल अध्यक्ष बबलू चौधरी और पार्षद महेशइंद्र सिंह सिद्धू के नेतृत्व में पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक शक्ति प्रकाश देवशाली, जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार सोनू, सह संयोजक समीर गुप्ता, जिला उप प्रधान श्रीमती चांदनी शर्मा, सुरेश वर्मा, पार्षद अनिल मसीह, पूर्व मंडल प्रधान राकेश शर्मा, मोहिंदर रावत, दीपक भट्ट एवं अन्य कार्यकर्ताओं सहित स्थानीय निवासी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर गुडहल, चाँदनी और कलेर के लगभग 70 पौधे लगाए।

कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक शक्ति प्रकाश देवशाली ने कहा कि पौधरोपण और उनके वृक्ष के रूप में रूपांतरण तक देखभाल भारतीय संस्कृति में सदैव महत्वपूर्ण रहा है। प्रकृति का यह अनुपम उपहार हम सबके द्वारा उत्सर्जित कार्बन को ग्रहण कर हमें प्राणवायु देता है। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्र, प्रकृति, जलवायु एवं वातावरण इन सबके प्रति अपने दायित्व का निर्वाह करते हुए समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करती है।

देवशाली ने कहा कि केवल पौधरोपण कर हम अपने कर्त्तव्य से निवृत्त नहीं हो जाते अपितु इस पौधे को एक हरा-भरा वृक्ष बनने तक हमें इसकी देखभाल करनी चाहिए। इसी लक्ष्य हेतु भाजपा ने प्रत्येक पौधे की देखभाल के लिए इनके 'पालक' भी नियुक्त किये हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाये गए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान की सराहना करते हुए इसे प्रकृति रक्षा हेतु महत्वपूर्ण बताया और प्रत्येक शहरवासी से अपने घर के समीप एक पौधा लगाने तथा उसके पूर्ण वृक्ष के रूप में विकसित होने तक उसके प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया।

बेल के बावजूद दोबारा अरेस्ट कर पुलिस ने की बर्बरता

कालका कोर्ट ने अरेस्ट को अवैध कर आरोपी को किया तुरंत रिहा

अर्थ प्रकाश/जग्गी

कालका। जैसा फिल्मों में पुलिस की गुंडागर्दी देखी जाती रही है,वैसा ही एक वाक्य पिंजौर पुलिस ने दोहराकर राजनीतिक दबाव में तानाशाही दिखाई है। मामला पिंजौर का है,जहां एक मुकदमा में आरोपी प्रवेश शर्मा को पिंजौर पुलिस ने 26 जून को हिरासत में लिया था, और 27 जून को जब कोर्ट में पेश किया तो 2 दिन का पुलिस रिमांड मांगा गया,जबकि उस समय आरोपी के वकील दीपांशु बंसल एडवोकेट ने आरोपी की तरफ से पक्ष रखा और कोर्ट ने पुलिस रिमांड को रिजेक्ट करते हुए आरोपी को रेगुलर बेल दे दी और मामला 27 अगस्त के लिए स्थगित कर दिया। इसी बीच पुलिस ने 15 जुलाई को आरोपी को मुकदमा में कोर्ट के बेल ऑर्डर की कंडीशन का पालन करते हुए उसी दिन 5 बजे शामिल होने हेतु नोटिस दिया जबकि,आरोपी 2.30 बजे ही पुलिस थाना पहुंच गया।

ज़मानत मिलने के बाद 15 जुलाई 2025 को पिंजौर पुलिस ने आरोपी को दोबारा थाने में बुलाया और आरोपी को थाने में न सिर्फ़ 24 घंटे से अधिक अवैध हिरासत में रखा बल्कि वो उसको किसी अन्य स्थान पर ले जाकर और थाने के अंदर बुरी तरह से मारा पीटा और प्रताड़ना दी गई।

दीपांशु बंसल एडवोकेट ने माननीय न्यायालय के समक्ष आरोपी की ओर से पक्ष रखते हुए बताया कि इस पूरे मामले में न केवल इन्वेस्टिंग ऑफिसर यादविन्द्र सिंह ने कानून और नियमों को ताक पर रखकर माननीय न्यायालय के आदेशों की अवेहलना की बल्कि थाना प्रमुख जगदीश चंद्र, और पुलिस उपायुक्त सृष्टि गुप्ता ने भी कोर्ट के आदेशों की अवेहलना करते हुए एक 18 वर्षीय युवा प्रवेश शर्मा के अधिकारों का हनन किया। दीपांशु बंसल ने कोर्ट में दायर याचिका में बताया कि उन्होंने जब यह मामला पुलिस उपायुक्त सृष्टि गुप्ता को बताया तो डीसीपी ने कहा कि यह मामला उनके संज्ञान में है,कालका कोर्ट का बेल ऑर्डर सेशन कोर्ट में पुलिस ने चैलेंज किया है और परमिशन ली गई है जबकि उक्त ऑर्डर के बारे जब पूछा तो डीसीपी ने कोई जवाब न दिया और फोन काट दिया। यहां तक कि आरोपी के साथ मारपीट के बारे में भी बताया गया तब भी डीसीपी ने कोई जवाब नहीं दिया।

दीपांशु बंसल एडवोकेट द्वारा माननीय न्यायालय कालका में याचिका दायर की गई जिसपर कोर्ट ने संज्ञान लिया और इसके साथ ही आईओ को कोर्ट में तलब किया जहां आईओ ने कोर्ट में बयान दिया कि बेल ऑर्डर को किसी कोर्ट में चैलेंज नहीं किया गया है। इसके साथ ही यह भी बताया कि आरोपी को इस केस में जांच के दौरान हिरासत में लिया जबकि कोर्ट में पुलिस द्वारा अरेस्ट करने के बावजूद पुनः अरेस्ट करने की आज्ञा की एप्लिकेशन डाली गई जिसे सरकारी वकील श्री रणविजय राणा ने कोर्ट को फॉरवर्ड करने से मना किया और कोर्ट में कहा कि वह पुलिस के इस कृत्य का बचाव नहीं करेंगे। कोर्ट में आरोपी ने बयान दिया कि उसके साथ पुलिस ने बर्बरता के साथ मारपीट की,धमकी दी,पानी में डुबाया और पैरो में डंडे मारे जिसपर माननीय न्यायालय ने तुरंत संज्ञान लिया और सीएमओ पंचकुला को 3 डॉक्टर का बोर्ड गठित कर मेडिकल करने के लिए कहा जिसके साथ ही आरोपी का अरेस्ट इलीगल माना क्योंकि पुलिस ने बेल ऑर्डर होने के बावजूद आरोपी को पुनः अरेस्ट किया जोकि नियमों के विरुद्ध है।

उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन ने पंकज चांदगोठिया के खिलाफ एफआईआर रद्द करने की मांग की, चंडीगढ़ पुलिस को सौंपा ज्ञापन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन ने चंडीगढ़ पुलिस द्वारा अधिवक्ता पंकज चांदगोठिया के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर को रद्द करने की मांग करते हुए, डीजीपी यूटी चंडीगढ़ को कड़े शब्दों में ज्ञापन दिया है।

प्रथम दृष्टया एफआईआर तुच्छ, निराधार और दुर्भावना से प्रेरित प्रतीत होती है। आरोप एकतरफा प्रतीत होते हैं जिनका उचित सत्यापन नहीं किया गया है और ऐसा प्रतीत होता है कि उनका उद्देश्य उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करना है। उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन की मानद सचिव गगनदीप जम्मू द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में कहा गया है कि बिना पूर्व जांच के आपराधिक कार्यवाही शुरू करने से किसी अधिवक्ता की प्रतिष्ठा को अपूरणीय क्षति हो सकती है।

बार ने आशंका व्यक्त की कि यदि ऐसी एफआईआर जारी रहने दी गई, तो यह भानुमती का पिटारा खोल देगा, जहाँ हर असंतुष्ट वादी अपने वकील के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराना शुरू कर देगा, जिससे अनुचित अपमान होगा और न्यायिक व्यवस्था की पवित्रता को ठेस पहुँचेगी। चंडीगढ़ जिला बार एसोसिएशन ने भी चांदगोठिया के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की निंदा करते हुए और एफआईआर वापस लेने की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया है। इससे पहले, सेक्टर 19 पुलिस स्टेशन ने 13 जुलाई, 2025 को लोहगढ़, ज़ीरकपुर के गुरविंदर सिंह की शिकायत पर एक एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि चांदगोठिया ने एक उपभोक्ता की शिकायत पर कार्रवाई नहीं की और उन्होंने एक मारुति डीलरशिप के खिलाफ दोषपूर्ण जिमी वाहन बेचने के मामले में चांदगोठिया को 2.80 लाख रुपये नकद दिए थे।

बलजीत नैन इनेलो वरिष्ठ उपाध्यक्ष बबलू नांदल प्रधान महासचिव बने

इनेलो पार्टी ने जिला सोनीपत की कार्यकारिणी घोषित की

31 जुलाई तक बूथ स्तर तक का संगठन होगा तैयार : कुणाल गहलावत

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी ने शुक्रवार को जिला सोनीपत की कार्यकारिणी आईटीआई चौक सरोहा फार्म हाउस पर घोषित की। इस मौके पर पार्टी के जिला अध्यक्ष कुणाल गहलावत ने कहा जिला सोनीपत की कार्यकारिणी में 36 बिरादरी के लोगों को स्थान मिला है। मेहनती, ईमानदार व समाज में अच्छी छवि के नेताओं को चौधरी अभय सिंह चौटाला, प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा, प्रकाश भारती, करण चौटाला, अर्जुन चौटाला से विचार विमर्श करके जिला कार्यकारिणी में स्थान दिया है। गहलावत ने बताया बलजीत नैन को पार्टी का वरिष्ठ उप प्रधान, बबलू नांदल को प्रधान महसचिव बनाया है। अर्जुन आंतिल, सतबीर अटायल, भूपेंद्र राठी राजपुर, होशियार सिंह किढोली, राकेश जटवाड़ा, बलिस्टर त्यागी, अशोक बोरिया जिला उपाध्यक्ष, राजेश अंतिल, करतार रोहना, ईश्वर दहिया, सुशील पंडित बुशाना, रविंद्र सफियाबाद, जोगिंदर बिधल, भगत सिंह को महासचिव दिलबाग मलिक को संगठन सचिव, रमेश पुगथला, राजेंद्र आँवली, अंजू सेहरी, जसवीर झरोठ, हरिओम तेवड़ी, एडवोकेट जगबीर अत्री, रोहित छतेहरा को सचिव, चयनपाल गुर्जर को कोषाध्यक्ष व धर्मपाल राठी को जिला कार्यालय सचिव बनाया गया।

इस मौके पर युवा जिला अध्यक्ष विकास मलिक, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सिद्धार्थ आंतिल, कर्मचारी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष धर्मवीर दहिया, व्यपार के अध्यक्ष राजकुमार बिंदल, सहरी जिलाध्यक्ष राकेश जैन, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेंद्र दहिया, कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र सुहाग का फूल माला से कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस मौके पर एडवोकेट कृष्ण मलिक, जोगेंदर मलिक, रामकिशन मलिक, अशोक राणा, सुरेंद्र सिरसा, गोपाल जाजी, बलवान नंबरदार, विजेंद्र शेखपुरा, प्रदीप दहिया, बिट्टू राठधना, जोरावर सिंह आदि नेता मौजूद रहे।

बैंक ऑफ बड़ौदा की एरोसिटी मोहाली शाखा का उद्घाटन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। शुक्रवार को बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी नई शाखा एरो सिटी शाखा, मोहाली का उद्घाटन महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख,बैंक ऑफ बड़ौदा, लुधियाना अंचल श्री हरदीप सिंह के करकमलों से किया।अंचल प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा कि हमें यह बताते हुए गर्व का क्षण है कि हम अपने ग्राहकों को मोहाली में बेहतर बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए अपनी उपस्थिति बढ़ा रहे हैं।बैंक ऑफ बड़ौदा ने हमेशा अपने ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने और उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास किया है। हमारी नई शाखा इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे हम अपने ग्राहकों को और भी बेहतर सेवाएं प्रदान कर सकें। उप महाप्रबंधक व्यवसाय विकास ,बैंक ऑफ बड़ौदा ,लुधियाना अंचल श्री रमन कुमार ने उपस्थित लोगों से अपील की बैंक से जुड़कर हमें अधिक से अधिक सेवा का अवसर प्रदान करें। क्षेत्रीय प्रमुख,जालंधर क्षेत्र जितेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि हमें उम्मीद है कि हमारी नई शाखा मोहाली के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण बैंकिंग भागीदार साबित होगी और हम उनके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेंगे। इस अवसर पर शाखा प्रमुख सुश्री मोनिका सैनी एवं आस-पास के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

चंडीगढ़ दयालबाग को-ऑप. हाउस बिल्डिंग (प्रथम) सोसायटी, (सामान्य निकाय बैठक हेतु सूचना)

सोसायटी के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि सोसायटी की वार्षिक आम सभा की बैठक दिनांक 07.08.2025 को प्रातः 11:30 बजे सोसायटी के सेंट्रल पार्क में आयोजित की जाएगी, जिसमें वर्ष 2017-2018 की अवधि के लिए सोसायटी की ऑडिट रिपोर्ट पर चर्चा एवं अनुमोदन किया जाएगा। सभी सदस्यों से अनुरोध है कि वे बैठक में उपस्थित रहें।

AP-2669

सार्वजनिक सूचना

श्री नवीन, डेनिक्स, सहायक संपदा अधिकारी, यू.टी., चंडीगढ़ के समक्ष।

विषय:- स्व. राज कुमार की अपंजीकृत वसीयत के आधार पर 15.00 प्रतिशत हिस्से के विस्तार तक रिहायशी स्थल सं. 1657, सेक्टर 34-डी, चंडीगढ़ (आरपीडी 14075) के संबंध में स्वामित्व का हस्तांतरण।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के रिकार्ड के अनुसार, श्री राज कुमार 15.00 प्रतिशत हिस्से के विस्तार तक रिहायशी स्थल सं. 1657, सेक्टर 34-डी, चंडीगढ़ के स्वामी/लीजी है। मंजू महिंदरू द्वारा सूचित किया गया है कि श्री राज कुमार की 04.02.2022 को मृत्यु हो गई है तथा उसने मृतक स्वामी/लीजी के निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारियों को भी सूचित किया है:-

क्र.सं.	कानूनी उत्तराधिकारी का नाम	मृतक के साथ संबंध
1	राहुल महिंदरू	पुत्र
2	मंजू महिंदरू	पत्नी
3	चांद रानी	माता

अब, मंजू महिंदरू ने अपंजीकृत वसीयत दिनांक 14.11.2020 के आधार पर अपने पक्ष में स्व. राज कुमार द्वारा आयोजित 15.00 प्रतिशत हिस्से के विस्तार तक रिहायशी स्थल सं. 1657, सेक्टर 34-डी, चंडीगढ़ के संबंध में स्वामित्व के हस्तांतरण हेतु आवेदन किया है। यदि किसी व्यक्ति को मृतक के उक्त वर्णित के अलावा किसी अन्य कानूनी उत्तराधिकारी के बारे में कोई जानकारी हो तो वह तत्काल संपदा अधिकारी, यूटी., चंडीगढ़ को सूचित करें।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त नामतः आवेदकों के पक्ष में कथित संपत्ति में कथित हिस्से के हस्तांतरण के विरुद्ध कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में (मजीस्ट्रेट/ नोटरी द्वारा पूर्ववत सत्यापित शपथपत्र के साथ समर्थित) लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता/ सकती/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर कथित संपत्ति में कथित हिस्सा उक्त नामतः लाभार्थियों के नामों में उक्त अनुसार हस्तांतरित करदिया जाएगा एवं बाद में कोई दावा विचारणीय नही होगा।

नवीन, डेनिक्स, सहायक संपदा अधिकारी, संपदा अधिकारी,यूटी., चंडीगढ़ की शक्तियों का निर्वहन करते हुए

AP-2676

पूर्वोत्तर रेलवे

शुद्धि पत्र

Website-www.ner.indianrailways.gov.in

Date: 17-07-2025

निविदा सूचना सं-34 दिनांक 15-07-2025 के अन्तर्गत मद सं0 2 में निम्न संशोधन जारी किया जाता है:-

मद सं0: 2, मद विवरण: निविदा खुलने की तिथि एवं समय, **वर्तमान प्रविष्टि:** 09-09-2025, 11:30 am., **अब पढ़ा जाय:** 07-08-2025, 11:30 am.

अन्य सभी नियम एवं शर्तें यथावत रहेगी।

नोटः उपरोक्त निविदा सूचना को पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाईट ***www.ner.indianrailways.gov.in*** एवं भारत सरकार की वेबसाइट ***www.tenders.gov.in.*** पर देखा जा सकता है।

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक,

मुजाधि / एस-30 **गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

AP-2682

COURT NOTICE

(U/o 5 Rule 20 CPC)

IN THE COURT OF

Ms. Sudipa Kaur

Civil Judge (Jr Divn), Amloh (P)

1. M/S A.V.M ALLOYS AMLOH ROAD VILLAGE KUMBH MANDI GOBINDGARH TEHSIL AMLOH DISTRICT FATEHGARH SAHIB THROUGH ITS PROPRIETOR SH. AJAY KUMAR SHARMA S/O BALJINDER KUMAR

2. AJAY KUMAR S/O BALJINDER KUMAR PROPRIETOR OF M/S A.V.M ALLOYS AMLOH ROAD VILLAGE KUMBH MANDI GOBINDGARH TEHSIL AMLOH DISTRICT FATEHGARH SAHIB (MOBILE O. 941020292, ADHAR NO. 533057744521)

Vs.

1. M/S FRIENDS MANUFACTURING COMPANY GALI NO. 3, PATTI AFGAN, KAITHAL (HARYANA) -136027 THROUGH ITS PROPRIETOR/INCHARGE AND RESPONSIBLE PERSONS PUSHPINDER KUMAR.

2. SH. PUSHPINDER KUMAR PROPRIETOR/INCHARGE AND RESPONSIBLE PERSON OF M/S FRIENDS MANUFACTURING COMPANY, GALI NO. 3, PATTI AFGAN, KAITHAL (HARYANA)- 136027

CNR No. PBFGA0-000296-2022

Next Date:-18-08-2025

PUBLICATION ISSUED TO:

1. M/S FRIENDS MANUFACTURING COMPANY GALI NO. 3, PATTI AFGAN, KAITHAL (HARYANA)- 136027 THROUGH ITS PROPRIETOR/ INCHARGE AND RESPONSIBLE PERSONS PUSHPINDER KUMAR.

2. SH. PUSHPINDER KUMAR PROPRIETOR /INCHARGE AND RESPONSIBLE PERSON OF M/S FRIENDS MANUFACTURING COMPANY, GALI NO. 3, PATTI AFGAN, KAITHAL (HARYANA)-136027

In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) /respondent(s) should appear in person or through counsel on **18-08-2025 at 10:00 a.m.**

For details logon to https:highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice &district=amlohcourt

Civil Judge (Jr Divn) Amloh (P)

Dated, this day of 15-07-2025

AP-2676

सार्वजनिक सूचना

श्री नवीन, डेनिक्स,सहायक संपदा अधिकारी, यूटी., चंडीगढ़ के समक्ष।

विषय :- स्व. श्री घुरहू यादव की बिना वसीयत मृत्यु के आधार पर 100.00 प्रतिशत हिस्से के विस्तार तक रिहायशी स्थल सं. 1042/1, सेक्टर 30-बी, चंडीगढ़ (एएच 1042/1/30बी) के संबंध में लीज होल्ड अधिकारों का हस्तांतरण।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतदद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के रिकार्ड के अनुसार, श्री घुरहू यादव100.00 प्रतिशत हिस्से के विस्तार तक रिहायशी स्थल सं. 1042/1, सेक्टर 30-बी, चंडीगढ़ के स्वामी/लीजी है। राजेश कुमार, राजा राम, लच्छी राम, हरी राम, राधे श्याम, नगीना देवी द्वारा सूचित किया गया है कि श्री घुरहू यादव की 26.12.1982 को मृत्यु हो गई है तथा उसने मृतक स्वामी/लीजी के निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारियों को भी सूचित किया है:-

क्र.सं.	कानूनी उत्तराधिकारी का नाम	मृतक के साथ संबंध
1.	राजेश कुमार	पुत्र
2.	राजा राम	पुत्र
3.	नगीना देवी	पत्नी
4.	हरी राम	पुत्र
5.	राधे श्याम	पुत्र
6.	लच्छी राम	पुत्र

अब, राजेश कुमार, राजा राम, लच्छी राम, हरी राम, राधे श्याम, नगीना देवी ने बिना वसीयत मृत्यु के आधार पर अपने पक्ष में स्व. श्री घुरहू यादव द्वारा आयोजित 100.00 प्रतिशत हिस्से के विस्तार तक रिहायशी स्थल सं. 1042/1, सेक्टर 30-बी, चंडीगढ़ के संबंध में लीज अधिकारों के हस्तांतरण हेतु आवेदन किया है।यदि किसी व्यक्ति को मृतक के उक्त वर्णित के अलावा किसी अन्य कानूनी उत्तराधिकारी के बारे में कोई जानकारी हो तो वह तत्काल संपदा अधिकारी,यूटी., चंडीगढ़ को सूचित करें।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त नामतः आवेदकों के पक्ष में कथित संपत्ति में कथित हिस्सेके हस्तांतरण के विरुद्ध कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में (मजीस्ट्रेट/ नोटरी द्वारा पूर्ववत सत्यापित शपथपत्र के साथ समर्थित) लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता/ सकती/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर कथित संपत्ति में कथित हिस्सा उक्त नामतः लाभार्थियों के नामों मेंउक्त अनुसार हस्तांतरित करदिया जाएगा एवं बाद में कोई दावा विचारणीय नही होगा।

नवीन, डेनिक्स,सहायक संपदा अधिकारी, संपदा अधिकारी, यूटी., चंडीगढ़ की शक्तियों का निर्वहन करते हुए।

AP-2690

COURT NOTICE

(U/O 5 Rule 20 CPC)

IN THE COURT OF

Ms. Jyoti Sandhu

Additional Civil Judge (Senior Division) Panchkula

Kanta Sayal

Vs

Laxmit Devi and Others

CNR No. HRPK02-000149-2023

Next Date:- 14-08-2025

PUBLICATION ISSUED TO:

1. (ii) Harbans Singh (son) resident of village Dera Jagadhri, Tehsil Dera Bassi, District Mohali
(iii) Harjeet Singh@Kala (son)
(iv) Baljeet Singh (son)
Both residents village Dera Jagadhari, Tehsil Dera Bassi, District Mohali
3# Jaswinder Kaur (Daughter) resident of jarnail Enclave-II Zirakpur, Tehsil Dera Bassi, District Mohali

In above titled case, the defendants/respondents no 1 (ii,iii,iv, v) and could not be served. It is ordered that defendants/respondents 1.(ii,iii,iv, v) and 3 should appear in person or through counsel on 14-08-2025 at 10:00 a.m.

For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Panchkula.

Additional Civil Judge (Senior Division) Panchkulaa

Dated, this day of 16-07-2025

AP-2691

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आने वाली दिनांक 01-08-2025 दिन शुक्रवार को ग्राम पंचायत बधौली, खंड नारायणगढ़ (अम्बाला) की पंचायती भूमि में खड़े 2795 पेड़ सफेदा, कीकर के 2 पेड़ व अन्य 3 कुल 2800 पेड़ों की नीलामी सुबह 11:00 बजे गांव बधौली के सरकारी स्कूल प्रांगण में की जाएगी। बोली से पूर्व मु0 5 लाख रुपए बतौर अमानत के रूप में डिमांड ड्राफ्ट द्वारा ग्राम पंचायत बधौली के नाम से जमा करवाना होगा। नीलामी की अन्य शर्तें मौके पर सुनाई जाएंगी।

कुलदीप सिंह, सरपंच, ग्राम पंचायत बधौली खंड नारायणगढ़ (अम्बाला)
मोबाइल: 96713- 01310
जोगेश कुमार, बीडीपीओ, खंड नारायणगढ़ (अम्बाला)
मोबाइल: 98125-59726

AP-2685

सार्वजनिक सूचना

मैं, सुशील कौशल, पुत्र श्री राम स्वरूप कौशल, निवासी मकान संख्या 61 सेक्टर-2, पंचकूला, हरियाणा, सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मकान संख्या 61, सेक्टर-2, पंचकूला, हरियाणा से संबंधित कन्वेयन्स डीड संख्या 3345 दिनांक 24.02.1998 को जारी किया गया श्री सी.पी. ठकराल के पक्ष में , जो बाद में मेरे पक्ष में पुनः आवंटित कर दिया गया था। उक्त दस्तावेज़ मार्च, 2025 के तीसरे सप्ताह के आसपास गुम हो गया था और मेरी काफी खोजबीन के बावजूद भी इसका पता नहीं चल सका, इसलिए हमने दिनांक 28.03.2025 को सेक्टर 2, पंचकूला पुलिस चौकी में एक डीडीआर/एफआईआर दर्ज कराई है। यदि किसी को उपरोक्त दस्तावेज़ मिले, तो कृपया इसे मुझे उपरोक्त पते पर लौटा दें या [8360689809] पर मुझसे संपर्क करें।

AP-2676

ਗਰੇਟਰ ਮੋਹਾਲੀ ਏਰੀਆ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਅਥਾਰਟੀ

ਪੁੱਡਾ ਭਵਨ, ਸੈਕਟਰ 62, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ।

ਮਿਲਖ ਦਫਤਰ

(ਜਨਤਕ ਸੂਚਨਾ)

ਮਕਾਨ ਨੰ: HE-105 Sector-63, SAS Nagar ਦੇ ਅਲਾਟੀ VEENA KUMARI KOHLI w/o. AJIT SINGH KOHLI & HARVINDER SINGH S/o. PREM SINGH, HOUSE NO. HE-199, PHASE-9, MOHALI ਵੱਲੋਂ GURCHARAN SINGH S/o. PREM SINGH R/o. HOUSE NO. 1033, SECTOR -49A, RAJDHANI APARTMENT, CHANDIGARH ਨੂੰ ਆਪਣਾ ਮੁਖਤਿਆਰੇ ਆਮ ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਜੀ.ਪੀ.ਏ. 02.12.2024 ਰਾਹੀਂ Victoria, British Columbia, Canada ਵਿਖੇ ਰਜਿਸਟਰਡ ਹੋਈ ਹੈ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿੱਤੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਦੇ ਮਾਲ ਸਕੱਤਰ ਵਿਖੇ ਨੰ: 2698 ਮਿਤੀ 27/01/2025 ਰਾਹੀਂ ਇਮਬੋਸ ਹੋਈ ਹੈ।

ਇਸ ਜੀ.ਪੀ.ਏ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ GURCHARAN SINGH S/o. PREM SINGH ਨੇ ਉਕਤ ਮਕਾਨ ਨੂੰ AMRIT PAL SINGH S/o. WARYAM SINGH R/o. # HE-106/A, PHASE-9, SECTOR-63, SAS NAGAR, MOHALI ਦੇ ਨਾਮ 'ਤੇ ਵੇਚਣ ਲਈ ਐਪਲੀਕੇਸਨ ਆਈ.ਡੀ. ਨੰ: 450459 dated 16.07.2025 ਰਾਹੀਂ ਕੇਸ ਅਪਲਾਈ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਹੁਣ ਇਹ ਕੇਸ ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ (ਹ), ਗਮਾਡਾ, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ ਦੇ ਦਫਤਰ ਵਿੱਚ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮਕਾਨ ਨੰ: HE- 105 Sector-63, SAS Nagar ਨੂੰ ਵੇਚਣ ਦੀ ਪ੍ਰਵਾਨਗੀ ਜਾਰੀ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸੂਚਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਸ ਵਿਗਿਆਪਨ ਦੀ ਮਿਤੀ ਤੋਂ 15 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ ਆਪਣਾ ਇਤਰਾਜ਼ ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ (ਹ) ਗਮਾਡਾ, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ ਪਾਸ ਲਿਖਤੀ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਮਿਤੀ ਅਤੇ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਏ ਇਤਰਾਜ਼ਾਂ 'ਤੇ ਕੋਈ ਵਿਚਾਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਉਕਤ ਰਜਿਸਟਰਡ ਹੋਈ ਜੀ.ਪੀ.ਏ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਮਕਾਨ ਨੰ: HE-105 Sector-63, SAS Nagar ਨੂੰ ਵੇਚਣ ਦੀ ਆਗਿਆ AMRIT PAL SINGH S/o. WARYAM SINGH ਦੇ ਨਾਮ 'ਤੇ ਜਾਰੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।

ਸਹੀ/- ਸੁਪਰਡੰਟ (ਹ)
ਗਮਾਡਾ, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ।

AP-2693

ਗਰੇਟਰ ਮੋਹਾਲੀ ਏਰੀਆ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਅਥਾਰਿਟੀ
ਪੁੱਡਾ ਭਵਨ, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ
ਜਨਤਕ ਸੂਚਨਾ

Booth No: 13, Sector-95/A, 20 ਵਰਗ ਗਜ, ਐਸ ਏ ਐਸ ਨਗਰ ਦੇ ਅਲਾਟੀ ਸ੍ਰੀ ਵਿਜੇ ਕੁਮਾਰ ਵਰਮਾ ਪੁੱਤਰ ਸ੍ਰੀ ਰੂਪ ਲਾਲ ਵਰਮਾ ਦੀ ਮੌਤ ਮਿਤੀ 05.03.2025 ਨੂੰ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਐਪਲੀਕੇਸ਼ਨ ਆਈ ਡੀ ਨੰਬਰ 444110 ਰਾਹੀਂ ਉਕਤ ਬੂਥ ਦੇ ਲਾਭਪਾਤਰੀਆਂ ਵਲੋਂ ਮਲਕੀਅਤ ਆਪਣੇ ਨਾਮ ਕਰਵਾਉਣ ਲਈ ਦਸਤਾਵੇਜ ਦਫਤਰ ਜਮ੍ਹਾ ਕਰਵਾਏ ਗਏ ਹਨ।

ਉਕਤ ਬੂਥ ਸਬੰਧੀ ਅਲਾਟੀ ਸ੍ਰੀ ਵਿਜੇ ਕੁਮਾਰ ਵਰਮਾ ਪੁੱਤਰ ਸ੍ਰੀ ਰੂਪ ਲਾਲ ਵਰਮਾ ਵਲੋਂ ਆਪਣੀ ਮੌਤ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਆਪਣੇ ਪੁੱਤਰ Rohit Verma S/o Late Sh. Vijay Kumar Verma ਦੇ ਨਾਮ ਰਜਿਸਟਰਡ ਵਸੀਅਤ ਸਬ ਰਜਿਸਟਰਾਰ, ਐਸ ਏ ਐਸ ਨਗਰ ਦੇ ਵਸੀਕਾ ਨੰ: 2022-23/3/3/1214 ਜਾਇਦ ਬਹੀ 3, ਜਿਲਦ ਨੰ: 0, ਸਫ਼ਾ ਨੰ: 0, ਮਿਤੀ 17.11.2022 ਰਾਹੀਂ ਰਜਿਸਟਰਡ ਹੋਈ ਹੈ।

ਉਕਤ ਵਾਰਸ ਵਲੋਂ Booth No 13, ਸੈਕਟਰ- 95 A, 20 ਵਰਗ ਗਜ, ਐਸ ਏ ਐਸ ਨਗਰ ਦੀ ਮਲਕੀਅਤ ਆਪਣੇ ਨਾਮ ਤਬਦੀਲ ਕਰਨ ਲਈ ਦਸਤਾਵੇਜ ਇਸ ਦਫਤਰ ਨੂੰ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਮਲਕੀਅਤ ਤਬਦੀਲ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸਭ ਆਮ ਅਤੇ ਖਾਸ ਨੂੰ ਸੂਚਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਇਸ ਵਿਗਿਆਪਨ ਦੀ ਮਿਤੀ ਤੋਂ 15 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ ਆਪਣਾ ਇਤਰਾਜ ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ (ਪ) ਗਮਾਡਾ ਮੋਹਾਲੀ ਪਾਸ ਲਿਖਤੀ ਰੂਪ ਵਿਚ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਮਿਤੀ ਅਤੇ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਪ੍ਰਾਪਤ ਇਤਰ- ਾਜ ਤੇ ਕੋਈ ਵਿਚਾਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ Booth No. 13, ਸੈਕਟਰ-95/A, 20 ਵਰਗ, ਐਸ ਏ ਐਸ ਨਗਰ ਦੀ ਮਲਕੀਅਤ ਤਬਦੀਲ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।

ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ (ਪ)
ਗਮਾਡਾ ਮੋਹਾਲੀ

AP-

पहचान हेतु अपील

आम जनता को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि 28.06.2025 को एक व्यक्तिनामतः महेश आयु लगभग 50 वर्ष, कद 5′-7′′ लगभग,साफ रंग, लंबे सफेद बाल, सफेद मूछें एवं दाढ़ी, को शराब की दुकान, सेक्टर-27 चंडीगढ़ के समीप पड़ा हुआ पाया गया था, और उसे सीआर सं. 250617224 के अंतर्गत जीएमसीएच-32, चंडीगढ़ में दाखिल किया गया था। आगे 12.07.2025 को जीएमसीएच-32 से सूचना प्राप्त हुई कि कथित रोगी का उपचार के दौरान देहांत हो गया था। इस संबंध में पुलिस स्टेशन सेक्टर 26, चंडीगढ़ में एक डीडीआर सं. 30 दिनांक 12.07.2025 दर्ज कराई गई है। उसके निवास स्थान के बारे में कोई नहीं जानता है। उसकी फोटोग्राफ ऊपर प्रदान की गई है।

यदि किसी व्यक्ति को अज्ञातमृत व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी प्राप्त हो तो, कृपया पुलिसस्टेशन सेक्टर-26 को दूरभाष सं. 0172-2750049, 2790594 अथवा पुलिस कंट्रोलदूरभाष सं. 0172-2749194 अथवा 100 पर सूचित करें।

चंडीगढ़ पुलिस

AP-2689

सार्वजनिक सूचना

विषयः आवंटी श्री राजिन्द्र कुमार सिबल पुत्र रबिंदर नाथ सिबल की वसीयत के साथ हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप निर्मित संपति / प्लॉट नं. 2065, सेक्टर-18, अर्बन एस्टेट, जगाधरी के संबंध में स्वामित्व का हस्तांतरण। श्री राजिन्द्र कुमार सिबल पुत्र रबिंदर नाथ सिबल, जो रिकॉर्ड के अनुसार उक्त संपति के आवंटी थे, की 05.04.2025 को मृत्यु हो गई है और उनकी एक रजिस्टर्ड वसीयत नं. 715 दिनांक 19.10.2022 है। नीरा सिबल पत्नी स्व. राजिन्द्र कुमार सिबल निवासी 2065, नजदीक स्प्रिंग फील्ड पब्लिक स्कूल, सेक्टर 18, पार्ट-2, हुडा, जगाधरी कानूनी उत्तराधिकारी होने के नाते उक्त संपति को अपने पक्ष में हस्तांतरित करने के लिए आवेदन करना चाहती हैं और नीरा सिबल के नाम पर पुनः आवंटन का अनुरोध करती हैं। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त प्लॉट / मकान के हस्तांतरण पर आपत्ति हो तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर सहायक दस्तावेजों के साथ संपदा अधिकारी, एचएसवीपी, जगाधरी को लिखित रूप में आपत्तियां प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा संपदा अधिकारी एचएसवीपी पॉलिसी के अनुसार उक्त सपति के हस्तांतरण / पुनः आवंटन की अनुमति दे सकता है। और बाद में किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जा सकता है।

नीरा सिबल, कानूनी वारिस
संपदा अधिकारी की ओर से

AP-2692

सार्वजनिक सूचना

विषयः सह आवंटी श्री सुबे सिंह पुत्र जय पाल की निर्वसीयत मृत्यु के परिणामस्वरूप निर्मित संपति / प्लॉट नं. 1547, सेक्टर-17, अर्बन एस्टेट, जगाधरी के संबंध में स्वामित्व का हस्तांतरण श्री सुबे सिंह पुत्र जय पाल, जो रिकॉर्ड के अनुसार उद्धृत संपति के सह-आवंटी थे, की 06.03.2021 को मृत्यु हो गई है। उनके पास कोई पंजीकृत या गैर पंजीकृत वसीयत नहीं है, और अपने पीछे निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारी छोड़ गए हैं- 1) अंग्रेजो देवी माता, 2) कमलेश - पत्नी, 3) साक्षी सिंह पुत्र, 4) आयुष खुब्बड-पुत्र है। अब अंग्रेजो देवी पुत्री रंजीत सिंह (माता सुबे सिंह) निवासी गांव झगुडी, तहसील रादौर, जिला यमुनानगर ने कानूनी उत्तराधिकारी होने के नाते उक्त संपति को अपने पक्ष में हस्तांतरित करने के लिए आवेदन करने का अनुरोध किया है और अंग्रेज़ो देवी (मौजूदा सह आवंटी सुभाष चंद व नरेश कुमार) अपने नाम पर पुनः आवंटन के लिए अनुरोध करते हैं। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त मकान के हस्तांतरण पर आपत्ति हो तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर सहायक दस्तावेजों के साथ संपदा अधिकारी, एचएसवीपी, जगाधरी को लिखित रूप में आपत्तियां प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा संपदा अधिकारी एचएसवीपी पॉलिसी के अनुसार उक्त सपति के हस्तांतरण पुनः आवंटन की अनुमति दे सकता है और बाद में किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जा सकता है।

अंग्रेजो देवी, कानूनी वारिस
संपदा अधिकारी की ओर से

AP-2692

अगवानपुर में 20 लाख से बनेगी 1000 फुट लंबी फिरनी, विधायक ने किया शिलान्यास

अर्थ प्रकाश/सुरेन्द्र कुमार

गन्नौर। अगवानपुर गांव में 20 लाख रुपए की लागत से 1000 फुट लंबी और 35 फीट चौड़ी फिरनी का निर्माण होगा। शुक्रवार को हलका विधायक देवेंद्र कादियान ने नारियल फोड़कर निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इससे पहले गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने विधायक का फूलमालाओं से स्वागत किया और आभार जताया। लोगों ने बताया कि पिछले 15 साल से फिरनी खस्ताहाल थी। बरसात में हालात और बिगड़ जाते थे। गांव के बीच से गुजरने वाली यह फिरनी भोगीपुर रोड को भी जोड़ती है। निर्माण पूरा होने पर करीब 300 घरों को फायदा मिलेगा।

विधायक कादियान ने मौके पर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि गन्नौर हलके में कई विकास योजनाएं चल रही हैं। हलके के किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आने देंगे। विकास कार्यों के लिए यदि कोई मांग हलके से आती है तो उन्हें भी पूरा करवाने का प्रयास रहता है। कहा कि गांवों में अब शहरी तर्ज पर काम हो रहा है। पंचायत की मांगों में उन कार्यों को प्राथमिकता दी जाती है, जिनसे लोगों को सीधी सुविधा मिले। सरपंच मंजीत कुमार ने कहा कि फिरनी की हालत बहुत खराब थी। अब इसके नवनिर्माण से लोगों को राहत मिलेगी।

इस मौके पर सरपंच मंजीत कुमार, पूर्व सरपंच रामचंद्र, ब्लॉक समिति चेयरमैन अनिल कुमार, सोनू दूधिया, राजल, दिलभारत, सुभाष पंच, राकेश पंच, जगबीर, पवन, जगमेंद्र त्यागी, विनोद त्यागी मौजूद रहे।

अर्थ प्रकाश क्लासीफाइड CLASSIFIED ADS

आज ही बुक करें PH. : 0172-2638515, 98883-03520 Email : arthparkashadvt29@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

मैं, राजबाला पत्नी धर्मवीर मौण निवासी गांव मटौर तहसील कलायत जिला कैथल (हरियाणा) अपना नाम राजबाला से बदलकर तीजो देवी राजबाला रखती हूँ। संबंधित कृपया नोट करें।

मैं, पिंदर कौर पत्नी बलराज निवासी हाउस नंबर 122 गांव देवी गढ़ जिला कैथल (हरियाणा) अपना नाम पिंदर से बदलकर हरपिंदर कौर रखती हूं। संबंधित कृपया नोट करें।
एपी-2666

मैं, दीपिका मांजरा पत्नी श्री नरेश कुमार निवासी मकान संख्या 1070, सेक्टर-21बी चंडीगढ़ ने अपना नाम दीपिका मांजरा से बदलकर दीपिका रख लिया है।

मैं, लक्ष्मी देवी पत्नी राकेश कुमार निवासी मकान संख्या -3085 सेक्टर-38डी चंडीगढ़ ने अपना नाम लक्ष्मी देवी से बदलकर लक्ष्मी रख लिया है।
एपी-2667

I, Chater Singh f/o No. 4100979L Ptr Surendra Singh r/o Village- Amarad, PO Khardra, Tehsil Tiyuni, District Dehradun (UK), have changed my name from Chater Singh to Chatar Singh vide affidavit dated 17-07-2025 before Executive Magistrate Nahan.

I Kusum Devi m/o Army No. 4098399P LNK Rahul Rawat, r/o Village Jhandichaur East, P.O Jhandichaur East, Tehsil Kotdwara, District Pauri Gharwal (UK) have changed my name from Kusum Devi to Kusum Rawat vide affidavit dated 17-07-2025 before Executive Magistrate Nahan.

I Rabari Bhavabhai f/o army no 4103048M PTR Rabari Bherabhai Bhavabhai r/o Village Balundra & PO Balundra, Tehsil Amirgarh, District Banas Kantha (Gujarat) have changed my name from Rabari Bhavabhai to Rabari Bhavabhai Narigji vide affidavit dated 17/07/2025 before executive magistrate nahan
एपी-2668

मैं, सुभम चौहान, पुत्र आर्मी नंबर 3994042F, पूर्व MACP (हवलदार) श्री श्याम सिंह, निवासी गांव व डाकघर शिवा, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश, ने अपना नाम सुभम चौहान से बदलकर शुभम चौहान कर लिया है, जो कि दिनांक 15/07/2025 को कार्यकारी दंडाधिकारी, नाहन (हि.प्र.) के समक्ष दिए गए शपथपत्र के माध्यम से प्रमाणित है।
एपी-2668

मैं, सुरिंदर कौर पत्नी गुरजीत सिंह, निवासी गांव नारायणगढ़, तहसील डेराबस्सी, जिला मोहाली की रहने वाली हूं और बयांन करती हूं कि मैं अपना नाम बदलकर सुरिंदर कौर से सलिंदर कौर रख रही हूं द्य अब भविष्य में मुझे मेरे नए नाम सलिंदर कौर से जाना जाएगा।
एपी-2670

I, Anusri Singha Adhikary, w/o No. 15750375N Rank- NK- Name Pallab Adhikary of unit 17 WEU, C/o 56 APO R/o Baragarh, Chakshyampur Debra, Paschim Medinipur, WB- 721124, Have Changed our Son s Name from Pranshu Adhikary to Anuragi Adhikary. affidavit signed by advocate Samir Bhunia. F/1231/1226/ 2019. Date No. 10 Apr. 2024
एपी-2671

मैं, रीना देवी (पुराना नाम) पत्नी रघुवीर सिंह, निवासी मकान संख्या 2321, सेक्टर-27 सी, चंडीगढ़ ने अपना नाम रीना देवी (Reena Devi) से बदलकर रीना देवी (Rina Devi) (नया नाम) कर लिया है। सभी संबंधित कृपया ध्यान दें।
एपी-2672

मैं, मेहरामत सिंह पुत्र श्री राम सिंह निवासी मकान नंबर 1286, सैक्टर -25, हुड्डा पानीपत जिला पानीपत ब्यान करता हूं कि मैंने अपना नाम महेन्दर सिंह से बदलकर मेहरामत सिंह रख लिया है। अब मैं घोषणा करता हूं कि भविष्य में मुझे मेहरामत सिंह नाम से जाना व पहचाना जाए।
एपी-2673

मैं, कावा प्रवीणभाई चिनाभाई सैन्य संख्या- 15733324के रैंक- नायक नाम- कावा राजेशकुमार प्रवीणभाई का पिता हूं जो वर्तमान में यूनिट- 31 एनएसआर सी/ओ 56 एपीओ में तैनात है स्थायी पता- काजरडी, जूनागढ़, काजरडी, गुजरात- 362560 मेंने अपना नाम कावा प्रवीणभाई चिनाभाई से बदलकर कावा प्रवीणभाई चीनाभाई कर लिया है और साथ ही मेने अपनी जन्मतिथि 01/07/1967 से 01/01/1968 में सही कर ली है।

मैं, प्रीति दिलीप जाधव सैन्य संख्या- 14831396एन रैंक- हवलदार/एमटी नाम- जाधव दिलीप बाबाजी की कानूनी रूप से विवाहिता पत्नी हुं जो वर्तमान में यूनिट-बी कंपनी 603 एएससी बटालियन (एएम) एन-एरिया पिन-905603, चंडीगढ़ सी/ओ 56 एपीओ में तैनात है घोषणा करती हुं कि मैंने अपनी जन्मतिथि 01/01/1986 से 01/04/1986 में सही कर ली है। शपथ पत्र संख्या- 48एए 901980, दिनांक- 18/07/2025

मैं, शिमला देवी, सैन्य संख्या- JC-343577M रैंक-सूबेदार नाम- जसवीर सिंह की माँ हूँ जो वर्तमान में यूनिट- 70 इंजीनियर रेजिमेंट C/o 56 एपीओ में तैनात है स्थायी पता- हाउस, ट्यूर, SAS नगर (मोहाली), पंजाब - 140301 घोषणा करती हूँ कि मैंने अपना नाम शिमला देवी से बदलकर सिमला देवी कर लिया है। शपथ पत्र संख्या- 48AA901977, दिनांक- 18/07/2025

मैं, छीतिया यादव, सेना संख्या- 15712056X रैंक-हवलदार नाम- संपत लाल यादव की मां हूं स्थायी पता- गांव- खाले, कठाई, पोस्ट- नरवार, तहसील- चंदिया, जिला- उमरिया, राज्य- मध्य प्रदेश, पिन- 484660 घोषणा करती हूं कि मैंने अपना नाम छीतिया यादव से छितिया बाई यादव में बदल दिया है और साथ ही अपनी जन्मतिथि 07/08/1961 से 01/01/1961 में सुधार कर लिया है।
एपी-2674

मैं, रोहित पुत्र राजपाल डोगरा वासी मकान नं. 4325 मौली जागरण कॉम्प्लेक्स चंडीगढ़ ने अपना नाम बदलकर रोहित डोगरा रखा है।

मैं, श्वेता पत्नी गौरव वासी मकान नं. 54/2, नजदीक एम सी पब्लिक स्कूल, ओल्ड रमेश नगर करनाल ने अपना नाम बदलकर श्वेता अरोड़ा से श्वेता रखा है

I, Service No. 15441937A Rank NK/NA. SATHISH KUMAR D R/o H.No. 314/154, Malai oram, Village - Lingundram, Nellorepettai, Post - Erthangal, PS&Taluka - Gudiyatham, District - Vellore, State - Tamil nadu, Pin - 632602, have changed my Mother name from Alamelu D to Alamelu. Affidavit no 4449 dt 17 July 25 Notary Public Panchkula (Haryana)

I, Service No. 15441937A Rank NK/NA. SATHISH KUMAR D R/o H.No. 314/154, Malai oram, Village - Lingundram, Nellorepettai, Post - Erthangal, PS &Taluka - Gudiyatham, District - Vellore, State - Tamil nadu, Pin - 632602, have changed my Father name from Dhandabani P to Dhandapani P. Affidavit no 4450 dt 17 July 25 Notary Public Panchkula (Haryana)
एपी-2677

मैं, मुकेश कुमारी पत्नी सुशील कुमार निवासी #679/25, लक्ष्मी नगर, रोहतक रोड, जिला-जीन्द घोषणा करती हूं कि मुकेश व मुकेश कुमारी दोनों मेरे ही नाम है। अब मैंने अपना नाम मुकेश से बदलकर मुकेश कुमारी रख लिया है। भविष्य में मुझे सभी कार्यों के लिए मुकेश कुमारी के नाम से ही जाना और पहचाना जाए।
एपी-2678

मैं, राजीव कुमार पुत्र राम मेहर निवासी मकान संख्या 63 जरनैल एन्क्लेव फेज 1, जीरकपुर, एस.ए.एस नगर, पंजाब 140603, मैंने भविष्य के सभी उद्देश्यों के लिए अपने नाबालिग बेटे का नाम आरव बदलकर आरव शर्मा कर दिया है।
एपी-2681

मैं, परवीन कुमार पुत्र सुरेश कुमार निवासी लांडरा एसएएस नगर मोहाली ने अपना नाम परवीन वर्मा से बदलकर परवीन कुमार रख लिया है।

मैं, ममता पत्नी श्री जसबीर कुमार, निवासी मकान नंबर 3257/1, सेक्टर 45-डी, चंडीगढ़, ने अपना नाम ममता से बदलकर हरजीत कौर कर लिया है।

I karnesh Kumar s/o Sudesh Kumar r/o # 66, ward no.9 pancholia mohalla purana bazar pehowa kurukshetra Haryana I have changed my name from karnesh to karnesh Kumar
एपी-2676

मैं, ANJU BANSAL W/o. VIJAY KUMAR, निवासी वार्ड 8., रतिया जिला फतेहाबाद (हरियाणा) सूचित करती हूं कि मैंने अपना नाम बदल कर ANJU RANI रख लिया है सभी संबंधित नोट करें।
एपी-2684

मैं, राम निवास (आर्मी न. 3203898पी रैंक एनके) पुत्र श्री शेर सिंह निवासी बिदावास, बावल, तहसील एवं जिला रेवाड़ी, हरियाणा-123501 घोषणा करता हूं कि मेरे बेटे का वास्तविक और सही नाम दक्ष (Daksh) है, जो उसके आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों में दर्ज है, लेकिन गलती से मेरे आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में उसका नाम दक्ष (Dakash) दर्ज हो गया है। अब मैं अपने आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में अपने बेटे के सही और वास्तविक नाम दक्ष (Daksh) को ठीक करवाना चाहता हूँ।
एपी-2676

मैं, बलदेव सिंह पुत्र हरीचन्द निवासी गांव बलवंती तहसील व जिला कैथल (हरियाणा) अपना नाम बलदेव सिंह से बदलकर बलदेवा राम रखता हूं। संबंधित कृपया नोट करें।
एपी-2666

मैं, हरजीत कौर पत्नी जगदीप सिंह सोढ़ी निवासी मकान नंबर 111, कमर्शियल रोड, जी.एम.एन. कॉलेज, के पीछे। अम्बाला कैंट, जिला अम्बाला, हरियाणा ने मेरा नाम हरजीत कौर सोढ़ी से बदलकर हरजीत कौर कर दिया है। सभी निजी या सरकारी दस्तावेजों में जहां हरजीत कौर सोढ़ी का नाम लिखा है, उन्हें हरजीत कौर पढ़ा जाना चाहिए। हरजीत कौर सोढ़ी और हरजीत कौर एक ही व्यक्ति हैं।
एपी-2686

मैं, बलदेव सिंह पुत्र हरीचन्द निवासी गांव बलवंती तहसील व जिला कैथल (हरियाणा) अपना नाम बलदेव सिंह से बदलकर बलदेवा राम रखता हूं। संबंधित कृपया नोट करें।
एपी-2687

बेदखली सूचना

मैं, महावीर पुत्र श्री रामेश्वर निवासी गांव रामनगर तहसील सफीदों जिला जीन्द ब्यान करता हूं कि मेरा लड़का मनोज कुमार व उसकी पत्नी शताब्दी ये दोनों मेरे कहने सुनने से बाहर हैं। इसलिए मै इनको अपनी संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में ये कोई अपराध करते है या इनके साथ लेन-देन, कानूनी- गैर कानूनी कार्य व अन्य व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।
एपी-2673

हमकी मेहरदीन पुत्र फूल शाह व जैतून पत्नी मेहरदीन निवासी प्रतापनगर उप तहसील प्रताप नगर तहसील छछरौली ज़िला यमुनानगर यह बयान करते है की हमारा लड़का अशरफ वा हमारी पुत्र वधू काजल हमारे कहने सुनने से बाहर है। इसलिए हम अपने पुत्र अशरफ वा अपनी पुत्र वधू काजल को अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करते है । आज के बाद हमारा या हमारे परिवार का इनके साथ कोई भी तालुक वास्ता नहीं है ,और ना ही भविष्य में होगा। इनके साथ लेनदेन करने वाला खुद जिम्मेदार होगा। सभी संबंधित नोट करे।
एपी-2675

मैं, देवी दास पुत्र हीरा लाल निवासी मकान संख्या 1747-बी, स्मॉल फ्लैट्स धनास, चंडीगढ़ सूचित करता हूँ कि मेरा बेटा राम किशोर और उसकी पत्नी उषा मेरे कहने सुनने से बाहर हैं। इसलिए मैं इनको अपनी सभी चल-अचल संपत्तियों से बेदखल करता हूँ। इनसे लेन देन करने वाला खुद जिम्मेदार होगा।
एपी-2679

मैं, विक्की बूरा (आ. नं. 5220 0143 6388) पुत्र जयपाल सिंह गांव बुढाखेड़ा तहसील सफीदों जिला जींद अपने हल्फ़ से बयान करता हूँ कि मेरी पुत्री पूर्वा जोकि मेरे कहने-सुनने से बाहर है। वह अपनी मनमानी करती है। इसलिए उसे मैं अपनी तमाम चल व अचल संपत्ति से बेदखल करता हूँ। भविष्य में उससे कोई भी किसी प्रकार का कोई संबंध बनाता है या लेनदेन करता है तो वह स्वयं जिम्मेवार होगा।

मैं, पाला राम पुत्र पूर्ण चन्द निवासी बीरबल नगर, नरवाना जिला जींद अपने हल्फ से बयान करता हूं कि मेरा पुत्र दीपक व पुत्रवधू पूनम धीमान मेरे कहने- सुनने से बाहर है, मैं उन्हें अपनी तमाम चल- अचल संपत्ति से बेदखल करता हूँ भविष्य में उनसे जो भी लेनदेन करेगा वह स्वयं जिम्मेदार होंगे
एपी-2680

मैं, जंग सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री बारा सिंह, निवासी मकान संख्या 2343, गुडविल एन्क्लेव, सेक्टर 49-सी, चंडीगढ़, घोषणा करता हूँ कि मेरा बेटा तरनजीत सिंह और उसकी पत्नी हरप्रीत कौर मेरे नियंत्रण से बाहर हैं, इसलिए मैं उन्हें अपनी चल- अचल संपत्ति से बेदखल करता हूँ और उनसे सभी प्रकार के संबंध समाप्त करता हूँ। उनके साथ लेन-देन करने वाला कोई भी व्यक्ति अपने जोखिम और ज़िम्मेदारी पर करेगा।

हम जय किशन पुत्र श्री गोपी राम व बीरमति पत्नी जय किशन निवासी #42, वार्ड नंबर 07, मुंगडिया मोहल्ला पिहोवा, तहसील पिहोवा जिला कुरूक्षेत्र बयान करते है कि प्रवीण कुमार हमारा सगा पुत्र व अन्नु पत्नी प्रवीण कुमार हमारी पुत्रवधू है ! यह दोनों हमारे कहने सुनने से बाहर हैं और हमारे से अलग रहते है इसलिए हम इन दोनों को अपनी तमाम चल व अचल संपत्ति से बेदखल करते हैं ! भविष्य में इनके साथ लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा ! हमारी व हमारे परिवार के अन्य सदस्यों की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
एपी-2676

हम, राज कुमार (आधार न. 7339 9189 2474) पुत्र श्री मेला राम व सरोज आधार न0 8426 2745 8944 पत्नी श्री राज कुमार निवासी ग्राम पिलनी तहसील पुण्डरी, जिला कैथल ब्यान करता हूँ कि मेरी पुत्री महक जो हमारे कहने सुनने से बाहर है ने हमारी मरजी के खिलाफ दिनाक 02.07.2025 को राहूल निवासी करनाल के साथ लव मेरिज कर ली है को अपनी समस्त चल अचल सम्पति से बेदखल करते है। आज के बाद महक यदि किसी के साथ कोई व्यवहार या डिलिंग करती है तो उसकी जिम्मेदार वह खुद होगी। मैं या मेरा परिवार इसके लिए जिम्मेदार नहीं होगा।
एपी-2683

मै, बलबीर सिंह पुत्र दरबारा सिंह निवासी गाँधी नगर, पिहोवा,कुरुक्षेत्र मेरा पुत्र गुरविन्द्र सिंह मेरे कहने-सुनने से बाहर होने के कारण मै इसको अपनी चल- अचल संपत्ति से बेदखल करता हु , भविष्य में इसके द्वारा किये गए अनैतिक कार्य व लेन देन के लिए यह स्वयं जिम्मेवार होगा।
एपी-2688

खोया-पाया

मैं, सुमन पत्नी राजेश निवासी गांव मटौर तहसील कलायत जिला कैथल ब्यान करती हूं कि असल रजिस्ट्रर्ड सेल डीड नंबर 3324 दिनांक 30.07.2015 (डीडीआर नं. 132280302500946) मेरे पास से दिनांक 15.06.2025 बस स्टैंड कैथल के पास कहीं गुम हो गई है। जिस किसी को भी यह सेल डीड मिले वह 15 दिनों के अंदर एडवोकेट जगबीर सिंह, चैम्बर नं. 180, जिला कोर्ट, कैथल, मो. 9896221114 को संपर्क करें।
एपी-2666

मैं, जसवीर सिंह सिंवर पुत्र अजैब सिंह निवासी गांव गिल्लन खेड़ा (37), पोस्ट- गिल्लन खेड़ा, जिला फतेहाबाद, हरियाणा, घोषणा करता हूं कि मैंने अपना मूल 10वीं कक्षा उत्तीर्ण प्रमाण पत्र सूचकांक संख्या टी/530/018 प्रमाण पत्र संख्या 228154, आईसीएसई, नई दिल्ली द्वारा वर्ष 1989 में जारी किया गया खो दिया है। अगर किसी को यह प्रमाण पत्र मिलता है तो कृपया उपरोक्त पते पर भेजें।
एपी-2676

आवश्यक सूचना

अर्थ प्रकाश (हाउस ऑफ प्रिंट एंड डिजिटल मीडिया) का इस समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/ क्लासीफाइड) के तथ्यों संबंधी कोई दायित्व नहीं है। हमारा समाचार पत्र इनको सत्यापित नहीं करता है। किसी भी प्रकार के विज्ञापनों में पाठकों से विनती है कि वह कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले, विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पूर्व तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। यह समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

अम्बाला सिविल अस्पताल में 100 बिस्तर के भवन का निर्माण कार्य शुरू: विज

भवन का शेष निर्माण कार्य 14.79 करोड़ रुपए की लागत से होगा पूरा

100 बिस्तर के भवन को क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) की तरह बनाया जाएगा, गंभीर मरीजों को सेंटर में मिलेगी बेहतर चिकित्सा सुविधा

भवन का निर्माण कार्य माननीय हाईकोर्ट व ऑबिर्टेशन केस लगने के कारण रूका हुआ था, अब पुन: टेंडर के बाद शुरू हुआ निर्माण कार्य

अर्थ प्रकाश संवाददाता

अंबाला, 18 जुलाई। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी सिविल अस्पताल में 100 बिस्तर के भवन का निर्माण कार्य पुनः शुरू कर दिया गया है। यह भवन अत्याधुनिक चिकित्सीय सुविधाओं से लैस होगा जिसे क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) की तर्ज पर बनाया जाएगा और यहां मरीजों को बेहतरीन उपचार मिलेगा। इस 100 बिस्तर के भवन के निर्माण होने से अंबाला छावनी सिविल अस्पताल की क्षमता दौगुनी अर्थात 200 बिस्तर की हो जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि इस नए भवन का डिजाईन इस प्रकार से तैयार किया गया है कि सामान्य मरीजों को संक्रमण का खतरा न उठाना पडें।

श्री विज ने बताया कि पहले भवन के निर्माण का केस माननीय हाईकोर्ट में होने की वजह से रूक गया था जिसके बाद ऑबिर्टेशन में जाने पर दोबारा से निर्माण कार्य के अब टेंडर हुए हैं। अब 14.79 करोड़ रुपए की लागत से भवन का शेष निर्माण कार्य जल्द पूरा किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि 100 बिस्तर के नए भवन बनने से सिविल अस्पताल की क्षमता 200 बिस्तर की हो जाएगी। इससे अस्पताल आने वाले मरीजों व उनके तीमारदारों को काफी फायदा होगा। मौजूदा समय में सिविल अस्पताल में 100 बिस्तर की ही सुविधा है। लेकिन लगातार बढ़ रही मरीजों की संख्या के कारण अस्पताल में बिस्तर की कमी महसूस होने लगी थी इसीलिए नए भवन का निर्माण किया जा रहा है।

क्रिटिकल केयर यूनिट में दिल की धड़कनों, रक्तचाप, और अन्य महत्वपूर्ण शारीरिक संकेतों पर कड़ी नजर रखी जाती है। इससे डॉक्टर तुरंत किसी भी असामान्य लक्षण को पहचान कर त्वरित इलाज कर सकते हैं। सीसीयू में ऑक्सीजन सपोर्ट, दवाओं का इस्तेमाल, इमरजेंसी प्रोसीजर, पोस्ट-केयर व रिकवरी आदि सुविधा रहती है। सीसीयू में कोरोना व अन्य बीमारियों के लिए भी अलग से चिकित्सीय सुविधा होती है, इनके भी अलग वार्ड होंगे। बिल्डिंग इस प्रकार डिजाइन होगी कि सामान्य मरीजों को इन्फेक्शन का खतरा न उठाना पड़े।

सात मंजिला नए भवन में उपलब्ध होगी यह सुविधाएं

दो बेसमेंट फ्लोर – नई बिल्डिंग में कुल सात फ्लोर होंगे, जिनमें दो बेसमेंट फ्लोर होंगे, इसमें एक फ्लोर पर वाहनों की पार्किंग होगी जबकि दूसरे फ्लोर पर एसी प्लांट व गैस प्लांट लगाया जाएगा।

ग्राउंड फ्लोर – ग्राउंड फ्लोर में रजिस्ट्रेशन–कम–रिसेप्शन सेंटर, इमरजेंसी सर्विस उपलब्ध होगी, शौचालय व अन्य सुविधाएं होगी।

पहला फ्लोर– पहले फ्लोर पर ईमरजेंसी वार्ड होंगे जिनमें 28 बेड होंगे।

दूसरा फ्लोर – दूसरे फ्लोर पर इनफेक्टिव आईसीयू (इनटेंसिव केयर यूनिट)।

तीसरा फ्लोर – तीसरे फ्लोर पर इनफेक्टिव ओटी, सुपर स्पेशलिस्ट ओटी तथा वार्ड होंगे।

चौथा फ्लोर – चौथे फ्लोर पर इनफेक्टिव ओटी, इनफेक्टिव ओटी, सुपर स्पेशलिस्ट ओटी तथा वार्ड होंगे तथा जीवन रक्षक साबित होगी क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू)।

उल्लेखनीय है कि 100 बेड बिल्डिंग को क्रिटिकल केयर यूनिट की तरह तैयार किया जा रहा है जहां गंभीर या आपात समय में मरीजों को बेहतर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध होगी। क्रिटिकल केयर में मरीज की हालत की लगातार निगरानी के लिए आवश्यक उपकरण, जरूरी दवाओं की व्यवस्था और मरीज की स्थिति के आधार पर चिकित्सीय निर्णय लेना शामिल होता है।

बीए प्रथम वर्ष की सभी छात्राओं ने प्राप्त की मेरिट

विनय बाल मन्दिर गुरुकुल महाविद्यालय का किया नाम रोशन

अर्थ प्रकाश/सुरेश सिसोदिया

जींद, 18 जुलाई। 17 जुलाई 2025 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा बी.ए. प्रथम वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया । परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विनय बाल मन्दिर गुरुकुल महाविद्यालय में खुशी की लहर छा गई, क्योंकि सत्र 2024-25 के बी.ए. प्रथम वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा देने वाली सभी छात्राओं ने 90त्न से अधिक अंक प्राप्त करके अपने माता-पिता को गौरवान्वित करते हुए विनय बाल मन्दिर गुरुकुल महाविद्यालय लखमीरवाला का नाम भी रोशन कर दिया। इस अवसर पर छात्राओं ने केक काटकर अपनी खुशी को सांझा किया। श्री लज्जाराम शैक्षणिक संस्थाओं के पीठाधीश्वर श्री राजेश स्वरूप महाराज जी द्वारा छात्राओं को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया । विनय बाल मन्दिर गुरुकुल महाविद्यालय के अध्यक्ष और श्री लज्जाराम शैक्षणिक संस्थाओं के अध्यक्ष राजेश स्वरूप महाराज जी , ट्रस्ट के संस्थापक माननीय विजय कुमार बंसल जी , उपाध्यक्षा माननीया डॉश कांता शर्मा जी , महाविद्यालय के प्रबंधक आदरणीय श्री गुलाब सिंह चीमा जी, प्रधानाचार्य आदरणीय श्री राजेश गौतम जी ने और महाविद्यालय के पूरे स्टाफ ने छात्राओं को उनकी इस उत्तम उपलब्धि पर बहुत-बहुत हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की । प्रधानाचार्य द्वारा बताया गया कि उनके महाविद्यालय की मुस्कान पुत्री श्री सुभाष (लखमीरवाला) द्वारा 92त्न अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान तथा मीनाक्षी पुत्री श्री सतवीर (खोखरी), बबली पुत्री श्री बलमत (वराह कलां) पूजा, तमन्ना, नेहा इन छात्राओं द्वारा 90त्न अंक प्राप्त करके द्वितीय स्थान तथा खुशबू द्वारा 88त्न अंक प्राप्त करके तृतीय स्थान प्राप्त किया । स्टाफ की तरफ से छात्राओं को मिठाई खिलाकर इस खुशी को पूरे महाविद्यालय में सांझा किया गया । ग्रामीण क्षेत्र की सभी छात्राओं के लिए गौरव और खुशी की बात यह है वर्तमान में विनय बाल मंदिर गुरुकुल महाविद्यालय छात्राओं के भविष्य मार्ग को प्रशस्त करने के लिए सत्र 2024-25 से ग्रेड ++ प्राप्त केंद्रीय विश्वविद्यालय से बी.ए. कक्षाओं का संचालन कर रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं को उनके ग्रामीण क्षेत्र में ही उच्चतम शिक्षा का लाभ प्राप्त हो सके। विनय बाल मंदिर गुरुकुल महाविद्यालय जींद क्षेत्र की 12वीं कक्षा को उत्तीर्ण करने वाले सभी छात्राओं को बी. ए. कक्षा में प्रवेश के लिए आमंत्रित करता है। विनय मंदिर गुरुकुल महाविद्यालय बी.ए. प्रथम बर्ष कक्षा में उत्तीर्ण होने वाली सभी छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करता है।

न्यूज ब्रीफ

पर्यावरण बचाने के लिए करें पौधरोपणः ऋषिराम शर्मा

उचाना मंडी (अप्रस/मित्तल)। डूमरखा कलां के आरोग्य मंदिर में भीष्म मानव कल्याण फाउडेशन हरियाणा के तत्वाधान में एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। मा. आनंद कौशिक ने अपनी माता कृष्ण देवी की पुण्य तिथि पर त्रिवेणी, दो चीकू के पौधे लगाने के अलावा छह अलग–अलग पौधे लगाए। फाउडेशन चेयरमैन ऋषिराम शर्मा ने कहा कि अपने जीवन में पौधरोपण जरूर करना चाहिए। एक पौधा मां के नाम से जरूर लगाने के साथ–साथ उसकी देखरेख भी करनी चाहिए। परिवार में कोई भी खुशी हो तो पौधरोपण जरूर करें। पर्यावरण को बचाने के लिए पौधरोपण करना आज जरूरी है। पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी बनती है। ऐसे में हमें चाहिए कि खुद पौधरोपण करने के साथ–साथ दूसरों को भी पौधरोपण करने के लिए प्रेरित करें। इस मौके शीशराम अत्री, रघुबीर शर्मा रेंजर, सुखदेव पटवारी मौजूद रहे।

नशा के तहत विद्यार्थियों, ग्रामीणों को किया जागरूक

उचाना मंडी (अप्रस/मित्तल)। पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह के दिशा निर्देशन में नशा मुक्ति टीम इंचार्ज उपनिरीक्षक नरेश कुमार व उनकी टीम द्वारा एसबीएम पब्लिक स्कूल काकड़ोद, उदयपुर में डोरटूडोर सर्वे कर ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। नशा मुक्ति टीम इंचार्ज उपनिरीक्षक नरेश कुमार, स्कूल प्रिंसिपल संदीप शर्मा एवं स्कूल स्टाफ मौजूद रहा। नशा मुक्ति टीम ने गांव उदयपुर में डोरटूडोर जाकर आमजन से संवाद कर नशे से दूर रहने तथा नशा तस्करों की जानकारी पुलिस को देने की अपील की गई। एसबीएम पब्लिक स्कूल गांव काकडोद में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नरेश कुमार ने कहा नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। विद्यार्थी देश का भविष्य हो। पढ़ाई, खेल और अपने सपनों में ध्यान लगाओ, नशे जैसी बुरी आदतों से हमेशा दूर रहो। अगर गांव या आस–पास कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें । विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया गया, जिसमें पुलिस टीम, स्कूल स्टाफ ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विद्यार्थियों के बीच रस्साकसी का फैंडली मैच भी आयोजित किया गया।

अस्पताल में लाभार्थियों को वितरित किए नि:शुल्क चश्मे

समालखा (अप्रस/मनदीप कुमार)। आखों की सेहत सुधारने और रोके जा सकने वाले अंधत्व की रोकथाम करने की दिशा में हरियाणा सरकार ने एक और विशेष पहल की शुरूआत करते हुए प्रदेश में उज्वल दृष्टियोजना की शुरूआत की है। इस योजना की शुरूआत वर्चुवल माध्यम से हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव ने हिसार से की थी। योजना के तहत एसएमओ संजय आंतील और एसएमओ निधि मुंजाल नें सयुंक्त तौर पर जानकारी देते हुए बताया कि रोजाना चालीस से पचास ओपी?ी आ रही हैं। जिसमें सिविल अस्पताल समालखा में रोजाना लाभार्थियों को जाँच के बाद करीब 10 निशुल्क चश्में वितरित किए जा रहें हैं। इस योजना का एक मात्र उद्देश्य है प्रदेश वासियों को धुधलापन व कम नजर से मुक्ति दिलाना। इस योजना के तहत स्कूली बच्चों को निशुल्क चश्में उपलब्ध कराने और 45 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को निकट दृष्टि सुधार के लिए मुफ्त चश्में दिए जाएगें। वहीं एसएमओ निधि मुंजाल नें बताया कि अस्पताल में 11जुलाई को कैम्प लगाया गया था। जिसमें असिस्टेंट नीतू रानी के द्वारा करीब 110 मरीजों की जाँच कर करीब 55 चश्मे वितरित किए थे। साथ ही उन्होंने बताया कि अब धुंधलापन या कम नजर जिंदगी में रूकावट नहीं बनेगी। यह योजना केवल नेत्र जांच और चश्मा वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि हरियाणा के नागरिकों को आत्मनिर्भर, समान और स्वस्थ समाज की ओर अग्रसर करने की एक ठोस पहल है। उन्होंने कहा कि उज्वल दृष्टि योजना के तहत उपमंडल समालखा के नागरिकों को धुंधलापन व कम नजर से मुक्ति दिलाने के लिए नागरिक अस्पताल में मुफ्त चश्मे दिए जाएगें। आमजन किसी भी कार्यदिवस में अस्पताल व सीएचसी केंद्र पर जाकर अपनी आंखों की जांच करवाकर मुफ्त में चश्में प्राप्त कर सकते है।

रेलवे रोड का लोड कम करने के लिए लगाया 100केवी का नया ट्रांसफार्मर

समालखा (अप्रस/मनदीप कुमार)। शहर के रेलवे रोड और सर्विस रोड पर बिजली विभाग के द्वारा गर्मी में बढ़ती बिजली आपूर्ति को लेकर पुराना बस स्टैंड पर 100केवी का ट्रांसफार्मर रखा गया। मौके पर जेई कुलदीप नें जानकारी देते हुए बताया कि मौजूदा स्थिति में त्यागी ट्रांसपोर्ट के बाहर 200केवी लोड का ट्रांसफार्मर रखा हुआ हैं। जिस पर सर्विस रोड और रेलवे रो? पर सप्लाई हैं। जिस पर अक्षमता से अधिक लोड होने की वजह से अधिक समस्या बनी हुई थी। समस्या के समाधान और आमजन को राहत देने के उद्देश्य से उच्च अधिकारियो के दिशा निर्देश से 100केवी का ट्रांसफार्मर रखा गया हैं। जिससे आमजन को काफी राहत मिलेगी। ट्रांसफार्मर का फायदा मुख्य रूप से रेलवे रोड के दूकानदारों को मिलेगा। साथ ही उन्होंने आमजन से बारिश के मौसम को लेकर मुख्य नसीहत दीं कि बिजली के तारों, खंभों और उपकरणों से दूर रहें, और पानी तथा बिजली के संपर्क से बचें। बिजली विभाग ने यह भी सलाह दी है कि बारिश के दौरान बिजली गिरने की संभावना अधिक होती है, इसलिए घर के अंदर रहें और खुले स्थानों, पेड़ों, और पानी के स्रोतों से दूर रहें। बारिश के दौरान बिजली के उपकरणों का उपयोग कम करें, और यदि आवश्यक हो, तो बिजली के स्विच और प्लग को छूने से बचें। यदि आपको कोई कही भी बिजली की समस्या दिखाई देती है, तो तुरंत बिजली विभाग को सूचित करें।

हांसी पुलिस ने गांव उमरा में आयोजित करवाई कबड्डी प्रतियोगिता

अर्थ प्रकाश/दिनकर गावड़ी

हांसी, 18 जुलाई। पुलिस अधीक्षक हांसी अमित यशवर्धन के दिशा-निर्देशानुसार नशा मुक्ति अभियान के तहत हांसी पुलिस ने खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए गांव उमरा में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया।हांसी पुलिस की नशा मुक्ति टीम इंचार्ज सहायक उप निरीक्षक दीपक कुमार ने बताया कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए गांव उमरा में आयोजित प्रतियोगिता में गांव मुजादपुर, सुल्तानपुर, ढंडेरी, नलवा और धमाना की कुल 6 गांवो की टीमों ने भाग लिया। सभी मैचों में सभी खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। सभी मुकाबले कड़े टक्कर के रहें।जिसमें फाइनल मैच गांव उमरा और धमाना की टीमों के बीच जबरदस्त कांटे का मुकाबला हुआ। जिसमें गांव उमरा की टीम ने फाइनल मैच में गांव धमाना की टीम को 19-17 से हराकर जीत हासिल की। विजेता टीम को हांसी पुलिस की तरफ से आकर्षक इनाम देकर सम्मानित किया गया और सभी खिलाड़ियों को रिफ्रेशमेंट करवाया गया। सहायक उप निरीक्षक दीपक कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान ग्रामीणों, युवाओं और खिलाड़ियों को नशे के खिलाफ और सड़क सुरक्षा के प्रति सजग करते हुए यातायात नियमों की जानकारी दी गई। नाबालिग बच्चों को बालिग होने तक वाहन नहीं चलाने हेतु बताया गया। नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताते हुए नशे से दूर रहने तथा गांव और आस-पास नशे से सम्बंधित सामान बेचने वालों की सूचना पुलिस को देने हेतु प्रोत्साहित किया। सभी युवाओं ने नशे के खिलाफ जागरूक रहने और अपने आस पास के लोगों को भी जागरूक करने की शपथ ली।

विनोद कौशिक ने संभाला जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार

अर्थ प्रकाश/अरविंद मोहन शर्मा

कुरुक्षेत्र, 18 जुलाई। जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने औपचारिक रूप से जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात विनोद कौशिक ने सभी कार्यालय स्टाफ एवं अधिकारियों को संबोधित किया। विनोद कौशिक ने कहा कि कर्तव्यनिष्ठा, पारदर्शिता और समयबद्धता किसी भी कार्यालय की कार्यक्षमता के मूल स्तंभ हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण भाव से करें, ताकि जिले में शिक्षा की गुणवत्ता को सुदढ़ किया जा सके। उन्होंने कहा कि वे स्वयं सभी योजनाओं की नियमित समीक्षा करेंगे और विद्यालयों के निरीक्षण को प्राथमिकता पर रखेंगे, ताकि मौलिक शिक्षा को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाया जा सके।गौतम दत्त ने कार्यभार ग्रहण करने पर विनोद कौशिक को शुभकामनाएं दीं। वहीं, हरियाणा स्कूल लेक्चरर्स एसोसिएशन (हसला) के जिला प्रधान डॉ. तरसेम कौशिक तथा चैयरमैन सतबीर कौशिक ने श्री कौशिक को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर उप जिला शिक्षा अधिकारी इंदु कौशिक, खंड शिक्षा अधिकारी पिहोवा संजय शर्मा, जिला विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. तरसेम कौशिक, जिला उल्लास कॉर्डिनेटर संजय कौशिक, अतुल कुमार शर्मा, गौतम दत्त, विजेंदर शर्मा, सतबीर कौशिक, सुनील कौशिक, अमित कौशिक, अमित मालिक, रमेश सैनी, जसबीर सैनी, हरीश शर्मा, तनुपमा शर्मा एवं ऋतु गुप्ता उपस्थित रहे।

नवीन जिन्दल फाउंडेशन ने कांवड़ शिविरों में करवाई स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध

कुरुक्षेत्र (अप्रस/वालिया)। सांसद नवीन जिन्दल द्वारा कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के गांव बाहरी दर्रा खेड़ा और थानेसर व लाडवा में लगाए हुए कांवड़ शिविरों में लोगों व कांवड़ियों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। उपरोक्त जानकारी देते हुए सांसद नवीन जिन्दल के कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि नवीन जिन्दल फाउंडेशन की टीम द्वारा आज दो मोबाइल मेडिकल यूनिटों के माध्यम से गांव बाहरी दर्रा खेड़ा और थानेसर में पुराने बस स्टैंड पर व लाडवा में प्रकाश राइस मिल के पास लगाए गए कांवड़ शिविरों में कांवड़ियों की जांच, उपचार और नि:शुल्क दवाइयां दी गई। इन शिविरों में मोबाइल मेडिकल युनिट द्वारा नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गई। इस मौके पर रक्त और युरिन के टेस्ट भी किये गये। उन्होंने बताया कि आज के मोबाइल मेडिकल युनिट के शिविरों में 166 लोगों को परामर्श और जांच के बाद नि:शुल्क दवाईयां दी गई साथ ही लोगों को रक्त एवं युरिन के टेस्ट की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई कराई गई।

सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर 5 लाख ठगे, गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/सुभाष जैन

पानीपत, 18 जुलाई। पुलिस अधीक्षक श्री भूपेंद्र सिंह आईपीएस के मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए थाना सेक्टर 13/17 पुलिस ने ग्रुप सी की सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर अंसल निवासी युवक से 5 लाख रूपए की धोखाधड़ी करने के आरोपी को वीरवार शाम को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान चंदौली निवासी जसबीर के रूप में हुई है। आरोपी जसबीर बिजली विभाग में क्लर्क के पद पर वर्तमान में अंबाला में तैनात है।

थाना सेक्टर 13/17 प्रभारी सब इंस्पेक्टर विनोद ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी जसबीर ने मामले में नामजद आरोपियों के साथ मिलकर साजिश रचकर नौकरी लगवाने के नाम पर धोखाधड़ी करने की उक्त वारदात को अंजाम देने बारे स्वीकारा। पूछताछ में आरोपी ने उक्त वारदात के अतिरिक्त नौकरी लगवाने व विदेश भेजने के नाम पर अन्य 9 लोगों के साथ करीब 43 लाख रूपए की धोखाधड़ी करने बारे स्वीकारा। पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी जसबीर को माननीय न्यायालय में पेश किया जहा से उसे 8 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया। रिमांड के दौरान पुलिस आरोपी से गहनता से पूछताछ करने साथ ठगी गई नगदी बरामद करने व अन्य आरोपियों के ठीकानों का पता लगा काबू करने का प्रयास करेगी।

यह है मामला: थाना सेक्टर 13/17 में अंसल निवासी रोहित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह पानीपत कचेहरी में एक वकील के पास इंटर्नशिप कर रहा है। वकील के पास पानीपत बिजली बोर्ड का पैनल है। किला सब डिविजन में तैनात कर्मचारी चंदौली निवासी जसबीर चैंबर पर आता था जो किला सब डिविजन के केसों की डिलिंग करता था। जसबीर ने उससे कहा वह एचएसएससी ग्रुप सी में सरकारी नौकरी लगवा देगा। उसके भाई सतबीर व उसके जीजा की उच्च अधिकारियों के साथ अच्छी पहुंच है। वह भी उन दोनों को पैसे देकर नौकरी लगा है। जसबीर ने ग्रुप सी की नौकरी लगवाने के उससे 10 लाख रूपए मांगे। जिसमें 5 लाख रूपए पहले व बाकी पैसे नौकरी लगने के बाद देने की बात कही। उसने जसबीर पर विश्वास कर लिया और सीनियर वकील को साथ लेकर जसबीर के घर गया। जहा उन्हें जसबीर उसका भाई सतबीर व पत्नी मिली। उन सभी ने एचएसएससी बोर्ड में अच्छे संबंध होने का आश्वासन दिया। विश्वास कर उन्होंने हां कर दी। उससे वर्ष 2024 में 1 अगस्त से 4 अगस्त के बीच 5 लाख रूपए कैश व ऑनलाईन खातों में ले लिए। पैसे लेकर 4 महीने में नौकरी लगवाने का आश्वासन दिया। जसबीर ने बाद में बहाने बनाकर टालना शुरू कर दिया और अपनी बहन व जीजा से फोन पर बात कराई। उन दोनों ने नौकरी लगवाने का आश्वासन दिया। बाद में जसबीर ने अपनी मजबूरी जाहिर करते हुए नौकरी नहीं लगवाने की बात कहते हुए उसको दो चेक दिए। दोनों चेक खाते में लगाने पर बाउंस हो गए। बाद में आरोपी ने पैसे देने से मना कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। सभी आरोपियों ने नौकरी लगवाने का झांसा देकर उसके साथ 5 लाख रूपए की धोखाधड़ी कर ली।

‘राष्ट्रीय साधन व योग्यता छात्रवृत्ति योजना’ पर विशेष प्रशिक्षण वर्कशॉप सोमवार को

अंबाला (जयबीर राणा थंबड)। अंबाला जिले में सत्र 2025–26 के लिए राष्ट्रीय साधन व योग्यता छात्रवृत्ति योजना से जुड़े नोडल अधिकारियों के लिए आगामी सोमवार, 21 जुलाई को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जाएगी। यह कार्यशाला पी.एम.श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बलदेव नगर अंबाला शहर में होगी। जिला गणित विशेषज्ञ एवं नोडल अधिकारी सुशील अरोड़ा ने बताया कि छात्रवृत्ति की राशि सीधे विद्यार्थियों के बैंक खाते में भेजी जाएगी, लेकिन इसके लिए हर छात्र को नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर हर वर्ष दस्तावेजों सहित आवेदन करना आवश्यक है। इन आवेदनों की जांच और सत्यापन की जिम्मेदारी संबंधित विद्यालयों के नोडल अधिकारियों और प्रधानाचार्यों की होती है, जिसके बाद ही छात्रवृत्ति की प्रक्रिया आगे बढ़ती है। यह योजना शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित की जाती है, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना है, ताकि वे माध्यमिक स्तर पर अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

कावड़ियों का कैंटर पलटा, दर्जनों कांवड़ियों को लगी चोटें

अर्थ प्रकाश/हितेश गर्ग

नरवाना, 18 जुलाई। नेशनल हाइवे हिसार चंडीगढ़ रोड पर बदोवाल के पास आईसर कैंटर का अचानक टायर फटने से एक्सीडेंट हो गया जिसमें लगभग 2 दर्जन कावं?यों को चोटें आई है जिन्हें इलाज के लिए नरवाना के नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया । सदर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उल्लेखनीय है कि फतेहाबाद जिले के गांव बिगड़ निवासी 22 लोग हरिद्वार कांवड़ लेने के लिए जा रहे थे की नरवाना के बदोवाल गांव के पास हादसा हो गया जिसमें

संदीप उम्र 38 वर्ष

- सुमीत उम्र 30 वर्ष पुत्र राजकुमार - सोरभ उम्र 25 वर्ष पुत्र सुरेश

-विकी उम्र 22 वर्ष पुत्र अनिल

- सन्नी 26 वर्ष पुत्र बंसी लाल - नानक 28 वर्ष पुत्र रामकुमार - हिमांशु उम्र 19 वर्ष रोहतास -कमल 22 वर्ष पुत्र छिन्दरपाल - जोनी उम्र 21 वर्ष पुत्र भोला राम - ललित उम्र 25 वर्ष पुत्र प्रेम सिंह - सोनू उम्र 19 वर्ष पुत्र कृष्ण - अंकित उम्र 20 वर्ष पुत्र विक्की

कृष्ण उम्र 22 वर्ष पुत्र राकेश वासियान बिगड़ जिला फतेहाबाद।

- प्रिंस उम्र 20 वर्ष पुत्र जंतर सिंह वासी किरडान जिला फतेहाबाद को मामूली चोटे आई है जिनको इलाज के लिए नागरिक हस्पताल नरवाना में लाया गया है ,जहाँ हिमांशु पुत्र रोहतास को अग्रोहा के लिए रेफर किया गया है।

सीईटी परीक्षा के अभ्यर्थियों के लिए नि :शुल्क बस सेवा का होगा प्रबंध

अर्थ प्रकाश/सुभाष जैन

पानीपत, 18 जुलाई। उपायुक्त डॉक्टर विरेन्द्र कुमार दहिया ने जानकारी देते ने हुए बताया कि राज्य सरकार द्वारा सीईटी परीक्षा में शामिल होने जा रहे अभ्यर्थियों की सुविधा हेतु एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 26 एवं 27 जुलाई 2025 को आयोजित होने वाली परीक्षा के लिए हरियाणा रोडवेज की ओर से निश्शुल्क बस सेवा प्रदान की जाएगी। यह सेवा अभ्यर्थियों को उनके नजदीकी जिला स्तरीय बस अड्डे से परीक्षा केंद्र तक पहुँचने और वापसी हेतु उपलब्ध करवाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि प्रदेश के 24 डिपो और 13 उप-डिपो से संचालित लगभग 9,200 बसें इस उद्देश्य के लिए चलाई जाएंगी। जिन अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र 100 किलोमीटर से अधिक दूरी पर आवंटित किया गया है, उनके लिए इंटरचेंज प्वाइंट की विशेष व्यवस्था की गई है।

विशेष सुविधाएं: महिला अभ्यर्थी एक पारिवारिक सदस्य के साथ भी फ्री बस सेवा का लाभ ले सकेंगी। दिव्यांग अभ्यर्थियों को घर से ही निश्शुल्क यात्रा सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। दूर दराज से आने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा के एक दिन पहले और एक दिन बाद भी यह सुविधा दी जाएगी। रात्रि विश्राम हेतु जिला प्रशासन द्वारा आवासीय व्यवस्था की जाएगी। असुविधा की स्थिति में तुरंत सहायता हेतु हर जिले में टोल फ्री हेल्पलाइन भी जारी की जाएगी। सभी अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे यात्रा के लिए पंजीकरण अवश्य करवाएं, ताकि आवश्यकता अनुसार बस सेवाओं की समुचित व्यवस्था की जा सके। ऑनलाइन अग्रिम सीट बुकिंग के लिए लिंक एचटीटीपीएस//एचएआरटीआरएएन एसडॉटजीओवीडॉटइन/एडवांस-बुकिंग-फॉर-सीईटी-2025 यह कदम राज्य सरकार द्वारा युवाओं की सुविधा और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की दिशा में एक और मजबूत पहल है।

राज्यपालश्री के नेतृत्व में गुरुकुल में प्राकृतिक खेती पर हुई ‘किसान गोष्ठी’

प्राकृतिक खेती एक विकल्प नहीं, आज की जरूरत है: आचार्य देवव्रत

अर्थ प्रकाश/राजकुमार वालिया

कुरुक्षेत्र, 18 जुलाई। देश-विदेश में विशुद्ध भारतीय पारम्परिक खेती ‘प्राकृतिक खेती’ को पहचान दिलाने वाले गुजरात के राज्यपालश्री आचार्य देवव्रत जी के नेतृत्व में हरियाणा के विभिन्न जिलों में प्राकृतिक खेती करने वाले अनेक प्रगतिशील किसानों की एक विशेष ‘किसान गोष्ठी’ गुरुकुल परिसर में हुई। इस दौरान किसानों ने प्राकृतिक खेती के अपने अनुभव माननीय राज्यपालश्री सहित अन्य किसानों के साथ सांझा किये और तमाम किसान बन्धु प्राकृतिक खेती के परिणामों से न केवल संतुष्ट नजर आए अपितु प्राकृतिक खेती को ‘उन्नत भारत का भविष्य’ करार दिया। इस अवसर पर विशेष रूप से प्राकृतिक खेती के विस्तार में अहम भूमिका निभा रहे विख्यात कृषि वैज्ञानिक पदम्श्री डॉ. हरिओम, डॉ. बलजीत सहारण आदि भी मौजूद रहे।

आचार्यश्री ने विगत दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्राकृतिक खेती पर हुई चर्चा का जिक्र करते हुए कहा कि ‘राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन’ को लेकर प्रधानमंत्री जी बहुत गंभीर है और विभिन्न प्रदेशों में प्राकृतिक खेती के सफल प्रयोगों से अब यह स्पष्ट हो गया है कि केवल प्राकृतिक खेती से ही देश के किसानों को खुशहाल और समृद्ध बनाया जा सकता है। प्राकृतिक खेती केवल एक विकल्प नहीं अपितु समय की अनिवार्यता है। राज्यपालश्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती के उत्पादों की प्रमाणिकता और मूल्यांकन हेतु प्रक्रिया को सरल बनाया जा रहा है जिससे प्राकृतिक खेती करने वाले किसान अपने उत्पादों का सर्टिफिकेशन आसानी से करवा पाएंगे, बाजार में उनके प्राकृतिक उत्पादों को अलग से पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज मार्किटिंग-ब्राडिंग का दौर है, ऐसे किसान केवल खेतों पर सीमित न रहे बल्कि अलग-अलग प्रोडक्ट बनाएं और अपने उत्पादों की बिक्री के लिए स्वयं बाजार तैयार करें। खेती में प्रयोग होने वाले केमिकल से आज लोग अनेक बीमारियों से ग्रस्त है, ऐसे में यदि प्राकृतिक खेती के उत्पाद उन्हें उपलब्ध हों तो उसे दोगुनी कीमत पर भी लेने को तैयार हैं। आचार्यश्री ने सभी किसानों से आह्वान किया कि अपने क्षेत्रों में किसानों को प्राकृतिक खेती की वास्तविकता से परिचित कराएं जिससे किसानों के मन में कम उत्पादन को लेकर जो भ्रम वह दूर हो और अधिक से अधिक किसान प्राकृतिक खेती को अपनाएं।

किसान गोष्ठी में प्रगतिशील किसान सरदार गज्जन सिंह, जौनी राजा, हरमेश काम्बोज, जितेन्द्र सिंह, बीरेन्द्र सिंह, फूलकुमार, कुलबीर सिंह, नरबीर सिंह, अमरीक सिंह, भीम सिंह डागर, कुलबीर सिंह, जसविन्द्र सिंह, सूरजभान, हरजिन्द्र सिंह, सुनील कुमार,, कश्मीर सिंह, पंकज कुमार, अमरिन्द्र कुमार, योगेश महन्त, रविन्द्र बावा, हरविन्द्र सिंह, नसीब कुमार, सन्दीप नाहरा, संतोष देवी, कपिल शर्मा, सतीश कुमार, कंवरभान कौशिक, भीखूराम गोयल, मनोज कुमार आदि मौजूद रहे और सभी ने अपने-अपने अनुभव सांझा किये।

मोक्ष प्रदाता, संपूर्ण चराचर जगत के नाथ-काशी विश्वनाथ

काशी विश्वनाथ की महिमा अपरंपार है। उनकी महिमा का वर्णन करना तो सूरज को दिया दिखाने के समान है। काशी जहाँ के कण-कण में शिव विराजमान है वहाँ के काशी विश्वेश्वर ज्योतिर्लिंग की महिमा भी शब्दों से परे हैं। काशी को मुक्ति का मार्ग माना गया है। हर सनातनी मनुष्य अपने जीवन काल में कम से कम एक बार तो गंगा स्नान और काशी विश्वनाथ के दर्शन अवश्य करना चाहता है। काशी को भगवान शंकर की बसायी गयी नगरी माना जाता है। काशी न केवल धार्मिक नगरी है बल्कि भगवान शंकर एवं माता पार्वती के आपसी सम्मान, स्नेह एवं अटूट बंधन की प्रतीक स्थली भी है जहाँ भगवान शंकर, माता पार्वती की भावनाओं का आदर करते हुए स्वयं उनके साथ यहाँ ज्योर्तिलिंग स्वरूप में स्थापित हो गए।

काशी नगरी जहां घर-घर में शिवालय है, जगह -जगह भगवान शंकर के शिवलिंग हैं, वहाँ का कण-कण शिव भक्ति से ओतप्रोत है। यहाँ की सुबह गंगा मैय्या के जयकारे से आरंभ होती है तो अनगिनत शिवालयों के हर-हर महादेव और जय विश्वनाथ के उद्घोष से सारे दिन और रातें गुंजायमान रहती हैं। ऐसे काशी विश्वनाथ की महिमा अनुपम, अनोखी और न्यारी ही है।

पुराणों के अनुसार द्वादश ज्योतिर्लिंगों में सातवें क्रम के काशी विश्वेशर ज्योतिर्लिंग की उत्पत्ति सबसे पहले हुई है । मान्यता है कि इसी स्थान पर ब्रह्मा, विष्णु और भगवान शंकर के मध्य अपनी अपनी श्रेष्ठता के लिए वार्तालाप हुआ तब यहीं एक विशालकाय ज्योति पुंज के रूप में भगवान शंकर प्रकट हुए और निर्णय हुआ कि जो भी इस ज्योति पुंज की उत्पत्ति (आरंभ) और अंत का पता लगा लेगा वही सर्वश्रेष्ठ होगा। तब ब्रह्मा जी हंस का रूप धारण करके स्वर्ग में इस ज्योतिस्तंभ के शीर्ष (ऊपरी भाग) का पता लगाने गए और भगवान विष्णु इस ज्योति पुंज के आधार का पता लगाने वराह रूप धारण करके पाताल की ओर गए। ब्रह्मा और विष्णु दोनों ही इस ज्योतिपुंज के आरंभ और अंत की खोज नहीं कर पाए। विष्णु जी ने इसे स्वीकार कर लिया कि वे इस ज्योति पुंज के मूल को नहीं खोज पाए , लेकिन ब्रह्मा जी ने पाँच साक्षियों के साथ इस स्तंभ के शीर्ष को देखने की बात कही। इस पर रुष्ट होकर भगवान शंकर ने ब्रह्मा जी को श्राप दिया कि अब वे इस पृथ्वी पर पूजे नहीं जाएंगें। यहीं पर भगवान विष्णु को सत्य बोलने के कारण सदैव पूजनीय रहने का सम्मान मिला। तभी से देवाधिदेव महादेव इस संपूर्ण चराचर जगत के नाथ के रुप में ज्योतिर्लिंग स्वरूप में यहां प्रतिष्ठित हैं।

स्कंद पुराण में काशी विश्वनाथ की महिमा में एक पूरा काशीखंड है। ब्रह्मवैवर्त पुराण के काशी रहस्य खंड़ एवं श्री शिवमहापुराण के कोटिरुद्रसंहिता अध्याय में भी काशी विश्वनाथ की महिमा का विस्तार से वर्णन है। इनके अलावा ऋग्वेद, रामायण एवं महाभारत में भी काशी विश्वनाथ के बारे में विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया है।

पौराणिक कथाओं में यह भी वर्णन है कि माता पार्वती एवं भगवान शंकर का विवाह कैलाश पर्वत पर हुआ था। माता पार्वती कैलाश पर नहीं रहना चाहती थी इसलिए वे अपने पिता के घर रहने लगी। वहाँ भगवान शंकर उनसे मिलने आते रहते थे। विवाहिता माता पार्वती को अपने पिता के यहां रहना उचित प्रतीत नहीं होता था। इसलिए उन्होंने महादेव जी कहीं अन्यत्र बसने का आग्रह किया। तब माता पार्वती की भावनाओं का आदर एवं सम्मान करते हुए भगवान शंकर ने काशी नगरी में रहने का निर्णय लिया और संपूर्व विश्व के नाथ बनकर काशी नगरी में माता पार्वती के साथ निवास करने लगे।

अनेक धार्मिक मान्यताओं, धर्मग्रंथों एवं स्कंद पुराण आदि ग्रंथों के अनुसार भगवान शिव की यह नगरी उनके त्रिशूल पर बसी हुई है और जब प्रलयकाल में संपूर्ण पृथ्वी का नाश होगा तब यही एक नगरी शेष बचेगी और पुनः सृष्टि का प्रारंभ यहीं से होगा।

काशी के बाबा विश्वनाथ को विश्वेश्वर महादेव के नाम से भी पुकारा जाता है जिसका अर्थ ही संपूर्ण विश्व के नाथ, स्वामी या शासक है। इस प्रकार काशी विश्वनाथ संपूर्ण जगत, संपूर्ण ब्रह्मांड के स्वामी हैं। काशी नगरी में उनकी आराधना एवं स्मरण मात्र करने से मनुष्य जन्म जन्मांतरों के दुखों एवं पाप कर्मों से मुक्त होकर मोक्ष को प्राप्त करता है।

सफलता की कुंजी है संघर्ष: मुनिश्री विनय कुमार जी

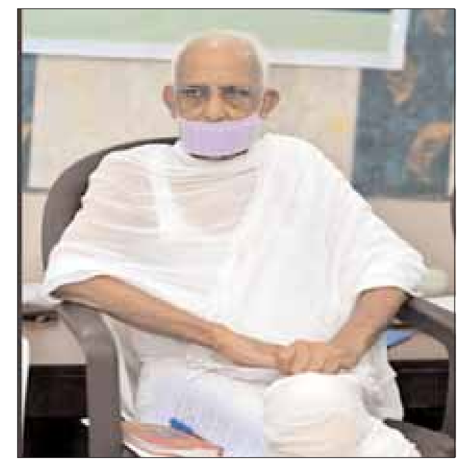

चंडीगढ। जीवन संघर्ष का दूसरा नाम है ! एक बात हमेशा याद रखिए, अपनी मंजिल का आधा रास्ता तय करने बाद पीछे ना देखे बल्कि पुरे जूनून और विश्वाश के साथ बाकि की आधी दूरी तय करे , बीच रास्ते से लौटने का कोई फायदा नहीं क्योकि लौटने पर आपको उतनी ही दुरी तय करनी पड़ेगी जितनी दुरी तय करने पर आप लक्ष्य तक पहुंच सकते हो! आप सब सोचते होंगे पढ़ना लिखना और कहना आसान है लेकिन करना बहुत मुश्किल है ! ये बात हम सब जानते है सरलता और सहजता से किसी को हाशिल नहीं हुआ है ! इतिहास गवाह है इस बात का की आज भी लोग महान कमयाब लोगो को उनके किये हुए संघर्ष की वजह से याद करते है ! संघर्ष जीवन में उतार - चढ़ाव का अनुभव करता है , अच्छे -बुरे का ज्ञान करवाता है, सक्रिय रहना सिखाता है समय की कीमत सिखाता है, जिससे प्रेरित होकर हम सशक्तिकरण के साथ फिर लक्ष्य के प्रति समर्पित होते है और जीवन जीना सीखते है ! ये शब्द मनीषी संत मुनिश्री विनय कुमारजीआलोक ने सैक्टर 24सी अणुव्रत भवन में सभा को संबोधित करते हुए कहे।

मनीषीश्रीसंत ने आगे कहा अगर हम सरल शब्दों में संघर्ष को परिभाषित करे तो हम सब संघर्ष से घिरे हुए और जो सफलता या सीख मिलती है वो संघर्ष की ही देन है। संघर्ष जीवन को निखारता, संवारता व तराशता हैं और गढ?र ऐसा बना देता हैं, जिसकी प्रशंसा करते जबान थकती नहीं। संघर्ष हमें जीवन का अनुभव कराता हैं, सतत सक्रिय बनाता हैं और हमें जीना सिखाता हैं। संघर्ष का दामन थामकर न केवल हम आगे बढ़ते हैं, बल्कि जीवन जीने के सही अंदाज़ को आनंद को अनुभव कर पाते हैं। दुनिया में हर व्यक्ति सफलता को पाना चाहता और सफलता की उम्मीद करता है और सफलता पाने के लिए वह व्यक्ति अथक प्रयास करता रहता है और कुछ व्यक्ति सफलता को आसानी से प्राप्त कर लेते है और कुछ सफलता के पीछे भागते रह जाते है लेकिन उन्हें समय पर सफलता नहीं प्राप्त होती है, जो व्यक्ति सफलता को आसानी से प्राप्त कर लेते है संघर्ष वो भी करते है पर उन्हें थोड़े संघर्ष में ही सफलता मिल जाती है क्योकि वह व्यक्ति उस सफलता की तलाश में था जो उसे आसानी से मिल जाये या फिर उसकी किस्मत उससे संघर्ष करवाना ही न चाहती हो, परन्तु कुछ व्यक्ति ऐसी सफलता की राह में निकल जाते है जिसकी डगर बहुत कठिन होती है और वे पूरा संघर्ष करने के बाद भी असफल हो जाते है या फिर सफलता के पास पहुंचने से पहले हार मान जाते है , जो हार मान कर पीछे हट जाते है उनके लिए वह संघर्ष बेकार रहता है क्योकि वह उस संघर्ष से कुछ नहीं सीखते और खुद में इतना टूट जाते है की गलत कदम उठा लेते है , और जो सफलता तक पहुंचने तक हार नहीं मानते जीवन का असली मूलमंत्र सीख जाते है, क्योकि जो संघर्ष वह सफलता पाने के लिए कर रहे है वह उन्हें बहुत कुछ सीखा जाता , सबसे अहम तो वह ठोकर खाकर सम्भलना और गिरकर उठना सीखा देता है , सबसे बड़ी खाशियत यही तो है संघर्ष की, कि इंसान को जीवन जीने का तरीका सीखा देती है !

लो नमन भगवन, तुमको पुकारे यह सारा चमन: पूज्य अरुण मुनि जी

अर्थ प्रकाश/ सुभाष जैन

पानीपत। आज जैन धर्मावलंबियों के लिए अत्यंत भावुक और पुण्यकारी दिवस रहा। यह वही दिन है जब 2007 में संयम, साधना और समर्पण की साक्षात प्रतिमा भगवानश्री रामप्रसाद जी महाराज ने चौविहारी संथारे सहित देह त्याग कर देवलोक गमन किया था। सभा में विराजमान संघ शास्ता, शासन प्रभावक गुरुदेव सुदर्शन लाल जी महाराज के सुशिस्य आगम ज्ञाता योगिराज युवा प्रेरक पूज्य अरुण मुनि जी महाराज ने अपने शिष्यों सहित भगवन श्री की स्मृति को नमन करते हुए कहा वे केवल व्यक्ति नहीं, एक युग थे। संयम उनका स्वभाव था, करुणा उनकी पहचान थी, और आत्मज्ञान उनका तेज था। उनका जीवन धर्म की पाठशाला था और उनकी मुस्कराहट आत्मा को छू लेने वाली थी।

गहराई से भावुक होते हुए मुनिश्री ने एक अत्यंत विनम्र और मार्मिक वाक्य कहा- 'सौ अरुण मुनि भी एक भगवन नहीं बन सकते।'

यह वाक्य न केवल उनकी विनम्रता को दर्शाता है, बल्कि भगवानश्री की दिव्य महिमा और अप्रतिम आत्मशक्ति को श्रद्धा से परिभाषित करता है।

पूज्य मुनिश्री ने भगवानश्री के कई नगमें गुनगुनाए और उनके जीवन के प्रेरणास्पद प्रसंगों को साझा करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा में उपस्थित जनसमूह उन क्षणों में आध्यात्मिक भावनाओं में डूबा रहा।

भगवानश्री-संयम, शील और साधना के प्रतीक भगवानश्री रामप्रसाद जी महाराज का जीवन तप, त्याग, सेवा और आत्मिक ऊंचाई का प्रतीक रहा। वे चलती-फिरती यूनिवर्सिटी कहे जाते थे। उनका मौन भी शिक्षा देता था और उनकी दृष्टि भी दिशा दिखाती थी। विनय, वात्सल्य और विवेक उनके व्यवहार के अभिन्न अंग थे। सुभाष जैन ने बताया कि गोहाना का वही स्थान जहाँ उन्होंने चौविहारी संथारे सहित समाधि प्राप्त की, अब 'भगवन धाम' कहलाता है। यह धाम केवल एक भवन नहीं, श्रद्धा और साधना की ऊर्जा का केंद्र बन चुका है। श्रद्धांजलि के शब्द- आत्मा से निकली आवाज गुरुजी आपकी वाणी हमें अब याद आती है, वो शक्लें रूहानी, गुरुजी अब याद आती है... सभा का समापन इस भावुक श्रद्धांजलि के साथ हुआ, जिसमें हर हृदय से भावनाएं छलक उठीं।

श्रद्धालुजनों, मुनिवृंद, श्रावक-श्राविकाओं और नगरवासियों की भारी उपस्थिति ने इस स्मृति सभा को एक दिव्य आयोजन का रूप दे दिया। ऐसे संयम के समुद्र, प्रेम के प्रतीक, आत्मा के प्रकाश स्तंभ पूज्य भगवानश्री को कोटिशः नमन।

संत न होते जगत में तो जल मरता संसार

आज हम अपने देश में ही देखें, प्रान्तों में ही देखें, बहुत सारे नारे लग रहे हैं देश प्रेम के, ऐसा दिखाया जा रहा है कि हम बहुत देश प्रेमी है, हमें अपने देश से बहुत प्रेम है लेकिन वास्तव में किस प्रकार वे सिक्कों पर बिकने वाले लोग निकलते हैं। कर्म हो रहा है देश को नुकसान पहुँचाने वाला। इसी प्रकार विश्व में भी यही हालत देखने को मिल रही है। अगर हम नाम को, हरि को विशेषता दें तो दूसरों को बचाने में सभी शक्तियों को, दौलतों को लगायेंगे, जिससे विश्व का कल्याण होगा और अगर ताकतों और दौलतों की प्राप्ति को विशेषता दें तो दूसरों को मिटायेंगे, हुकूमतें प्राप्त करने के लिए दूसरों पर जुल्म करेंगे।

अतः अपना भी पतन हो जायेगा। यही अन्तर होता है भावना का। बाकी तो हम देख ही रहे हैं कि जिनको ताकतें प्राप्त हो जाती है, वे क्या-क्या कर गुजरते हैं- अहले दानिश को इस बात पर हैरानी है। शहर कागज का है, शोलों की निगेहबानी है। भाव, अगर शोले कागज की निगेहबानी करेंगे तो वह जल ही जायेयगा। इसी प्रकार आम लोग तो पहले ही लड़ने-मरने को तैयार हैं। इन्हें झगड़ों से दूर करने के बजाय अपनी हिर्स (लालच) की पूर्ति के लिए और लड़वाया जा रहा है। किसी को प्रान्त का नारा देकर, किसी को भाषा का नारा देकर, किसी को जाति का नारा देकर लड़वाया जा रहा है। सभी इस आग को बढ़ाने में ही लगे हुए हैं। लेकिन जो सन्तजन-महापुरुष हैं, वे शोलों के रूप नहीं है, ये एक-दूसरे के हृदय में घृणा, नफ़रत नहीं भरते हैं बल्कि इन्हें बचाने का कार्य करते हैं। कहा भी है-

सन्त न होते जगत में तो जल मरता संसार।

सद्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज

आप सन्त ही इस डूबती हुई मानवता को बचा रहे हैं। अगर ऐसी प्रवृत्ति है तो ताकतें भी कल्याण में लगती हैं। राजा जनक है। राजसत्ता है लेकिन महत्ता इस सत्य को, हरि को दे रहे हैं। इसलिए किसी पर जुल्म नहीं कर रहे हैं। इस ढंग से राज्य चलाया जा रहा है जिससे सभी का कल्याण हो, सभी तरक्की करे, सुख प्राप्त करें। ऐसी सत्ता प्राप्त करने में कोई आपत्ति नहीं है क्योंकि प्राप्त समर्थाएं जन-कल्याण में लग रही है। कहने का भाव, जो इस हरि को, प्रभु को विशेषता देते हैं, वेवास्तव में जीवन यात्रा को सही ढंग से जी पाते हैं। उनका संसार में रहना सार्थक हो जाता है। वे महलों में रहे या झोपड़ी में, निरन्तर सही जीवन जीते हैं तथा संसार को भी एक सही योगदान ही देते हैं।

पंचांग

शनिवार, 19 जुलाई, 2025, सूर्योदयः 05:35 ए एम, सूर्यास्तः 07:19 पी एम, चन्द्रोदयः 12:47 ए एम, जुलाई 20, चन्द्रास्तः 02:01 पी एम, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, विक्रम सम्वतः 2082 कालयुक्त, गुजराती सम्वतः 2081 नल, अमान्त महीनाः आषाढ़, पूर्णिमान्त महीनाः श्रावण, वारः शनिवार, पक्षः कृष्ण पक्ष, तिथिः नवमी - 02:41 पी एम तक, नक्षत्रः भरणी - 12:37 ए एम, जुलाई 20 तक, योगः शूल - 12:55 ए एम, जुलाई 20 तक, करणः गर - 02:41 पी एम तक, द्वितीय करणः वणिज - 01:28 ए एम, जुलाई 20 तक, सूर्य राशिः कर्क, चन्द्र राशिः मेष, राहुकालः 09:01 ए एम से 10:44 ए एम, गुलिक कालः 05:35 ए एम से 07:18 ए एम, यमगण्डः 02:10 पी एम से 03:53 पी एम, अभिजित मुहूर्तः 12:00 पी एम से 12:55 पी एम, दुर्मुहूर्तः 05:35 ए एम से 06:30 ए एम, दुर्मुहूर्त, 06:30 ए एम से 07:25 ए एम, अमृत कालः 08:08 पी एम से 09:38 पी एम, वर्ज्यः 11:11 ए एम से 12:40 पी एम।

भविष्य फल

मेषः आज के दिन आपको कोई बड़ा फैसला लेने से बचना चाहिए। व्यापार में अच्छी गति से आपको लाभ होगा।

वृषः आज कार्य क्षेत्र में आप नई योजनाओं की ओर ध्यान देंगे, जिससे आपको भरपूर लाभ मिलता दिख रहा है। अपने भाई बहनों के साथ संबंधों में मधुरता आएगी।

मिथुनः आज आपको कुछ उत्तरदायित्व वाला काम मिलने वाला होगा। इससे आपको थोड़ी दिक्कतें भी हो सकती हैं। लेकिन धैर्य रखेंगे तो थोड़ा अच्छा भी फील होगा।

कर्कः आज आप अपने भविष्य को लेकर विचार करेंगे। आप अपने करियर को बेहतर बनाने के बारे में सोच सकते हैं। कार्यस्थल पर सबके साथ आपके संबंध बेहतर होंगे।

सिंहः आज का दिन आपके लिए कुछ खर्चे भरा रहेगा, लेकिन यदि आप खर्चों पर नियंत्रण रख पाए, तो दिन आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगा।

कन्याः कोई अगर आपकी ओर प्रेम-प्रणय का हाथ बड़ा रहा है तो अपना स्टेट्स देखकर ही उसका जवाब दें।

तुलाः आज आपकी कल्पना शक्ति आपके लक्ष्य को प्राप्त करने मेंसहायता करेगी। आप पहले से ज्यादा बेहतर ढंग से अपने काम को पूरा करेंगे।

वृश्चिकः आज आपके प्रेम जीवन में एक नई ऊर्जा उत्पन्न होगी, जिससे आप का मन प्रसन्न होगा।

धनुः यदि आप किसी उलझन में हैं या फिर प्रेमीजन की किसी बात से परेशान हैं तो आपको अपनी मजबूरी या असमर्थता साफ-साफ जाहिर कर देनी चाहिए।

मकरः आज आपके कामकाज में स्थिरता बनी रहेगी। आप कुछ नया सोचने में खुद को असमर्थ महसूस करेंगे।

कुंभः आज आपके भाई बहनों के सामने असमंजस की स्थिति बनेगी और चर्चाओं से मतभेद दूर होंगे। कार्यक्षेत्र में कोई समस्या जन्म लेगी।

मीनः आज आपको सज-धज कर कहीं पर जाना पड़ सकता है या फिर किसी सभा-समारोह के लिए तैयार होना पड़ सकता है।

ईमानदारी व निष्ठा के साथ करें अपनी ड्यूटी का निर्वहन करें अधिकारी: सतपाल ब्रह्मचारी

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में सोनीपत को मिले विशेष पुरस्कार को लेकर मेयर राजीव जैन और अधिकारियों को दी बधाई

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। सांसद शुक्रवार को लघु सचिवालय में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।सांसद ने स्वच्छता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि शहर के नाले व सीवरेज समय पर साफ होंगे तो ही शहर स्वच्छ रहा सकता है। ऐसे में सभी अधिकारी समय-समय पर नालों व सीवरेज की सफाई पर विशेष ध्यान दें। सांसद ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में सोनीपत को मिले विशेष पुरस्कार को लेकर सांसद ने मेयर राजीव जैन और अधिकारियों को बधाई दी। इसके पश्चात उन्होंने बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कुल 67 एजेंडों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत जिला में चल रहे विकास कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूरा करें ताकि आमजन को उनका लाभ मिल सके। इसमें अधिकारी किसी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई न करें उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करें ताकि हर पात्र व्यक्ति योजनाओं का लाभ उठा सके। बैठक के दौरान सांसद ने दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के अंतर्गत गांव कासंडी में बनाए गए सेंटर को गोहाना में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। ताकि प्रशिक्षण के लिए लोगों को आने जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।बैठक में विधायक बरोदा इंदुराज नरवाल, नगर निगम मैयर राजीव जैन, जिला परिषद की चेयरपर्सन मोनिका दहिया, अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन, डीसीपी कुशल सिंह, एसडीएम गोहाना अंजलि श्रोत्रिय, एसडीएम खरखौदा डॉ0 निर्मल नागर, एसडीएम सोनीपत सुभाष चंद्र, एसडीएम गन्नौर प्रवेश कादियान, सीईओ जिला परिषद अभय सिंह जांगड़ा सहित संबंधित सभी अधिकारी मौजूद रहे।

उपायुक्त ने लघु सचिवालय स्थित कार्यालयों का किया निरीक्षण

कार्यालयों में सफाई के साथ-साथ रिकॉर्ड को दुरूस्त रखें संबंधित अधिकारी: सुशील सारवान

पात्र लाभार्थियों तक सरकार की योजनाओं व सेवाओं का लाभ समय पर पहुंचाना हम सब की जिम्मेदारी

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। उपायुक्त सुशील सारवान ने शुक्रवार को लघु सचिवालय में स्थित सभी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यालय में साफ-सफाई अच्छी तरह से होनी चाहिए, अन्यथा संबंधित के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यालयों में सफाई के साथ-साथ रिकार्ड को भी संबंधित अधिकारी दुरूस्त रखें ताकि जरूरत पडने पर किसी प्रकार की समस्या न हो।

उपायुक्त ने कहा कि सरकार की योजनाओं व सेवाओं का लाभ निश्चित समय सीमा में पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी हम सब की है इसलिए अपनी जिम्मेदारी का पूरी ईमानदारी के साथ निर्वहन कर लोगों तक योजनाओं और सेवाओं तक पहुंचाने का कार्य करें। इसके अलावा जिस भी ब्रांच में किसी कार्य के लिए पत्र भेजा जाता है उसपर तुरंत कार्यवाही करना सुनिश्चित करें इस कार्य में किसी प्रकार की ढिलाई बरती गई तो संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह रिकॉर्ड को अच्छी तरह से मेंटेन रखें। जो रिकॉर्ड पुराना हो चुका है तथा उसका कंप्यूटराइजेशन हो चुका है उसे रिकॉर्ड को नियमों के अनुसार बाहर निकलें। इसके अलावा उन्होंने उन्होंने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे समय पर कार्यालय में पहुंचे और कार्यालय में किसी कार्य के लिए आने वाले नागरिकों के साथ अच्छा व्यवहार करते हुए उसके कार्य को पूरा करवाने के लिए उसका सहयोग करें। उन्होंने शौचालयों की चैकिंग करते हुए निर्देश दिए कि प्रतिदिन शौचालयों के अच्छी तरह साफ-सफाई करवाना सुनिश्चित करें।

संग्रहालय का 99 फीसद कार्य पूर्ण, आमजन के लिए जल्द शुरू होगा संग्रहालय

उपायुक्त सुशील सारवान ने शुक्रवार को सोनीपत शहर मे स्थित स्वर्णप्रस्थ संग्रहालय को दौरा कर संग्रहालय में चल रहे गैलरियों के ब्यूटीफिकेशन कार्यो का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने बताया कि संग्रहालय एक ऐसी संस्था है जो सांस्कृतिक या वैज्ञानिक रूप से महत्वपूर्ण वस्तुओं को प्रदर्शित या संरक्षित करने के लिए समर्पित है। उन्होने बताया कि सोनीपत में भी एक ऐसा ही संग्रहालय बनाया जा रहा है। जिसका लगभग 99 फीसद कार्य पूर्ण हो चुका है। संग्रहालय का कार्य जल्दी ही पूर्ण हो जाएगे। जिसके उद्घाटन के बाद इसे आमजनता के लिए पूर्ण रूप से शुरु कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि संग्रहालय में सैक?ो वर्ष पुरानी वस्तुएं सजाई जा रही है। संग्रहालय में विभिन्न तरह की गैलरियो के ब्यूटीफिकेशन का भी कार्य किया जा रहा है। जिसमें पुलिस गैलरी, सैनिक गैलरी, मुद्रा गैलरी व अन्य विभिन्न तरह की गैलरियां बनाई जा रही जो युवा पीढी के लिए आर्कषण का केंद्र रहेगी। उन्होंने बताया कि स्वर्णप्रस्थ संग्रहालय वास्तव में ही युवा पीढ़ी को प्राचीन इतिहास जानने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान के रूप में स्थापित हो रहा है। जिससे सोनीपत में पर्यटकों की संख्या मे भी ब?ोतरी अवश्य होगी। सदस्य सचिव राजेश खत्री ने बताया कि संग्रहालय में 100 वर्ष से लेकर 5 हजार वर्ष पुरानी वुस्तएं मौजूद है। उन्होंने बताया कि संग्रहालय का 99 फीसदी कार्य पूर्ण हो चुका है। केवल सोलर प्लांट व रहट का कार्य शेष है जिसे जल्द ही पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि संग्रहालय में सभी ऐतिहासिक वस्तुएं सजाने का कार्य भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधिन राष्ट्रीय कला केंद्र आईजीएनसीए मे कला विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अंचल पांडया के नेतृत्व में किया गया है।

मोटरसाईकिल चोरी में संलिप्त आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। जिले के थाना शहर गोहाना की पुलिस ने मोटरसाईकिल चोरी करने की घटना मे संलिप्त आरोपी को प्रोडक्शन वांरट पर लेकर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी नितेश पुत्र राधेश्याम निवासी माहरा गोहाना का रहने वाला है। इस प्रकरण की विस्तृत जानकारी देते हुए बतलाया कि गत 26 मई 2025 को आशीष पुत्र जगमेन्द्र निवासी इन्द्रगढ़ी गोहाना ने थाना शहर गोहाना मे शिकायत दी कि 25 मई 2025 को तकरीबन 06.30 क्करूपर मै रोहटा पार्क में घुमने के लिए गया था और मैने मोटरसाईकिल पार्क में खड़ी कर दी और मैनें अपनी मोटरसाईकिल तकरीबन 07.15 क्करू बजे देखी तो मेरी मोटरसाईकिल खड़ी नही मिली। मेरी मोटरसाईकिल को कोई अज्ञात चोर चोरी करके ले गया इस घटना का भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत थाना शहर गोहाना में अभियोग दर्ज किया गया था। थाना शहर गोहाना की अनुसंधान टीम मे नियुक्त मुख्य सिपाही धीरज ने अपनी पुलिस टीम के साथ घटना मे संलिप्त आरोपी नितेश पुत्र राधेश्याम निवासी माहरा गोहाना को प्रोडक्शन वांरट पर लेकर गिरफ्तार किया है।

खरखौदा में जिला नगर योजनाकार विभाग ने अवैध निर्माणों को किया ध्वस्त

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। जिला नगर योजनाकार, सोनीपत की ईन्फोरसपमैन्ट टीम द्वारा खरखौदा की राजस्व सम्पदा में शहरी क्षेत्र में लगती हुई 6.15 एकड़ में बनी 2 अवैध कॉलोंनिया जिसमें 27 डीपीसी 1 बाउडरी वॉल व कच्चे रास्ते को जिला प्रशासन की मदद से कार्यवाही करते हुए ध्वस्त किया गया। यह कार्यवाही शहरी क्षेत्र अधिनियम के तहत की गई है। ईन्फोरसपमैन्ट टीम द्वारा बताया गया

कि विभाग द्वारा की जा रही कार्यवाही में और सख्ती बरती जायेगी ताकि अवैध निर्माण/कालोनी काटने व उसमें निर्माण करने वालो के मंसूबे पूरे न हो सकें और समय रहते पनप रहे अवैध निर्माण/कालोनी को तोड़ा जा सके। डीटीपी ने आम जनता से आह्वान किया कि अवैध कालोनी में निर्माण करके अपनी मेहनत की कमाई को बरर्बाद ना होने दें। कोई भी अवैध निर्माण करने से पहले सरकार से नियमानुसार अनुमति लें। अवैध निर्माण को किसी भी समय अधिनियम के प्रावधान में गिराया जा सकता है। इस बारे में विस्तृत जानकारी हेतू जिला नगर योजनाकर कार्यालय सोनीपत, प्रथम तल, एच.एस.वी.पी कॉम्पलैक्स, सैक्टर-15, सोनीपत में सम्पर्क करें।

ग्रीन हाइड्रोजन शिखर सम्मेलन 2025, एसआरएम एपी में किया घोषणा

आंध्र प्रदेश एक हरित हाइड्रोजन घाटी बनेगा: मुख्यमंत्री नायडू

अर्थ प्रकाश/बोम्मा रेड्डी

अमरावती। आज मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एसआरएम विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश में हरित हाइड्रोजन शिखर सम्मेलन-2025 का उद्घाटन किया। नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के.सारस्वत, भारत सरकार के ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, आंध्र प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव के. विजयानंद, और एसआरएम विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश के प्रो-चांसलर डॉ.पी. सत्यनारायणन ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। दो दिवसीय इस शिखर सम्मेलन में सरकारी एजेंसियों, शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और उद्योगपतियों ने एक स्वच्छ, अधिक टिकाऊ और दूरदर्शी भविष्य के लिए स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर विचार-विमर्श किया।

अपने उद्घाटन भाषण में मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने ग्रीन हाइड्रोजन शिखर सम्मेलन को एक ऐतिहासिक मंच बताया, जिसने आंध्र प्रदेश में वैश्विक विशेषज्ञों और उद्योगों को सस्ती, लागत प्रभावी स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में काम करने को उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया नीति, जिसमें 10,00,000 करोड़ रुपये का निवेश, ग्रीन हाइड्रोजन और उसके उत्पादों में 7.5 लाख नौकरियों की पेशकश, और वैचारिक संतुलन है। अन्य राज्य में ग्रीन हाइड्रोजन के विकास और भंडारण की दिशा में काम करने की इतनी मजबूत संभावनाएँ नहीं हैं। अमरावती को ग्रीन हाइड्रोजन वैली भी घोषित किया, जो सस्ती, लागत प्रभावी स्वच्छ ऊर्जा पर केंद्रित होगी जो ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन प्रकृति की रक्षा, एक चक्रीय अर्थव्यवस्था व स्थिरता दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्य अतिथि, नीति आयोग के माननीय सदस्य, डॉ. वी.के. सारस्वत ने स्वच्छ ईंधन और ऊर्जा संसाधनों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ÷ग्रीन हाइड्रोजन, जो राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन का मूल है, एक स्थायी, कार्बन-तटस्थ भविष्य प्राप्त करने की दिशा में एक कदम है। एसआरएम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के कार्यकारी निदेशक-अनुसंधान, प्रो. डी. नारायण राव ने शिखर सम्मेलन के बारे में अपने संक्षिप्त विवरण में कहा, आज दुनिया भारत की ओर सम्मान की दृष्टि से देख रही है क्योंकि हम मानव जाति को प्रभावित करने वाले वैश्विक मुद्दों,

जैसे स्वच्छ ऊर्जा, जल उपचार, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास, के समाधान में योगदान दे रहे हैं।÷ उन्होंने यह भी बताया कि एसआरएम विश्वविद्यालय-एपी हरित हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों के लिए एक नवाचार केंद्र स्थापित करेगा।

केंद्रीय राज्य मंत्री, डॉ.चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि सही निवेश और सरकारी नीतियाँ हरित हाइड्रोजन संयंत्रों को स्केलेबल और लाभदायक स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के लिए प्रेरित कर सकती हैं। राज्य के मुख्य सचिव, श्री के. विजयानंद, आईएएस ने भी कहा कि हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों के विकास और उपयोग के लिए विशिष्ट विशेषज्ञता और कौशल विकास आवश्यक है। एसआरएम एपी जैसे देश के शीर्ष विश्वविद्यालय, उन्नत अनुसंधान अवसंरचना और बुद्धिमत्ता के साथ, स्वच्छ ऊर्जा ईंधन की बढ़ती माँगों का समाधान कर सकते हैं।

नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, एसआरएम एपी के प्रो-चांसलर डॉ. पी. सत्यनारायणन ने एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजी में ऊर्जा इंजीनियरिंग विभाग के शुभारंभ की घोषणा की। डॉ. पी. सत्यनारायणन ने कहा, अगर हमारी पीढ़ी जीवाश्म ईंधन का उपयोग करने वाली आखिरी पीढ़ी है, तो अगली पीढ़ी को स्वच्छ ऊर्जा क्रांति का नेतृत्व करना होगा। अपने विचारों, नवाचार और साहस के साथ, युवा इस परिवर्तन को आगे बढ़ाएंगे।

एसआरएम यूनिवर्सिटी-एपी, आंध्र प्रदेश सरकार, आईआईटी तिरुपति, आईआईएसईआर तिरुपति, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार, आंध्र प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड और एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, तमिलनाडु द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ग्रीन हाइड्रोजन शिखर सम्मेलन 2025, ग्रीन हाइड्रोजन के अनुसंधान एवं विकास, नवाचार और व्यावसायीकरण पर केंद्रित है। उद्योग जगत के दिग्गजों, अनुसंधान संगठनों और नीति निर्माताओं के साथ मुख्य भाषणों, पूर्ण सत्रों और सम्मेलनों का उद्देश्य ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में नए आयाम खोलना है।

राष्ट्रीय सीएसएसआर प्रतियोगिता में एपीएसडीआरएफ टीम को तीसरा स्थान, डीजीपी ने टीम को दी बधाई और नकद पुरस्कार

अर्थ प्रकाश/बोम्मा रेड्डी

अमरावती। एनडीआरएफ नई दिल्ली ने 10 राज्यों (आंध्र प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, अंडमान और निकोबार, लक्षद्वीप और पांडिचेरी) के साथ दक्षिणी स्तर पर क्षेत्रीय स्तर की सीएसएसआर प्रतियोगिताओं का आयोजन 10वीं बटालियन (कोंडापावुलुर, कृष्णा जिला, गन्नावरम मंडल) में 17 मार्च 2025 से 18 मार्च 2025 तक किया। इन प्रतियोगिताओं में, एपीएसडीआरएफ टीम (19 सदस्यों) ने उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया और प्रथम स्थान प्राप्त किया और उत्तर प्रदेश (8वीं बटालियन, गाजियाबाद) में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की सीएसएसआर प्रतियोगिताओं के लिए चयनित हुई।

आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एपीएसडीआरएफ) टीम ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और 21.04.2025 से 23.04.2025 तक उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद, 8वीं बटालियन में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की अंतिम ध्वस्त संरचना खोज और बचाव (सीएसएसआर) प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में 04 क्षेत्रों से 8 एसडीआरएफ टीमों ने भाग लिया, जिन्होंने प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया। एसडीआरएफ की टीमें राज्य में अक्सर जल बचाव अभियान चलाती हैं। उपरोक्त प्रतियोगिताओं के लिए, 2, 3, 5, 6, 9 और 16वीं बटालियनों की एपीएसडीआरएफ टीम (19 सदस्य) ने 10वीं बटालियन (कोंडापवुलुरु) के सहयोग से बहुत कम समय में प्रशिक्षण लिया और क्षेत्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया और राष्ट्रीय स्तर के लिए अर्हता प्राप्त की।

आज, एपीएसडीआरएफ टीम के सदस्यों ने आंध्र प्रदेश पुलिस मुख्यालय में डीजीपी श्री हरीश कुमार गुप्ता से शिष्टाचार भेंट की। डीजीपी ने राष्ट्रीय स्तर की सीएसएसआर प्रतियोगिताओं में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले एपीएसडीआरएफ टीम के सदस्यों को बधाई दी और उन्हें नकद पुरस्कार प्रदान किया। श्री मधुसूदन रेड्डी, आईपीएस, एडीजीपी, एल एंड ओ, आंध्र प्रदेश, एपीएसडीआरएफ विभागाध्यक्ष श्रीमती बी. राजकुमारी, आईपीएस, आईजीपी और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने एपीएसडीआरएफ टीम को बधाई दी

भानुप्रकाश माफी नहीं मांगने पर आंध्र की महिलाएं देगी धरना

अर्थ प्रकाश/बोम्मा रेड्डी

अमरावती। नागरी से टीडीपी विधायक गली भानु प्रकाश की टिप्पणी ने महिला जगत को शर्मसार कर दिया है। मैं विधायक भानु प्रकाश के खिलाफ कार्रवाई की मांग करती हूँ, जिन्होंने रोजा गरु को पूर्व महिला मंत्री मानते हुए भी उनका अपमान किया - वाईएसआरसीपी की राज्य प्रवक्ता आर श्यामला ने निंदा की।

मानसिक रूप से अस्वस्थ नाबालिग के साथ दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

पंचकूला, (अप्रस)। शहर में एक मानसिक रूप से अस्वस्थ नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने पड़ोसी युवक को गिरफ्तार कर लिया। महिला थाना प्रभारी सब-इंस्पेक्टर नेहा संधू की अगुवाई में एक गंभीर पॉक्सो केस में आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई की। मामले में पंचकूला वासी पीड़िता, जो मानसिक रूप से अस्वस्थ है, ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया कि पिछले 3ङ्क4 वर्षों से उसी के पड़ोस में रहने वाला एक युवक उसे जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म करता रहा। पीड़िता ने आगे बताया कि उसकी मां भी मानसिक रूप से बीमार है, जिसके चलते वे उस समय पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं करवा सकीं। इस दौरान पीड़िता गर्भवती भी हुई। आरोपी युवक अब भी उसे धमकाता था, जिससे पीड़िता लगातार मानसिक तनाव में थी। डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने बताया कि जैसे ही पीड़िता की ओर से शिकायत दर्ज करवाई गई व मामला हमारे संज्ञान में आया, हमने तुरंत आरोपी के खिलाफ महिला थाना पंचकूला में भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(2)(एम), 351(2) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के अंतर्गत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी थी।

'घिच पिच': पिता-पुत्र संबंधों और 90'एस चंडीगढ़ की पृष्ठभूमि पर आधारित युवावस्था की भावनात्मक यात्रा, 1 अगस्त को होगी रिलीज़

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। इस साल की शुरुआत में प्रतिष्ठित सिनेवेस्टर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शानदार विश्व प्रीमियर और 9.7 की असाधारण IMDB रेटिंग के बाद, 'घिच पिच', एक रोमांचक नई युवावस्था पर आधारित ड्रामा, 1 अगस्त, 2025 को भारत के सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है–भारी जनता की मांग पर।

1990 के दशक के उत्तरार्ध के चंडीगढ़ में स्थापित, 'घिच पिच' तीन किशोर लड़कों की मार्मिक कहानी है जो बड़े होने, दोस्ती, विद्रोह और अपने पिता के साथ तनावपूर्ण रिश्तों के जटिल भावनात्मक दौर से गुज़रते हैं। समृद्ध परिवेश और पुरानी यादों से सराबोर, यह फिल्म एक ऐसे शहर और एक पीढ़ी को जीवंत रूप से दर्शाती है जो पहचान, अपेक्षाओं और दबी हुई भावनाओं से जूझ रही है।

यह फिल्म अंकुर सिंगला के निर्देशन और लेखन की शुरुआत है,

जो एक पूर्व वकील और तकनीकी उद्यमी हैं, जिन्होंने दिल्ली स्थित एक स्वतंत्र प्रोडक्शन हाउस, बरसाती फिल्म्स की स्थापना करने से पहले, अपनी सफल सिकोइया-समर्थित स्टार्टअप कंपनी अमेज़न को बेच दी थी।

'घिच पिच, चंडीगढ़ और उन लड़कों के लिए मेरा प्रेम पत्र है जिनके साथ मैं बड़ा हुआ हूँ। यह मेरी अपनी यादों, उस दौर के पालन-पोषण के तरीकों और किशोर लड़कों के मन में आने वाली भावनात्मक उथल-पुथल से प्रेरित है, अंकुर कहते हैं। लॉकडाउन ने मुझे अपने अतीत पर विचार करने और कहानियों को उजागर करने का समय दिया। इसने मुझे आखिरकार वह करने का साहस भी दिया जो मैं हमेशा से करना चाहता था–सिनेमा के माध्यम से मानवीय कहानियाँ कहना।

अंकुर की प्रेरणा उड़ान और हज़ारों ख्वाहिशें ऐसी जैसी भारतीय स्वतंत्र फिल्मों से मिलती है, और उनकी कहानी मुख्यधारा के आकर्षण और अंतरंग यथार्थवाद के बीच एक नाज़ुक संतुलन बनाती है–एक ऐसी शैली जिसे अक्सर 'माइंडी' सिनेमा कहा जाता है।

फिल्म 2023 की शुरुआत में पूरी तरह से चंडीगढ़ में फ़िल्माई गई, घिच पिच का नाम मानसिक या भावनात्मक गतिरोध के लिए हिंदी बोलचाल के शब्द पर रखा गया है– यह परंपरा और स्वतंत्रता के बीच फँसे इसके किशोर नायकों के लिए एक आदर्श रूपक है। यह एक ऐसे शहर का एक उदासीन लेंस भी है जिसे अक्सर पर्दे पर कम दिखाया जाता है।

कैपिटल कॉम्प्लेक्स की क्रूर सुंदरता से लेकर रोज़ गार्डन, सुखना झील और गहरी सड़क के बेफिक्र आकर्षण तक, घिच पिच चंडीगढ़ को न केवल एक पृष्ठभूमि के रूप में, बल्कि गर्मजोशी, स्मृति और भावनाओं से सराबोर एक मूक चरित्र के रूप में भी दर्शाती है। यह फ़िल्म दिवंगत अभिनेता नितेश पांडे की आखिरी फीचर फिल्म भी है, जिन्हें खोसला का घोसला और ओम शांति ओम जैसी फिल्मों में अपनी शानदार भूमिकाओं के लिए जाना जाता है। वे राकेश अरोड़ा की भूमिका निभा रहे हैं, जो सख्त पालन-पोषण के लिए जाने जाने वाले दशक में एक दुर्लभ स्नेही पिता की भूमिका निभाते हैं।

इनर व्हील क्लब जीरकपुर ग्रीन्स का एक कदम महिला स्वास्थ्य सुरक्षा की ओर

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर। इनर व्हील क्लब जीरकपुर ग्रीन्स सदस्यो द्वारा झुग्गी बस्तियों में जाकर सैनिटरी नैपकिन्स वितरण किये गए तथा डॉ. किरण (लाइफ ट्री हॉस्पिटल) द्वारा महिलाओं को इससे संबंधित बीमारियों व स्वच्छता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

बच्चों व अन्य सभी को खाद्य सामग्री वितरित की गई व बच्चो को स्वच्छता का पाठ पढ़ाया गया। उपस्थित सदस्यों में अध्यक्ष निहारिका गर्ग,सचिव अनुराधा,ट्रेझरर शारदा वर्मा,एडिटर हिमाक्षी रेनुबाला, डॉ. किरण,अनिता,नीतू, उमा, बबली,लालती ,लक्ष्मी व अन्य रहे।

इनर व्हील एक अंतर्राष्ट्रीय महिला संस्था है जो कि संमाजसेवी कार्यो में अग्रणी है।

एयरपोर्ट रोड और पीआर रिंग रोड्स ने बदली मोहाली की तस्वीर, रियल एस्टेट में दिखा जबरदस्त उछाल

बेहतर कनेक्टिविटी ने मोहाली को बनाया रियल एस्टेट का नया हॉटस्पॉट

अर्थ प्रकाश संवाददाता

मोहाली/जीरकपुर- मोहाली और जीरकपुर अब सिर्फ चंडीगढ़ के नज़दीक के क्षेत्र नहीं रहे, बल्कि बेहतर कनेक्टिविटी और तेज़ी से हो रहे विकास के चलते यह ट्राइसिटी का नया रियल एस्टेट हब बनते जा रहे हैं। खासतौर पर पीआर-7 (एयरपोर्ट रोड) और पीआर-5 जैसे पेरिफेरल रिंग रोड्स के निर्माण ने इन इलाकों को विकास की नई दिशा दी है। चंडीगढ़ इंटरनेशनल एयरपोर्ट, पंचकूला और अन्य शहरी क्षेत्रों से बेहतर जुड़ाव मिलने के बाद मोहाली और जीरकपुर में नए प्रोजेक्ट्स की संख्या बढ़ी है और घर खरीदारों के साथ-साथ निवेशकों की दिलचस्पी भी काफी बढ़ी है।

जीरकपुर का चेहरा बदल रहा है: रॉयल एस्टेट ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर पियूष कंसल ने कहा,पीआर-7 एयरपोर्ट रोड सिर्फ एक सड़क नहीं है, बल्कि यह जीरकपुर की दिशा और दशा दोनों बदलने वाला इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है। इसकी बदौलत यहां रहने वालों को बेहतर ट्रैफिक सुविधा और कनेक्टिविटी मिल रही है, जिससे उनकी जीवनशैली में भी सकारात्मक बदलाव आया है। यही वजह है कि यहां प्रॉपर्टी की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और निवेशकों का रुझान लगातार इस ओर बढ़ता जा रहा है। आने वाले समय में यह इलाका ट्राइसिटी का सबसे तेज़ी से उभरता रियल एस्टेट ज़ोन बन सकता है।

सेक्टर 120 से 124 तक बढ़ा आकर्षण: पीआर-7 के किनारे स्थित मोहाली के सेक्टर 120 से 124 में

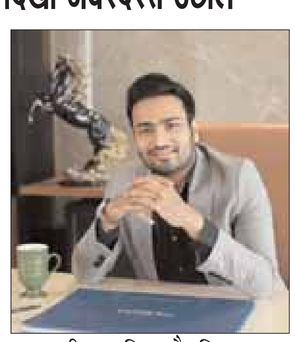

अब बड़ी टाउनशिप और मिक्स्ड-यूज़ प्रोजेक्ट्स की प्लानिंग शुरू हो चुकी है। यहां की सबसे बड़ी ताकत है चंडीगढ़ के मुकाबले किफायती कीमतों पर घर मिलना और तेजी से सुधरता इंफ्रास्ट्रक्चर।

मोहाली अब एक प्लान्ड अर्बन सिटी: होमलैंड ग्रुप के उमंग जिंदल ने कहा,मोहाली का भविष्य उज्ज्वल है। यहां जिस रफ्तार से इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट हो रहा है, वह पूरे उत्तर भारत के लिए एक मिसाल है। पीआर रोड्स, मेट्रो विस्तार और एयरोसिटी जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स इस शहर को नई पहचान दे रहे हैं। आज यह इलाका न सिर्फ रहने के लिए बेहतर विकल्प दे रहा है, बल्कि निवेश के नजरिए से भी बेहद आकर्षक बन चुका है। हमें गर्व है कि हम इस बदलाव का हिस्सा हैं और लोगों को एक सुनियोजित, आधुनिक और सुविधाजनक जीवन देने में योगदान कर रहे हैं।

पीआर-11, पीआर-12 और मेट्रो विस्तार से और बढ़ेगी रफ्तार: गमाडा की ओर से प्रस्तावित पीआर-11 और पीआर-12 कॉरिडोर, चंडीगढ़ मेट्रो विस्तार और एयरोसिटी जैसे प्रोजेक्ट्स आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र की कनेक्टिविटी और रियल एस्टेट वैल्यू को और मजबूत करेंगे। जानकारों का मानना है कि आने वाले समय में मोहाली उत्तर भारत के सबसे तेज़ी से विकसित होते रियल एस्टेट डेस्टिनेशन में शामिल हो जाएगा।

टाटा हिताची ने लांच किया शिनराय प्राइम सीईवी 5, आपका सबसे भरोसेमंद पार्टनर

अर्थ प्रकाश संवाददाता

मोहाली। भारतीय कंस्ट्रक्शन मशीन उद्योग की अग्रणी कम्पनी टाटा हिताची ने आज शिनराय प्राइम सीईवी 5 लॉन्च करने की घोषणा की। यह नेक्स्ट-जेन बैकहो लोडर है जो भरोसा विश्वसनीयता और कार्य प्रदर्शन को नया आयाम देने के लिए खास तौर से डिजाइन किया गया है। शिनराय प्राइम सीईवी 5 लॉन्च का आयोजन 18 जुलाई को होटल कैंडी, फेज 11, मोहाली में हुआ। इस अवसर पर सम्मानित ग्राहक, टाटा हिताची औरदादा मोटर्स(अधिकृत डीलर पार्टनर)के वरिष्ठ प्रबंधन सभी की उपस्थिति थी।

शिनराय प्राइम सीईवी 5 कंस्ट्रक्शन और उत्खनन से लेकर कृषि और ट्रेंचिंग तक विभिन्न उपयोगों के लिए डिजाइन किया गया है। कई खास खूबियों की वजह से इसकी

अलग पहचान है जैसे लंबे अंतराल पर मेंटेनेंस की जरूरत, परिचालन का खर्च कम और मशीन का अधिक उपयोगी होना।

शिनराय प्राइम सीईवी 5 लॉन्च के अवसर पर]टाटा हिताची के महाप्रबंधक- मार्केटिंग श्री सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा द्दशिनराय प्राइम सीईवी 5 लॉन्च करते हुए हमें एक ऐसी मशीन पेश करने का गर्व है जिसमें एक साथ कार्य प्रदर्शन विश्वसनीयता और सस्टेनेबलिटी जैसे सभी गुण हैं। यह खास कर भारतीय ग्राहकों की बदलती जरूरतों के लिए डिजाइन किया गया है। इस नेक्स्ट-जेन बैकहो लोडर में आप नवाचार और ग्राहक-केंद्रित डिजाइन को लेकर टाटा हिताची की प्रतिबद्धता देखेंगे। टाटा हिताची इसी प्रतिबद्धता के साथ आधुनिक टेलीमैटिक्स के माध्यम से बेहतर कार्य क्षमता कम परिचालन खर्च और बेहतर मशीन प्रबंधन सुनिश्चित करती है। शिनराय प्राइम सिर्फ़ सिर्फ एक मशीन नहीं है यह विश्वास और सही मूल्यों का भरोसा देती है।''

ग्राहकों का मन निश्चिंत रखने के लिए टाटा हिताची के असली स्पेयर पार्ट्स सब से सही जगह पर वेयरहाउस और बिक्री के बाद जल्द सहायता के लिए फील्ड डायग्नोस्टिक वाहन सेवा में तत्पर हैं। कुल मिला कर शिनराय प्राइम सीईवी 5 अपनी ताकत और कार्य प्रदर्शनईंधन सक्षमता और ग्राहकों के लिए बचत के वादे के साथ उन्हें व्यवसाय में आगे रहने में मदद करता है।

पार्षद योगेश ढींगरा ने प्रशासन पर उठाए सवाल

सेक्टर-37 कम्युनिटी सेंटर का जिम बना शोपीस, लाखों का सामान खराब

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर-37 स्थित कम्युनिटी सेंटर में वर्षों से बंद पड़े जिम में लाखों रुपये का महंगा फिटनेस उपकरण धूल फांक रहा है। पार्षद योगेश ढींगरा ने इस मुद्दे को उठाते हुए नगर निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

उन्होंने कहा कि एक ओर शहर का युवा प्राइवेट जिम में सालाना 15 से 20 हजार रुपये खर्च कर रहा है, वहीं दूसरी ओर सरकारी संसाधन कम्युनिटी सेंटर में बने जिम बेकार पड़े हैं। पार्षद योगेश ढींगरा ने कहा, ÷प्रशासन रोज़ाना 'विकसित भारत 2047' की बात करता है, लेकिन जब लोगों का लाखों का सार्वजनिक धन बर्बाद हो रहा है तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?

पार्षद ने कहा कि यूथ को नशे से दूर रखने के लिए लगातार

कार्यक्रम होते हैं, जिनमें पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाबचंद कटारिया भी युवाओं के मार्गदर्शन की बात करते हैं। ऐसे में जनता प्रशासक से अपील कर रही है कि बंद पड़े जिम को जल्द से जल्द चालू करवाया जाए, ताकि युवाओं को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने में मदद मिले और वे महंगे प्राइवेट जिम से बच सकें। क्योंकि जनता अब यह सवाल कर रही है कि इस जिम में जो भी पैसा लगा है वह उनके टैक्स का पैसा है इसलिए जनता का पैसा जनता तक पहुंचना चाहिए और उनको यह सुविधा मिलनी चाहिए।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि नगर निगम को अपनी पॉलिसी में बदलाव कर ऐसी सुविधाओं को आम जनता की पहुंच में लाना चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, जब नागरिक अपने अधिकार मांगते हैं, तो प्रशासन कहता है कि निगम के पास फंड नहीं है। ऐसे में यह नाकामी खुद प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाती है। पार्षद ने मांग की है कि इस मुद्दे को प्राथमिकता देते हुए बंद पड़े जिम को तुरंत शुरू किया जाए ताकि युवाओं, महिलाओं इसका लाभ ले सकें।

एनएसओ चंडीगढ़ ने 'अन्वेषा 2.0' क्विज़ का सफल आयोजन

एनएसएस के 75 वर्ष पूर्ण होने पर पंजाब विश्वविद्यालय की टीम रही विजेता

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ ने 18 जुलाई, 2025 को राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में ज्ञान, अंतर्दृष्टि, उत्सव विषय पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता ÷अन्वेषा 2.0÷ का सफलतापूर्वक आयोजन महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान, सेक्टर-26, चंडीगढ़ में किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन एनएसओ (एफओडी), क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ के उप महानिदेशक, श्री दीपक मेहरा ने किया और उन्होंने मुख्य अतिथियों, श्री मनोज गोयल, निदेशक (अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय हरियाणा) स्वागत किया। यह कार्यक्रम भौतिक रूप से आयोजित किया गया और इसमें राजधानी क्षेत्र के विभिन्न संस्थानों के कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई।। विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों (मुख्यतः सांख्यिकी एवं अर्थशास्त्र विभाग) में नामांकित सरकारी और निजी दोनों संस्थानों के छात्रों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

विभिन्न संस्थानों के कुल 48

छात्रों ने क्विज़ में सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रतियोगिता के सुचारू और पेशेवर संचालन को सुनिश्चित करने के लिए, विशेषज्ञ क्विज़ मास्टर्स को नियुक्त किया गया था।

यह प्रतियोगिता एनएसओ (एफओडी), मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप निष्पक्ष, अनुशासित और सुव्यवस्थित रूप से आयोजित की गई। क्विज के दो चरणों में प्राप्त अंकों के आधार पर शीर्ष तीन टीमों को नकद पुरस्कार, पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जबकि विजेता टीम (पंजाब विश्वविद्यालय) को एक ट्रॉफी भी प्रदान की गई।

प्रथम पुरस्कार 10,000/- की राशि के साथ पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के सांख्यिकी विभाग की टीम – सुश्री हिमानी शर्मा एवं श्री शिवनंदन त्रखी को प्रदान किया गया।

द्वितीय पुरस्कार 6,000/- की राशि के साथ एससीईआरटी, सेक्टर-32, चंडीगढ़ की टीम – सुश्री शिवानी सिंह एवं सुश्री युक्ता सोबती को प्रदान किया गया।

तृतीय पुरस्कार 4,000/- की राशि के साथ एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर विमेन, सेक्टर-36ए, चंडीगढ़ की टीम – सुश्री राधिका शर्मा एवं सुश्री सिमरन कौशल को प्रदान किया गया।

सभी प्रतिभागियों को उनकी सहभागिता और उत्साह के लिए प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

यह आयोजन अत्यंत सफल और सराहनीय रहा, जिससे युवाओं में सांख्यिकी के प्रति जागरूकता और रुचि में वृद्धि हुई तथा राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित गतिविधियों की दृश्यता और प्रभावशीलता भी बढ़ी।

आप सरकार की लैंड पूलिंग योजना आम जनता को बेहतर सुविधाओं के साथ आवास मुहैया कराएगी : हरपाल चीमा

कहा-पिछली सरकारों के दौरान हजारों अवैध कॉलोनियां काटी गई, वहां सड़क बिजली-पानी सीवरेज जैसी मूलभूत सुविधाएं भी नहीं थी

सरकार जमीन एक्वायर करेगी तो किसानों को आर्थिक लाभ के साथ सामाजिक सुरक्षा भी मिलेगी, जबकि पहले बिल्डर किसानों से औने-पौने दामों पर जबरदस्ती जमीन ले लेते थे

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। पंजाब सरकार की लैंड पूलिंग योजना को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता और राज्य सरकार में वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि यह योजना पूरी तरह किसान हितैषी और आपसी सहमति पर आधारित है। किसी भी किसान से एक इंच भी जमीन जबरदस्ती नहीं ली जाएगी। जमीन देना और न देना दोनों पूरी तरह किसानों की मर्जी पर आधारित है।

हरपाल चीमा ने इसको लेकर कांग्रेस भाजपा और अकाली दल को घेरा और कहा कि पिछली सरकारों के दौरान करीब डेढ़ दशक में पंजाब में हजारों अवैध कॉलोनियां काटी गई, जहां सड़क बिजली, पानी और सीवरेज जैसी मूलभूत सुविधाएं भी नहीं थी। वहीं लाखों लोगों को रजिस्ट्री को लेकर परेशानी हुई। सैकड़ों लोगों के लाखों रुपए बिल्डरों के चक्कर में फंस गए, जिसके कारण उनके घर तबाह हो गए।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में अकाली-भाजपा और कांग्रेस के नेताओं से मिलीभगत कर भू-माफियाओं ने पंजाब के विभिन्न शहरों में करीब 30 हजार एकड़ जमीन पर अवैध कॉलोनियां बनाई और अरबों रुपए के घपले घोटाले किए। उसका सीधा लाभ भू-माफिया, बिल्डरों और पिछली सरकारों के मंत्री विधायकों को हुआ, जबकि आमलोगों को मूलभूत सुविधाओं से भी वंचित रहना पड़ा। इन सबके लिए अकाली-भाजपा गठबंधन और कांग्रेस की सरकार जिम्मेदार है।

चीमा ने कहा कि आम लोगों को हुई परेशानियों को देखते हुए आप सरकार ने खुद लैंड पूलिंग पॉलिसी के माध्यम से जमीन एक्वायर करने का फैसला किया। इससे किसानों और आम लोगों दोनों को फायदा होगा। किसानों को प्रति एकड़ 1000 गज आवासीय जमीन और 200 गज व्यवसायिक प्लॉट मिलेगा, जिसकी कीमत अगले कुछ वर्षों में वर्तमान कीमत से करीब चार गुना होगी। वहीं आम लोगों के लिए इस योजना के तहत बेहतर और आधुनिक सुविधाओं के साथ आवास उपलब्ध हो सकेगा क्योंकि वहां सड़क सीवरेज बिजली पानी और सार्वजनिक पार्क का निर्माण सरकार करेगी एवं आवासीय कानून का भी पूरी तरह पालन होगा जिससे लोगों को भविष्य में किसी भी तरह की परेशानी उत्पन्न नहीं होगी।

सरकार किसानों की जमीन एक्वायर करेगी तो उन्हें आर्थिक लाभ के साथ सामाजिक सुरक्षा भी मिलेगी

चीमा ने कहा कि इस योजना से किसानों को एक और बड़ा फायदा यह होगा कि सरकार जमीन एक्वायर करेगी तो उन्हें आर्थिक लाभ के साथ सामाजिक सुरक्षा भी मिलेगी। योजना के अंतर्गत आने वाले सभी किसानों को कम से कम 3 साल या जमीन विकसित होने तक हर साल 50 हजार प्रति एकड़ की दर से सहायता राशि दी जाएगी, ताकि निर्माण के दौरान उन्हें कोई आर्थिक परेशानी न हो। जबकि पिछली सरकारों के दौरान बिल्डर या भू-माफिया किसानों से औने-पौने दामों पर जबरदस्ती जमीन ले लेते थे और उन्हें बाद में किसी भी तरह की कोई आर्थिक सहायता नहीं करते थे। ऐसे हजारों मामले सामने आए हैं।

अधिकारियों को जुवेनाईल जस्टिस और पोक्सो एक्टों के बारे जागरूक करने के लिए करवाया प्रशिक्षण प्रोग्राम

बाल सुरक्षा कानूनों और अंतर-संस्थागत तालमेल पर केंद्रित रहा दो-दिवसीय प्रशिक्षण प्रोग्राम

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। बाल सुरक्षा कानूनों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इसके प्रभावशाली ढंग से कार्यान्वयन के लिए पंजाब पुलिस के कम्युनिटी अफेअरज़ डिवीज़न (सीएडी) ने बचपन बचाओ आंदोलन (बीबीए) के सहयोग से आज यहाँ जुवेनाईल जस्टिस (जेजे) एक्ट, 2015 और यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा (पोक्सो) एक्ट, 2012 पर दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रोग्राम करवाया।

समापन सत्र की अध्यक्षता स्पेशल डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (स्पेशल डीजीपी) सीएडी गुरप्रीत कौर दिओ ने की, जिन्होंने कानूनी कार्यवाही का सामना कर रहे बच्चों समेत सभी बच्चों की सुरक्षा में इन एक्टों की महत्ता पर ज़ोर दिया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को जुवेनाईल जस्टिस बोर्ड (जेजेबी), बाल कल्याण समिति (सीडब्लयूसी) और ज़िला बाल सुरक्षा अधिकारियों (डीसीपीओ) सहित कानूनी संस्थाओं, जिनकी भूमिकाएँ जेजे एक्ट के अधीन महत्वपूर्ण हैं, के साथ नजदीकी तालमेल के ज़रिये काम करने की अपील की।

इस प्रोग्राम में 65 से अधिक अधिकारियों, जिनमें डिप्टी ऐसपीज़, ऐसऐचओज़, महिला हैल्पडैस्क इंचार्ज, बाल कल्याण पुलिस अधिकारी (सीडब्लयूपीओ) और एसएएस नगर, फतेहगढ़ साहिब और रूपनगर के सीडब्लयूसी चेयरपर्सन शामिल हैं, ने हिस्सा लिया। दूसरा दिन विशेष तौर पर अधिकारियों को पोक्सो एक्ट, 2012 के बारे जागरूक करने पर केंद्रित रहा, जिसमें बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए कानूनी प्रबंधों को उजागर किया गया।

विशेष डीजीपी गुरप्रीत कौर दिओ ने प्रशिक्षण हिस्सेदार के तौर पर बचपन बचाओ आंदोलन (बीबीए) के योगदान की सराहना की और दोनों एक्टों के बारे अनमोल जानकारी प्रदान करने के लिए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने यह भी बताया कि सीएडी ने बीबीए के सहयोग से पंजाब के सभी आठ पुलिस रेंजों में इसी तरह के प्रशिक्षण सत्र करवाए हैं, जिससे बाल सुरक्षा कानूनों के प्रति व्यापक जागरूकता और पालना को यकीनी बनाया जा सके।

इस प्रोग्राम का उद्देश्य अंतर-एजेंसी तालमेल को मज़बूत करना और अधिकारियों को बच्चों से सम्बन्धित मामलों को कानूनी सूझ और अधिक संवेदनशीलता से निपटने के लिए अपेक्षित जानकारी के साथ लैस करना था।

राष्ट्रीय सांख्यिकी क्षेत्रीय कार्यालय मोहाली ने 'अन्वेशा 2.0' राज्य स्तरीय सांख्यिकी क्विज प्रतियोगिता का सफल किया आयोजन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

मोहाली, 18 जुलाई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), क्षेत्रीय कार्यालय मोहाली द्वारा राष्ट्रीय सैम्पल सर्वे (एनएसएस) की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 'अन्वेशा 2.0' नामक राज्य स्तरीय सांख्यिकी क्विज़ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन होटल कैंडी क्षेत्रीय कार्यालय मोहाली में किया गया।

यह प्रतियोगिता भारतीय अर्थव्यवस्था, सांख्यिकीय प्रणाली एवं योजनाओं की समझ पर आधारित थी, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सर्वेक्षणों, आंकड़ों की भूमिका और डेटा-संचालित नीतियों की मूलभूत जानकारी देना था।

इस प्रतियोगिता में पंजाब राज्य के विभिन्न कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों की कुल 23 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सांख्यिकी एवं डेटा संग्रहण जैसे जटिल विषयों में अपनी समझ का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के अंत में उप महानिदेशक हिम्मत सिंह राघव एवं सहायक निदेशक श्री विकास रुंडाला द्वारा विजेता टीम को पुरस्कार प्रदान किए गए, साथ ही सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

विजेता टीमों का विवरण इस प्रकार है: प्रथम स्थानः गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर 32, चंडीगढ़ से वंशिका शर्मा एवं जतिन, द्वितीय स्थानः चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, झांजेरी से प्रिया मनहास एवं कर्मन्या कौर, तृतीय स्थानः पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज, सेक्टर 11, चंडीगढ़ से भारत स्वामी एवं ओम सूद।

कार्यक्रम में संजीव कुमार (वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी व विभागाध्यक्ष), एम.पी. सिंह (वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी) एवं श्रीमती उषा वर्मा (वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी एवं नोडल अधिकारी) की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की सफलता में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय मोहाली के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सक्रिय सहयोग सराहनीय रहा।

कार्यक्रम का संचालन पूर्ण निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागियों ने न केवल सांख्यिकी की अवधारणाओं को समझा, बल्कि डेटा की उपयोगिता को भी गहराई से जाना।

एनएसओ, आरओ मोहाली भविष्य में भी इस प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को डेटा-संचालित निर्णय एवं सांख्यिकी के महत्व से अवगत कराता रहेगा।

बाग़बानी विभाग ने करवाये राज्य स्तरीय नाशपाती मुकाबले में अमृतसर के किसानों ने मारी बाज़ी

पंजाब सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए कर रही है ठोस प्रयास: मोहिंद्र भगत

अर्थ प्रकाश संवाददाता

अमृतसर 18 जुलाई। बाग़बानी विभाग द्वारा ज़िला अमृतसर में महाराजा फार्म में दो दिवसीय राज्य स्तरीय नाशपाती का शो और सैमीनार लगाया गया, जिसमें रक्षा सेवा कल्याण, स्वतंत्रता संग्रामी और बाग़बानी मंत्री श्री मोहिंद्र भगत मुख्य मेहमान के तौर पर शामिल हुए और इस शो का उद्घाटन किया।

इस मौके पर बाग़बानी मंत्री श्री मोहिंद्र भगत ने किसानों को संबोधन करते हुये कहा कि पंजाब सरकार राज्य के बाग़बानी क्षेत्र का विकास करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि आज का यह नाशपती मुकाबला भी इन प्रयासों का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि ऐसे मुकाबले, प्रदर्शनियां, सैमीनार जहाँ किसानों की जानकारी बढ़ाते हैं, वहीं उनके व्यापारिक सम्बन्ध भी बनते हैं जोकि किसानों की आय बढ़ाने में अच्छा योगदान डालते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य सरकार इस बार किसानों के खेतों तक नहरी पानी पहुँचाने में कामयाब रही है और इससे राज्य के बाग़बानी क्षेत्र को काफी प्रोत्साहन मिला है। इस मौके पर बाग़बानों द्वारा उनको पेश आ रही मुश्किलों को बाग़बानी मंत्री और डायरैक्टर बाग़बानी के संज्ञान में लाया गया जिसका उनकी तरफ से जल्द निपटारा करने का भरोसा दिया गया।

इसके इलावा डिप्टी डायरैक्टर बाग़बानी, अमृतसर श्री तजिन्दर सिंह संधू द्वारा समागम सम्बन्धी बताया गया कि राज्य के विभिन्न जिलों से बाग़बानों द्वारा बढ़िया मानक और उच्च गुणवत्ता के नाशपाती फल और फलों से तैयार फल पदार्थों की 714 रखी ऐंट्रियों का मुकाबला करवाया गया और विजेताओं को पहले और दूसरे दर्जे के इनाम मुख्य मेहमान द्वारा दिए गए। इस मुकाबले में ज़िला अमृतसर 28 इनाम प्राप्त करके पहले नंबर पर रहा। इस मौके पर विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनियाँ भी लगाई गई और बाग़बानों को नाशपाती की काश्त और मंडीकरण के बारे पी.ए.यू. लुधियाना से आए माहिरों द्वारा जानकारी प्रदान की गई।

इस मौके पर समागम में एस.डी.एम. स. गुरसिमरन सिंह ढिल्लों, सहायक डायरैक्टर बाग़बानी जतिन्दर सिंह संधू, सुखपाल सिंह, हरविन्दर सिंह, तेजबीर सिंह, किरनबीर कौर, हरप्रीत कौर (सभी बाग़बानी विकास अधिकारी) और मनीस्टीरियल और फील्ड स्टाफ ने समागम को कामयाब करने में अहम योगदान डाला।

विजडम इंटरनेशनल स्कूल में विज्ञान मेले का आयोजन

अर्थ प्रकाश/प्रदीप पाल

जगराओं 18 जुलाई। विजडम इंटरनेशनल स्कूल में विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। इस गतिविधि में स्कूल के कक्षा 4 से कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। शिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न प्रकार के मॉडल तैयार किए गए, जिनमें विद्यार्थियों ने भौतिकी, गणित, विज्ञान, सौर परिवार के सदस्यों, प्राकृतिक संसाधनों से संबंधित मॉडल तैयार किए। इस अवसर पर मैडम भूपिंदर शर्मा, मैडम जसतेज कौर, मैडम जसप्रीत कौर, मैडम सिमरनप्रीत कौर और सर रोहित कुमार जैसे स्कूल स्टाफ ने निर्णायक मंडल की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे, और विद्यार्थियों ने उनके उचित उत्तर दिए।

यह पूरा कार्यक्रम प्राध्यापक कुलवीर कौर की देखरेख में आयोजित किया गया। जसवंत मैडम अपने सहायक के साथ मौजूद थीं। स्कूल के चेयरमैन सतीश कालरा और प्रधानाचार्या अनीता कालरा ने इस आयोजन के लिए शिक्षक की सराहना की। बच्चों को बताया गया कि विज्ञान हमेशा से मानवता के लिए वरदान साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इन गतिविधियों में अधिक से अधिक भाग लेना चाहिए। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है। इस विज्ञान मेले की गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को सम्मान चिह्न देकर सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर पी.आर.ओ. कुलबीर मैडम एवं जसवंत मैडम, जस्टेज मैडम, किरण मैडम, लवप्रीत मैडम एवं शिक्षण स्टाफ उपस्थित था।

इंदौर मॉडल अपनाए बिना स्वच्छ नहीं होगा जीरकपुर : संजीव खन्ना

नगर कौंसिल के सामने रखा सफाई का 10 सूत्रीय रोडमैप

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 18 जुलाई। देश में लगातार आठवीं बार स्वच्छता में पहला स्थान हासिल करने वाले इंदौर ने बाकी शहरों के लिए एक आदर्श पेश किया है। वहीं ज़ीरकपुर की हालत इसके बिल्कुल उलट है–स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 में ज़ीरकपुर देशभर में 225वें और पंजाब में 26वें स्थान पर लुढ़क गया। अब सवाल यह है कि क्या ज़ीरकपुर भी इंदौर की राह पर चलकर खुद को गंदगी और अव्यवस्था से बाहर निकाल सकता है। भाजपा नेता संजीव खन्ना ने इसे गंभीरता से लेते हुए कहा कि अगर ज़ीरकपुर नगर कौंसिल गंभीरता से इंदौर मॉडल को अपनाए, तो हालात में क्रांतिकारी बदलाव संभव है।

ज़ीरकपुर के लिए तैयार किए गए 10 बिंदुओं पर आधारित यह रोडमैप स्पष्ट करता है कि कहां-कहां सुधार की ज़रूरत है और कैसे उसे इंदौर जैसी व्यवस्था में बदला जा सकता है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले ज़ोर डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन पर है, जिसमें गाड़ियों को जी पी एस से ट्रैक किया जाए और समय तय हो ताकि किसी मोहल्ले में कचरा दिनों तक न सड़ता रहे। साथ ही हर घर में सूखा और गीला कचरा अलग-अलग जमा कराने की व्यवस्था हो, और ऐसा न करने पर चेतावनी के बाद जुर्माना लगाया जाए। इंदौर की सबसे बड़ी ताक़त उसकी तकनीकी सक्षमता रही है। वहां मोबाइल ऐप के ज़रिए नागरिक कचरा उठवाने की शिकायत कर सकते हैं, वाहन की लोकेशन ट्रैक कर सकते हैं और हर स्तर पर पारदर्शिता बनी रहती है। ज़ीरकपुर में ऐसी कोई व्यवस्था न होने से नागरिकों की शिकायतें सिर्फ़ फाइलों तक सिमटकर रह जाती हैं।

वहीं इंदौर जैसे शहरों ने कचरे से कंपोस्ट और बायो-गैस जैसे संसाधन पैदा किए हैं। ज़ीरकपुर में अभी तक न तो कोई कम्पोस्ट यूनिट है, न ही प्लास्टिक प्रोसेसिंग सेंटर। अगर नगर कौंसिल यह कदम उठाए, तो न केवल गंदगी घटेगी, बल्कि इससे आय भी होगी। सार्वजनिक स्थानों की बात करें, तो इंदौर में हर बाजार, चौक और पार्क में ढक्कन वाले डस्टबिन और सफाई की सख़्त व्यवस्था है, वहीं ज़ीरकपुर में डस्टबिनों की भारी कमी है और जो हैं । शौचालय व्यवस्था की हालत तो और भी खराब है–जहां इंदौर में साफ-सुथरे टॉयलेट ब्लॉक हैं, वहीं ज़ीरकपुर में टॉयलेट खोजना तक मुश्किल है।

एक और बड़ा फर्क जनभागीदारी में देखने को मिलता है। इंदौर में स्कूल, समाजसेवी संस्था और रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन मिलकर ÷स्वच्छता सेना÷ जैसे अभियानों में भाग लेते हैं।

नगर परिषद दफ्तर में फायर सुरक्षा प्रणाली की होगी मरम्मत, दोबारा शुरू हुई टेंडर प्रक्रिया

14.85 लाख रुपये का अनुमान तैयार, सुरक्षा को लेकर उठाया गया कदम

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 18 जुलाई। नगर परिषद ज़ीरकपुर ने अपने दफ्तर में लगी अग्निशमन प्रणाली को दुरुस्त करने और उसे नए सिरे से आधुनिक बनाने की योजना पर काम शुरू कर दिया है। नगर परिषद कार्यालय में किसी भी आकस्मिक अग्निकांड की स्थिति से निपटने के लिए पहले से ही फायर सुरक्षा प्रणाली लगी हुई है, लेकिन वह काफ़ी समय से पुरानी हो चुकी है और अब उसमें तकनीकी सुधार की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इस काम के लिए परिषद द्वारा 14 लाख 85 हज़ार रुपये का खर्च अनुमान (एस्टीमेट) तैयार किया गया है। पहले इस संबंध में टेंडर प्रक्रिया आरंभ की गई थी, लेकिन किसी कारणवश वह पूरी नहीं हो सकी। अब इसे दोबारा शुरू करते हुए 18 जुलाई को टेंडर प्रक्रिया दोबारा शुरू की गई है। नगर परिषद के अधिकारियों के अनुसार जैसे ही टेंडर खुलेंगे, कार्यादेश जारी कर ठेका दिया जाएगा ताकि यह कार्य जल्द शुरू हो सके। नए और उन्नत अग्निशमन यंत्रों के लगने से न केवल कार्यालय की सुरक्षा मजबूत होगी, बल्कि आग लगने की स्थिति में बड़े नुकसान को भी टाला जा सकेगा।

निर्वाचन क्षेत्र 068-दाखा में बीएलओ प्रशिक्षण सफलतापूर्वक आयोजित

अर्थ प्रकाश/प्रदीप पाल

लुधियाना, 18 जुलाई। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, उप-मंडल मजिस्ट्रेट लुधियाना (पश्चिम) एवं मतदाता पंजीकरण अधिकारी डॉ. पूनम प्रीत कौर के नेतृत्व में निर्वाचन क्षेत्र 068 दाखा का एक दिवसीय विशेष बीएलओ प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरु नानक देव भवन के सभागार में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।इस अवसर पर चुनाव एईआरओ-2 मनदीप सिंह, पूर्व जल आपूर्ति एवं स्वच्छता, चुनाव कानूनगो अश्विनी कुमार और स्वीप नोडल अधिकारी जसप्रीत कौर (प्रधानाचार्य) विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जसबीर सिंह संधू (एएलएमटी), गुरपिंदर सिंह (एएलएमटी), जगदीप सिंह धालीवाल (राष्ट्रीय प्रशिक्षक), गुरदीप सिंह चीमा (एएलएमटी) और रंजीत सिंह (एएलएमटी) ने मास्टर ट्रेनर की भूमिका निभाई। इस पूरे कार्यक्रम में, चुनाव प्रक्रिया के अंतर्गत घर-घर जाकर सर्वेक्षण के दौरान बीएलओ की भूमिका और उनके दायित्वों को व्यवहारिक रूप से (रोल प्ले गतिविधि के माध्यम से) समझाया गया। इस कार्यक्रम में बीएलओ ऐप, वीएचए ऐप और फॉर्म 6, 7, 8 तथा फॉर्म 6 ए पर विस्तार से चर्चा की गई। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, एसडीएम पूनम प्रीत कौर द्वारा सीलबंद प्रश्न-पत्र खोले गए और बीएलओ की लिखित प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई, जिसका मूल्यांकन सेक्टर अधिकारियों द्वारा किया गया।

खलीफा लुधियाना मध्य और उत्तर के प्रभारी नियुक्त

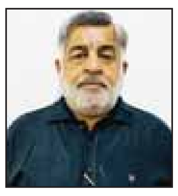

जगरांव, 18 जुलाई (अप्रस)। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आगामी पंजाब विधानसभा चुनावों के मद्देनजर तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। इसके तहत पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों के लिए 33 प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। पार्टी के महासचिव एवं संगठन प्रभारी कैप्टन संदीप सिंह संधू ने टकसाली को नियुक्त किया है।

जगरांव क्षेत्र के कांग्रेस नेता पुरुषोत्तम लाल खलीफा को लुधियाना मध्य और उत्तर का प्रभारी नियुक्त किया गया है। पुरुषोत्तम लाल खलीफा ने इस नियुक्ति के लिए पार्टी आलाकमान और कैप्टन संदीप संधू का आभार व्यक्त किया।

और कहा कि उन्होंने पार्टी द्वारा दी गई ज़िम्मेदारी को हमेशा पूरी लगन से निभाया है, और इस ज़िम्मेदारी को भी पूरी लगन और मेहनत से निभाएँगे और पार्टी की मज़बूती के लिए काम करेंगे।

स्टेलर होम निवासी धरना देने को मजबूर, शिकायतें देने के बावजूद नहीं हो रही कोई सुनवाई

लोगों ने कहा जिला मोहाली के सभी प्रशासनिक अधिकारियों दे चुके हैं शिकायत, अस्वाशन के इलावा कोई कार्रवाई नहीं

प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड ने तो शिकायत ही दर्ज नहीं की

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 19 जुलाई। ढकोली क्षेत्र में पड़ती स्टेलर होम सोसायटी के लोग एस्टीपी की समस्या को लेकर पिछले दो हफतों से सरकारी अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं। लेकिन उनकी कोई सुनवाई नही हो रही है। हैरानी की बात तो यह है के प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड द्वारा तो सोसायटी निवासियों की शिकायत तक नही ली गई। बता दें के स्टेलर होम सोसायटी निवासी उनकी सोसायटी की दीवार के साथ बने एस्टीपी को लेकर बेहद परेशान हैं। क्योंकि एस्टीपी ऊपर से खुल्ला है और उसमें से आ रही बदबू व मक्खी मच्छर ने स्टेलर होम निवासियों का जीना मुश्किल कर दिया है। स्टेलर होम निवासी मुकेश सिंह, देवेंद्र नेगी, विकास रॉयल, पंकज गर्ग, कृष गर्ग, ऋचा, सीमा,अंजू, अनुपम ठाकुर, राजेश रनौत व अन्य ने बताया कि उनकी सोसायटी के साथ ओपरा गार्डन नामक सोसायटी है और उस सोसायटी का एस्टीपी स्टेलर होम सोसायटी की दीवार के बिलकुल साथ बनाया हुआ है। जिस कारण बदबू, मक्खी मच्छर आदि के चलते उनका घरों में रहना मुश्किल हो गया है। जिसकी शिकायत वह बिल्डर को भी कई बार कर चुके हैं और नगर परिषद को भी कर चुके हैं लेकिन उनकी कोई सुनवाई नही हुई तो उन्होंने प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के दफ्तर में इसकी शिकायत तो वहां एक्सीयन व जेई ने कहा के वह इसमें कुछ नही कर सकते तो वह जाकर नगर परिषद से बात करें। जिसके सोसायटी निवासी एडीसी मोहाली अर्बन से मिले, जिन्होंने कार्रवाई करने का अस्वाशन भी दिया लेकिन जब कई दिनों तक कोई मदद नहीं मिली तो उसके बाद सोसायटी निवासियों ने एक लिखित शिकायत एसडीएम डेरा बस्सी को दी तो वहां भी कार्रवाई का अस्वाशन के इलावा कोई कार्रवाई नही हुई। जिसके चलते सोसायटी निवासी परेशान है के लिखित शिकायत के बावजूद उनकी कोई सुनवाई नही हो रही है तो वह अब जाए कहां, तो मजबूरन अब उन्हें प्रोटेस्ट के इलावा कोई रास्ता नजर नही आ रहा है।

सोसायटी निवासियों ने बताया के हमने रेरा की साईट व ओपरा गार्डन के नक्शे चैक किए तो पता चला के जहां ओपरा गार्डन द्वारा एस्टीपी बनाया गया है वहां तो पास ही नहीं है। नक्शे के मुताबिक 2024 में ओपरा गार्डन 2 जो नक्शा बिल्डर द्वारा पास करवाया गया उसमें एस्टीपी सोसायटी के फ्रंट में हैं ना की पीछे, पीछे तो सर्विस एरिया पास करवाया गया है। जहां एस्टीपी बनाना बिलकुल नियमों के उलट है। इसके इलावा वातावरण क्लियरीन्स जो सर्टिफिकेट मिला है उसमने साफ लिखा हुआ है के बिल्डर द्वारा जो एस्टीपी बनाया जाएगा वह अप्रूवड ड्राइंग के अनुसार ही बनाया जाएगा। जबकि ड्राइंग में वह कहीं दूसरी जगह पर है। इसके इलावा लिखा गया है के पब्लिक यूटिलिटी को कोई नुकसान नही पहुंचाया जाना चाहिए। लेकिन इतना कुछ होने के बावजूद लोगों की सुनवाई प्रसाशन द्वारा नही की जा रही है। जबकि इतने सारे टैक्स भरने के बावजूद परेशान हो रहे है अपना जीवन की कमाई बर्बाद होते देख रहे हैं। लोगों ने प्रसाशन से गुहार लगाई है के जल्द जल्द से ओपरा गार्डन द्वारा बनाए एस्टीपी को यहां से हटवाया जाए और उनकी समस्या का हल किया जाए।

मुझे शिकायत ध्यान में नहीं है बाकी अगर शिकायत आई है तो मैं सुबह मंगवा कर चैक करवा लेता हूं और अगर गलत हुआ तो नियमों के तहत जरूर कार्रवाई की जाएगी।

जगजीत सिंह जज, कार्यकारी अधिकारी जीरकपुर।

श्रावण अष्टमी मेला 25 जुलाई से शुरू, सभी तैयारियां पूरी

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर किए गए विशेष इंतजाम : अतिरिक्त उपायुक्त

अर्थ प्रकाश संवाददाता

बिलासपुर, 18 जुलाई। शक्तिपीठ श्री नयनादेवी जी में श्रावण अष्टमी मेला इस वर्ष 25 जुलाई से 5 अगस्त तक पारंपरिक श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ आयोजित किया जाएगा। मेले की तैयारियों को लेकर अतिरिक्त उपायुक्त ओम कांत ठाकुर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि मेले की लगभग सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे मेले से दो दिन पूर्व तक शेष आवश्यक कार्य पूर्ण करें ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु इस बार विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। पंजाब की ओर से आने वाले बड़े वाहनों के लिए समुचित पार्किंग की व्यवस्था कर दी गई है। दर्शन के लिए प्रतीक्षा कर रहे श्रद्धालुओं को छाया और विश्राम सुविधा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से जर्मन हैंगर लगाए जाएंगे। मंदिर से पहले स्वच्छ और पर्याप्त शौचालयों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

भीड़ प्रबंधन के लिए बस स्टैंड पर एक समय में केवल तीन बसें ही खड़ी रहने की व्यवस्था की गई है। मेले के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से समूचे क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जाएंगे, वहीं मंदिर परिसर में क्राउड एनालिटिक्स कैमरे भी लगाए जाएंगे ताकि भीड़ की निगरानी और नियंत्रण में सहायता मिल सके। रात्रि समय में श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुरक्षित बनाने के लिए मंदिर से जुड़े सभी रास्तों और संपर्क मार्गों पर स्ट्रीट लाइट्स की व्यवस्था पूरी कर ली गई है। नगर परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता बनाए रखने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, मेले के दौरान पॉलिथीन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। श्रद्धालुओं को उचित दरों पर पार्किंग सुविधा मिल सके, इसके लिए निर्धारित दरों को बड़े-बड़े डिस्प्ले बोर्डों के माध्यम से स्पष्ट रूप से दर्शाया जाएगा।

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने हेतु होगी 12 स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने हेतु 6 स्थायी और 6 अस्थायी स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना की जाएगी, जो चौबीसों घंटे सेवाएं प्रदान करेंगे। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एम्स बिलासपुर व आनंदपुर साहिब तक त्वरित एम्बुलेंस रेस्क्यू के लिए रोड प्लान तैयार किया गया है। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि श्रद्धालुओं को मेले के दौरान बेहतर सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन व मंदिर न्यास की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

हिमाचल प्रदेश देवभूमि के मंडी कुल्लू क्षेत्र में भयावह आपदा हेतु राहत सामग्री की पहली खेप अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन व क्योरटेक ग्रुप ने की रवाना

आपदा पीड़ितों की मदद हेतु सभी सामाजिक, राजनीतिक और औद्योगिक संगठन आगे आएं : सुमित सिंगला

वर्ष 2023 में आपदा के समय क्योरटेक ग्रुप और संगठन ने मुख्यामंत्री राहत कोष में सहायता की थी

हिमाचल प्रदेश में भारी वर्षा और लैंडस्लाइड की घटनाओं के चलते पर्यटक को अपने टूर स्थगित रखने की अपील

अर्थ प्रकाश/संजीव कौशल

बी बी एन, 18 जुलाई। हिमाचल प्रदेश देवभूमि के मंडी और कुल्लू क्षेत्रों में हाल ही में भरी वर्षा और भू सलखन के चलते हुयी भयानक तबाही को देखते हुए आज क्योरटेक चौक से अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन और क्योरटेक ग्रुप द्वारा राहत सामग्री की पहली खेप रवाना की गयी. इस ट्रक को क्योरटेक ग्रुप के सी.ई.ओ. सुमित सिंगला जो अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के हिमाचल प्रदेश राज्य अध्यक्ष भी हैं ने रवाना किया।

इस अवसर पर उन्होंने विपदा की इस घड़ी में आपदा पीड़ित परिवारों को सांत्वना और आवश्यक सामग्री से मदद करने हेतु सामाजिक, राजनितिक और औद्योगिक संगठनों को अपील करते हुए आगे आने और अगली खेप में हिस्सा लें. उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में भी आपदा के समय ग्रुप ने अग्रिम पंक्तियों में रहकर जहाँ राहत सामग्री भेजी वहीं मुख्यमंत्री राहत कोष में भी अपना योगदान दिया।

इस अवसर पर सुमित सिंगला ने देश भर से हिमाचल प्रदेश आने वाले टूरिस्टों को अपील की कि इस कठिन समय में वह अपने टूर को स्थगित कर दें ताकि उनकी और उनके परिजनों की सुरक्षा बनी रहे।

आज भेजी गयी इस प्रथम खेप में आपदा प्रभावित परिवारों के लिए 100 गद्दे, 100 ड्रम, आवश्यक दवाओं के पैकेट शामिल हैं. सुमित सिंगला ने कहा कि मंडी के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट के रीडर गगन शर्मा के आग्रह के पश्चात यह सामग्री पीड़ित परिवारों तक पहुंचाई जाएगी।

इस अवसर पर क्योरटेक परिवार के जे.पी. गुप्ता, बी.डी.राणे, दीपक शर्मा, मोहन सिंह, मोहित शर्मा, लक्की राणा, प्रिंस, विपिन, नितीश, जगतार सिंह, अमन, हुसन, मानसिंह, राजवीर, परवीन ठाकुर, सूर्यकांत, ज्योति, सुनील कुमार, सौरभ, अनूप, मनोज शर्मा, सी.एन.पाण्ड्य, देसराज, गुरमीत धीमान, करन सहित कई अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

डॉ. गुप्ता को एनएचबी में नर्सरी सलाहकार बनाया

नेशनल हार्टीकल्चर बोर्ड ने की देश के 12 चुनिंदा वैज्ञानिकों की नियुक्ति

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

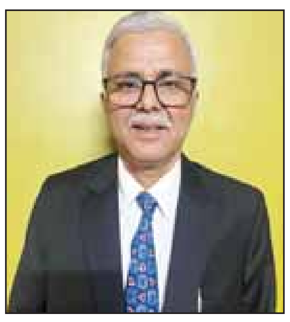

सोलन, 18 जुलाई। डॉ. यशवंत सिंह परमार यूनिवर्सिटी नौणी के मंडी स्थित थुनाग कॉलेज के पहले डीन रहे सेवानिवृत प्रोफेसर डॉ. वाईसी गुप्ता को भारत सरकार के नेशनल हार्टीकल्चर बोर्ड (एनएचबी) में नर्सरी सलाहकार नियुक्त किया है। नेशनल हार्टीकल्चर बोर्ड ने देश के चुनिंदा 12 वैज्ञानिकों की नियुक्ति की है, जिसमें सोलन के डॉ. गुप्ता भी शामिल हैं। डॉ.गुप्ता को एनएचबी योजना ने बागवानी के संवर्धन के लिए प्रौद्योगिकी विकास और हस्तांतरण के उप-घटक जिसमें फल/सब्जी/फूल नर्सरियों के प्रत्यायन और रेटिंग के तहत चुना गया है।

बागवानी शिक्षा और अनुसंधान में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए जाने जाते हैं। उनकी नियुक्ति को क्षेत्र में उनकी दशकों की समर्पित सेवा और विशेषज्ञता की मान्यता के रूप में माना जाता है। गुप्ता वर्तमान में इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑर्नामेंटल हॉर्टिकल्चर (आईएसओएच), नई दिल्ली के उपाध्यक्ष हैं और उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। इसमें लोटस पुरस्कार और फ्लोरिकल्चर में डॉ. मनमोहन अत्तावर गोल्ड मेडल पुरस्कार शामिल हैं, दोनों ही आईएसओएच, आईएआरआई, नई दिल्ली द्वारा प्रदान किए गए हैं। उन्हें भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी द्वारा फेलोशिप पुरस्कार भी प्राप्त है, जो बागवानी समुदाय में उनके असाधारण योगदान का प्रमाण है। डॉ. गुप्ता अपने परिवार के साथ सोलन में रहते हैं। उनकी पत्नी भूगोल की सेवानिवृत्त प्रोफेसर हैं। उनकी बेटी को हाल ही में हिमाचल प्रशासनिक सेवा (एचएएस) कैडर में पदोन्नत किया गया है। उनका बेटा वर्तमान में सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज, अंबोटा, ऊना, हिमाचल प्रदेश में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत है।

देश में पूरी तरह से चरमरा गई है कानून व्यवस्था : अभिनव कश्यप

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

कुल्लू 18 जुलाई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला कुल्लू जिला संयोजक अभिनव कश्यप ने कहा है कि प्रदेश सरकार अपने वादों पर खरा नहीं उतरी है और प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। उन्होंने कहा कि आज बस अड्डों में सरेआम लड़कियों को छेड़ा जा रहा है और अभद्र व्यवहार किया जा रहा है। इस सरकार की सत्ता में महिलाएं सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि 10 गारंटियों व 5 लाख युवाओं को रोजगार देने के वादे से सरकार सत्ता में आई थी लेकिन न तो युवाओं को रोजगार दिया गया और न ही गारंटियों को पूरा किया गया। बल्कि उल्टे रोजगार को खत्म कर दिया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार गेस्ट टीचरों को लगाने की बात कर रही है तो पढ़े लिखे शिक्षित युवाओं को रोजगार कैसे मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में शिक्षा की हालत खस्ता है। अध्यापकों की कमी है और कॉलेज स्कूलों में चले हैं। प्रदेश के कई कालेजों के अपने भवन नहीं है। यही नहीं सरकार ने आते ही कई शिक्षण संस्थान बंद कर दिए। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने सत्ता में आने से पहले कहा था कि छात्र चुनाव बहाल किए जाएंगे लेकिन अभी तक यह वादा भी पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में दो महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित हुए थे पहला प्रस्ताव प्रदेश के वर्तमान परिदृश्य पर केंद्रित था, जबकि दूसरा प्रस्ताव प्रदेश के वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य पर केंद्रित था।

मंदिर के कपाट नहीं किए हैं बंद, सोशल मीडिया में फैलाई झूठी अफवाहः वीरेंद्र जम्बाल

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

कुल्लू 18 जुलाई। बिजली महादेव का मंदिर सावन माह में श्रद्धालुओं के लिए बंद नहीं हुआ है। मंदिर के कपाट बंद नहीं किए गए हैं।

श्रद्धालु बिजली महादेव मंदिर के मुख्य द्वार से दर्शन कर सकेंगे। सोशल पर मंदिर के कपाट बंद होने के बाद अब मंदिर प्रबंधन ने स्थिति स्पष्ट की है।देवता के कारदार विनेंद्र जंबाल ने कहा कि श्रद्धालु मंदिर के भीतर प्रवेश नहीं कर पाएंगे, महादेव के दर्शन भी बाहर से ही होंगे। मंदिर में कोई भी लंगर और कीर्तन भजन नहीं होगा। रात्रि ठहराव भी बंद किया गया है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की है कि बाहर से दर्शन करे और शोर-शराबा न करें। देव आदेशों का पालन करें।

12 साल उपरांत आरंभ हुआ डबल लेन लखोटी ब्रिज का निर्माण कार्य

20 अगस्त, 2012 को पूर्व सीएम प्रेम कुमार धूमल ने रखी थी आधारशिला

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला 18 जुलाई। आखिर 12 वर्षो के लंबे अंतराल के उपरांत लखोटी के समीप गिरि नदी पर डबल लेन पुल का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर आरंभ हो गया है । जिसके बनने से बलोग पंचायत के लोगों को सीमा पर लगते सिरमौर के गांव शरगांव जाने के लिए दूरी केवल आठ किलोमीटर रह जाएगी जबकि वाया गौड़ा होते हुए लोगों को शरगांव जाने के लिए 43 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता था । इस पुल का निर्माण कार्य आरंभ होने से समूची बलोग पंचायत में खुशी की लहर है। बता दें कि जुन्गा क्षेत्र के डुब्लु-लखोटी-शरगांव सड़क के गिरि नदी पर पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल द्वारा बीते 20 अगस्त, 2012 को आधारशिला रखी गई थी जिसमें 75 मीटर स्पेन का पुल निर्मित किया जाना प्रस्तावित था । इसके उपरांत तीन सरकारों का कार्यकाल पूरा हो गया था परंतु किसी भी सरकार ने इस पुल की सुध नहीं ली थी। गौर रहे कि इस ज्वलंत मुददे को स्थानीय लोगों ने मिडिया के समक्ष प्रमुखता से उठाया गया था जिस पर प्रदेश सरकार ने लोनिवि को डीपीआर तैयार करने के आदेश दिए गए थे और नाबार्ड से इस पुल के लिए 11. 82 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है । जिसकी पुष्टि सहायक अभियंता लोनिवि उप मंडल जुन्गा देवेश ठाकुर ने की है । उन्होने बताया कि इस पुल का निर्माण कार्य मैसर्ज विजय कपूर कंस्ट्रक्शन को 10 करोड़ में अवार्ड किया गया है । बताया कि गिरि नदी के दोनों और पुल की फुटिंग का कार्य पूर्ण हो गया था और अब लोहे की फेब्ररिकेशन का कार्य प्रगति पर है।

भारी बारिश से बंजार उपमंडल की चकुरठा पंचायत के पड़ारणी में भूस्खलन, एक मकान पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

कुल्लू, 18 जुलाई। बंजार उपमंडल की चकुरठा पंचायत के पढरणी में भूस्खलन से एक मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। इस मकान में देवता जहल का मधेउल भी था। जानकारी के अनुसार बुधवार रात को भारी बारिश से मकान के आगे भूस्खलन हुआ और इससे मकान भी धंस गया। खतरे को देखते हुए इस मकान में रहने वाले परिवार ने देवता के सम्मान को सुरक्षित निकाल दिया था।

वहीं पंचायत के पूर्व उप प्रधान बलबीर ठाकुर ने बताया कि यह हरी सिंह पुत्र कमलू का रिहाईशी मकान था। घटना में किसी भी तरह का जानी नुकसान नहीं हुआ है। लेकिन मकान भूस्खलन की चपेट में आने से परिवार खुले आसमान के नीचे आ गया है। उधर एसडीएम बंजार पंकज शर्मा ने बताया कि राजस्व विभाग के अधिकारी मौके पर जाकर नष्ट हुई संपति का आकलन कर रिपार्ट पेश करेंगे।

केंद्र हिमाचल के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध, कांग्रेस कर रही केवल श्रेय की राजनीति : गोविंद ठाकुर

पीएम ने भुभु जोत सुरंग के लिए 1,831.97 करोड़ की डीपीआर तैयार करने के निर्देश और जलोड़ी जोत सुरंग के लिए 1,452 करोड़ की स्वीकृति दी

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

कुल्लू 18 जुलाई। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार देवभूमि हिमाचल के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार ऐतिहासिक और अभूतपूर्व कार्य कर रही है, जबकि प्रदेश की कांग्रेस सरकार और उनके नेता हर बार केवल श्रेय लेने की राजनीति कर जनता को गुमराह करने में लगे हैं।? यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर ने मीडिया में जारी व्यान में कही।

उन्होंने कहा कि भुभु जोत सुरंग के लिए 1,831.97 करोड़ रुपये की डीपीआर तैयार करने के निर्देश और जलोड़ी जोत सुरंग के लिए 1,452 करोड़ रुपये की स्वीकृति, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की हिमाचल के प्रति सकारात्मक दृष्टि और विकासशील सोच का परिणाम है। ये दोनों परियोजनाएं न केवल हिमाचल की जनता के लिए, बल्कि देश की सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।उन्होंने कहा कि भुभु जोत सुरंग के निर्माण से कुल्लू-जोगिंद्रनगर की दूरी 50 किमी कम होगी, जिससे सीमावर्ती इलाकों में सेना की त्वरित पहुंच सुनिश्चित होगी। साथ ही, इससे पर्यटन, व्यापार और रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।

पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर ने सुक्खू सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह वही सरकार है जिसके नेता सत्ता में आते ही झूठा प्रचार कर रहे थे कि केंद्र की मोदी सरकार हिमाचल के लिए कुछ नहीं कर रही। लेकिन जैसे ही कोई बड़ी योजना या परियोजना हिमाचल के लिए स्वीकृत होती है, यही नेता केंद्र सरकार पर सवाल उठाने की बजाय उसका श्रेय लेने की होड़ में लग जाते हैं।

गोविंद सिंह ठाकुर ने कुल्लू के विधायक सुंदर ठाकुर पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि विधायक यह बताएं कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, उस समय हिमाचल के लिए कितने प्रोजेक्ट स्वीकृत करवा पाए? सच्चाई यह है कि वे एक भी महत्वपूर्ण परियोजना प्रदेश के लिए नहीं ला सके।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार हिमाचल के लिए जो कर रही है, उसके सामने कांग्रेस की प्रदेश सरकार केवल फाइलों और फोटो खिंचवाने तक ही सीमित है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं के बयानों पर पलटवार करते हुए कहा कि जब प्रदेश प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहा था, तब भी केंद्र की मोदी सरकार ने हिमाचल की हरसंभव सहायता की। और अब जबकि हिमाचल को दो-दो सुरंगों की ऐतिहासिक सौगात मिली है, कांग्रेस के नेता केंद्र का आभार व्यक्त करने के बजाय सिर्फ दिखावटी राजनीति कर रहे हैं। पूर्व मंत्री एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि वो नितिन गडकरी का कुल्लू एवं मंडी की देव तुल्य जनता की ओर से आभार व्यक्त किया है।

गुप्ता का सोलन जलशक्ति विभाग पर सवाल- जब गाद वही, प्रदर्शन के बाद अब पानी कैसे हुआ दोगुना

जलशक्ति विभाग पर लगाया आंकड़ों से गुमराह करने का आरोप, 29 जून से 14 जुलाई तक की स्थिति छिपाई गई

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन, 18 जुलाई। सोलन शहर में लंबे समय से चल रही जल समस्या और पेयजल आपूर्ति को लेकर जलशक्ति विभाग की कार्यशैली सवालों के घेरे में है । भारतीय जनता पार्टी सोलन शहरी मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता ने जल शक्ति विभाग पर आंकड़ों से जनता को गुमराह करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि विभाग यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि शूलिनी मेले तक जल आपूर्ति सामान्य जबकि उन दिनों में हमेशा दिक्कत आती थी। इसके लिए जलशक्ति विभाग की सराहना करता हूं। सच्चाई यह है कि सबसे गंभीर संकट 29 जून से 14 जुलाई के बीच आया, उसे पर चर्चा न करते हुए उसे जानबूझकर छिपाया जा रहा है। सोलन की जनता को गुमराह किया जा रहा।

शैलेंद्र गुप्ता ने कहा कि हाल ही में हुए प्रदर्शन के बाद विभाग की ओर से जल आपूर्ति में अचानक बड़ा सुधार देखने को मिला। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन के तुरंत बाद शहर को 95 लाख लीटर पानी मिला और अगले दिन यानी सोमवार को यह मात्रा 1 करोड़ 10 लाख लीटर के करीब पहुंच गई। उन्होंने सवाल उठाया कि जब गाद की समस्या जस की तस बनी हुई है, तो फिर अचानक यह सुधार कैसे संभव हुआ।

भाजपा नेता ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह जल संकट नहीं, बल्कि व्यवस्था का संकट है। विभाग द्वारा पहले पानी की भारी किल्लत दिखाना और अब जरूरत से ज्यादा पानी देना, यह सिद्ध करता है कि जल संकट की आड़ में प्रशासनिक और तंत्रगत लापरवाही छुपाई जा रही है।

उन्होंने जनता से अपील की कि अब वे आंकड़ों और बयानबाजियों से भ्रमित न हों, और इस मुद्दे को लेकर जवाबदेही तय करने के लिए आवाज उठाएं। भाजपा सोलन शहरी इकाई इस मसले को आगे भी प्रमुखता से उठाती रहेगी।

डाबर इंडिया लिमिटेड बद्दी ने मंडी बाढ़ पीड़ितों के लिए भेजी राहत सामग्री

अर्थ प्रकाश/संजीव शर्मा

बद्दी, 18 जुलाई। डाबर इंडिया लिमिटेड, बद्दी यूनिट की ओर से मंडी जिले में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों के लिए राहत सामग्री से भरे ट्रक को आज उप-मंडल अधिकारी नालागढ़ राजकुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह राहत प्रयास डाबर इंडिया लिमिटेड के द्वारा मानवता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना से प्रेरित होकर किया गया है, ताकि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में जरूरतमंद लोगों तक त्वरित सहायता पहुंचाई जा सके। डाबर का मानना है कि किसी भी संकट की घड़ी में सबसे ज़रूरी होता है इंसानियत का साथ निभाना। जब लोग कठिनाइयों से जूझ रहे होते हैं, तब मदद के लिए बढ़ाया हाथ उनके लिए बड़ी उम्मीद बन सकती है। डाबर की यह पहल सिर्फ राहत सामग्री भेजने के साथ - साथ एकजुटता, सहानुभूति और भरोसे का संदेश है। डाबर हमेशा समाज के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा है और आगे भी ऐसे हर मौके पर अपनी भूमिका निभाता रहेगा।

एस डी एम नालागढ़ राजकुमार ने डाबर इंडिया लिमिटेड के इस मानवीय प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि 'आपदा के समय डाबर द्वारा किया गया सहयोग समाज के लिए प्रेरणादायक है। डाबर की यह पहल निश्चित रूप से सराहनीय और सहायक सिद्ध होगी।'

डाबर की ओर से इस अवसर पर बाढ़ पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए एच आर प्रमुख रितेश सिंह ने बताया कि 'मंडी जिले में आई इस प्राकृतिक आपदा ने अनेक परिवारों को कठिन परिस्थितियों में डाल दिया है। डाबर इस दुख की घड़ी में प्रभावित लोगों के साथ खड़ा है और हमारा प्रयास है कि हम हर सम्भव राहत पहुँचाकर उन्हें संबल प्रदान करें।'

डाबर इंडिया लिमिटेड ने भविष्य में भी समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व को निभाने की प्रतिबद्धता जताई है।

इस अवसर पर डाबर इंडिया लिमिटेड से युनिट हेड मनीष कपूर के साथ डाबर के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

उद्यमिता बढ़ाने के लिए राज्य में खोले जाएंगे नवाचार केंद्र : राजेश धर्माणी

प्रदेश के युवाओं को दिया जा रहा न्यू एज कोर्सिज का प्रशिक्षण

अर्थ प्रकाश/अरविंद शर्मा

चंडीगढ़, 18 जुलाई। तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने शुक्रवार को तकनीकी शिक्षा संबंधी समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार हिमाचल में नवाचार आधारित संस्कृति विकसित करने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। प्रदेश के युवाओं को न्यू एज कोर्सिज का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में स्किल गैप विशलेषण की दिशा में कार्य किया जा रहा है। विशलेषण करने के उपरान्त जिलावार कौशल विकास योजना को ध्यान में रखते हुए राज्य कौशल विकास योजना तैयार की जाएगी।

उन्होंने कहा कि राज्य के युवाओं को वैश्विक चुनौतियों के लिए तैयार किया जा रहा है। युवाओं के न्यू एज आइडियाज को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके दृष्टिगत तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक पहल के लिए दो करोड़ रुपये के इनोवेशन फंड की स्थापना की गई है। औद्योगिक संस्थानों के प्रशिक्षुओं में नवाचार कार्यशैली को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके मद्देनजर प्रदेश के विभिन्न विभाग चुनौतिपूर्ण परियोजनाओं एवं समस्याओं को संस्थानों के प्रशिक्षुओं के साथ साझा करेंगे। प्रशिक्षुओं के नवीन नवाचारों से समस्याओं के समाधान सुनिश्चित किए जा सकेंगे।

श्री धर्माणी ने कहा कि राज्य में सूक्ष्म, लघु उद्यमों और स्टार्ट-अप इको सिस्टम का निर्माण किया जा रहा है। प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से युवाओं के स्टार्टअप को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पोस्ट डिग्री और पोस्ट डिप्लोमा प्रशिक्षुओं के लिए नवाचार केन्द्र खोले जाएंगे ताकि उद्यमशीलता को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को उद्योग जगत से संबंधित विभिन्न संघों के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए ताकि युवा अपने छोटे उद्यम स्थापित कर सकें।

तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि वर्तमान में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में युवाओं को बाजार की मांग के अनुरूप विभिन्न पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संस्थानों के प्रशिक्षकों को औद्योगिक प्रशिक्षण प्रदान कर उनका कौशल उन्नयन किया जाएगा। युवाओं के तकनीकी कौशल और इनोवेटिव सोल्यूशन को बढ़ावा देने के लिए राज्य स्तरीय स्मार्ट हैकाथॉन का आयोजन किया जाता है, जिसमें प्रशिक्षुओं के नवाचारों को पुरस्कृत किया जाता है।

बैठक में सचिव तकनीकी शिक्षा संदीप कदम और निदेशक तकनीकी शिक्षा अक्षय सूद तथा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

गन्ना उत्पादक किसानों के एरियर का जल्द होगा भुगतान : श्याम सिंह राणा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों का गन्ना की बिक्री होते ही जल्द भुगतान किया जाए। उन्होंने किसानों के बकाया भुगतान का भी शीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिए।

राणा शुक्रवार को चंडीगढ़ में विभाग के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ.साकेत कुमार,कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के निदेशक राजनारायण कौशिक, हरियाणा स्टेट फेडरेशन ऑफ़ कोपरेटिव शुगर मिल्स के प्रबंध निदेशक शक्ति सिंह उपस्थित थे।

कृषि मंत्री ने अधिकारियों से नारायणगढ़ शुगर मिल से संबंधित गन्ना उत्पादकों के बकाया भुगतान के बारे में चर्चा की और इस दिशा में यथाशीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मिल में गन्ना-पिराई का कार्य निरंतर चलता रहना चाहिए और किसानों के गन्ने का भुगतान भी साथ -साथ करते रहें।

राणा ने बैठक के बाद कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों के प्रति संकल्पबद्ध है। सरकार का प्रयास है कि किसानों की खेती की लागत कम हो और उनकी पैदावार लगातार बढ़ती रहे। खेत की मिटटी की सेहत अच्छी रखने के लिए प्रयोगशालाओं में जांच करने के बाद किसानों को फसल की बिजाई की सलाह दी जा रही है। अच्छी गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाए जा रहे हैं और रासायनिक खाद पर निर्भरता कम से कम हो, इसके लिए किसानों को जागरूक किया जा रहा है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य के किसानों को परम्परागत खेती की बजाए आधुनिक अथवा विविधीकरण के प्रति प्रोत्साहित किया जा रहा है। मत्स्य पालन और पशु पालन के क्षेत्र में भी व्यवसाय शुरू करने वाले किसानों को अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने दोहराया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के किसानों की आमदनी को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

ज़ीरकपुर के कई क्षेत्रों में 19 जुलाई को विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

जीरकपुर (संदीप सिंह बावा)। पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, शनिवार 19 जुलाई को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक ज़ीरकपुर के कई क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति बाधित रहेगी। यह बाधा नई 11 हज़ार वोल्ट की विद्युत लाइन बिछाने तथा पहले से चल रही लाइनों की मरम्मत के कारण होगी। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान ओरबिट, कुरड़ी, सावित्री ग्रीन, ज़ीरकपुर-1, रेल विहार, अंबाला रोड और अस्था से जुड़ी विद्युत लाइनें बंद रहेंगी। इस कारण से रामगढ़ भुड्डा रोड, वीआईपी रोड, नाभा साहिब गांव, लोहगढ़ और इनके आसपास के अन्य क्षेत्रों में बिजली पूरी तरह बंद रहेगी। विद्युत विभाग ने निवासियों से अनुरोध किया है कि वे पूर्व तैयारी कर लें और आवश्यक कार्य इस समयावधि से पहले निपटा लें, ताकि बिजली बंद रहने के समय किसी प्रकार की परेशानी न हो। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह कार्य तकनीकी आवश्यकताओं के अंतर्गत किया जा रहा है और समयानुसार बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

अध्यापक से मारपीट मामला : अध्यापकों व ग्रामीणों ने जड़ा स्कूल को ताला

अर्थ प्रकाश संवाददाता

कैथल, 18 जुलाई। जिले के सेरधा गांव के सरकारी स्कूल में अध्यापक से मारपीट आरोप मामले में स्कूल के अध्यापकों व ग्रामीणों ने शुक्रवार को स्कूल बंद कर ताला लगा दिया। इससे पहले अध्यापकों ने सुबह के समय किया अवकाश का एलान किया। इसके बाद स्कूल में मुख्य गेट के बाहर धरना दिया। स्कूल के अध्यापक सुरेंद्र कुमार ने पांच युवकों पर मारपीट का आरोप लगाया था। इस मामले में राजौंद थाना की पुलिस ने दो आरोपी गिरफ्तार भी कर लिए हैं। जबकि अन्य आरोपियों की भी गिरफ्तारी की मांग अध्यापक कर रहे हैं। मंगलवार को दस्तावेज सत्यापित करवाने आए चार से पांच युवकों पर अध्यापक से मारपीट करने का आरोप लगा था। इसके बाद वीरवार रात के समय अध्यापक सुरेंद्र ने अपना मेडिकल करवाया था। दोपहर करीब तीन बजे के बाद स्कूल का ताला खोला गया। इस मामले हसला भी समर्थन में आई है। धरना स्थल पर अध्यापकों के साथ ग्रामीण व एसएमसी कमेटी के सदस्य भी मौजूद रहे। ग्रामीणों व हरियाणा स्कूल लेक्चर एसोसिएशन के सदस्य अनिश्चित कालीन धरने पर बैठ गए। सरकार व प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसी बीच प्रशासन की और से पुलिस व अन्य अधिकारी भी धरना स्थल पर पहुंचे व स्कूल स्टाफ व ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन स्कूल स्टाफ और हरियाणा स्कूल लेक्चर एसोसिएशन के सदस्यों ने कहा कि जब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, तब तक धरना जारी रहेगा। प्रशासन के अधिकारियों को धरना उठाने व स्कूल का ताला खोलने से मना कर दिया। हसला के जिला प्रधान राजीव मलिक ने बताया कि जब स्कूल में अध्यापक ही सुरक्षित नहीं है व सरकार और प्रशासन किसकी सुरक्षा कर रहे है। जनता व कर्मचारी किस के भरोसे काम करेंगे। पिछले कुछ समय से प्रदेश में शिक्षा के मंदिर रूपी स्कूलों में शिक्षकों पर हमले और हत्या का सिलसिला शुरु हुआ है। इस मौके पर सतपाल सरपंच, धर्मपाल, प्रवीण, सुमित प्रजापत, गुरमीत जस्सी प्रधान, भेदा पूर्व पंच, प्रकाश पूर्व सरपंच मौजूद रहें ।

दो आरोपियों को किया गिरफ्तार: राजौंद थाना प्रभारी राजकुमार ने बताया कि प्राध्यापक सुरेंद्र कुमार की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। जबकि दो आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया है। जल्द ही मामले से जुड़े अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

एंटी ड्रग कमेटी द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कैथल (अप्रस)। राजकीय महाविद्यालय जगदीशपुरा में एंटी ड्रग कमेटी द्वारा जिला स्तर पर चलाए जा रहे 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे दिन मुख्यवक्ता साध्वी डॉ अमृता रहीं। उन्होंने कहा कि नशे की लत को छोडने् में योग के मुख्य आसन सूर्य नमस्कार, सर्वांग आसन, हलासन, पुष्ठासन, धनुर आसन, भद्रा आसन, नाड़ी शोधन, प्राणायाम, उज्जायी प्राणायाम, शुद्धि क्रिया, कपाल भाती, जल नीति व ध्यान है। इनका रोजाना अभ्यास करने से नशेड़ी व्यक्ति नशे की लत से छुटकारा पा सकता है। इसके साथ-साथ उन्होंने शुद्ध एवं सात्विक आहार के महत्व पर भी प्रकाश डाला। डॉ अनुराधा जैदका ने कहा कि नशे से सामाजिक असंतुलन का माहौल युवा शक्ति के लिए बहुत भयंकर परिणाम लेकर आएगा। इसको जड़ से उखाडने् की एक सामाजिक पहल अनिवार्य है ताकि हम सभ्य समाज का निर्माण कर सकें। प्रशिक्षण सत्र में कालेज के प्राचार्य डॉ. मनोज भांभू ने कहा कि युवा ही समाज की वह शक्ति है जो समाज को नशे से मुक्त करवाने में अहम योगदान प्रदान कर सहता है। डॉ. अभिषेक गोयल ने कहा किनशीली दवाओं का दुरुपयोग एक गंभीर वैश्विक समस्या बनी हुई है। यह धीरे-धीरे व्यक्तियों को नुकसान पहुंचाती है, परिवारों को तोड़ती है और समुदायों को कमजोर करती है। डॉ. सुभाष शर्मा ने कहा कि कि जो भी चीज किसी व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक या भावनात्मक रूप से कमजोर करती है, उसे जहर की तरह त्याग देना चाहिए। डॉ. मोनिका जाखड़ ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. अभिषेक गोयल, डॉ. सुभाष शर्मा, प्रो. विरेंद्र खटकड़, डॉ. मोनिका जाखड़, लैब सहायक ममता कुमारी, श्रीभगवान शर्मा आदि मौजूद रहे। डॉ अभिषेक गोयल ने सभी का धन्यवाद किया।

इंदिरा गांधी महिला महाविद्यालय में नया शैक्षणिक सत्र शुरू

कैथल (अप्रस)। इंदिरा गांधी महिला महाविद्यालय कैथल में हवन यज्ञ के साथ नए शैक्षणिक सत्र 2025-2026 का शुभारंभ विधिवत रूप से किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नीता खेड़ा, सूचना आयुक्त हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन ने तथा गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में राजेन्द्र मोहन वालिया, पूर्व सदस्य वित्त आयोग ने कार्यक्रम में शिरकत की। सर्वप्रथम उन्होंने कॉलेज की संस्थापिका ओम प्रभा जैन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। तत्पश्चात दीप प्रज्ज्वलन कर गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ हवन यज्ञ में आहुति दी। कॉलेज प्रबंधक समिति के प्रधान जगदीश बहादुर खुरानिया ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि राजेन्द्र मोहन वालिया ने छात्राओं को मेहनत, आत्मविश्वास और धैर्य के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहने का संदेश दिया। मुख्य अतिथि नीता खेड़ा ने भी कहा कि हम कविताओं व कहानियों में महिला सशक्तिकरण की बातें बहुत सुनते हैं, परंतु अब समय आ गया है कि हम इन्हें केवल शब्दों में नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन में अपनाएं। साथ ही मुख्य अतिथि ने कमर्शियल आर्ट विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। कार्यक्रम का समापन कॉलेज प्रबंधन और प्राचार्या द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। इस अवसर पर प्रबंधक समिति के महासचिव नरेंद्र मिगलानी, संयुक्त सचिव सतीश चावला, नरसी मित्तल, इंद्रजीत सरदाना, पुनीत गुप्ता, नरेश गुप्ता, सुभाष गोयल, राजीव लाटका, निशांत खुरानिया सहित कॉलेज का समस्त स्टाफ उपस्थित रहे

भूपानी में रोजगार मेले का आयोजन

फरीदाबाद (अप्रस/दयाराम वशिष्ठ)। मंडल रोजगार कार्यालय फरीदाबाद तथा आरबी परफेक्ट मार्ट फाउंडेशन फरीदाबाद द्वारा दिनांक 18 जुलाई को ग्राम भूपानी स्थित 卐सतयुग दर्शन इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के प्रांगण में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रधान एच. एल. भूटानी, आई.एम.टी, फरीदाबाद के प्रधान प्रमोद राणा और क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कृष्ण कुमार मौजूद रहे। इस रोजगार मेले में 10वीं, 12वीं, ङ्कञ्जढ्ढ, बीसीए, एमसीए, बीटेक, एमटेक आदि के 505 प्रार्थियों ने भाग लिया गया। मेले में 40 निजी क्षेत्र की विभिन्न स्थापनाओं जिनमें से मुख्यत: व्हर्लपूल इंडिया लिमिटेड, अल्पाइन शूज़, जेसीबी इंडिया लिमिटेड, फोर्टिस हेल्थकेयर, एस्कॉर्ट्स कुबोटा, शाही एक्सपोर्ट्स, हिंदुस्तान वायर, हिताची द्वारा भाग लिया गया। इस रोजगार मेले में 221 प्रार्थियों को शोर्ट लिस्ट किया गया एवं मौके पर ही 51 प्रार्थियों का चयन किया गया। इस मौके पर क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कृष्ण कुमार ने केन्द्र सरकार द्वारा चलाई गई एम्प्लॉयमेंट लिंक्ड इंसेटिव (श्वरुढ्ढ) स्कीम के बारे में एसोसिएशन से आये सदस्यों, मेले में भाग लेने वाले नियोजकों तथा प्रार्थियों को बताया गया कि (श्वरुढ्ढ) ईएलआई योजना का कुल परिव्यय रु 99,446 करोड़ है। इस स्कीम का लक्ष्य दो वर्षों के अन्दर 3.5 करोड़ नौकरियों के सृजन को प्रोत्साहित करना है। यह योजना विशेष रुप से कार्यबल में नए प्रवेशकों और अतिरिक्त रोजगार सृजित करने वाले नियोक्ताओं को समर्थन प्रदान करने के लिए तैयार की गई है। इस योजना का लाभ 01 अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2027 के बीच सृजित नौकरियों पर लागू होगा।

आठ अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस

कैथल (अप्रस)। डीसी प्रीति ने शुक्रवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में जिले के अधिकारियों की समीक्षा बैठक में लंबित विकास कार्यों के लिए टेंडर सहित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा बैठक की। डीसी ने बैठक में पिछले शनिवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा ली गई बैठक में जारी निर्देशानुसार विभिन्न लंबित विकास कार्यों को लेकर जवाब लिए। संतोषजनक जवाब न मिलने पर डीसी ने एक्सईएन नगर परिषद कैथल, एक्सईएन काडा, एमई नगर पालिका राजौंद, एमई नगर पालिका पूंडरी, नगर पालिका सीवन के मौजूदा एवं पूर्व एमई के अलावा अनापत्ति रिपोर्ट में देरी पर एक्सईएन सिंचाई विभाग पूंडरी व निशानदेही में देरी पर नायब तहसीलदार पूंडरी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। डीसी प्रीति ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों की बैठक में कई मुद्दों पर जानकारी ली थी। उन्होंने जो-जो प्वाइंटस बताए हैं, उन पर जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्वक काम पूरा कर एक्शन टेकन रिपोर्ट दें ताकि आला अधिकारियों को अवगत करवाया जा सके।

स्वच्छता रैंकिंग में ज़ीरकपुर की दुर्गति, पंजाब में 26वां स्थान, नगर परिषद की नाकामी उजागर

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 18 जुलाई। स्वच्छ भारत मिशन के तहत जारी स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 की रिपोर्ट ने नगर परिषद ज़ीरकपुर की कार्यशैली की सच्चाई को उजागर कर दिया है। देशभर में ज़ीरकपुर को 225वां और पंजाब में 26वां स्थान मिला है, जो नगर परिषद की कथित सफाई व्यवस्था की पोल खोलता है। नगर परिषद में पिछले सवा साल से प्रधान को लेकर चला आ रहा विवाद शहर को नेतृत्वहीन बनाए हुए है। न तो कोई स्थायी चेहरा है जो जिम्मेदारी ले, और न ही कोई कौंसलर जो अधिकारियों से जवाब तलब करे। सफाई विंग बिना किसी निगरानी के अपनी मनमर्जी से काम कर रहा है और ज़मीनी स्तर पर हालत बद से बदतर हो गई है।

स्वच्छता मूल्यांकन में ज़ीरकपुर को डोर टू डोर कचरा कलेक्शन में मात्र 30 प्रतिशत, और सोर्स से कचरे की सेग्रिगेशन में महज 28 प्रतिशत अंक मिले हैं। जबकि स्वच्छता मिशन की गाइडलाइनों के अनुसार प्रत्येक वार्ड में प्रतिदिन घर-घर से कूड़ा इकट्ठा किया जाना चाहिए और कूड़े को गीला, सूखा और खतरनाक श्रेणियों में अलग किया जाना अनिवार्य है। हैरानी की बात यह है कि नगर परिषद ने लाखों रुपये खर्च कर सेग्रिगेशन के लिए ट्रोमल मशीनें खरीदीं, पर वे मशीनें आज म्युनिसिपल यार्ड में ख?ी दिखाई दे रही हैं। जिन इलाकों में सफाई गाड़ियों को नियमित जाना चाहिए, वहां हफ्तों तक कोई गाड़ी नहीं पहुंचती। कुछ क्षेत्रों में तो सफाई वाहन का समय और रूट तक तय नहीं है, जिससे कचरा उठाने की प्रक्रिया पूरी तरह ठेकेदारों की म?र्ी पर निर्भर हो गई है। कई रिहायशी क्षेत्रों में नागरिक खुद कूड़ा उठाकर मुख्य सड़कों पर फेंकने को मजबूर हैं।

प्रोसेसिंग के आंकड़े भले ही 99 फीसदी दिखाए गए हों, लेकिन जब कचरा ही समय पर नहीं उठ रहा, तो प्रोसेस हो क्या रहा है, यह बड़ा सवाल है। जानकारों के अनुसार यह आंकड़ा केवल उस कचरे तक सीमित है जो उठाया गया, जबकि ज़्यादातर मोहल्लों से तो नियमित उठान ही नहीं हो रहा। वाटर प्लस का तमगा शहर को भले ही मिल गया हो, लेकिन सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति इससे उलट है। कई स्थानों पर शौचालयों में न पानी की सुविधा है, न नियमित सफाई। गार्बेज फ्री सिटी (जीएफसी) स्टार रेटिंग में ज़ीरकपुर को एक भी स्टार नहीं मिला, जो यह दर्शाता है कि कचरा प्रबंधन और सफाई व्यवस्था केवल काग़ज़ों तक सीमित है। यह रेटिंग 100 अंकों के आधार पर दी जाती है, जिसमें 90 अंक या उससे अधिक हासिल करने वाले शहरों को 5 स्टार की पात्रता मिलती है। ज़ीरकपुर इन कसौटियों पर कहीं नहीं ठहरता।

किसानों को अब मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल से ऑनलाइन मिलेगी खाद

31 जुलाई से पहले होगी शुरुआत

ट्रायल के जरिये खामियों को किया जा रहा है दूर

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने खाद की कालाबाजारी को रोकने के लिए ऑनलाइन खाद बिक्री की योजना तैयार की है। मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल के जरिये किसानों को ऑनलाइन खाद मुहैया कराया जाएगा। 31 जुलाई से पहले पोर्टल के जरिये खाद मिलना शुरू हो जाएगा। वहीं, सहकारी समितियों की डिमांड में भी 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। अब 40 फीसदी की जगह 50 फीसदी खाद का वितरण सोसायटियों के जरिये होगा।

किसानों को अब खाद के लिए लंबी लाइनों में खड़ा नहीं होना पड़ेगा और न ही खाद की किल्लत झेलनी पड़ेगी। ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किसान कहीं से भी आसानी से खाद ले सकेंगे। इसके साथ ही सरकार द्वारा खाद वितरण नीति में भी बदलाव किया है। पहले सोसायटी में 40 प्रतिशत खाद दी जाती थी और प्राइवेट खाद एजेंसियों को 60 प्रतिशत। किसानों की सुविधा को देखते हुए और गांव के किसानों को खाद के लिए बाहर न जाना पड़े, इसको लेकर अब सोसायटियों को 50 प्रतिशत खाद दी जाएगी। यदि कोई किसान सोसाइटी से खाद लेगी और वह खाद के पैसे को 6 महीने के अंदर-अंदर वापिस करती है, तो उस किसान से खाद की रकम का कोई ब्याज नहीं लिया जाएगा।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा के अनुसार बारिश के समय डीएपी व यूरिया खाद की डिमांड बढ़ जाती है। यूरिया और डीएपी के लगातार रैक आ रहे हैं। किसानों को खाद की किसी तरह की किल्लत नहीं होने दी जाएगी। 16 जुलाई को डीएपी खाद का रैक रोहतक आया है, जहां से डीएपी खाद को झज्जर, पलवल, गुरुग्राम, फरीदाबाद व मेवात में वितरित किया जाएगा। इसी प्रकार 17 जुलाई को हिसार में खाद का रैक पहुंचा है, इस खाद को फतेहाबाद, भिवानी, सिरसा तथा 18 को करनाल, पानीपत, सोनीपत, यमुनानगर, अंबाला, कुरुक्षेत्र में वितरित किया जाएगा। प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को खाद-बीज इत्यादि में किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। किसानों का हित हमारे लिए सर्वोपरि हैं।

एक पौधा मां के नाम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करना है : दीपक यादव

अर्थ प्रकाश/दयाराम वशिष्ठ

फरीदाबाद, 18 जुलाई। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम पहल करते हुए एक पेड़ माँ के नाम अभियान को लेकर विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल तिगांव (घरौडा) ग्रामीण क्षेत्र में 11 सौ पौधों का लक्ष्य रखते हुए एक विशेष पौधारोपण अभियान चला रहा है। इस लक्ष्य में विद्यालय की तरफ से ग्रामीण क्षेत्र के अलावा राजकीय स्कूलों, पार्क, सड़क के किनारे व सार्वजनिक स्थानों पर नीम, आमला, अर्जुन, आम, जामुन, अमरुद, पिलखन, पीपल, बड व अन्य पौधों का रोपण किया जा रहा है। इस अभियान में विद्यालय की प्रशासनिक कमेटी के अलावा ग्रामीण क्षेत्र के बुजुर्गों से लेकर छोटे बच्चों तक ने बढ़-चढ?र हिस्सा ले रहे है। विद्यालय की तरफ से अब तक एक दर्जन से अधिक स्थानों पर पौधारोपण करते हुए ग्रमीणों को जागरूक किया जा चुका है, वहीं विद्यालय के इस कदम से ग्रामीण क्षेत्र में चौतरफा प्रंशसा हो रही है।

इस क्रम में जानकारी देते हुए विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल तिगांव(घरौडा) के निदेशक दीपक यादव कहते है कि विद्यालय की तरफ से निर्णय लिया गया है कि इस बार ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को जागरूक करते हुए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत आसपास के गांवों में 11 सौ पौधे लगाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

वहीं दीपक यादव ने अपनी बात को जारी रखते हुए कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान का सफल आयोजन किया जा रहा है। इसमें विद्यालय में पढने् वाले सभी विद्यार्थीयो का सहयोग लिया जा रहा है। जिसमें विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए अपनी-अपनी माता जी के साथ मिलकर एक पौधारोपण कर मां के साथ सेल्फी लेकर अभियान को सफल बनााया जा रहा है। दीपक यादव ने अभियान का उद्देश्य बताते हुए कहा कि एक पेड़ मां के नाम इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करना है।

स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट के छात्रों को एचडीएफसी बैंक में मिली इंटर्नशिप

कैथल (अप्रस)। एनआईआईएलएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट के छात्रों ने शीर्ष स्तरीय कंपनियों में प्रतिष्ठित इंटर्नशिप हासिल की। विभाग की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. शमीम अहमद ने कहा कि यह हम सब के लिए गर्व का अवसर है और यह सब छात्रों की मेहनत एवं विभाग के प्राध्यापकों के संयुक्त प्रयास से ही संभव हो पाया है। विश्वविद्यालय प्रशासन का यही प्रयास है कि विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने वाले हर छात्र को रोजगार मिले और इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए विश्वविद्यालय छात्रों को स्किल डेवलपमेंट आधारित शिक्षा प्रदान कर रहा है। डीन ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट डॉ. रेखा गुप्ता ने बताया कि भारत के प्रमुख निजी क्षेत्र के बैंकों में से एक एचडीएफसी बैंक की विभिन्न शाखाओं में इंटर्नशिप के लिए सात एमबीए छात्रों का चयन किया गया है।

री-ओपन शिकायतों पर अधिकारी दें विशेष ध्यान : एडीसी सतबीर मान

अर्थ प्रकाश/दयाराम वशिष्ठ

फरीदाबाद, 18 जुलाई। हरियाणा सरकार के मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ समाधान शिविर, सीएम विंडो तथा एसएमजीटी पोर्टल पर लंबित शिकायतों की स्थिति की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी जिला उपायुक्त अपने-अपने जिलों में समाधान शिविरों, सीएम विंडो तथा एसएमजीटी पोर्टल पर प्राप्त जन शिकायतों का शीघ्र, पारदर्शी व संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करें। अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि री-ओपन शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश जारी किए गए हैं।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के उपरांत अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) सतबीर मान ने अधिकारियों की बैठक में समाधान शिविर, सीएम विंडो और एसएमजीटी पोर्टल की विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी सप्ताह तक लंबे समय से लंबित शिकायतों का संतोषजनक समाधान नहीं किया गया, तो जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए संबंधित को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जनहित नायब सरकार की प्राथमिकता है। ऐसे में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा शिकायतों की नियमित समीक्षा भी की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन शिकायतों के शीघ्र निस्तारण में ढिलाई किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी। एडीसी ने कहा कि सभी विभाग अपने स्तर पर लंबित तथा री-ओपन शिकायतों की नियमित समीक्षा करें और शिकायत निवारण की गुणवत्ता सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन शिकायत निवारण प्रणाली को और अधिक उत्तरदायी, संवेदनशील और पारदर्शी बनाने के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें तथा इस दायित्व को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

एसपीओ पर बाइक सवार युवक को धप्पड़ जड़ने के आरोप

अर्थ प्रकाश संवाददाता

कैथल, 18 जुलाई। शहर के नए बस स्टैंड के पास सर छोटू राम चौक पर शुक्रवार शाम करीब साढ़े पांच बजे चालान काटने वाले एसपीओ और बाइक सवार तीन युवकों के बीच विवाद हो गया। इस विवाद के बाद यहां पर हंगामा हो गया। इस मामले में बाइक सवार युवक ने चालान काटने की ड्यूटी पर तैनात एसपीओ पर थप्पड़ मारने के आरोप लगाए। यहां पर भीड़ के दौरान एकत्रित कुछ अन्य लोगों ने भी एसपीओ पर ई-रिक्शा और अन्य बाइक सवारों की बाइक के आगे आकर रोकने के आरोप लगाया। इन लोगों का भी कहना था कि यह एसपीओ वाहन चालकों को परेशान करता है। इस मामले में युवक लवली ने आरोप लगाया कि एसपीओ सर छोटू राम चौक पर चालान काटने के लिए खड़ा था। वह बाइक पर अपने दो साथियों के साथ आ रहा था। वह ब्रेकर के पास पहुंचा तो सामने से एसपीओ ने आकर उसकी छाती में डंडा मारा। इसके बाद जब उसने बाइक रोकी तो तैश में आकर उसे दो से तीन थप्पड़ मार दिए। इसके बाद बाइक का भी करीब पांच हजार रुपये का चालन काट दिया। युवक ने कहा कि नियमों के तहत कोई भी पुलिस कर्मी बीच सड़क में थप्पड़ नहीं मार सकता और व किसी प्रकार की मारपीट कर सकता है। इसलिए इस पुलिस कर्मी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। एसपीओ कर्मबीर ने कहा कि वह शुक्रवार को अपनी ड्यूटी पर तैनात था। इस दौरान यातायात नियमों को तोडने् वाले वाहन चालकों के चालान काटे जा रहे थे। इसी दौरान बाइक पर तीन युवक आए और जो युवक बाइक चला रहा था उसने बाइक नहीं रोकी। इसके बाद बाइक चढ़ाने का प्रयास किया।

सीईटी परीक्षा में 34 हजार परीक्षार्थी देंगे परीक्षा, बनाए गए 33 परीक्षा केंद्र

राज्य स्तर पर होगी परीक्षा की निगरानी, चाइनीज डोर पर लगाएगा प्रशासन प्रतिबंध

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 18 जुलाई। डीसी प्रीति ने कहा कि 26 व 27 जुलाई को हरियाणा में संयुक्त पात्रता (सीईटी) परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। सरकार द्वारा परीक्षा को पूरी तरह से नकल रहित व परीक्षार्थियों के लिए सुविधाजनक तरीके से आयोजित करने के लिए तमाम पुख्ता प्रबंध करने के निर्देश जारी किए गए हैं। सफल आयोजन के लिए प्रत्येक केंद्रों पर ड्यूटी मैजिस्ट्रेट की तैनाती की जाएगी। परीक्षार्थियों को आवागमन व ठहरने के लिए जरूरत अनुसार पूर्ण व्यवस्था रहेगी। हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन द्वारा निर्धारित हिदायतों की पालना सुनिश्चित करवाई जाएगी। परीक्षार्थी इस संबंध में जारी हिदायतों का पालन करें। डीसी प्रीति लघु सचिवालय स्थित वीडियो कांफ्रेंस हॉल में पत्रकारों से बातचीत कर रहीं थीं। उन्होंने कहा कि जिला कैथल में 33 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां करीब 34 हजार परीक्षार्थियों परीक्षा देंगे। यह परीक्षा दो-दो शिफ्टों में प्रात: कालीन व सायं कालीन सत्र में करवाई जाएगी। इन सभी केंद्रों पर कड़ी पुलिस सुरक्षा रहेगी। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल के प्रयोग को लेकर भी विशेष हिदायतें जारी की जाएंगी। कोई भी स्टाफ सदस्य परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल लेकर नहीं जाएगा। किसी भी प्रकार की नकल व अन्य अवांछित गतिविधियों को रोकने के लिए परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों सहित तमाम सुरक्षा उपाय किए जाएंगे। परीक्षा की निगरानी राज्य स्तर पर भी की जाएगी। संबंधित क्षेत्रों के एसडीएम, तहसीलदार और पुलिस अधिकारी परीक्षा केंद्रों का दौरा करेंगे। धर्मशालाएं व सामुदायिक केंद्रों को रिजर्व रखा जाएगा, ताकि परीक्षा में लेट होने की स्थिति में परीक्षार्थी की सहमति अनुसार ठहराने की व्यवस्था की जाएगी। जिला में कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत कोई भी परीक्षार्थी अपनी समस्या दर्ज करवा सकता है। जिला प्रशासन द्वारा गठित टीम तुरंत समस्या का समाधान करवाएगी। समुचित परीक्षा संचालित हो, इसके लिए पूरा प्लान तैयार किया गया है।

पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि उन्होंने स्वयं कुछ स्थानों पर निरीक्षण किया है, जहां जन स्वास्थ्य विभाग के नालों की सफाई में कुछ समस्याएं प्रशासन के संज्ञान में आई थी। टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से एक मशीन मंगवाई गई है, जो निरंतर कार्य कर रही है। यह मशीन दिन-रात कार्य कर रही है, जिससे लगभग 200 से 250 फुट प्रतिदिन सफाई की जा रही है। आने वाली बरसात में लोगों को इसमें काफी राहत मिलेगी।

अन्य सवाल के जवाब में डीसी ने कहा कि आमजन चाइनीज डोर से संबंधित जानकारी जिला प्रशासन के संज्ञान में जरूर लाएं। इन मामलों को गंभीरता से लिया जाएगा और संबंधित के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने आमजन का आह्वान किया कि घटनाओं के शिकार भी हम होते हैं और प्रयोग भी हम ही कर रहे हैं। इन हानिकारक वस्तुओं से बचें। यदि कोई शिकायत प्राप्त होगी तो जिला प्रशासन तुरंत कार्रवाई अमल में लाएगा।

पीएम मोदी ने दिखाई अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी, पटना से दिल्ली का सफर होगा आसान

–130 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से दौड़ेगी ट्रेन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पटना । बिहारवासियों को आज एक बड़ी सौगात मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोतिहारी से वर्चुअल माध्यम से पटना-नई दिल्ली और दरभंगा-लखनऊ अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। पटना स्टेशन पर सांसद रविशंकर प्रसाद ने भी ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन 31 जुलाई से नियमित रूप से चलेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजेंद्र नगर टर्मिनल (पटना) से नई दिल्ली, बापूधाम मोतिहारी से दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल), दरभंगा से लखनऊ (गोमती नगर) और मालदा टाउन से लखनऊ (गोमती नगर) वाया भागलपुर के मध्य चलने वाली चार नई अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर उन्हें रवाना किया। इस अवसर पर पीएम मोदी के साथ मंच पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रदेश भाजपा के नेता उपस्थित थे। अमृत भारत एक्सप्रेस को वंदे भारत एक्सप्रेस की तर्ज पर डिजाइन किया गया है। इसकी अधिकतम रफ्तार 130 किमी/घंटा होगी, जिससे यात्रियों का सफर न केवल आरामदायक बल्कि तेज और सुविधाजनक भी होगा। रेलवे के अनुसार, इस ट्रेन से गंतव्य तक पहुंचने में 20 फीसदी तक के समय की बचत होगी।

22 डिब्बों वाली ट्रेन

यह ट्रेन नारंगी और ग्रे रंग में आकर्षक लुक के साथ तैयार की गई है। इसमें कुल 22 डिब्बे हैं। इनमें 11 जनरल कोच, 8 स्लीपर कोच, 1 पैंट्री कार और 2 एसएलआरडी कोच (गार्ड कोच) शामिल किए गए हैं। खास बात यह है कि ट्रेन पूरी तरह नॉन-एसी है। जनरल कोच में 100 यात्रियों की बैठने की सुविधा है। स्लीपर कोच में 80 यात्री बैठ या लेट सकते हैं। हर सीट के पास चार्जिंग पॉइंट, मोबाइल होल्डर, और बॉटल होल्डर जैसी सुविधाएं मौजूद हैं।

12 स्टॉपेज के साथ पहुंचेगी दिल्ली

यह ट्रेन कुल 12 स्टेशनों पर रुकेगी, जिनमें प्रमुख हैं, पटना, आरा, बक्सर, डीडीयू, सूबेदारगंज, गोविंदपुरी, गाजियाबाद और नई दिल्ली। हर स्टेशन पर ट्रेन 5 से 10 मिनट तक रुकेगी। सुरक्षा और तकनीक से लैस, हर कोच में सीसीटीवी कैमरे, इमरजेंसी टॉक सिस्टम, पुश बटन अलार्म, डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड और स्पीकर सिस्टम, बायो टॉयलेट्स और पैंट्री कार में खाने-पीने की सुविधाएं दी गई हैं।

यात्रियों के लिए फायदेमंद

यह ट्रेन बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी क्योंकि यह कई बड़े शहरों को सीधे नई दिल्ली से जोड़ती है। रेलवे का कहना है कि आने वाले समय में और भी रूटों पर अमृत भारत एक्सप्रेस शुरू की जाएगी, जिससे आम यात्रियों को तेज, सुरक्षित और सस्ती यात्रा का विकल्प मिलेगा।

बिहार को दीं कई बड़ी सौगातें

प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को बिहार में विकास की अनेक परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया है। पूर्वी चंपारण के मोतिहारी में प्रधानमंत्री ने 7,200 करोड़ रुपये की लागत वाली विकास की कई परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उद्घाटन किया। इस प्रकार पीएम मोदी ने विधानसभा चुनाव से पहले बिहार को बड़ी सौगातें दे दी हैं। इस अवसर पर पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 12,000 लाभार्थियों को उनके घर की चाबी भी

सौंपी और 40,000 लाभार्थियों के खाते में 160 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि जारी की है।

न्यूज ब्रीफ

का मोदी जी? अबकी बार चीनी मिल के चाय पीकर जायेम नु?

मोतिहारी (अप्रस)। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार के मोतिहारी दौरे से पहले राजनीतिक तापमान चरम पर है। दरअसल पश्चिम चंपारण युवा कांग्रेस ने फीकी चाय की दुकान और बंद चीनी मिलों को लेकर पोस्टर जारी कर पीएम मोदी पर जमकर तंज कसा। सोशल मीडिया पर यह पोस्टर वायरल हो रहा है और इससे राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। पश्चिम चंपारण युवा कांग्रेस द्वारा लगाए गए पोस्टर में लिखा है का मोदी जी? अबकी बार मोतीहारी और चनपटिया के चीनी मिल के चीनी के चाय पीके जायेम नु? चाय वाले आ रहे हैं, पूछ लीजिएगा। मेरा झूठ सबसे मज़बूत। फीकी चाय की दुकान। इस पोस्टर के जरिए कांग्रेस ने पीएम मोदी की चाय वाला पहचान और बंद पड़ी मोतिहारी व चनपटिया चीनी मिलों पर तंज कसा है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि पीएम मोदी हर बार बड़े-बड़े वादे करते हैं लेकिन मोतिहारी और चनपटिया की चीनी मिलें वर्षों से बंद हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं का तर्क है कि जनता से किए गए वादों को याद दिलाना विपक्ष का कर्तव्य है।

हिंदू संगठन ने गाजियाबाद में केएफसी रेस्टोरेंट में घुसकर किया हंगामा, वीडियो वायरल

गाजियाबाद (अप्रस)। यूपी के गाजियाबाद में हिंदू रक्षा दल नामक संगठन के लोगों ने सावन माह में नॉनवेज रेस्टोरेंट को बंद करने की मांग करते हुए हंगामा किया। संगठन के लोग एक केएफसी रेस्टोरेंट में घुस गए और झंडे लहराते हुए नारेबाजी करते हुए विरोध-प्रदर्शन किया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक पूरा मामला गाजियाबाद के वसुंधरा का है, जहां बीते दिन हिंदू रक्षा दल ने सावन में नॉनवेज रेस्टोरेंट बंद करने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया था। संगठन के करीब दो दर्जन कार्यकर्ता हाथ में भगवा झंडे लेकर नारे लगाते हुए एक केएफसी रेस्टोरेंट में घुस गए। वहां उन्होंने मीट बिक्री पर आपत्ति जताई। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मांग की कि कांवड़ मार्ग के करीब में आने वाले सभी जगहों के मांसाहारी रेस्टोरेंट्स को बंद किया जाए। साथ ही चेतावनी भी दी कि यदि सावन में मांस बिक्री बंद नहीं की गई, तो आगे और उग्र आंदोलन किया जाएगा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें एक युवक को ये कहते हुए भी देखा जा सकता है कि ये हिंदुस्तान है, यहां जो हिंदू चाहेंगे वही होगा। इस दौरान केएफसी रेस्टोरेंट के ऑर्डर-पिकअप काउंटर पर मौजूद एक महिलाकर्मी उन्हें समझाते हुए नजर आती है। प्रदर्शनकारी उसकी बात को अनसुना कर देते हैं।

धर्मांतरण पर मिलते थे दस हजार, कमीशन एजेंट पकड़ाया, अब एटीएस करेगी पूछताछ

लखनऊ (अप्रस)। यूपी में अवैध धर्मांतरण से जुड़ा मामला गहराता जा रहा है। अब यूपी एटीएस ने बलरामपुर के रहने वाले रशीद शाह को गिरफ्तार किया है, जो इस रैकेट में बिचौलिए की भूमिका निभाता था। रशीद शाह, बलरामपुर जिले के उतरौला के मधपुर गांव का रहने वाला है। वह समाज के गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को तलाश कर उन्हें धर्म बदलने के लिए तैयार करता था। धर्मांतरण के लिए लाने पर उसे 10,000 का कमीशन मिलता था। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया कि बलरामपुर और आस-पास के जिलों में रशीद ने सिंडिकेट को फैलाने में अहम रोल निभाया। उससे पूछताछ जारी है ताकि यह पता चल सके कि इस पूरे नेटवर्क में किसका राजनीतिक संरक्षण, कैसे पैसे का लेन-देन हैं। इस मामले से जुड़ी जांच करते हुए ईडी ने भी गुरुवार सुबह बड़ा एक्शन लिया। ईडी की 15 टीमों ने एक साथ बलरामपुर, उतरौला, मधपुर और अन्य गांवों के 12 ठिकानों को घेरा। छांगुर बाबा, उसके सहयोगी नीतू और उनके घरों व दुकानों की तलाशी ली। रेहरामाफी गांव में छांगुर के पैतृक घर की भी जांच की गई। मधपुर गांव में एक बंद कमरे का ताला तुड़वाकर उसकी भी तलाशी ली गई। ईडी की जांच में पता चला है कि छांगुर बाबा के पास करीब 40 बैंक अकाउंट हैं, जिनमें से 100 करोड़ से ज्यादा के संदिग्ध ट्रांजैक्शन हुए। जांच में शक है कि यह पैसा विदेशों से हवाला के जरिए भारत लाया गया। यह नेटवर्क विदेश में फैला हो सकता है। अब पता लगाया जा रहा है कि विदेश से कब, कितना पैसा और कहां भेजा गया। एटीएस जल्द ही रशीद को कस्टडी रिमांड में लेकर और पूछताछ करेगी। इसके जरिए फंडिंग, संपत्ति सौदे और धर्मांतरण कराने वाले दूसरे एजेंटों की जानकारी मिल सकती है। ईडी की कार्रवाई से पूरे सिंडिकेट का नेटवर्क उजागर होता जा रहा है।

छांगुर बाबा के खिलाफ जारी हुआ फतवा, मुस्लिमों से उसका बहिष्कार का आहवान

बरेली (अप्रस)। धर्मांतरण में फंसे बलरामपुर के जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा पर बरेली की ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी का फतवा आया है। छांगुर बाबा को इस्लाम का दुश्मन बताते हुए, उसके बहिष्कार का आह्वान किया है। फतवे में कहा गया कि इस्लाम बेहद आसान है। इसमें जोर-दबाव की कोई गुंजाइश नहीं। पैगंबर-ए-इस्लाम ने कभी भी किसी गैर-मुस्लिम को लालच नहीं दिया, न ही इस्लाम कबूल करने का दबाव डाला। बल्कि हर समुदाय के साथ अच्छा व्यवहार किया। मुश्किल में साथ निभाया। मौलाना ने कहा कि पैगंबर-ए-इस्लाम के दौर में गैर-मुस्लिम नागरिकों की जान-माल और आबरू की रक्षा, मुसलमानों की बड़ी जिम्मेदारी थी। उन्होंने कहा कि धर्म के प्रचार की इजाजत हासिल है। लेकिन इस बात की बिलकुल भी अनुमति नहीं है कि किसी को लालच देकर या जोर-जबरदस्ती करके, इस्लाम में दाखिल कराया जाए। जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा ने जो कुछ भी किया है। वो गैर-कानूनी तो है ही। इस्लाम के खिलाफ भी है। उन्होंने इस्लाम की छवि को नुकसान पहुंचाया है। इस घटना से तमाम मुस्लिम मुसीबतों का सामना कर रहे हैं। इसलिए छांगुर बाबा इस्लाम की नजर में गुनहगार है और मुस्लिम समाज को उसका बहिष्कार करना चाहिए।

केंद्र और राज्य सरकार मिलकर बिहार में बड़े पैमाने पर काम कर रही: नीतीश

अर्थ प्रकाश संवाददाता

मोतिहारी । बिहार के मोतिहारी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के दौरान भव्य रोड शो के बाद जनसभा का आयोजन हुआ। पीएम मोदी के मंच पर पहुंचने पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उन्हें एक सुंदर पेंटिंग और तिरंगा भेंट किया गया। इस मौके पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, दोनों उपमुख्यमंत्री (सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा) और एनडीए के वरिष्ठ नेता व अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा कि पीएम मोदी का बिहार दौरा राज्य के लिए गर्व का क्षण है। पीएम मोदी के नेतृत्व में बिहार को नई ऊर्जा और विकास की दिशा मिल रही है। नीतीश ने कहा, पहले की सरकारों में काम धीमा था, लेकिन 2005 से जदयू की सरकार बनने के बाद बिहार में हर क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। अब सड़क, बिजली और रोजगार जैसे सभी क्षेत्रों में काम हो रहा है। अब बिहार सरकार 125 यूनिट बिजली मुफ्त देगी। उन्होंने कहा, पहले बिजली की बहुत कमी थी, लेकिन अब हर घर में बिजली है। हमारी सरकार ने तय किया है कि गरीबों को मुफ्त बिजली और घर दिए जाएंगे। इसकी मंजूरी शुक्रवार को होने वाली कैबिनेट में दी जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने अगले पांच साल में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का वादा किया। नीतिश ने बताया कि सामाजिक सुरक्षा योजना को 400 से बढ़ाकर 1,100 रुपये कर दी है, जिससे 1 करोड़ 11 लाख लोगों को फायदा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने सड़कों, पुलों और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं पर बड़े पैमाने पर काम किया है। गांवों और टोलों को पक्की सड़कों से जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि सरकार ने 10 लाख सरकारी नौकरियां देने का लक्ष्य पूरा कर लिया है और 10 लाख रोजगार के लक्ष्य को बढ़ाकर 29 लाख कर दिया गया है। नीतीश ने पुरानी सरकारों पर निशाना साधकर कहा कि पहले विकास के लिए कोई पैसा खर्च नहीं होता था, लेकिन अब केंद्र और राज्य सरकार मिलकर बिहार में बड़े पैमाने पर काम कर रही हैं। केंद्र सरकार और पीएम मोदी का आभार कि बिहार अब प्रगति की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

बिहार में बढ़ रहा पीके का कुनबा, भोजपुरी गायक रितेश पांडे और पूर्व आईपीएस अधिकारी पार्टी में शामिल

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले, भोजपुरी गायक रितेश पांडे और पूर्व आईपीएस अधिकारी जयप्रकाश सिंह जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए। पार्टी में उनका स्वागत कर किशोर ने कहा कि हम लोगों ने जानबूझकर उस दिन चुना है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार आ रहे हैं और अपनी बड़ी-बड़ी बातों से लोगों को लुभाने की कोशिश करने वाले है। इस मौके पर सारण जिले निवासी सिंह, जो हिमाचल प्रदेश कैडर में एडीजीपी रैंक तक पहुंचे थे, ने कहा कि उन्होंने 25 साल की सेवा के बाद वीआरएस ले लिया क्योंकि मुझे एहसास हुआ कि जन सुराज मेरे गृह राज्य में इतिहास बनाने के लिए तैयार है।

पांडे ने एक तात्कालिक हिंदी गीत गाया, जिसमें जन सुराज पार्टी की आकांक्षा को रेखांकित किया गया कि राज्य की धरती पर सभी को रोज़ी रोटी मिले। यह प्रत्याशित जुड़ाव हाल ही में लोकप्रिय यूट्यूबर मनीष कश्यप के हाई-प्रोफाइल पार्टी में शामिल होने के बाद हुआ है, जिन्होंने पीके के मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) छोड़कर जन सुराज पार्टी का दामन थामा था। इसके अलावा, राजनीतिक गलियारों में भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह के जन सुराज

पार्टी के साथ जुड़ने की अटकलें भी गर्म हैं।

प्रशांत किशोर ने गाँव-गाँव पदयात्राओं के ज़रिए करीब दो साल तक ज़मीनी स्तर पर व्यापक जुड़ाव के बाद, पिछले साल 2 अक्टूबर को औपचारिक रूप से जन सुराज पार्टी की शुरुआत की थी। चुनाव आयोग ने पार्टी को स्कूल बैग चुनाव चिन्ह आवंटित किया है।

दर्द से करहाते दिखे प्रशांत किशोर, आरा में रैली के दौरान को लगी चोट, इलाज के लिए पटना रवाना

अर्थ प्रकाश संवाददाता

आरा । जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर आज आरा में अपने रोड शो के दौरान पसलियों में चोट खा बैठे। चोट लगने के बाद उन्हें पार्टी के मंच पर लाया गया। उनकी पार्टी के नेताओं का कहना है कि रोड शो के दौरान लोगों से मिलने के लिए वह अपनी कार से बाहर झुक रहे थे और इसी दौरान उन्हें चोट लग गई। फिलहाल उन्हें इलाज के लिए पटना लाया गया है। इससे पहले भोजपुरी गायक रितेश पांडे और हिमाचल प्रदेश कैडर के पूर्व आईपीएस अधिकारी जयप्रकाश सिंह शुक्रवार को जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हो गए।

किशोर ने पार्टी में उनका स्वागत करते हुए कहा, हमने जानबूझकर वह दिन चुना है जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार आ रहे हैं और वह अपनी बड़ी-बड़ी बातों से लोगों को लुभाने की कोशिश करेंगे। इस अवसर पर सारण जिले के निवासी सिंह ने कहा कि उन्होंने 25 साल की सेवा के बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) इसलिए ली क्योंकि मुझे एहसास हुआ कि जन सुराज मेरे गृह राज्य में इतिहास रचने वाली है।÷ पांडे ने एक हिंदी गीत गाया, जिसमें राज्य में सभी को रोजी रोटी मिले सुनिश्चित करने की जन सुराज पार्टी की आकांक्षा को रेखांकित किया गया है।

प्रशांत किशोर ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को बुधवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की साजिश करार दिया। किशोर ने यह टिप्पणी राज्य के एकमात्र मुस्लिम बहुल जिले किशनगंज में की थी। जन सुराज नेता ने वादा किया कि उनकी पार्टी उन लोगों की मदद करेगी, जिनके नाम मतदाता सूची से गलत तरीके से हटा दिए गए हैं। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) भाजपा की साजिश है। उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया है कि निर्वाचन आयोग लोगों की नागरिकता निर्धारित नहीं कर सकता। क्या निर्वाचन आयोग अब इस तरह की कवायद करके यह कहना चाहता है कि 2014 की मतदाता सूची, जब नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे, फर्जी थी?''

वाराणसी में जब सीएम योगी बने टीचर, मंत्री बने स्टूडेंट, पढ़ाया पर्यावरण संरक्षण का पाठ

–बंसत महिला महाविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी के बाद मुख्यमंत्री ने कालेज से गंगा नदी के नैर्सगिक सौंदर्य को निहारा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

वाराणसी । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को राजघाट स्थित वसंत महिला महाविद्यालय में कुछ देर के लिए अलग ही रंग में दिखे। महाविद्यालय में आयोजित गोष्ठी में भाग लेने के बाद वे कुछ पलों के लिए शिक्षक की भूमिका में नजर आए और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी व भाजपा नेता विद्यार्थियों की तरह उनकी कक्षा में शामिल हुए। गंगा के सुरम्य तट पर और प्रकृति की गोद में बसे इस महाविद्यालय के प्रांगण में बिरसा मुंडा पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे योगी ने न सिर्फ प्रकृति की सुंदरता को निहारा, बल्कि महाविद्यालय की ओपन क्लास व्यवस्था को देखकर गुरुकुल की याद ताजा कर दी। उन्होंने कहा कि आज के दौर में, जब कंक्रीट के जंगल उग रहे हैं, यह परिसर प्रकृति के साथ तालमेल और गुरुकुल की परंपरा का जीवंत उदाहरण है। मुख्यमंत्री का उत्साह उस वक्त और बढ़ गया जब उन्होंने ओपन क्लास में शिक्षक की कुर्सी संभाली। उनके साथ मंत्रियों और नेताओं ने विद्यार्थियों की तरह उत्साह से हिस्सा लिया और महाविद्यालय की प्रिंसिपल भी इस अनूठे पाठशाला सत्र में छात्र की भूमिका में नजर आईं। यह नजारा सभी के लिए रोचक और प्रेरणादायक रहा। योगी ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए परिसर में पारिजात का पौधा रोपा। महाविद्यालय की ओर से उन्हें तुलसी का पौधा भेंट किया गया। शिक्षकों और छात्रों के अनुरोध पर सीएम योगी ने ग्रुप फोटोग्राफी के लिए भी समय निकाला।

कांवड़ियों को उपद्रवी कहना गलत... सीएम योगी बोले– यह श्रद्धालुओं को बदनाम करने की कोशिश

अर्थ प्रकाश संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि कांवड़ यात्रा के तीर्थयात्रियों को मीडिया ट्रायल से गुजरना पड़ता है, उन्हें बदनामकिया जाता है और यहां तक कि अपराधी और आतंकवादी करार दिया जाता है। योगी ने कहा कि निम्नतम वर्ग से लेकर उच्च वर्ग तक, हर व्यक्ति इस कांवड़ यात्रा से जुड़ा है। यह एकता का अद्भुत प्रदर्शन है। इसमें जाति, क्षेत्र, वर्ग, धर्म या समुदाय का कोई भेदभाव नहीं है।

हालांकि, मीडिया ट्रायल हो रहा है और कांवड़ यात्रा को बदनाम किया जा रहा है। योगी ने आगे कहा कि कांवड़ यात्रियों को अपराधी और आतंकवादी तक करार दिया जा रहा है। यह उस मानसिकता को दर्शाता है जो हर तरह से भारत की विरासत को कलंकित करना चाहती है। कांवड़ यात्रा भारत में एक प्रमुख वार्षिक हिंदू तीर्थयात्रा है, जिसके दौरान भगवान शिव के भक्त, जिन्हें कांवड़िये कहा जाता है, गंगा जैसी पवित्र नदियों से पवित्र जल इकट्ठा करने के लिए पैदल यात्रा करते हैं और उसे श्रावण के पवित्र महीने में शिव मंदिरों, विशेष रूप से शिवलिंगों पर चढ़ाने के लिए वापस ले जाते हैं। यह यात्रा आध्यात्मिकता, धैर्य और उत्सव का मिश्रण है, लेकिन कई बार यह झड़पों, शोरगुल वाले जुलूसों और सड़क अवरोधों से भी जुड़ी रही है, जिसके कारण इसकी आलोचना हुई है और नियमन की मांग की गई है। इस दौरान उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, हरियाणा और दिल्ली जैसे उत्तरी भारतीय राज्यों में यातायात परिवर्तन और सार्वजनिक सुरक्षा उपायों सहित व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की जाती है।

सीएम योगी की मुहिम से बलरामपुर की सुआंव और बहराइच की टेढ़ी नदी में फिर से लौटने लगा जीवन

– अपना अस्तित्व खो चुकीं नदियों को सीएम योगी के प्रयासों से मिल रहा नया जीवन, नदियों में दिखने लगा जल प्रवाह

अर्थ प्रकाश संवाददाता

लखनऊ, । लंबे समय से अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहीं बलरामपुर की सुआंव नदी और बहराइच की टेढ़ी नदी अब फिर से जीवंत हो उठी हैं। यह बदलाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक जनपद, एक नदी मुहिम से संभव हो पाया है। मुख्यमंत्री योगी के प्रयासों से प्रदेश की लुप्त होती नदियों के पुनर्जीवन के लिए प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जनसहयोग का संगम देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री की मुहिम को ग्रामीणों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। उनके आह्वान पर स्थानीय श्रमदान के माध्यम से नदियों के पुनरुद्धार में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं।

बलरामपुर की सुआंव नदी के संरक्षण को चिन्हित किये गये 49 कार्य स्थल

देवीपाटन मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप मंडल के चार जिलों में विलुप्त हो चुकी नदियों का पुनरुद्धार किया जा रहा है। इससे श्रावस्ती की बूढ़ी राप्ती, गोंडा की मनोरमा नदी अपने मूल स्वरूप में बहने लगी है जबकि बलरामपुर की सुआंव और बहराइच की टेढ़ी नदी के पुनरुद्धार का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। बलरामपुर के जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने बताया कि एक जनपद, एक नदी अभियान के तहत बलरामपुर की सुआंव नदी का चयन किया गया। उन्होंने बताया कि लगभग 121 हेक्टेयर लम्बाई और 320.61 वर्ग हेक्टेयर क्षेत्रफल वाली सुआंव नदी का बहाव वर्षों से अवरुद्ध था। वहीं, मुख्यमंत्री के निर्देश पर नदी के पुनरुद्धार का कार्य मिशन मोड में शुरू कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि सुआंव नदी के संरक्षण के लिए कुल 49 कार्य स्थलों की पहचान की गई, जिनमें से 25 पर कार्य प्रारंभ हो चुका है और 24 कार्यों के लिए योजना निर्माण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। नदी के पुनरुद्धार के लिए अनुमानित 45,747 मानव-दिवसों का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 13,749 मानव-दिवसों का कार्य पूरा किया जा चुका है। नगर पालिका परिषद द्वारा नदी की सफाई और नालों की मरम्मत के कार्य युद्धस्तर पर कराए जा रहे हैं। जिन स्थानों पर नदी के प्रवाह को बाधित करने वाली गाद और कचरा एकत्र हुआ था, वहां से मशीनों और श्रमिकों के सहयोग से निकासी की जा रही है। इसके अलावा वन विभाग द्वारा नदी के दोनों किनारों पर पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है, जिससे पारिस्थितिकी संतुलन बहाल हो सके और नदी के किनारे हरियाली का विकास हो।

बहराइच की टेढ़ी नदी में फिर से दिखने लगेगा जल प्रवाह

बहराइच की जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि सीएम योगी आदित्यनाथ के विजन को साकार करने के लिए

बहराइच में विलुप्त हो चुकी टेढ़ी नदी के पुनरुद्धार का काम जोरों से चल रहा है। यह नदी लगभग 38 किलोमीटर लम्बी है, पिछली सरकारों में अनदेखी की वजह से अपने मूल स्वरूप से भटक गयी थी। इसे दोबारा जनसहयोग से पुनर्जीवित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि टेढ़ी नदी के दोनों किनारों की सफाई, झाड़ियां हटाना, गाद निकालना और जलधारा को पुनः सुगम बनाने का कार्य किया जा रहा है। नदी के पुनरुद्धार से न केवल सिंचाई और जल संचयन की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन भी सुदृढ़ होगा।

धामी सरकार मनाएगी एक लाख करोड़ की ग्राउंडिंग का उत्सव, गृहमंत्री अमित शाह होंगे मुख्य अतिथि

-रुद्रपुर में 'उत्तराखंड निवेश उत्सव' का आयोजन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में राज्य सरकार की ओर से दिसंबर 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के दौरान उद्योग समूहों के साथ हुए एमओयू के बाद अब तक एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर उतर चुका है। इस उपलब्धि को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार शनिवार को रुद्रपुर में 'उत्तराखंड निवेश उत्सव' का आयोजन कर रही है। देश में पहली बार किसी राज्य सरकार द्वारा एक करोड़ से अधिक के निवेश के बाद इस तरह का निवेश उत्सव आयोजित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में स्पोर्ट्स स्टेडियम रुद्रपुर में दोपहर 12 बजे से होने वाले इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह होंगे। जिसमें उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों में नए स्थापित उद्योगों के प्रतिनिधियों के साथ ही अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद होंगे। इस आयोजन मे जरिए राज्य सरकार उत्तराखंड में निवेश के माहौल को प्रोत्साहित करना चाहती है। ताकि अधिक से अधिक निवेशक उत्तराखंड का रुख करें, इससे राज्य में आर्थिक गतिविधि तेज होने के साथ ही रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

विदित है कि दिसंबर 2023 के दौरान देहरादून में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के दौरान कुल 3,57,693 करोड़ के 1779 एमओयू साइन किए गए थे। जिससे राज्य में 81,327 नए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। इन एमओयू के आधार पर राज्य में अब तक एक लाख करोड़ रुपये की ग्राउंडिंग हो चुकी है। दिसंबर 2023 में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जबकि समापन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया था ।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के दौरान उद्योग समूहों के साथ जो भी निवेश संबंधित समझौते किए गए थे वो अब तेजी से धरातल पर उतर रहे हैं। इससे उत्तराखंड में रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं। हम उद्योग स्थापित करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। मजबूत आधारभूत सुविधाएं, शांत वातावरण से उत्तराखंड निवेशकों की पसंद बनकर उभरा है।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के दौरान हुए एमओयू

-ऊर्जा-कुल 1,03,459 करोड़ के 157 एमओयू (रोजगार 8,472) में ग्राउंडिंग 40341 करोड़ ।
-उद्योग-कुल 78,448 करोड़ के 658 एमओयू, (रोजगार 44,663) में ग्राउंडिंग 34086 करोड़।आवास-कुल 41,947 करोड़ के 125 एमओयू, (रोजगार 5,172) में ग्राउंडिंग 10055 करोड़ रुपए।-पर्यटन-कुल 47,646 करोड़ के 437 एमओयू, (रोजगार 4694) में ग्राउंडिंग 8635 करोड़।
-उच्च शिक्षा-कुल 6,675 करोड़ के 28 एमओयू, (रोजगार 4428) में ग्राउंडिंग 5116 करोड़।

अन्य-कुल 79,518 करोड़ के 374 एमओयू, (रोजगार 13898) में ग्राउंडिंग 3292 करोड़।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री ने हिंदी फिल्म '5 सितंबर' का पोस्टर लॉन्च किया -उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत को मिला प्रोत्साहन

देहरादून, (अप्रस)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को हिंदी फिल्म '5 सितंबर' का पोस्टर लॉन्च किया। यह फिल्म पूरी तरह उत्तराखंड में फिल्माई गई है और राज्य की सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य व स्थानीय प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने का सशक्त प्रयास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड फिल्म निर्माण का पसंदीदा गंतव्य बन रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार फिल्म नीति के तहत हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है, ताकि अधिक से अधिक निर्माता व निर्देशक उत्तराखंड की धरती पर फिल्म निर्माण करें और राज्य के युवाओं को रोजगार और मंच प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की फ़िल्में न केवल उत्तराखंड की प्रतिभा को प्रोत्साहित करती हैं, बल्कि पर्यटन व सांस्कृतिक संवर्धन में भी सहायक सिद्ध होती हैं। उन्होंने फिल्म निर्माण टीम को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि यह फ़िल्म दर्शकों के मन को छूने में सफल होगी। इस अवसर पर फिल्म के डायरेक्टर कुनाल शमशेर मल्ला, कलाकार संजय मिश्रा, ब्रिजेंद्र काला, ऋषभ खन्ना, भुवन खन्ना और दीपराज राणा मौजूद रहे।

तनीषा को अभाविप की देहरादून इकाई का संगठन मंत्री बनने पर किया सम्मानित

नैनीताल (अप्रस)। डीएसबी परिसर नैनीताल की छात्रा एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की नैनीताल इकाई की संगठन मंत्री तनीषा को अपनी आगे की पढ़ाई देहरादून से किये जाने के साथ देहरादून इकाई का संगठन मंत्री बनाया गया है। इस पर तनीषा को शुक्रवार को डीएसबी परिसर में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर, नीम करौली महाराज का चित्र तथा पौधों से संबंधित सामग्री भेंट की नैनीताल क्षेत्र में संगठन के कार्यों के लिए उनके योगदान की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर मोहित पंत, प्रो. आरसी जोशी और प्रो. ललित तिवारी ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में डॉ. दीपिका पंत, पंकज भट्ट, तनिष्क मेहरा व विशाल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उधर, वनस्पति विज्ञान विभाग में हरिद्वार स्थित लोक सेवा आयोग की पूर्व सदस्य प्रो. मंजुला राणा और श्री देव सुमन विश्वविद्यालय के शोध निदेशक डॉ. परवेज ने विभाग का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने विभाग की गतिविधियों की सराहना की। वहीं हिंदी विभाग के प्रो. श्रीश मौर्य के कुमाऊं विश्वविद्यालय में विभागाध्यक्ष बनने पर उन्हें भी शुभकामनाएं दी गई हैं।

चारधाम यात्रा मार्गों पर बारिश की चेतावनी, सतर्क रहने के निर्देश

देहरादून, (अप्रस)। उत्तराखंड में बारिश का दौर जारी है। आज सुबह देहरादून समेत कुछ इलाकों के आसमान में बादलों के साथ ही चटख धूप खिली है। मौसम विभाग ने आज हरिद्वार, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर व पिथौरागढ़ जिलों में अनेक स्थानों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि 0चारधाम यात्रा से जुड़े जनपदों चमोली, रुद्रप्रयाग व उत्तरकाशी में भी अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग की बारिश की चेतावनी के बाद आपदा प्रबंधन विभाग, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम अलर्ट मोड पर है। लगातार हो रही बारिश से संपर्क मार्ग मलबा और बोल्डर गिरने से लगातार बाधित हो रहे हैं। जिससे स्थानीय लोगों और पर्यटकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के निदेशक विक्रम सिंह ने कहा कि यात्री मौसम की अपडेट लेकर ही यात्रा पर निकलें। आने वाले दिनों में बारिश से थोड़ी राहत मिल सकती है।

पंचायत चुनाव...पुलिस और आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 14.22 करोड़ रुपये से अधिक की शराब बरामद

देहरादून, (अप्रस)। प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान पुलिस और आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नकदी, शराब, मादक पदार्थ और कीमती धातु की भारी मात्रा में जब्ती की है। पुलिस ने 16 जुलाई को 763.300 लीटर अवैध शराब जब्त की, जिसकी अनुमानित कीमत 5,17,033 रुपये है। आबकारी विभाग ने 653.70 लीटर शराब जब्त की, जिसकी कीमत 5,58,456 रुपये आंकी गई है। पुलिस ने 1.5929 किलोग्राम मादक पदार्थ भी जब्त किया, जिसकी अनुमानित कीमत 13,00,200 रुपये है। 16 जुलाई तक 98,97,810 रुपये कीमत की कुल 19215.950 लीटर शराब जब्त की गई है। 12,94,08,809 रुपये कीमत का 28.3913 किलोग्राम मादक पदार्थ पकड़ा गया है। अब तक जब्त वस्तुओं की कुल कीमत 14,22,38,719 रुपये है।

स्वच्छता सर्वेक्षण- उत्तराखंड के 107 में से 27 निकायों की राष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार, ऋषिकेश गंगा घाट सबसे साफ

अर्थ प्रकाश संवाददाता

देहरादून । स्वच्छता सर्वेक्षण की रैंकिंग में राज्य के 107 में से 27 निकायों का प्रदर्शन राष्ट्रीय स्तर पर सुधरा है। गंगा घाटों के मामले में ऋषिकेश के गंगा घाट सबसे साफ पाए गए हैं। शहरी विकास विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले वर्ष की तुलना में इस बार छोटे निकायों जैसे नगर पालिका और नगर पंचायतों ने खूब अंक कमाए हैं। उनकी रैंकिंग में भी 2800 से अधिक तक का सुधार दर्ज किया गया है।

50 हजार से तीन लाख आबादी वर्ग में देखें तो रुद्रपुर की रैंकिंग में 349, डोईवाला की रैंकिंग में 1219, पिथौरागढ़ में 2434, कोटद्वार में 73, ऋषिकेश में 55, रामनगर में 1913 का सुधार हुआ है। 20,000 से 50,000 आबादी वर्ग में मसूरी की रैंकिंग में 1172, मुनि-की-रेती में 627, टिहरी में 1770, लक्सर में 1031, सितारगंज में 2844, टनकपुर में 2869, अल्मोड़ा में 2334, बागेश्वर में 2502, बाजपुर में 2267 और नैनीताल में 776 का सुधार आया है।

इसी प्रकार, 20,000 से कम आबादी वर्ग में लालकुआं की रैंकिंग में 1697, भीमताल की रैंकिंग में 2857, भवाली की 2738, चिन्यालीसौड़ की 2651, विकासनगर की 2173, बड़कोट की 2884, गुलरभोज की 1566, नरेंद्रनगर की 809, लोहाघाट की 1967 और भिकियासैंण की रैंकिंग में 1636 का सुधार दर्ज किया गया है। हल्द्वानी, हरिद्वार, काशीपुर, रुड़की का प्रदर्शन काफी कमतर रहा है।

स्वच्छता रैंकिंग में छाए लालकुआं, रुद्रपुर, मसूरी

केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की स्वच्छता रैंकिंग में इस बार लालकुआं को राष्ट्रपति ने उभरते हुए स्वच्छ शहर के तौर पर पुरस्कृत किया है। रैंकिंग में रुद्रपुर और मसूरी ने भी शानदार प्रदर्शन किया है।

पिछले वर्ष नगर निगम देहरादून व नगर पालिका मुनिकीरेती को राष्ट्रपति ने सम्मानित किया था। इस बार नगर निगम की राष्ट्रीय रैंक तो छह अंक सुधरी है, लेकिन राज्य रैंक पहले से खिसरकर 13वें स्थान पर आ गई है। मुनिकीरेती की राज्य रैंक भी अपनी श्रेणी में पहले से खिसककर 17वें स्थान पर आ गई है। डोर-टू-डोर कूड़ा एकत्रीकरण में राज्य का प्रदर्शन पिछले साल के 69.76 प्रतिशत से गिरकर 56.6 प्रतिशत पर आ गया है।

कचरा मुक्त शहरों में मामूली सुधार

कचरा मुक्त शहरों की श्रेणी में प्रदर्शन में मामूली सुधार आया है। पिछले साल केवल नगर निगम देहरादून को इस श्रेणी में 3 स्टार मिले थे। इस साल लालकुआं, रुद्रपुर, डोईवाला, विकासनगर को इस श्रेणी में एक स्टार मिला है। देहरादून का प्रदर्शन इस बार शून्य रहा।

लैंसडौन कैंट को 17वां स्थान

उत्तराखंड के नौ कैंटोनमेंट बोर्ड में से लैंसडोन को 17वां स्थान मिला है। रानीखेत को 18वां, रुड़की को 22वां, देहरादून गढ़ी कैंट को 29वां, अल्मोड़ा कैंट को 36वां, क्लेमेंटटाउन देहरादून कैंट को 41वां, चकराता कैंट को 46वां, मसूरी के लंढौर कैंट को 50वां और नैनीताल कैंट को 52वां स्थान मिला है।

गंगा टाउन में उत्तराखंड का प्रदर्शन

इस श्रेणी में प्रयागराज को पहला स्थान मिला है। उत्तराखंड के मुनिकीरेती को 17वां, हरिद्वार को 18वां, गौचर को 27वां, श्रीनगर को 30वां, चमोली-गोपेश्वर को 32वां, रुद्रप्रयाग को 34वां, बाड़ाहाट उत्तरकाशी को 38वां, नंद्रप्रयाग को 40वां, कर्णप्रयाग को 43वां, कीर्तिनगर को 46वां, जोशीमठ को 57वां स्थान मिला है। इस श्रेणी में विभिन्न राज्यों के 88 निकाय शामिल हैं, जिनकी रैंकिंग हुई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नानकमत्ता साहिब गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका और प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि के लिए की कामना

अर्थ प्रकाश संवाददाता

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज अपने एक दिवसीय ऊधमसिंह नगर जनपद भ्रमण के दौरान पावन नानकमत्ता साहिब गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका और प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि के लिए कामना की। उन्होंने गुरुद्वारे में दर्शन कर शांत वातावरण में कुछ समय व्यतीत किया एवं सिख परंपराओं और संतों की शिक्षाओं को नमन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारे में उपस्थित छोटे बच्चों से आत्मीय संवाद किया, उन्हें स्नेहपूर्वक आशीर्वाद दिया और शिक्षा व सेवा की भावना को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। बच्चों के चेहरों पर मुख्यमंत्री से मिलने का विशेष उत्साह और उमंग देखने को मिला।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि नानकमत्ता साहिब केवल एक तीर्थ स्थल नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक केंद्र है जो सेवा, करुणा और समानता जैसे मूल्यों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड धार्मिक पर्यटन का अद्वितीय केंद्र बनता जा रहा है और राज्य सरकार इस दिशा में हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने क्षेत्र की जनता को हरेला पर्व की शुभकामनाएं भी दीं और प्रदेश को हरित, स्वच्छ एवं विकसित उत्तराखण्ड बनाने के संकल्प को दोहराया। मुख्यमंत्री के साथ प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। गुरुद्वारा प्रबंधन द्वारा मुख्यमंत्री का अंगवस्त्र भेंटकर अभिनंदन किया गया।

क्या गारंटी है कि राहुल गांधी 2026 से पहले जेल नहीं जाएंगे? कांग्रेस नेता पर हिमंत बिस्वा सरमा का तंज

अर्थ प्रकाश संवाददाता

गुवाहाटी / असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने एक बार फिर से कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कल रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ कार्रवाई की गई है। क्या गारंटी है कि राहुल गांधी 2026 से पहले जेल नहीं जाएंगे? इससे पहले हिमंत बिस्वा सरमा और राहुल गांधी के बीच राजनीतिक टकराव गुरुवार को और बढ़ गया जब सरमा ने गांधी पर राज्य के गोलपारा जिले के एक आरक्षित वन में बेदखली अभियान के दौरान हिंसा भड़काने का आरोप लगाया।

गुवाहाटी स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए, सरमा ने दावा किया कि राहुल गांधी ने बुधवार को चायगांव में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस की राज्य स्तरीय बैठक के दौरान अतिक्रमणकारियों और भूमि जिहादियों को सरकारी भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता की टिप्पणियों ने बेदखल परिवारों को गुमराह किया है, और सुबह नए बेदखली अभियान के दौरान पुलिस से उनकी झड़प हो गई। स्थिति तब हिंसक हो गई जब प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर पथराव किया और हथियारों से पुलिस पर हमला किया।

पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में गोलियां चलाईं, जिसमें 21 पुलिसकर्मी घायल हो गए। गोलीबारी में एक कथित अतिक्रमणकारी की मौत हो गई, जबकि दो अन्य का इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सरमा ने कहा कि राहुल गांधी के भाषण की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, ÷अगर राहुल गांधी या मल्लिकार्जुन खड़गे अपने भाषणों के ज़रिए हिंसा भड़काते पाए जाते हैं, तो पुलिस कार्रवाई करेगी।÷

उत्तराखंड के राज्यपाल ने मिजोरम के राज्यपाल से की भेंट

देहरादून/दिल्ली, । राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित मिजोरम भवन में मिजोरम के राज्यपाल जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह (से.नि.) से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों राज्यपालों ने उत्तराखण्ड और मिजोरम के विश्वविद्यालयों के मध्य शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ करने, संयुक्त शोध परियोजनाओं को बढ़ावा देने, नवाचार और सर्वोत्तम शैक्षणिक प्रथाओं के आदान-प्रदान जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला: भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य को 5 दिन की ईडी रिमांड पर भेजा गया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

रायपुर । छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को 5 दिन की ईडी रिमांड पर भेज दिया गया है। शुक्रवार को चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने उन्हें अदालत में पेश किया, जहां सुनवाई के बाद कोर्ट ने 5 दिन की रिमांड पर भेज दिया।

शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय ने कथित शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में छापेमारी के बाद चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया। ईडी की टीम बघेल के भिलाई निवास पर पहुंची थी। कुछ घंटे की जांच के बाद चैतन्य बघेल को हिरासत में ले लिया गया। कोर्ट में पेश करते हुए ईडी ने 14 दिन की रिमांड मांगी, लेकिन कोर्ट ने ईडी को चैतन्य की सिर्फ 5 दिन की रिमांड दी है।

अहम यह है कि चैतन्य की गिरफ्तारी उनके जन्मदिन पर हुई। उनके पिता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, ÷पिछली बार मेरा जन्मदिन था तो मेरे सलाहकार और ओएसडी को गिरफ्तार किया गया था। 18 जुलाई को मेरे बेटे का जन्मदिन है और इसी दिन उसको गिरफ्तार किया गया है।'

भूपेश बघेल ने मीडिया से बातचीत में आगे कहा, 'जो पेड़ कटाई चल रही है, उसके विरोध में पूरी कांग्रेस पार्टी लड़ाई लड़ रही है। इसलिए विपक्ष को दबाने के लिए यह रणनीति अपनाई गई है।'

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हम लोग डरने वाले नहीं हैं। न डरेंगे, न झुकेंगे और न टूटेंगे।

भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया के जरिए भी अपनी आवाज को उठाने की कोशिश की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, ÷तमनार में पेड़ों की कटाई के खिलाफ कांग्रेस के स्थगन प्रस्ताव को अस्वीकार्य कर दिया गया। न पैसा (पीईएसए) कानून का पालन हुआ, न एनजीटी के निर्देशों का पालन हुआ और न ही विधानसभा की ओर से सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव का मान रखा गया। चर्चा तक नहीं हो सकती।' उन्होंने कहा, 'हसदेव के जंगल को उजाड़ा जा रहा है। प्रदेश की भाजपा सरकार छत्तीसगढ़ का सारा जंगल सौंप देगी, क्योंकि आकाओं का यही आदेश है।'

झारखंड पुलिस ने छह माह में पांच आतंकी, 197 नक्सली और 767 साइबर अपराधी किए गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

-आतंकवाद, नक्सलवाद और साइबर क्राइम पर कसा शिकंजा, मुठभेड़ में 17 नक्सली और उग्रवादी ढेर

रांची । झारखंड पुलिस लगातार कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर लगाम लगाने का प्रयास कर रही है। आतंकवाद, नक्सलवाद और साइबर क्राइम पर शिकंजा कस रही है। इसमें झारखंड पुलिस को महत्वपूर्ण सफलताएं भी मिली हैं।

आईजी अभियान/पुलिस प्रवक्ता माइकल राज एस ने वर्ष 2025 जनवरी से जून (छह माह) की उपलब्धि की जानकारी देते हुए शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि अपराध के खिलाफ चलाए गए अभियान में राज्य के विभिन्न जिलों से पांच आतंकी, 197 नक्सली, 767 साइबर अपराधी और संगठित गिरोह के 12 अपराधी गिरफ्तार किए गए। इसके अलावा पुलिस के साथ मुठभेड़ में 17 नक्सली और उग्रवादी मारे गए। वहीं आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर 10 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण भी किया।

उन्होंने बताया कि इस अवधि में कुल 113 हथियार बरामद किए गए, जिनमें 31 लूटे गए पुलिस हथियार, 20 रेगुलर हथियार और 62 देसी हथियार शामिल हैं। पुलिस ने 8591 गोलियां, 176.5 किलोग्राम विस्फोटक पदार्थ, 3811 जिलेटिन और 4.51 लाख रुपये की लेवी राशि भी जब्त की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने नक्सलियों द्वारा बिछाए गए 179 आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) को भी नष्ट किया है। वहीं झारखंड और ओडिशा पुलिस के संयुक्त अभियान में ओडिशा के के. ब्लांग थाना क्षेत्र से 3811 किलोग्राम जिलेटिन बरामद किये गये।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़ों में मारे गए 17 नक्सली-

पुलिस ने झारखंड के अलग-अलग जिलों में हुई मुठभेड़ों में 17 नक्सलियों को मार गिराया है। मारे गये प्रमुख नक्सलियों में

- एक करोड़ का इनामी विवेक उर्फ प्रयाग मांझी, अरविंद यादव उर्फ अशोक
- 10 लाख का इनामी साहेब राम मांझी और पप्पू लोहरा
- पांच लाख का इनामी मनीष यादव, सुदेश गंझू, हेमंती मझियान, शांति देवी, राहुल तुरी उर्फ आलोक जी के अलावा सात अन्य नक्सली शामिल हैं।

साइबर अपराध पर कसी नकेल-

आईजी अभियान ने बताया कि जनवरी से जून 2025 तक साइबर अपराध के कुल 620 मामले दर्ज किए गए और 767 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान 5.43 लाख रुपये नकद, 1664 सिम कार्ड, 1283 मोबाइल फोन, 135 एटीएम कार्ड, 20 दोपहिया वाहन, आठ चारपहिया वाहन, 19 लैपटॉप, 37 बैंक पासबुक, 24 बैंक चेकबुक, 3 स्वाइप मशीन और 01 राउटर बरामद किए गए।

वहीं उन्होंने डायल-1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर पर 11,910 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 15.90 करोड़ रुपये फ्रीज किए गए और न्यायालय के माध्यम से 83.84 लाख रुपये शिकायतकर्ताओं के खातों में वापस कराए गए। उन्होंने बताया कि प्रतिबिंब ऐप पर भी 83 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 474 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही 769 सिम कार्ड और 634 मोबाइल फोन जब्त किए गए।

नशा कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई-

आईजी अभियान ने बताया कि जनवरी से मई 2025 तक नशा कारोबार के खिलाफ 389 मामले दर्ज किए गए और 393 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान 553.856 किलोग्राम गांजा (अनुमानित कीमत 2.76 करोड़ रुपये), 66.566 कि.ग्रा. अफीम (अनुमानित कीमत 3.32 करोड़ रुपये), 2.49 कि.ग्रा. ब्राउन शुगर (अनुमानित कीमत 24.90 लाख रुपये), 9950.94 कि.ग्रा. डोडा (अनुमानित कीमत 14.92 करोड़ रुपये) और 7925 टैबलेट नशे की गोलियां (अनुमानित कीमत 31.70 लाख रुपये) बरामद किए गए। इसके अलावा 2301 बोतल सिरप और 1100 पीस इंजेक्शन बरामद किया गया है।

एआई केंद्रित इन्फ्रास्ट्रक्चर से आईटी खर्च 5.43 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली।

2025 में दुनिया भर में आईटी खर्च 5.43 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है, जो 2024 की तुलना में 7.9 फीसदी से ज्यादा है। इसकी वजह एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा फोकस है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में सामने आई। रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य के कारण कारोबार में मंदी के बावजूद एआई केंद्रित इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च आईटी क्षेत्र में खर्च को बढ़ावा देगा। गार्टनर के विशिष्ट उपाध्यक्ष विश्लेषक जॉन-डेविड लवलॉक ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितता में वृद्धि के कारण शुद्ध-नए खर्च पर व्यावसायिक विराम है, लेकिन एआई और जनरेटिव एआई (जेनएआई) डिजिटलीकरण पहलों के कारण यह प्रभाव कम हो रहा है।

अनिश्चितता के कारण 2025 में सॉफ्टवेयर और सेवाओं पर खर्च की वृद्धि धीमी होने की उम्मीद जताई जा रही है, लेकिन डेटा सेंटर सिस्टम जैसे एआई से संबंधित इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च में वृद्धि जारी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जेनएआई के कारण डेटा केंद्रों में तेजी देखी जा रही है और एआई अनुकूलित सर्वरों पर खर्च जो 2021 में करीब न के बराबर था, 2027 तक पारंपरिक सर्वरों की तुलना में तीन गुना बढ़ने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रतिस्पर्धात्मकता एक प्रमुख कारण है, जिसके कारण कंपनियां इस बिगड़ते परिवेश में टेक्नोलॉजी और व्यावसायिक परिवर्तन में निवेश करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया कि 2025 की दूसरी तिमाही की शुरुआत से ही एक अनिश्चितता विराम शुरू हो गया है, जिसमें आईटी समेत कई विभागों में नए इनिशिएटिव का रणनीतिक निलंबन शामिल है। यह विराम बढ़ती अनिश्चितता और भू-राजनीतिक जोखिमों के कारण है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके जवाब में, वैश्विक कॉर्पोरेट क्षेत्र ज्यादा सावधानी बरत रहा है, क्योंकि संगठन इन बहुआयामी चुनौतियों के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि 61 फीसदी कंपनियों ने 2025 की शुरुआत पिछले साल की इस अवधि की तुलना में बेहतर स्थिति में की है।

ईपीएफओ की बैठक में कर्मचारियों का प्रमोशन और खाली पदों पर हो सकता है निर्णय

नई दिल्ली। भविष्य में कर्मचारियों की जरूरत का अनुमान लगाने, कर्मचारियों की करियर संबंधी आकांक्षाओं के साथ तालमेल करने के लिए कैडर के पुनर्गठन और अपनी सेवाओं की डिलिवरी बेहतर करने के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की कैडर पुनर्गठन (सीआर) समिति शुक्रवार को अपने सभी एसोसिएशनों, फेडरेशनों और कर्मचारी यूनियनों के साथ बैठक कर रही है।

दो दिन तक चलने वाली बैठक के बाद सेवानिवृत्ति कोष संगठन में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने और इसमें काम कर रहे कर्मचारियों को प्रमोशन देने का फैसला लिया जा सकता है। इस समय ईपीएफओ के 21 जोनल कार्यालय, 138 रीजनल कार्यालय, 114 जिला कार्यालय और पांच विशेष राज्य कार्यालय हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ईपीएफओ में इस समय ग्रुप-ए, बी और सी में 24 हजार के करीब पद हैं, जिनमें से 9 हजार पद खाली हैं।

मीडिया रिपोर्ट में कर्मचारी संगठन के एक सदस्य ने बताया कि ईपीएफओ में कैडर की समीक्षा नियमित रूप से नहीं होती, जिससे सभी श्रेणी के कर्मचारियों में स्थिरता की स्थिति बनी है। दरअसल डीओपीटी और कैबिनेट सचिवालय के निर्देश के मुताबिक हर पांच साल पर कैडर की समीक्षा की जानी चाहिए, जिससे विसंगतियां दूर हो सकें। इसके अलावा पिछले एक दशक में काम का बोझ कई गुना बढ़ गया है, जिसके लिए कर्मचारियों की संख्या बढ़ाए जाने की जरूरत है। कैडर पुनर्गठन की पिछली कवायद को सीबीटी ने जुलाई 2016 में मंजूरी दी थी, जिसमें ग्रुप-ए के पदों की संख्या 859 से बढ़ाकर 1,039 की गई थी।

पिनकोड ने 1,000 से अधिक स्थानीय ऑफलाइन स्टोर्स को डिजिटल रूप से सशक्त बनाया

बेंगलुरु ।

फोनपे के हाइपरलोकल क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म, पिनकोड ने बेंगलुरु, पुणे, दिल्ली एनसीआर, हैदराबाद, मुंबई और वाराणसी में 1,000 से अधिक स्थानीय ऑफलाइन स्टोर्स को डिजिटल रूप से सशक्त बनाया है। पिनकोड सीमित पहुंच, डिलीवरी सर्विस न होना और मूल्य निर्धारण दबाव सहित महत्वपूर्ण समस्याओं से निपटने के लिए ऑफलाइन खुदरा विक्रेताओं के साथ मिलकर काम करता है।

डेटा-समर्थित आंकड़ों के माध्यम से, पिनकोड रिटेलर्स को रियल टाइम कस्टमर डिमांड के आधार पर अपने उत्पाद चयन को अनुकूलित करने में मदद करता है, जिससे तेज गति और बेहतर मार्जिन सुनिश्चित होता है।

यह पेशकश स्थानीय दुकानों को न केवल ऑनलाइन लाने में मदद करती है, बल्कि उनके मुख्य ऑफलाइन परिचालन को भी मजबूत करता है, जिससे टिकाऊ विकास को बढ़ावा मिलता है और उन्हें बड़े ऑनलाइन खिलाड़ियों के खिलाफ प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करने के लिए सशक्त बनाती है।

पिनकोड के सीईओ ने कहा, पिनकोड सिर्फ स्टोर्स का डिजिटलीकरण नहीं कर रहा है। हम भविष्य के लिए तैयार कारोबार का निर्माण कर रहे हैं। हमारा मिशन हर ऑफलाइन विक्रेता के लिए एक ग्रोथ पार्टनर बनना है। हम सिर्फ स्टोर्स को ऑनलाइन सूचीबद्ध करने से आगे बढ़कर, सफलता के लिए एक संपूर्ण इकोसिस्टम प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा, इस वादे को पूरा करने के लिए हमने अपना स्मार्ट स्टोर प्रोग्राम विकसित किया है, जो हमारे ऑफलाइन रिटेल पार्टनर्स को तकनीक, संचालन संबंधी जानकारी, ग्राहक पहुंच और लॉजिस्टिक्स से लैस करता है। हम ऑफलाइन रिटेलर्स को उनके ग्राहकों के दरवाजे तक लाने के लिए सशक्त बना रहे हैं, उनकी अपेक्षा के अनुरूप गति और चयन प्रदान करते हुए, साथ ही इन स्टोर्स द्वारा दशकों से बनाए गए अमूल्य विश्वास को बनाए रखते हुए।

एसयूवी जिम्नी अगस्त में नए फेसलिफ्ट वर्जन में होगी लॉन्च

नईदिल्ली ।

अगस्त 2025 में अपनी लोकप्रिय एसयूवी जिम्नी को सुजुकी नए फेसलिफ्ट वर्जन में लॉन्च करेगी।

इसकी डिजाइन में छोटे-मोटे कॉस्मेटिक बदलाव किए जा सकते हैं, लेकिन इसका मूल आकर्षण बरकरार रहेगा। यह नई जिम्नी अपने क्लासिक रेट्रो और बॉक्सी डिजाइन के लिए जानी जाती है, और इस बार भी यही इसकी पहचान बनी रहेगी। यह एसयूवी एक कॉम्पैक्ट, हल्की और मजबूत ऑफ-रोडर जो शहरी और बीहड़ दोनों तरह के रास्तों के लिए मुफीद है। सबसे बड़ा बदलाव इसकी सेफ्टी फीचर्स में देखने को मिलेगा।

नई जिम्नी में सुजुकी सेफटी सपोर्ट सिस्टम जोड़ा जाएगा जिसमें डुअल कैमरा बेस्ड एडीएसएस, ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग, एडॉप्टिव क्रूज कंट्रोल (ऑटोमैटिक वेरिएंट्स में), रिवर्स ब्रेकिंग सपोर्ट और रियर क्रॉस ट्रैफिक अलर्ट जैसे एडवांस फीचर्स शामिल होंगे। ये सुधार इसे ऑस्ट्रेलिया, यूरोप और यूके जैसे सख्त सेफ्टी नॉर्म्स वाले बाजारों में भी बेचने योग्य बनाएंगे।

इंजन विकल्प को लेकर भी चर्चाएं हैं। अब तक जिम्नी पेट्रोल इंजन में ही उपलब्ध थी, लेकिन यूरोपीय बाजारों के कड़े एमिशन नॉर्म्स के कारण हाइब्रिड इंजन की संभावनाएं भी बढ़ गई हैं। हालांकि अगस्त 2025 में आने वाले फेसलिफ्ट में हाइब्रिड इंजन की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जिम्नी का नया अवतार तीन वेरिएंट्स में पेश होगा -जापान स्पेस 3-डोर जिम्नी (0.6ली टर्बो पेट्रोल), ग्लोबल-स्पेस जिम्नी सियेरा 3-डोर (1.5ली नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल) और इंडिया मेड जिम्नी नोमेड 5-डोर।

रिलायंस रिटेल लि ने खरीदे केल्विनेटर ब्रांड, कई कंपनियां टेंशन में

मुंबई। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी रिलायंस रिटेल लिमिट्ड ने शुक्रवार को बताया कि उन्होंने स्विडिश मैन्युफैक्चरिंग कंपनी ईलेक्ट्रोलक्स एबी से केल्विनेटर ब्रांड खरीद लिया है। केल्विनेटर होम एप्लाइंसेस प्रोडक्ट बनाती है। रिलायंस रिटेल के पास 2019 में मैन्युफैक्चरिंग और डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स थे। यह नया टेकओवर रिलायंस रिटेल की कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक मार्केट में मौजूदगी को और मजबूत करेगा। कंपनी रिलायंस डिजिटल बैनर के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर्स का संचालन कर रही है।

बता दें रिलायंस रिटेल के इस कदम से ड्यूरेबल मार्केट के मौजूदा प्लेयर्स एलजी समेत अन्य कंपनियों को अब एक मजबूत प्रतिद्वंदी का सामना करना पड़ेगा। ईलेक्ट्रोलक्स ग्रुप ने भारतीय मार्केट में 1960 में एंट्री की थी। कंपनी 1970 से 1980 के बीच एक बड़ा ग्राहकों का आधार तैयार कर लिया था। उस समय इस कंपनी की टैगलाइन ÷द कूलेस्ट वन÷ हुआ करती थी। 1995 में वर्लपूल ऑफ इंडिया लिमिटेड ने केल्विनेटर इंडिया लिमिटेड का अधिग्रहण कर लिया था। इस अधिग्रहण के बाद कंपनी रेफ्रीजरेटर मार्केट में एंट्री की थी।

2019 में केल्विनेटर ने रिलायंस रिटेल के साथ डील साइन करने के बाद फिर से इंडियन मार्केट में एंट्री की थी। मौजूदा समय केल्विनेटर ब्रांड के तहत रेफ्रीजरेटर्स, वाशिंग मशीन, एयर कंडीशनर्स आदि की बिक्री करती है। कंपनी रिलायंस डिजिटल स्टोर नेटवर्क और अन्य रिटेलर्स की मदद से यह सामान बेच रही है। बता दें रिलायंस डिजिटल मौजूदा समय में देश के अंदर 400 स्टोर्स चला रही है।

देश के जीडीपी का यह 0.60 फीसदी के बराबर है। उम्मीद की जा रही है यह 11 फीसदी के सीएजीआर से ग्रोथ करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक 2029 तक देश के कंज्यूमर ड्यूरेबल मार्केट का साइज 3 ट्रिलियन डॉलर के बराबर होगा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को दो पैसे की गिरावट के साथ ही 86.14 रुपये पर बंद हुआ। रुपया गुरुवार को 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 86.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.29 फीसदी की गिरावट के साथ 98.45 पर आ गया। वहीं गत दिवस रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 12 पैसे की बढ़त के साथ 85.80 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में मजबूती एवं विदेशी पूंजी की निकासी ने हालांकि स्थानीय मुद्रा में तेज बढ़त को रोक दिया।

बोनस देने की खबर आते ही दौड़ पड़े पतंजलि फूड्स के शेयर

मुंबई। बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि फूड्स के शेयर शुक्रवार को कमजोर बाजार के बीच 2 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए और 1,944.90 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए। शेयर अब अपने ऑल-टाइम हाई 2,030 रुपये के करीब ट्रेड कर रहा है। कंपनी के बोर्ड ने 17 जुलाई 2025 को हुई बैठक में बोनस शेयर देने की सिफारिश की है। इसके तहत 2ः1 के रेश्यो में बोनस दिया जाएगा। इसका मतलब है कि हर 1 शेयर पर 2 नए शेयर फ्री दिए जाएंगे। यह बोनस शेयर उन शेयरहोल्डर्स को मिलेगा, जो रिकॉर्ड डेट पर पात्र होगा। यह प्रस्ताव शेयरधारकों की मंजूरी पर निर्भर है और इस कंपनी के रिजर्व से जारी किया जाएगा। पतंजलि फूड्स कई कैटेगरी में मजबूत बाजार स्थिति रखती है। यह भारत की ब्रांडेड कुकिंग ऑयल मार्केट में दूसरा सबसे बड़ा खिलाड़ी है। पाम ऑयल में यह नंबर 1 है और सोया ऑयल में दूसरा स्थान रखता है। सोया प्रोटीन में पतंजलि 35-40 प्रतिशत मार्केट शेयर है। इससे यह सेगमेंट में बाजार का बादशाह है। यह भारत में बिस्किट और ओरल केयर मार्केट में चौथे नंबर पर है। इसके अलावा, गाय के घी और शहद के प्रोडक्ट्स में भी कंपनी अग्रणी कंपनियों में से एक है। पहले रुचि सोया सिर्फ एडिबल ऑयल के कारोबार में थी, लेकिन अब पतंजलि आयुर्वेद से एफएमसीजी सेगमेंट खरीदकर कंपनी ने कारोबार को कई क्षेत्रों में फैलाया है। इससे मुनाफा बढ़ा है और रिस्क कम हुआ है।

इंडियन होटल्स के शेयर में 2 फीसदी की बढ़ोत्तरी.....ब्रोकरेज हाउसेस ने निवेश जारी रखने को कहा

मुंबई।

इंडियन होटल्स के शेयर शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 2 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए। कंपनी के शेयरों में यह तेजी अप्रैल-जून तिमाही नतीजों के बाद आई है। टाटा समूह की हॉस्पिटैलिटी कंपनी और ताज होटल्स की मूल कंपनी इंडियन होटल्स कंपनी (आईएचसीएल) का मुनाफा जून तिमाही में 19 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 296 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, लाभ पर भूराजनीतिक तनाव का असर पड़ा। ब्रोकरेज हाउसेस ने इंडियन होटल्स पर अपनी निवेश रणनीति जारी रखी है। ब्रोकरेज हाउसेस ने इंडियंस होटल्स पर अपनी 'रिड्यूस रेटिंग बरकरार रखी है। हालांकि, ब्रोकरेज ने स्टॉक पर टारगेट मूल्य को बढ़ाकर 648 रुपये किया। पहले यह 628 रुपये था। इस तरह, शेयर में 15 फीसदी की गिरावट देखने को मिल सकती है। इंडियंस होटल्स के शेयर गुरुवार 761 रुपये पर बंद हुए। ब्रोकरेज हाउसेस के अनुसार, इंडियंस होटल्स कंपनी ने अपनी घरेलू पोर्टफोलियो में प्रति उपलब्ध कमरे की आय में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। हालांकि, फ्लाइट में रुकावटें और जियोपॉलिटिकल चिंताओं के कारण कुल प्रदर्शन पर लगभग 2-2.5 प्रतिशत का असर पड़ा। ऑक्यूपेंसी में हल्की गिरावट आई है, जो 90 बेसिस पॉइंट्स कम रही। वहीं, औसत कमरे का किराया (एआरआर) सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़ा है। ब्रोकरेज ने कहा कि कंपनी ने पूरे साल के लिए डबल-डिजिट ग्रोथ का अनुमान दोहराया है और जुलाई की शुरुआत को मजबूत बताया है। हालांकि, नुवामा ने यह भी नोट किया कि कंपनी ने मुनाफे के मार्जिन में तुरंत बढ़ोतरी को लेकर कोई खास उम्मीद नहीं जताई। हाल के कुछ क्वार्टर्स में यह एक अहम पॉइंट रहा था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 501 , निफ्टी 143 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 501 अंकों नीचे आकर 81,757.73 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 143 अंक टूटकर 24,968.40 पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर विप्रो, टाटा स्टील, ओएनजीसी, इंडसइंड बैंक और इंफोसिस के सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि एक्सिस बैंक, श्रीराम फाइनेंस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एचडीएफसी लाइफ के शेयर गिरावट पर बंद हुए। कारोबार के दौरान बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक 0.5-0.5 फीसदी नीचे रहा। धातु को छोड़कर आज सभी प्रमुख क्षेत्रों में गिरावट रही। वित्तीय क्षेत्र में सबसे ज्यादा गिरावट आई। एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर नीचे गिरे। निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स में भारी गिरावट आई। इसके अलावा वाहन , उपभोक्ता सामान , दवा और वित्तीय सेवा क्षेत्र में गिरावट रही।

बाजार में इस गिरावट के कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली के साथ ही अमेरिकी फेड के अगले कदम को लेकर जारी संशय और तेल की बढ़ती कीमतों को भी माना जा रहा है। इससे पहले आज सुबह भी बाजार गिरावट पर खुला। आज सुबह कारोबार शुरु होने पर तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 242 अंक नीचे आकर 82,014 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 64 अंक फिसलकर 25,044 पर पहुंच गया। सबसे अधिक गिरावट बैंकिंग शेयरों में रही। सुबह निफ्टी बैंक 323 अंक तकरीबन 0.57 फीसदी नीचे आकर 56,490 पर था। लार्जकैप की जगह मिडकैप और स्मॉलकैप में सपाट कारोबार के दौरान दर्ज किया गया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 68 अंक की हल्की गिरावट के साथ 59,450 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 21 अंक की कमजोरी के साथ 19,095 पर था। आज सुबह प्रमुख एशियाई बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शंघाई, हांगकांग, बैंकॉक और जकार्ता में सबसे ज्यादा बढ़त रही। जबकि टोक्यो और सियोल में गिरावट दर्ज की गई। वहीं निवेशकों की सकारात्मक धारणा के कारण गुरुवार को अमेरिकी बाजार में बढ़त रही। इस दौरान विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) 17 जुलाई को लगातार दूसरे सत्र में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने 3,694 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल वीएफ6 और वीएफ7 की बुकिंग शुरू

नईदिल्ली ।

विनफास्ट ऑटो इंडिया ने भारत में अपनी प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल वीएफ6 और वीएफ7 की बुकिंग शुरू कर दी। बुकिंग उसी दिन शुरू हुई जब अमेरिकी ईवी कंपनी टेस्ला ने मुंबई में अपना पहला शोरूम खोला। इस साल की शुरुआत में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में विनफास्ट ने इन मॉडलों को शोकेस किया था। ग्राहक रुपए 21,000 की पूरी तरह रिफंडेबल राशि देकर विनफास्ट के शोरूम या आधिकारिक वेबसाइट से बुकिंग कर सकते हैं। अगस्त में तमिलनाडु के थूथुकुडी में बन रही विनफास्ट की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के उद्घाटन के बाद इन गाड़ियों की बिक्री और डिलीवरी शुरू होगी। कंपनी के अनुसार वीएफ6 और वीएफ7 भारतीय सड़कों और कंज्यूमर्स की जरूरतों के मुताबिक डिजाइन किए गए हैं, जो एक बार चार्ज पर शानदार रेंज देंगे और डेली सिटी राइड से लेकर वीकेंड गेटअवे तक के लिए उपयुक्त हैं। वीएफ7 एक प्रीमियम और डायनामिक इलेक्ट्रिक एसयूवी है जिसमें लेवल 2 एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएसएस), बड़ा टचस्क्रीन, पैनोरमिक ग्लास रूफ, कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी, वायरलेस चार्जिंग और सिग्नेचर एलईडी लाइटिंग दी गई है। वीएफ6 को फैमिली-फ्रेंडली और स्टाइलिश एसयूवी के तौर पर पेश किया गया है जिसमें लेवल 2 अडास, स्मार्ट इंफोटेनमेंट सिस्टम, कनेक्टेड फीचर्स और पैनोरमिक रूफ जैसी सुविधाएं होंगी। विनफास्ट 27 शहरों में 32 डीलरशिप खोलने जा रही है और इसके लिए 13 डीलर पार्टनर्स से समझौता किया है। बिक्री के साथ-साथ कंपनी ने रोडग्रिड, मायटीवीएस और ग्लोबल एश्योर के साथ पार्टनरशिप की है ताकि देशभर में भरोसेमंद चार्जिंग और आफ्टर-सेल्स सर्विस नेटवर्क विकसित किया जा सके।

टीआरएफ को अब आर्थिक मदद या संसाधन नहीं मिल सकेगी, आतंकी संगठन घोषित

वाशिंगटन।

अमेरिका ने पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को विदेशी आतंकी संगठन घोषित किया है। टीआरएफ ने पहलगाम में हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। बाद में भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने पर उसने इससे इनकार कर दिया था। भारत ने अपने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल पूरी दुनिया में भेजे थे, जिन्होंने पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान की भूमिका को बताया। अब इसे एफटीओ में डालना भारत की बड़ी कामयाबी है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर इस फैसले की घोषणा की। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि यह कदम आतंकवाद के खिलाफ ट्रंप प्रशासन की कड़ी प्रतिबद्धता को दिखाता है। पहलगाम हमला 2008 के मुंबई हमलों के बाद भारत में सबसे घातक हमला था। टीआरएफ को एफटीओ घोषित करना ट्रम्प की उस मांग को पूरा करता है, जिसमें उन्होंने इस हमले के लिए न्याय की बात कही थी।

टीआरएफ को अब अमेरिका में कोई आर्थिक मदद या संसाधन नहीं मिलेंगे। इनके ऊपर आर्थिक प्रतिबंध लगेंगे। उनसे जुड़ी संपत्ति को अमेरिका में फ्रीज किया जाएगा। इससे उनके हथियार, ट्रेनिंग और भर्ती जैसे कामों को झटका लगेगा। टीआरएफ के सदस्यों और समर्थकों का अमेरिका जाना बैन हो जाएगा। अमेरिकी व्यक्ति और संस्थाए नामित संगठन को किसी भी प्रकार की सहायता नहीं दे सकेंगी।

संगठन को हथियारों, रक्षा उपकरणों और दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं की बिक्री पर रोक लगेगी। यह कदम भारत को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स जैसे वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान के खिलाफ अपनी बात को और मजबूती से रखने का मौका देगा। टीआरएफ का लश्कर-ए-तैयबा से रिश्ता उजागर होने से उसकी मुश्किलें बढ़ेंगी।

भारतीय बाजार में मोटरसाइकिल रैंजर प्रो और रैंजर प्रो प्लस लॉन्च

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में कोमाकी इलेक्ट्रिक कंपनी ने अपनी नई क्रूज़र स्टाइल इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल रैंजर प्रो और रैंजर प्रो प्लस को लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इन बाइक्स को उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया है, जो प्रैक्टिकल उपयोग के साथ क्रूज़र लुक वाली इलेक्ट्रिक बाइक की तलाश में हैं। रैंजर प्रो की कीमत रुपए 1,29,999 और प्रो प्लस की कीमत रुपए 1,39,999 रखी गई है। दोनों मॉडलों की कीमत में रुपए 12,500 की एक्सेसरीज भी शामिल हैं। दोनों मॉडलों में 4.2केडब्ल्यू का एलआईपीओ4 बैटरी पैक दिया गया है। एक बार फुल चार्ज पर रैंजर प्रो 160 से 220 किलोमीटर और रैंजर प्रो प्लस 180 से 240 किलोमीटर तक की रेंज देने में सक्षम है। इसमें 5केडब्ल्यू का हाई-टॉर्क मोटर है, जो बाइक को महज़ 5 सेकंड में अधिकतम गति तक पहुंचा सकता है। यह खास तौर पर हाईवे क्रूज़ और शहरी सड़कों दोनों के लिए उपयुक्त है। सेफ्टी और कम्फर्ट को ध्यान में रखते हुए बाइक्स में टेलीस्कोपिक सस्पेंशन, डुअल डिस्क ब्रेक, बैकरेस्ट वाली आरामदायक सीट और रियर टेल लैंप गार्ड जैसे फीचर्स दिए गए हैं। साथ ही इनमें फुल-कलर डिजिटल डैशबोर्ड, क्रूज कंट्रोल, रिवर्स असिस्ट, ब्लूटूथ साउंड सिस्टम और मोबाइल चार्जिंग यूनिट जैसे आधुनिक फीचर्स भी मिलते हैं।

मैनचेस्टर में खूब बोलता है जो रूट का बल्ला, बड़े रिकॉर्ड पर नजरें, पोंटिंग-द्रविड़ से निकलेंगे आगे

मैनचेस्टर (यूके) (एजेंसी)। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट कुछ दिग्गजों को पछाड़ने की कोशिश करेंगे क्योंकि सचिन तेंदुलकर के सर्वकालिक टेस्ट रिकॉर्ड की राह थोड़ी आसान हो गई है। मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान रूट को ऑस्ट्रेलियाई महान रिकी पोंटिंग को पछाड़ने और तेंदुलकर के बाद सफेद टेस्ट में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में खुद को स्थापित करने के लिए 120 रन और चाहिए।

इंग्लैंड के पक्ष में 2-1 से सीरीज होने और लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में शतक लगाकर पहले दो टेस्ट में मिले-जुले प्रदर्शन की भरपाई करने के साथ यह अनुभवी खिलाड़ी इंग्लैंड के लिए सर्वश्रेष्ठ रन-मशीन बने रहने का लक्ष्य रखेगा। अब तक तीन टेस्ट मैचों में रूट ने 50.60 की औसत से 253 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। वह अब तक आठवें सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जो इस दशक में उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए थोड़ा निराशाजनक है।

रूट का मैनचेस्टर में शानदार रिकॉर्ड है, जहां उन्होंने 11 टेस्ट मैचों की 19 पारियों में 65.20 की औसत से 978 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और सात अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 254 है। यह स्टाइलिश बल्लेबाज वर्तमान में टेस्ट मैचों में पांचवें सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ हैं जिन्होंने 156 टेस्ट मैचों की 285 पारियों में 50.80 की औसत से 13,259 रन बनाए हैं, जिसमें 37 शतक और 66 अर्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 262 है।

सिर्फ 30 रन और बनाकर रूट चौथे स्थान पर पहुंच जाएंगे और भारत के महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ (164 टेस्ट मैचों में 13,288 रन) को पीछे छोड़ देंगे जबकि 120 रन और बनाकर वह दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस (166 टेस्ट मैचों में 13,289 रन) और ऑस्ट्रेलिया के पोंटिंग (168 मैचों में 13,378 रन) को पछाड़कर अब तक के दूसरे सबसे ज़्यादा टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। तेंदुलकर टेस्ट मैचों में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जिन्होंने 200 टेस्ट मैचों की 329 पारियों में 53.78 की औसत से 15,921 रन बनाए हैं जिसमें 51 शतक और 68 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 248* है।

प्रतिका रावल पर लगा जुर्माना, इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में ये हरकत पड़ी महंगी

दुबई (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल को इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया और उन पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

भारतीय सलामी बल्लेबाज को थोड़े समय के अंतराल में हुई दो अलग-अलग घटनाओं के लिए दंडित किया गया है। 18वें ओवर में, सिंगल लेते समय उन्होंने गेंदबाज लॉरेन फाइलर के साथ शारीरिक संपर्क बनाया, जिससे बचा जा सकता था। अगले ओवर में आउट होने के बाद ड्रेसिंग रूम लौटते समय उन्होंने गेंदबाज सोफी एक्लेस्टोन के साथ भी ऐसा ही शारीरिक संपर्क बनाया, जिससे बचा जा सकता था।

इसके अलावा रावल के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है, जो 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था। इस बीच, इंग्लैंड की टीम पर धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया क्योंकि निर्धारित समय सीमा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने लक्ष्य से एक ओवर कम फेंका। खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर गति के अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में अपनी टीम द्वारा कम फेंके गए प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। रावल और इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने मैच रेफरी सारा बाटर्लेट द्वारा लगाए गए अपने-अपने दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। श्रृंखला का पहला मैच एक कड़ा मुकाबला था, जिसमें भारत ने जीत सुनिश्चित करने के लिए अपना धैर्य बनाए रखा। इंग्लैंड ने सोफिया डंकले के 83 रनों और एलिस डेविडसन-रिचर्ड्स के धैर्यपूर्ण अर्धशतक की बदौलत 258/6 का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। भारत 124/4 के स्कोर पर संकट में था, लेकिन दीप्ति शर्मा (नाबाद 62) की धैर्यपूर्ण पारी जिन्हें जेमिमा रोड्रिग्स (48), ऋचा घोष (10) और अमनजोत कौर (नाबाद 20) का अच्छा सहयोग मिला, ने मेहमान टीम को कड़ी मेहनत से जीत दिला दी।

भारत बनाम इंग्लैंड मैच के दौरान जल्दी खराब हो रही ड्यूक्स गेंदें, शिकायतों के बाद जांच का फैसला

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच मौजूदा टेस्ट श्रृंखला के दौरान आलोचना का सामना कर रहे 'ड्यूक्स' गेंद की निर्माता कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि वह गेंद के जल्दी 'नरम (खराब)' होने की गहन समीक्षा करेंगे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल और इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड की आलोचना के बाद इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) इस्तेमाल की गई ज्यादा से ज्यादा गेंदों को इस सप्ताह के आखिर तक ड्यूक्स गेंद बनाने वाली कंपनी को लौटा देगा।

ड्यूक्स का निर्माण करने वाली 'ब्रिटिश क्रिकेट बॉल्स लिमिटेड' के मालिक दिलीप जाजोदिया ने कहा, 'हम इन (इस्तेमाल हुई) गेंदों को ले जाएंगे, निरीक्षण करेंगे और फिर इसके निर्माण से जुड़े लोगों से बातचीत करेंगे। हम इस मामले में जो भी जरूरी होगा वह कदम उठाएंगे।' उन्होंने कहा, 'समीक्षा में अगर हमें लगेगा कि कुछ बदलाव करने की जरूरत है, तो हम करेंगे।' पांच मैचों की मौजूदा श्रृंखला के दौरान मैदानी अंपायरों को नियमित रूप से गेंदों को बदलना पड़ा क्योंकि वे जल्दी नरम हो जा रही थीं। गेंद लगभग 30 ओवर के इस्तेमाल के बाद ही खराब हो जा रही थी। इस पूरी प्रक्रिया के कारण मैचों के दौरान विलंब भी हुआ। टेस्ट श्रृंखला के लिए इस्तेमाल होने वाली गेंद का निर्णय मेजबान बोर्ड करता है। इंग्लैंड में ड्यूक्स गेंद का उपयोग किया जाता है तो वहीं भारत में टेस्ट मैच एसजी गेंद से खेले जाते हैं। ऑस्ट्रेलिया में कूकाबूरा का उपयोग होता है। ड्यूक्स गेंद का उत्पादन 1760 से हो रहा है लेकिन हाल के वर्षों में टेस्ट और काउंटी क्रिकेट में उसे आलोचना का सामना करना पड़ा है। लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान शुभमन गिल उस गेंद से नाखुश थे जो उन्हें अंपायरों द्वारा दी गई थी। इस दूसरी नई गेंद को मैच के दूसरे दिन सुबह के पहले घंटे में बदलना पड़ा था। जसप्रीत बुमराह ने मूल गेंद से कम ओवरों में तीन विकेट लिए थे लेकिन गेंद में बदलाव के बाद भारतीय गेंदबाज पहले सत्र के बाकी समय में एक भी विकेट नहीं ले पाए। इंग्लैंड पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे है।

लॉर्ड्स टेस्ट पर बोले पूर्व भारतीय क्रिकेटर, जडेजा की थोड़ी और आक्रामकता जीत पक्की कर सकती थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट के आखिरी दिन रवींद्र जडेजा की दमदार पारी की तारीफ की है, लेकिन साथ ही संकेत दिया कि अंतिम क्षणों में इस सीनियर ऑलराउंडर का थोड़ा और आक्रामक रुख मैच को भारत के पक्ष में कर सकता था। 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के शीर्ष और मध्य क्रम ने पिच पर असमान उछाल के खिलाफ बहुत कम या बिल्कुल भी प्रतिरोध नहीं दिखाया और जडेजा के लिए बहुत बड़ी चुनौती खड़ी कर दी, क्योंकि एक समय टीम 82/7 पर लड़खड़ा रही थी। दुनिया के नंबर 1 ऑलराउंडर ने इसके बाद संघर्ष जारी रखा और 181 गेंदों पर नाबाद 61 रन बनाए, लेकिन यह भारत के लिए पर्याप्त नहीं था और मेजबान टीम ने 22 रनों से जीत दर्ज की। कैफ का मानना है कि जब समीकरण पहुंच में था, तब थोड़ी और तेजी न लाकर सीनियर ऑलराउंडर ने मौका गंवा दिया। उन्होंने कहा, 'जडेजा ने शानदार पारी खेली - पूरा श्रेय उन्हें जाता है। लेकिन शायद अगर वह 10 प्रतिशत और आक्रामक खेलते, तो नतीजा कुछ और हो सकता था। यह पांचवें दिन की पिच थी, गेंद रिवर्स हो रही थी, उछाल असमान था, और परिस्थितियां कठिन थीं। जब सिराज बल्लेबाजी करने आए तो उन्होंने केवल तीन गेंदों का सामना किया। उस समय आपको स्ट्राइक मैनेज करना होता है, ध्यान रखें कि आप बुमराह या सिराज जैसे पुछल्ले बल्लेबाजों को कितनी गेंदें खेलने दे रहे हैं।' कैफ ने कहा, 'जडेजा ने 90 प्रतिशत काम कर दिया था। बस 10 प्रतिशत और - कुछ सोचे-समझे जोखिम - और शायद लक्ष्य का पीछा पूरा हो जाता। लेकिन बाहर से कहना आसान है। उस पल के दबाव को केवल बल्लेबाज ही जानता है। फिर भी, यह एक यादगार पारी थी।' पूर्व क्रिकेटर ने अब तक श्रृंखला में भारत के समग्र बल्लेबाजी प्रदर्शन पर विचार करते हुए कहा कि बल्लेबाजी इकाई ने अपना काम अच्छा किया है और आगे भी ऐसा ही करना चाहिए। पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'मेरा मानना है कि भारतीय बल्लेबाजी इकाई के 80-90 प्रतिशत ने अच्छा प्रदर्शन किया है। गिल फॉर्म में हैं, जायसवाल ने बहुमूल्य योगदान दिया है, पंत आत्मविश्वास से खेल रहे हैं और जडेजा लगातार रन बना रहे हैं। सुंदर ने भी योगदान दिया है। अगर बल्लेबाजी चल रही है, तो उसे बदलने की कोई जरूरत नहीं है। बस वही तरीका दोहराएं। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट 23 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर में शुरू होगा।

गंभीर सहित सहयोगी स्टाफ ने जडेजा को सबसे मूल्यवान खिलाड़ी बताया

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर सहित सहयोगी स्टाफ ने ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की जमकर प्रशंस करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में उनके प्रदर्शन को असाधारण बताया है। गंभीर ने कहा कि जडेजा जैसा खिलाड़ी मिलना कठिन है। गंभीर ने जडेजा को टीम का सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (एमवीपी) करार दिया। जडेजा ने इस सीरीज में शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी की है। तीसरे टेस्ट में उन्होंने अंतिम दिन 181 गेंदों पर नाबाद 61 रन बनाये थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अब एक वीडियो जारी किया है। इसमें कोच जडेजा की जमकर तारीफ कर रहे हैं। गंभीर ने इस वीडियो में कहा, ' जडेजा की पारी अविश्वसनीय थी।' भारतीय टीम इस मैच में 193 रन के लक्ष्य का पीछा नहीं कर पायी। टीम के शीर्ष बल्लेबाज जब पेवेलिन लौट रहे थे। तब जडेजा ने एक छोर संभाले रखा। वहीं इसी वीडियो में सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने कहा, 'जडेजा की बल्लेबाजी एक अलग ही स्तर पर पहुंच गई है। पिछले दो टेस्ट मैचों में उन्होंने जो संयम दिखाया वह वास्तव में प्रशंसनीय है। मैं उन्हें कई साल से खेलते हुए हुए देख रहा हूं। मैंने देखा है कि उन्होंने अपने खेल को बेहतर बनाया है। वह वे एक शानदार बल्लेबाज़ लगते हैं जो आक्रामक साथ ही रक्षात्मक खेल में भी कुशल हैं।' वहीं बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने कहा, 'मुझे हमेशा लगता था कि उनमें दबाव झेलने की क्षमता है। वह आमतौर पर तब अधिक अच्छी बल्लेबाज करते हैं जब टीम को चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में जरूरत होती है। वह टीम के लिए वाकई बहुत मूल्यवान हैं।'

अमेरिकी ओपन 2025 में कई दिग्गज खिलाड़ी उतरेंगे मैदान में

न्यूयार्क। अमेरिकी ओपन 2025 के लिए तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और इस प्रतिष्ठित ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में कई नामी सितारे अपनी किस्मत आजमाने को तैयार हैं। गत चैंपियन यानिक सिनर और दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी एरीना सबालेंका उन 10 पूर्व विजेताओं में शामिल हैं जो इस बार भी खिताब के लिए जोर लगाएंगे। अमेरिकी टेनिस एसोसिएशन ने 24 अगस्त से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिए आधिकारिक प्रवेश सूची जारी की है जिसमें कुल 18 पूर्व ग्रैंडस्लैम एकल चैंपियन खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं। इस सूची में खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश 14 जुलाई तक की विश्व रैंकिंग के आधार पर दिया गया है। पुरुष खिलाड़ियों के लिए कटऑफ 101वीं रैंकिंग रही जबकि महिला वर्ग में यह सीमा 99वीं रैंकिंग पर थी। इसका मतलब है कि इस साल भी कोर्ट पर दुनिया के कई बड़े सितारे और अनुभवी नाम एक बार फिर अपनी दावेदारी पेश करेंगे और दर्शकों को कड़ी टक्कर वाले मुकाबले देखने को मिलेंगे।

'भारत को एक एक्स्ट्रा गेंदबाज को खिलाना चाहिए', चौथे टेस्ट से पहले रहाणे ने दिया भारतीय टीम को जीत का मंत्र

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का चौथा टेस्ट मैच 23 जुलाई से मैनचेस्टर में खेला जाएगा। लॉर्ड्स में हार के बाद भारतीय टीम पांच मैचो की सीरीज में 1-2 से पीछे चल रही है। भारतीय टीम के लिए यह टेस्ट मैच अहम साबित होगा जो टेस्ट सीरीज की हार-जीत निश्चित करेगा। इसी बीच भारतीय क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने भारतीय टीम को जीत का मंत्र देते हुए प्लेइंग इलेवन में बदलाव करने की सलाह दी है। रहाणे ने चौथे टेस्ट में एक अतिरिक्त गेंदबाज को खिलाने की बात कही है और उनका मानना है कि एक अतिरिक्त गेंदबाज से भारतीय टीम को सीरीज बराबर करने में मदद मिलेगी।

अजिंक्य रहाणे ने अपने यूट्यब चैनल पर कहा- 'हम जानते हैं कि चौथे और पांचवें दिन बैटिंग थोड़ी मुश्किल होती है। रन बनाना आसान नहीं होता। हां, इंग्लैंड ने अच्छी गेंदबाजी की, मगर मुझे लगता है कि भारत ने पहली पारी में बड़ा स्कोर बनाने का मौका गंवा दिया। आगे बढ़ते हुए भारत को एक एक्स्ट्रा गेंदबाज को खिलाना चाहिए, क्योंकि आप टेस्ट मैच या सीरीज 20 विकेट लेकर जीतते हो।' रहाणे ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की तारीफ करते हुए लॉर्ड्स टेस्ट के तीसरे दिन उनके द्वारा लंच से पहले ऋषभ पंत को आउट करने को मैच का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट बताया।

कैफ ने भारतीय टीम को बताया वापसी का रास्ता, प्लेइंग 11 पर कही बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने युवा भारतीय टीम के इंग्लैंड में चल रही टेस्ट सीरीज में वापसी करने और बराबरी करने का समर्थन किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हार के बाद घबराहट लय को बिगाड़ सकती है। विशेष बातचीत में कैफ ने विराट कोहली, रोहित शर्मा, मोहम्मद शमी और आर. अश्विन जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के बावजूद भारत के लचीलेपन की प्रशंसा की और कप्तान शुभमन गिल को एक नेतृत्वकर्ता और एक बल्लेबाज, दोनों के रूप में आगे बढ़ने का श्रेय दिया।

कैफ ने चयन में निरंतरता की भी बात की और टीम प्रबंधन से हार पर जल्दबाजी में प्रतिक्रिया न करने का आग्रह किया। उन्होंने करुण नायर जैसे खिलाड़ियों का समर्थन करने और मौजूदा प्लेइंग 11 पर भरोसा करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, 'आपने चार दिन अच्छा क्रिकेट खेला और पांचवें दिन हार गए, इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपनी योजना बदल दें।'

जसप्रीत बुमराह के अगले महत्वपूर्ण टेस्ट में भी खेलने की संभावना है और बल्लेबाजी क्रम फॉर्म में है, ऐसे में कैफ आशावादी हैं। उन्होंने कहा, '2-2 से बराबरी पर रहने की प्रबल संभावना है, भारत को बस शांत रहना होगा और समझदारी से खेलना होगा।'

श्रृंखला में भारत के प्रदर्शन पर कैफ ने कहा, 'भारत ने पिछले 15 दिनों में से 12-13 दिनों तक दबदबा बनाए रखा। उन्होंने बल्ले और गेंद, दोनों से दमदार क्रिकेट खेला। जब यह टीम इंग्लैंड पहुंची, तो ज़्यादातर लोगों ने 0-4 या 1-4 से हार की भविष्यवाणी की थी, लेकिन उन्होंने सभी को चौंका दिया। कोहली, रोहित, शमी और अश्विन के बिना, यह युवा टीम डटी रही और अच्छा प्रदर्शन किया। वे दो करीबी मैच हार गए, हेडिंग्ले भारत की पकड़ में था, और 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए अंतिम टेस्ट भी। शुभमन गिल ने कप्तान और बल्लेबाज दोनों के रूप में आगे बढ़कर नेतृत्व किया है। इंग्लैंड की परिस्थितियों में उनके प्रदर्शन पर संदेह था, लेकिन उन्होंने बल्ले से जवाब दिया। थोड़ी किस्मत के साथ, भारत तीनों टेस्ट जीत सकता था।'

टीम इंडिया की चयन मानसिकता के सवाल पर कैफ ने कहा, 'एक बात मैंने नोटिस की है कि जब भारत हारता है, तो वे घबरा जाते हैं। जब वे जीतते हैं, तो वे उसी प्लेइंग 11 के साथ बने रहते हैं। पहला टेस्ट हारने के बाद उन्होंने 2-3 बदलाव किए। लेकिन बर्मिंघम में जीत के बाद केवल बुमराह को ही टीम में शामिल किया गया, कोई और बदलाव नहीं। यही चलन रहा है। तीसरा टेस्ट हारने के बाद भी मेरा मानना है कि उन्हें मैनचेस्टर में उसी टीम के साथ उतरना चाहिए। करुण नायर को शुरुआत मिल रही है 30 और 40 के बीच लेकिन वे रन नहीं बना पा रहे हैं। फिर भी, उन्हें एक और मौका मिलना चाहिए।

मेरे हिसाब से यह इंग्लैंड का वर्षों में सबसे कमजोर गेंदबाजी आक्रमण है जिसमें न ब्रॉड, न एंडरसन, और आर्चर अभी भी वापसी की राह पर हैं। मैंने इंग्लैंड को इतना तेज आक्रमण करते कभी नहीं देखा। और फिर भी हम 193 के लक्ष्य का पीछा नहीं कर सके। यहीं हम मैच हार गए।'

टीम इंडिया की संभावनाओं पर पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'भारत के सीरीज 2-2 से बराबर करने की पूरी संभावना है और मेरा मानना है कि यह संभावना काफी ज़्यादा है। मुझे लगता है कि यह टीम मजबूत वापसी कर सकती है। शुभमन गिल की कप्तानी और टॉस के फैसलों पर कैफ ने कहा, अब तक शुभमन गिल तीन टॉस हार चुके हैं, दो जहां हमने पहले बल्लेबाजी की और एक जहां हमने लक्ष्य का पीछा किया। हम वह मैच हार गए जहां हमने पहले गेंदबाजी की। मुझे नहीं लगता कि फील्डिंग चुनना सही फैसला था। टॉस जीतो और बल्लेबाजी करो जैसे विराट कोहली करते थे। स्विंग या पूर्वानुमान की परवाह किए बिना, बोर्ड पर रन बनाओ।

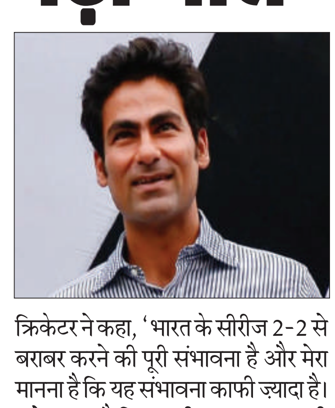

ओलिविया स्मिथ बनी दुनिया की सबसे महंगी महिला फुटबॉलर

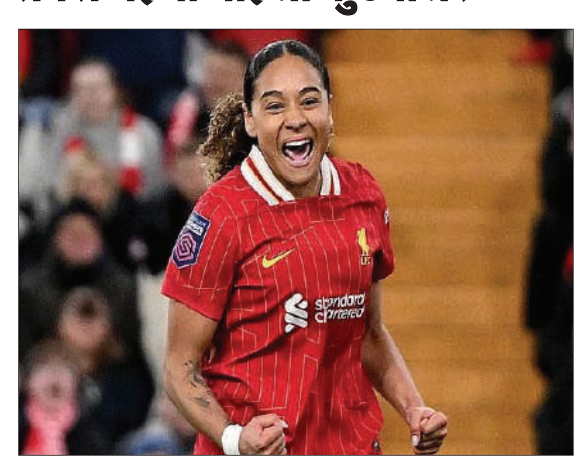

लंदन। ओलिविया स्मिथ महिला फुटबॉल इतिहास की सबसे महंगी खिलाड़ी बन गईं हैं। आर्सेनल ने कनाडा की इस 20 वर्षीय खिलाड़ी को 10 लाख पाउंड (लगभग 11 करोड़ 57 लाख रुपए) की विश्व रिकॉर्ड ट्रांसफर फीस पर लिवरपूल से अपनी टीम में शामिल किया। महिला फुटबॉल में यह नई धनराशि जनवरी में सैन डिएगो वेव से नाओमी गिर्मा को अपनी टीम से जोड़ने के लिए चेल्सी द्वारा भुगतान की गई 900,000 पाउंड की राशि को पार कर गयी है। आर्सेनल की महिला फुटबॉल निदेशक क्लेयर व्हीटली ने कहा, 'वह खेल की सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक हैं और क्लब में आगे बढ़ने की उनमें अपार संभावनाएं हैं।' अनुबंध के बारे में जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि इस फॉरवर्ड ने चार साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलदीप को मैनचेस्टर टेस्ट में खेलते देखना चाहते हैं कपिल

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि मैनचेस्टर में 23 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले चौथे टेस्ट मैच में चाइननामैन स्पिनर कुलदीप यादव बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे में वह कुलदीप को इस मैच में खेलते हुए देखना चाहते हैं। कपिल ने स्वयं कुलदीप को फोन कर ये बात कही है। पांच मैचों की इस सीरीज में अभी भारतीय टीम 1-2 से पीछे है, ऐसे में उसके लिए चौथा टेस्ट बेहद अहम है। भारतीय टीम को लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में केवल 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा। तीनों मैच के दौरान कुलदीप को जगह नहीं मिलने से सभी हैरान हैं क्योंकि टीम में शामिल स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा इन मैचों में प्रभावित नहीं कर पाये, केवल बल्लेबाजी के आधार पर इन्हें जगह मिली। ऐसे में कपिल का ये कहना कि मैनचेस्ट टेस्ट में कुलदीप बड़ी भूमिका निभा सकते हैं, ये बात ध्यान में रखनी चाहिये। अब तक सुंदर ने तीसरे मैच की दूसरी पारी में 4 विकेट लिए किया। वहीं जडेजा ने 6 पारियों में तीन विकेट लिए हैं। हालांकि बल्लेबाजी में जडेजा काफी सफल रहे हैं। कुलदीप को टीम में जगह नहीं मिलने पर कपिल ने कहा कहा, टीम अच्छा खेल रही है इसलिए भी शायद उन्हें अवसर नहीं मिला। तीसरे टेस्ट में लगा कि वह खेलेंगे पर लेकिन तेज गेंदबाजों ने अच्छा काम किया। उन्होंने साथ ही कहा, इस समय कुलदीप अच्छे फॉर्म में है। ऐसे में उसे जगह नहीं देना नुकसानदेह रहेगा। पिछले कुछ मैचों में गेंदबाज नहीं, बल्कि बल्लेबाज विफल रहे हैं। उन्होंने कहा, आप कुलदीप या जसप्रीत बुमराह से ये उम्मीद नहीं कर सकते कि वह काफी रन बना लेंगे। मैंने हाल ही में कुलदीप से बात की और उसे फिट रहने और अवसर मिलने पर अच्छा प्रदर्शन करने को कहा। हम सभी उसे जगह मिलने की उम्मीद कर सकते हैं हालांकि अंतिम फैसला कोच और कप्तान को करना है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कुलदीप वर्तमान समय में देश के सबसे अच्छे और अनुभवी स्पिनर हैं। उन्होंने साथ ही कहा, उसका मनोबल ऊंचा है पर अंदर ही अंदर वह यह भी सोच रहा होगा कि उसे कब अवसर मिलेगा। वह भी तो इंसान ही है। मैनचेस्टर में अवसर मिलन पर वह बड़ी भूमिका निभा सकता है।

'गिल पर इसका सही असर नहीं हुआ', शुभमन के आक्रामक तेवर पर बोले मांजरेकर

लंदन (एजेंसी)। नई दिल्ली ~ भारत के इंग्लैंड दौरे पर शुभमन गिल का प्रदर्शन अभी तक देखने लायक रहा है। उन्होंने कई बल्लेबाजी रिकॉर्ड तोड़ते हुए टेस्ट कप्तान के रूप में अपनी पहली जीत हासिल की। हालांकि लॉर्ड्स में उनका एक ऐसा पक्ष देखने को मिला जो अक्सर देखने को नहीं मिलता। उन्होंने जैक क्रॉली के सामने आक्रामक तेवर दिखाए और उनकी टीम ने भी उनका अनुसरण किया और इस तरह सीरीज का पहला रोमांचक मोड़ आया।

बेन स्टोक्स ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट किया कि इंग्लैंड ने गिल की आक्रामकता के सीधे जवाब में भारत के लिए स्थिति को जितना हो सके उतना असहज बनाने का फैसला किया था। चौथे दिन के आखिरी क्षणों में जब खेल के एक महत्वपूर्ण दौर में बल्लेबाजी करने की उनकी बारी आई, तो गिल ज्यादा देर टिक नहीं पाए। अब जबकि टेस्ट मैचों के बीच ब्रेक है, मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट अगले बुधवार से शुरू हो रहा है और भारत 1-2 से पीछे है, गिल के पास यह तय करने के लिए कुछ समय है कि क्या वह तीसरे दिन दिखाए गए साहस को आगे भी जारी रखना चाहते हैं।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने मैच डे कार्यक्रम में भारत के एक पूर्व कप्तान का उदाहरण देते हुए चीजों को सही परिप्रेक्ष्य में रखा। मांजरेकर ने कहा, 'विराट कोहली के साथ बात यह थी कि वह जब ज्यादा जोश में आ जाते थे, तो एक बेहतर बल्लेबाज बन जाते थे। शुभमन गिल के साथ मुझे जो बात निराश कर रही थी, वह यही थी कि मैं सोच रहा था कि गिल किस दिशा में जा रहे हैं? क्योंकि ऐसा लग रहा था कि बल्लेबाज गिल पर इसका सही असर नहीं हुआ।'

मांजरेकर ने कहा, 'वह बहुत ही अनिश्चित लग रहे थे और आप जानते हैं, आजकल हम स्टंप माइक के सामने होते हैं और हम उनकी बातें सुन सकते थे और कुछ निजी हमले भी हुए।' 'गिल के लिए यह एक नया अनुभव हो सकता है क्योंकि आजकल, जैसा कि आप देख सकते हैं, भारतीय खिलाड़ियों के साथ, ज्यादातर विदेशी टीमें दोस्ताना व्यवहार करती हैं। इसलिए यह एक नया क्षेत्र था। और वह अनिश्चित लग रहे थे और इसके लिए तैयार नहीं थे।'

गिल लॉर्ड्स में दो टेस्ट मैचों में 485 रन बनाकर उतरे थे। उन्होंने चार पारियों में तीन शतक लगाए और उनमें से एक को करियर की सर्वश्रेष्ठ 269 रनों की पारी में बदल दिया। तीसरे टेस्ट में बल्लेबाजी के लिए हालात बाकी सीरीज की तुलना में ज्यादा मुश्किल थे। दूसरी पारी में उन्हें एक सख्त नई गेंद का सामना करना पड़ा। बाकी हर बार, उन्हें एक पुरानी, नरम गेंद के सामने शुरुआत करने का फायदा मिला, जो ज्यादा असर नहीं कर रही थी।

मांजरेकर ने कहा, 'हमने देखा कि उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की, उससे यह नतीजा निकला। उन्होंने पूरी सीरीज में बल्लेबाज के तौर पर अपने मैराथन प्रदर्शन के दौरान खूबसूरती से इन गेंदों का सामना किया है। और अचानक से वो उन गेंदों को मिस कर रहे थे। अगली गेंद पर, पगबाधा आउट हो गए। गिल के डिफेंस को भेदना बहुत मुश्किल काम था। उन्होंने शायद ही कोई गेंद मिस की हो। उनका नियंत्रण प्रतिशत शानदार रहा है। और अचानक (दूसरी पारी में) लगभग नौ गेंदों में से उन्होंने चार गेंदें मिस कर दीं। मुझे इसमें कोई शक नहीं कि इसमें कोई कनेक्शन है।'

भाजपा वोट बैंक की राजनीति नहीं करती, बल्कि सरोकारों की राजनीति करती है : डा. सतीश पूनिया

भाजपा प्रदेश प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष ने जिलों के कार्यों की समीक्षा की

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला, 18 जुलाई। भाजपा की शुक्रवार को पंचकूला में संगठनात्मक बैठक हुई। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि सत्ता और संगठन के बेहतर तालमेल के माध्यम से मोदी और नायब सरकार की योजनाओं को लाभार्थियों के घर-घर तक पहुंचाने की रणनीतिक चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा वोट बैंक की राजनीति नहीं करती, बल्कि सरोकारों की राजनीति करती है। भाजपा का यह चरित्र है कि हम चुनावी और वोट बैंक की राजनीति नहीं करते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नवाचार पर जोर देते हैं। पीएम मोदी ने जनता से दूर हो गए रेडियो को 'मन की बात' कार्यक्रम के तहत देश से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश सशक्त हो रहा है। मोदी और नायब सरकार की रचनात्मक गतिविधियां लोगों को नजर आ रही है। डबल इंजन की सरकार में हर क्षेत्र में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पौधारोपण अभियान में भाजपा के कार्यकर्ता समर्पित होकर काम कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं को 25-25 पौधे लगाने का लक्ष्य दिया था, लेकिन भाजपा कार्यकर्ताओं ने उससे भी अधिक पेड़ लगाने काम किया हैं। श्री बड़ौली ने कहा कि पिछले दिनों योग दिवस, डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस, मन की बात कार्यक्रम के अलावा अन्य गतिविधियां चलाई गई थी उन सभी की आज समीक्षा की गई।

आगामी कार्यक्रमों के बारे में बोलते हुए बड़ौली ने कहा कि 27 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम को सभी बूथों पर सुना जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी संगठनात्मक 27 जिला अध्यक्षों की नियुक्ति हो चुकी है और अब जल्द ही जिला कार्यकारिणी के सदस्यों की नियुक्ति भी कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त के बाद कार्यशालाओं का आयोजन कर सभी नए पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। आने वाले समय में भाजपा प्रदेश प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष, संगठन मंत्री और प्रदेश महामंत्री जिलावार कार्यकर्ताओं की बैठक भी लेंगे।

रॉबर्ट वाड्रा पर कार्रवाई को कांग्रेस ने राजनीति से जोड़ा

ईडी द्वारा रॉबर्ट वाड्रा पर हुई कार्रवाई पर श्री बड़ौली ने कहा कि गलत तरीके से जमीन की खरीद फरोख्त करके पैसा कमाना गलत है। उन्होंने कहा कि कानूनी प्रक्रिया के तहत ही ईडी कार्रवाई कर रही है। एक अन्य सवाल पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि झूठ बोलना कांग्रेस की आदत बन गई है। जब-जब चुनाव आते है कांग्रेस ईवीएम को दोषी ठहरा देती है। अगर कोई टैक्स व बिजली चोरी करता हुआ पकड़ा जाए तो कांग्रेस उसमें भी राजनीति ढूंढने का काम करती है। उन्होंने कहा कि रॉबर्ट वाड्रा पर जो कार्रवाई हो रही है कांग्रेस उसे भी राजनीति से जोड़ रही है। एक अन्य सवाल पर उन्होंने कहा ग्रीवेंस समिति का गठन लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए किया गया है। ग्रीवेंस कमेटी में लोगों की समस्याओं का जल्द ही समाधान हो जाता है और लोगों को अदालत के चक्कर लगाने से छुटकारा भी मिलता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि आज की बैठक में संगठन के विस्तार, 'मन की बात' कार्यक्रम की आगामी रणनीति एवं भविष्य की योजनाओं को लेकर चर्चा हुई और पदाधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए।

उद्योग व वित्त मंत्री के साथ उद्योग राउंड टेबल मीटिंग

नीतिगत सुधारों के माध्यम से उद्योग को प्रोत्साहन और नए निवेश को आकर्षित करने पर बल

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। पंजाब भवन, चंडीगढ़ में व्यापार, उद्योग एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री संजीव अरोड़ा और वित्त मंत्री सरदार हरपाल सिंह चीमा के साथ पंजाब के प्रमुख उद्योग संगठनों की एक राउंड टेबल बैठक आयोजित की गई। इस आयोजन का संयोजन राज्यसभा सांसद डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी द्वारा किया गया। बैठक की शुरुआत में उद्योग प्रतिनिधियों ने सरकार द्वारा लंबे समय से लंबित वन टाइम सेटलमेंट पॉलिसी लागू करने के लिए आभार व्यक्त किया, जिसके तहत फोकल पॉइंट्स में विवादित औद्योगिक भूखंडों के बकाया निपटान के लिए 8 फीसदी ब्याज दर पर भुगतान की सुविधा दी गई है। बैठक में उद्योग को प्रभावित करने वाले कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए, जिनमें सभी फोकल पॉइंट्स और औद्योगिक क्षेत्रों के शीघ्र पुनर्विकास की आवश्यकता, औद्योगिक ऋणों पर अधिक बंधक और हाइपोथिकेशन शुल्क की अधिकतम सीमा निर्धारित करना, साइकिलों पर जीएसटी को 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी करना, सौर ऊर्जा ट्रांसमिशन के लिए व्हीलिंग चार्ज का युक्तिकरण, अमृतसर में चावल निर्यातकों के लिए ड्राई पोर्ट कंटेनर सुविधा उपलब्ध कराना, और अमृतसर, मोहाली एवं लुधियाना में कन्वेंशन सेंटर्स के विकास में तेजी लाना शामिल हैं। संजीव अरोड़ा ने उद्योग जगत को आश्वस्त किया कि इन सभी विषयों को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाएगा और 45 दिनों के भीतर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। सरदार हरपाल सिंह चीमा ने साइकिल पर जीएसटी घटाने का मुद्दा आगामी जीएसटी काउंसिल की बैठक में उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि वर्ष 2018 में पूर्ववर्ती सरकार द्वारा समाप्त की गई 2.5 फीसदी की वित्तीय प्रोत्साहन योजना की समीक्षा की जाएगी। डॉ. साहनी ने राजपुरा औद्योगिक क्षेत्र में अवसंरचना विकास में तेजी लाने की आवश्यकता पर बल दिया और उद्योगपतियों को वहां अपने उद्योग स्थापित करने का आमंत्रण दिया। उन्होंने यह भी बताया कि पंजाब देश में उद्योग के लिए सबसे किफायती बिजली दरों में से एक प्रदानकर्ता है। बैठक में सीआईआई, पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स, एफआईसीओ, सीआईसीयू, बासमती राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन, यूनाइटेड साइकिल पार्ट्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन, होजिरी एवं निटवियर एसोसिएशन, प्लाइवुड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन, धनदारी इंडस्ट्रियल वेलफेयर एसोसिएशन, डेराबस्सी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, मोहाली इंडस्ट्रियल एसोसिएशन सहित अनेक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पुलिस ने घर से नाराज़ होकर निकली 19 वर्षीय लड़की को कुरुक्षेत्र से सुरक्षित किया बरामद

जीरकपुर (संदीप सिंह बावा)। पुलिस थाना ढकोली को दिनांक 17 जुलाई 2025 को एक व्यक्ति द्वारा लिखित शिकायत सौंपी गई, जिसमें बताया गया कि उसकी 19 वर्षीय बेटी किसी बात को लेकर गुस्से में आकर घर से बिना बताए कहीं चली गई है। परिजनों द्वारा काफी तलाश करने के बावजूद जब उसका कोई सुराग नहीं लगा, तो मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत पुलिस को सूचित किया गया।

शिकायत मिलते ही पीएस ढकोली की पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए मामले की जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच के दौरान प्राप्त सूचनाओं के आधार पर यह सामने आया कि लड़की दिल्ली पहुंच चुकी है। इसके बाद दिल्ली बस अड्डे से संपर्क किया गया, जहाँ से यह जानकारी प्राप्त हुई कि उक्त लड़की ने दिल्ली से अमृतसर जाने के लिए एक बस की टिकट बुक करवाई है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने संबंधित बस सेवा के मालिक से संपर्क कर बस का नंबर तथा उसमें कार्यरत ड्राइवर और कंडक्टर के मोबाइल नंबर प्राप्त किए। सभी से समन्वय स्थापित करते हुए पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बस को कुरुक्षेत्र के पास रुकवाया और लड़की को सुरक्षित बरामद कर लिया।

पार्षद योगेश ढींगरा ने प्रशासन पर उठाए सवाल

सेक्टर-37 कम्युनिटी सेंटर का जिम बना शोपीस, लाखों का सामान खराब

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 18 जुलाई। चंडीगढ़ के सेक्टर-37 स्थित कम्युनिटी सेंटर में वर्षों से बंद पड़े जिम में लाखों रुपये का महंगा फिटनेस उपकरण धूल फांक रहा है। पार्षद योगेश ढींगरा ने इस मुद्दे को उठाते हुए नगर निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

उन्होंने कहा कि एक ओर शहर का युवा प्राइवेट जिम में सालाना 15 से 20 हजार रुपये खर्च कर रहा है, वहीं दूसरी ओर सरकारी संसाधन कम्युनिटी सेंटर में बने जिम बेकार पड़े हैं। पार्षद योगेश ढींगरा ने कहा, 'प्रशासन रोज़ाना 'विकसित भारत 2047' की बात करता है, लेकिन जब लोगों का लाखों का सार्वजनिक धन बर्बाद हो रहा है तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?'

पार्षद ने कहा कि यूथ को नशे से दूर रखने के लिए लगातार कार्यक्रम होते हैं, जिनमें पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाबचंद कटारिया भी युवाओं के मार्गदर्शन की बात करते हैं। ऐसे में जनता प्रशासक से अपील कर रही है कि बंद पड़े जिम को जल्द से जल्द चालू करवाया जाए, ताकि युवाओं को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने में मदद मिले और वे महंगे प्राइवेट जिम से बच सकें। क्योंकि जनता अब यह सवाल कर रही है कि इस जिम में जो भी पैसा लगा है वह उनके टैक्स का पैसा है इसलिए जनता का पैसा जनता तक पहुंचना चाहिए और उनको यह सुविधा मिलनी चाहिए।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि नगर निगम को अपनी पॉलिसी में बदलाव कर ऐसी सुविधाओं को आम जनता की पहुंच में लाना चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'जब नागरिक अपने अधिकार मांगते हैं, तो प्रशासन कहता है कि निगम के पास फंड नहीं है। ऐसे में यह नाकामी खुद प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाती है।'

पार्षद ने मांग की है कि इस मुद्दे को प्राथमिकता देते हुए बंद पड़े जिम को तुरंत शुरू किया जाए ताकि युवाओं, महिलाओं इसका लाभ ले सकें।

अमरिंदर सिंह भाजपा के जिला सचिव नियुक्त

पंचकूला (अप्रस)। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष द्वारा हाल ही में घोषित की गई कार्यकारिणी में पंचकूला सेक्टर 26 मदनपुर के अमरिंदर सिंह को जिला सचिव (मंत्री) नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा जिला पंचकूला के जिला सचिव का दायित्व सौंपे जाने पर वह हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया , प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली, संगठन महामंत्री फणींद्रनाथ शर्मा, पंचकूला के जिला प्रभारी रवि बतान तथा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल का प्रकट करते हैं। यह दायित्व उनके लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि एक सेवा का अवसर है। अमरिंदर सिंह ने कहा कि वह सभी के विश्वास और मार्गदर्शन से प्रेरित होकर संगठन को और अधिक सशक्त, संगठित व प्रभावी बनाने के लिए पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं ईमानदारी से कार्य करने के लिए तत्पर रहेंगे।

ढकोली के रूफटॉप रेस्टोरेंट में हवाई फायरिंग का वीडियो वायरल, युवक पर मामला दर्ज

जन्मदिन समारोह में दोनों हाथों से की ताबड़तोड़ फायरिंग, पुलिस ने शुरू की जांच

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 18 जुलाई। ढकोली क्षेत्र के एक रूफटॉप रेस्टोरेंट में जन्मदिन पार्टी के दौरान एक युवक द्वारा दोनों हाथों में पिस्तौल पकड़ कर ताबड़तोड़ हवाई फायरिंग करने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसके बाद पुलिस हरकत में आ गई और जांच शुरू कर दी गई है। इस मामले में पुलिस ने देर शाम आरोपी विक्रम शर्मा पर आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि युवक भीड़ के बीच खड़ा है और दोनों हाथों में पिस्तौल थामकर हवा में कई राउंड फायर करता है। इस दौरान रेस्टोरेंट में मौजूद अन्य लोग तालियां बजाते हुए नज़र आ रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर जैसे ही वायरल हुआ, लोगों में भय और रोष फैल गया।

स्थानीय लोगों ने इस तरह की हरकत को सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा बताया और संबंधित प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामला संज्ञान में लेते हुए जांच तेज कर दी है।

पुलिस ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर उक्त युवक की पहचान की जा रही है और उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। प्राथमिक जांच में पता चला है कि यह घटना एक जन्मदिन समारोह के दौरान हुई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

एनएसीपी डेटा विश्लेषण और वैज्ञानिक लेखन पर क्षेत्रीय क्षमता निर्माण पर हुई कार्यशाला

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 18 जुलाई। चंडीगढ़ स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से एक दो दिवसीय क्षेत्रीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का शुभारंभ किया। यह चंडीगढ़ में अपनी तरह की पहली पूर्णतः पेपरलेस कार्यशाला है, जो सरकार के डिजिटल स्वास्थ्य रूपांतरण के दृष्टिकोण को साकार करती है। इस आयोजन को यूटी चंडीगढ़ के स्वास्थ्य सचिव के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न किया गया।

सीएसएसीएस के परियोजना निदेशक ने बताया कि यह कार्यशाला पूरी तरह पेपरलेस रही, जो डिजिटल तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यशाला में नेको के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ सीडीसी इंडिया, यूएनएआईडीएस और आईटैक इंडिया जैसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के तकनीकी विशेषज्ञ शामिल हुए। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली और लद्दाख जैसे पड़ोसी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए प्रतिनिधियों ने भी इसमें सक्रिय भागीदारी की। स्वास्थ्य सेवाएं निदेशक, यूटी चंडीगढ़, डॉ. सुमन सिंह ने सभी प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत डेटा विश्लेषण और वैज्ञानिक लेखन में क्षमता निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। यह वित्तीय वर्ष 2025-26 में नेको द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशालाओं की श्रृंखला की चौथी और अंतिम कड़ी है।

तुम जियो हजारों साल

परमप्रीत कौर को उनके जन्मदिन पर परिवार व सगे संबंधियों की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं

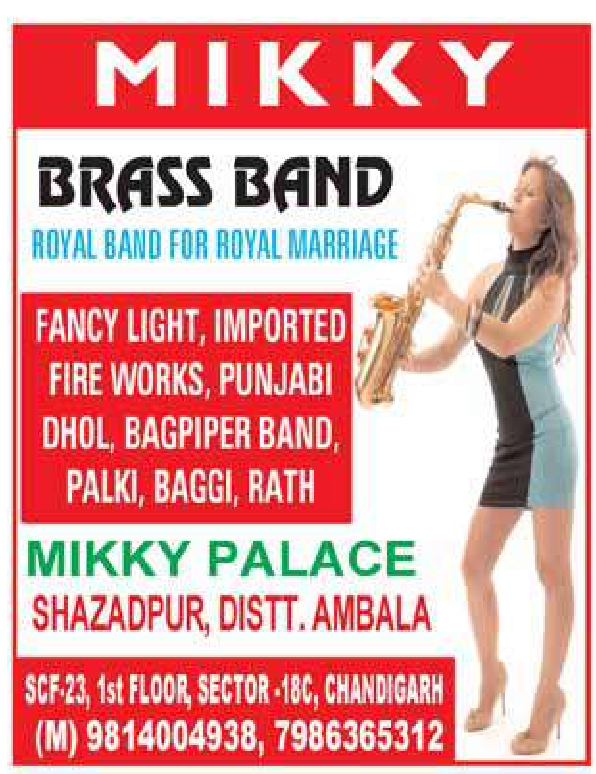

अर्थ प्रकाश न्यूज पेपर्स के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक महावीर जैन द्वारा 'अर्थ प्रकाश प्रेस' से मुद्रित एवं प्रकाशित तथा अर्थ प्रकाश कार्यालय अर्थ प्रकाश भवन, सैक्टर 29-डी, चण्डीगढ़ से जारी। प्रधान सम्पादक : **महावीर जैन,** सम्पादक एवं मुख्य संवाददाता **कैलाश चन्द जैन**
आर.एन.आई. पंजीक्रम : **42427/86** डाक पंजीक्रम : **G/CHD/0197/2021-23** फोन : 0172-2652743, 2638515, फैक्स 2653533 E-mail : arthparkash@gmail.com, arthparkashnews@gmail.com मुख्य सलाहकार : **हरीश चंद्र जैन,** एचसीएस (सेवानिवृत्त)